MUNTAKHABĀT-I-HINDĪ,

OR

SELECTIONS IN HINDUSTANI,

WITH

VERBAL TRANSLATIONS OR PARTICULAR VOCABULARIES,

AND A

GRAMMATICAL ANALYSIS OF SOME PARTS,

FOR THE

USE OF STUDENTS OF THAT LANGUAGE.

BY JOHN SHAKESPEAR,

ORIENTAL PROFESSOR AT THE HONOURABLE EAST-INDIA COMPANY'S MILITARY SEMINARY.

SECOND EDITION.

VOL. II.

LONDON:

PRINTED FOR THE AUTHOR,

By Cox and Baylis, 75, Great Queen Street, Lincoln's-Inn-Fields,

And sold by KINGSBURY, PARBURY, and ALLEN, Booksellers to the Honourable East-India Company, Leadenhall Street.

1825.

مُنْتخباتِ هِنْدي

هِنْدي زبان كي طالِبون كي فائِدي كي واسْطي

اِنْتخاب كِيا هُوا

جان شيكسپير كا

سنه ايك هزار آٹھ سَي پچِيس عِيسَوِي مين

مُطابِق سنه باره سَي چالِيس هِجْرِي كي

سرِ نَو سي چھاپا گُيا

دُوسْرِي جِلْد

LONDON:

Printed by COX and BAYLIS, 75, Great Queen Street, Lincoln's-Inn-Fields.

1825.

ADVERTISEMENT.

In the description of India which occupies a considerable portion of these selections, a few names of places have, on the authority of the خُلاصَةُ التَّوارِیخ been written differently from what they are in the آرایِشِ مَحْفِل: and such uncertainty exists with respect to the reading of some names of places and a few other provincial words, which have occurred in the Arabic characters without points only, that they are necessarily retained, as found, void of the orthographical marks to define the exact pronunciation of them. But, the like uncertainty with respect to the orthography of many proper names must continue to exist in all local descriptions of India, till, through the well directed attention of individuals or care of Government, the correct reading of them is ascertained, and is denoted in characters which, like the Nagari for instance, admit not of ambiguity. The indulgence of the reader is appealed to, to correct and to excuse the following errours or failures in the impression.

सफ़्ह़ः	सत्र	ग़लत़	सह़ीह़	सफ़्ह़ः	सत्र	ग़लत़	सह़ीह़
२	१४	चौकार	चौकोर	१७	२	मिद्दी	मिट्टी
३	४	पूल	फूल	१८	१	मिद्दी	मिट्टी
८	१६	मिद्दी	मिट्टी	२२	१२	भेरे	मेरे
१२	७	नहों	नहीं	३१	११	का	की
१३	१५	हागे	होगे	३४	३	रूपे	रूपै
१४	१९	बुक्ष	बृक्ष	४६	१३	में	मैं

CORRECTIONS.

صفحه	سطر	غلط	صحیح
۴	۸	تعمیر	تعمِیر
۵	۱۶	حوض	حَوض
۷	۱۲	چھوٹي	چھوٹي
۱۰	۱۵	کچھ	کُچھ
۱۲	٦	مرکز	مرکِز
۲۴	۱۴	مفسد	مفسِد
۲۸	۴	تشخیر	تسخِیر
۴۴	۱۲	وهانکي	وَهانکِي
۴۴	۱۲	قیامت	قِیامت
۵۰	۱٦	سابق	سابِق
۵۲	۱۵	پہ	پر
٦٦	۱٦	گھودیي	کھودِیي
۷۲	۵	که	کِه
۷۲	۱٦	تین	تِین
۸۱	۱۳	اُنکي	اُنکِي
۹٦	۱٦	نیت	نِیّت
۱۰۰	۱۵	بوئین	بوئِین
۱۰۰	۱٦	ر	اَور
۱۰۲	۱٦	اخنگ	ارخنگ
۱۰۹	۵	سریصاف	سِریصاف
۱۱۱	۱٦	اَلحکومت	اَلحکُومت
۱۱٦	۱۵	چھت	چھُت
۱۲۲	۱	مَوقُرف	مَوقُوف
۱۲۴	۳	خصوصا	خصُوصاً
۱۲۵	۱٦	پلشت	پِلشت
۱٦٦	۴	تھوڑي	تھوڑِي
۱٦۹	۹	جریب	جرِیب
۱۷۲	۲	لیگن	لیکِن
۱۸۱	۱۴	غرماني	غرمانِي
۱۹۴	۴	جداوند	خُداوند

यिह कहानी इन्तिख़ाब की गई है सिंहासन बत्तीसी में से ॥

राजाओं में एक राजा भोज उज्जैन नगरी का राजा था बड़ा बली और बड़ा धनी जस धर्म उस में सब था जित्ते लोग उस के राज में बस्ते थे सब चैन कर्ते थे राजा राज प्रजा सुखी किसी को कोई दुख नहीं दे सक्ता था यिह न्याव उस के था जो बाघ बक्री एक घाट पर पानी पीते थे और सब उस के आस्रे से जीते थे ख़ुदा ने जब से उसे दुन्या के पर्दे पर उतारा सब बेसहारों का किया सहारा और हुस्न उस का देख कर चौधवीं रात के चान्द को चकाचौंध आती थी बड़ा चतुरा सुघड़ गुणी था अच्छी अच्छी जित्ती बातें थीं सब उस में समाई थीं भलाई उस की सब जग में मशहूर थी और नगरी उस की यिह बस्ती थी जो चप्पा रखने को जगह नहीं मिल्ती थी ॥

वुह भरा भरा नगर शादियां घर घर नये नये तौर के अच्छे अच्छे मकान बने हूए चौपड़ का बाज़ार दर्मियान नहर बहती हूई दुरस्तः दूकानों में एक एक उन में दूकान दार सर्राफ़ बज़्ज़ाज़ सौदागर कारीगर सुनार लुहार सादः कार कसेरा पटुआ किनारी बाफ़ कोफ़्तगर जिलाकार आईनः साज़ अपने अपने काम में सर गर्म था ॥

जौहरी बाज़ार में जवाहिर से किश्तियां भरी हूई मोती मूंगा ज़ुमुर्रद लअ़ल याक़ूत नीलम पुखराज जौहरी देखते भाले और ख़रीदारों से बाज़ार का बाज़ार भरा हूआ और उस के बराबर दूकानों में मेवःफ़रोश विलायती अनार सेब बिही नाशपाती अंगूर से पिटारे पिटारियां भर कर लगाये हूए और ढेर छुहारे पिस्ते बादामों के किये हूए बेंच रहे फूलवाले फूल गूंध रहे॥

तंबोली बीड़े बांध रहे गंधियों की दूकानें तेल फुलेल अ़त्र अर्गजे की लपटों से महक रहीं और सुपारी वाले दूकानों में पुड़े बुन धनिये सुपारी के बांध कर लगाये हूए डिब्बे मअ़जूनों के आगे धरे सुपारियां कतर रहे बिसाती हर रंग की जिन्स दूकानों में चुने हूए मोल गाहकों से कर रहे॥

चौक चौकार बना हूआ मीना बाज़ार लगा हूआ तीसरे पहर की गुज़री लगी हूई अस्बाब तरह तरह का नया पुराना बेचने वाले बेच रहे और लेनेवाले मोल ले रहे गर्म बाज़ारी हर एक चीज़ की हो रही कटोरे हर तरफ़ बाज रहे॥

कहीं नाच कहीं राग कहीं भगत कहीं नक़ल कहीं क़िस्सः

हो रहा मअ़शूक़ बाज़ार में सैर कर्ते हूए आशिक़ पीछे पीछे फिर्ते हूए दिन रात यिह समां वहां रहता था बाग़ बाग़चे सैर ओ तमाशे को बने हूए दरख़्त मेवों से झूमते हूए और फूल क्यारियों में खिले हूए ॥

तालाबों में कंवल फूले हूए बावलियों में पानी झलक्ता हूआ हरएककूए पर रहट चल्ता हूआ पनघट लगा हूआ और राजा के चौरासी ख़ास महल ऊंचे ऊंचे दर्वाज़े ख़ुश क़ित़अ़ः चार दीवारियां सीधी खिंचीं हूइयां चारों त़रफ़ उन के बाहर अन्दर मकान अनूठे अनूठे बने हूए ॥

कोठरियां दालान दर दालान बारहदरियां बालाख़ाने चौमहल्ले पचमहल्ले रंगमहल ऐशमहल अटारियां बंगले तैयार चिल्वनें पर्दे हर हर दर पर लगे हूए फ़र्श चान्दनी सोज़नी क़ालीनों का जाबजा बिछा हूआ मस्नद तक्ये लगे हूए शहनिशीनों में दंगल और कुर्सियां सोने रूपे की जड़ाऊ बिछी हूई त़ाक़ों पर शीशे बेद मुश्क गुलाब के चुने हूए सायबान ताश बादले के खिंचे हूए नमगीरे बअ़ज़ी बअ़ज़ी जगह अप्ने अप्ने मौक़अ़ पर खड़े हूए ॥

सह़न में क्यारियां बनी हूई चौपड़ की नहरें पानी से भरी हूई लहरें लेती हूई हौज़ बेदमुश्क गुलाब से भरे हूए

फ़ौवारे छूटते हूए चादरों से पानी बहता हूआ आब जोए चारों तरफ़ जारी सर्व खड़े हूए और छोटे छोटे दरख़्त लगे हूए रविशें पट्टियां सब दुरस्त फूल हज़ारों रंग के क्यारियों में फूले हूए हर हर महल में एक एक रानी ऐश ओ काम्रानी से राजा का दिल हाथों में लिये रहती थी नाच राग रंग रात दिन होता था और वुह आप यिह सुघड़ था जो बात बात में मोती पिरोता और नौ क़िस्म के साहिबि कमाल जैसे नौ रत्न उस की मज्लिस में हाज़िर रहते थे॥

राजा इंद्र उस की सभा को देख कर रश्क की आग से जल्ता था और उस का अखाड़ा हस्तत के मारे हाथ मल्ता था रंडी मर्द उस की सूरत पर दीवाने थे जिस ने एक बार उसे देखा आप में न रहा जिस ने उस की ख़ूब सूरती का बयान सुना बे चैन हूआ जोबन के मद में सर्शार मोहन का औतार नौ जवान चातुर साहिबि तद्बीर॥

उस नगरी में वुह राजा यों राज कर्ता था उस की सैर और तमाशे को शहर के किनारे बाग़बानों ने कोसों तक क्यारियां बनाई थीं और हर रंग के फूलों की बहारें दिखाई थीं और उन के बराबर एक खेत में किसी मुराई

ने खीरे बोए थे जब वे उगे बेलें तमाम खेत में फैल गईं और ख़ूब हर्यावल हूआ ज़र्द ज़र्द फूलों ने और ही बहार दी॥

जब वुह खेत फला और तैयारी पर आया तब उस खेत वाले ने रखवाली को एक मकान तज्वीज़ किया देखा दर्मियान उस खेत के एक चौका ज़मीन का ख़ाली रह गया है कि न कुछ जमा है न उपजा है रखवाली कर्नें को गिर्द इस्तादे लगाकर उपर एक मचान सा बांधा उस पर चढ़ कर चारों तरफ़ निगाह कर्ते ही कहने लगा कोई है इसी वक्र भोज को गढ़ से पकड़ लावे और सज़ा को पहुंचावे॥

राजा के नौकरों में से एक ने इस बात को सुन्तेही टांग पकड़ कर उसे नीचे गिरा दिया और मुंह हीं मुंह थपेड़े मार मार सारा मुंह सुजा दिया कान पकड़ कर उठाया और बिठाया ग़ुरूर का निशः जित्ना उसे चढ़ा था सब उतर गया तौबः धाड़ कर्के पांओं पड़ा और कहने लगा मैं ने क्या ऐसी तक़्सीर की जो मुझ पर यिह मार पीट हूई॥

इधर उधर की राह बाट के लोग जो वहां इकठे हूए

थे उन्हों ने कहा तूने ऐसी बात मुंह से निकाली अगर राजा सुने अभी तुझे तोप के मुंह पर रखकर उड़ा दे सुन्तेही वुह गिड़गिड़ाने लगा रहे सहे होश ओ हवास और भी जाते रहे जान के उर से घबरा दम उस का होंठों पर आ रहा मिन्नत और ज़ारी से बारे छूट गया॥

राजा के उस फ़िद्वीने वहां से घर की राह ली पर वुह जब उस मचान पर चढ़ता तो ऐसी बक्वास किये बिन न उतरी एक दिन चार हर्कारे राजा ने एक काम को किसी तरफ़ भेजे थे वे रात को उधर से फिरे हुए चले आते थे और वुह मचान पर चढ़ा हुआ बक रहा था कि बुलाओ हमारे दीवान और अहलि कारों को कि इस जगह ख़ासे ख़ासे महल और एक गढ़ बनावें सब सरंजाम लड़ाई का उस में जमअ़ करें कि मैं राजा भोज से लड़ूं और मारूं जो मेरी सात पुश्त का राज यिह राजा करता है॥

यिह सुन्तेही उन चारों हर्कारों को अचम्भा हुआ और एक एक को उन में से ग़ुस्सः आया एक ने ग़ज़ब से कहा इसे जान से मारो दूसरे ने कहा इसे तंबीह करें मुश्कें बांध राजा ही के पास ले चलो वुह इस के हक़ में जो चाहे सो करे तीसरे ने कहा इस ने शराब पी है मत्वाला है जो मुंह

में आता है बक्का है चौथे ने कहा फिर समझा जायगा अब जाने दो देर होगी ॥

आपस में यिह बात कह कर राजा के पास गये पहले मुजरा किया और जहां भेजा था वहां का अहवाल अर्ज़ किया राजा ने सुन कर पूछा हमारे राज में सब लोग ख़ुश रहते हैं और अपने अपने घर में बैठ कर हमारे हक़ में क्या क्या कहते हैं तब उन्हों ने हर एक का अहवाल कहकर वुह क़िस्सः राह का जो सुना था बयान किया और कहा कि अजब असर उस मकान का है कि जब वुह उस मकान पर चढ़ता है एक रुनत उस पर चढ़ जाती है और जब वुह वहां से उतरता है निशः सा उतर जाता है फिर अपनी हालति असली में आता है ॥

राजा ने कहा तुम मुझे वहां लेचलो और उसे दिखाओ कि वुह जगह कौन सी है तब राजा ख़ुशी ख़ुशी उठ हर्कारों को लेकर उस मक़ाम पर गया वहां छिपकर चुपके कहीं बैठ रहा इत्ने में क्या सुन्ता है कि वुह मचान पर पांव रखतेही कहने लगा लोग जल्दी जाएं और राजा भोज को गढ़से पकड़ लावें मारें उस से जल्दी मेरा राज ले दें इस में जस और धर्म दोनों उन्हें होगा ॥

सुन्तेही राजा को ख़ौफ़ आया हर्कारों को साथ लेकर घर को फिर आया रात को फ़िक्र के मारे नींद न आई सात पांच कर के जों तों वुह रात गंवाई सुबह होतेही अष्णान कर के दर्बार किया पंडितों को और नुजूमियों को बुलाया और रात का सब अफ़्सानः ज़बान पर लाया ॥

नुजूमियों ने घड़ी साअ़त और वुह दिन बिचार कर के कहा राजा हमारे बिचार में कुछ वहां लक्ष्मी का लक्षण नज़र आता है और पंडितों ने कहा इस मकान में बहुत दौलत है ॥

सुन्तेही राजा ने तमाम उस शहर के बेलूदारों को हुक्म किया कि लाख बेलूदार वहां जाओ और उस मक़ाम की तमाम ज़मीन खोदो वे बमूजिब हुक्म के रवानः हूए बअ़द उन के सब अपने मुसाहिबों को भेजा और आप भी सवार होकर वहां आया ॥

बेलूदारों ने जब चारों तरफ़ से खोदा और वहां की मिट्टी दूर की एक पाया नज़र आया तब राजा ने फ़र्माया अब ख़बर्दारी से खोदो टूट न जाय जब खोदते खोदते चारों पाए सिंहासन के नज़र आये राजा ने कहा अब इसे बाहर निकालो ॥

लाख मज़दूर उठाते थे और ज़ोर करते थे ज़रा भी वुह जगह से न हिला था तब उन में से एक पंडित ने अर्ज़ की महाराज यिह सिंहासन देवताओं का या दानाओं का बनाया हूआ है यिह जगह से न हिलेगा और न उठेगा बल लेगा इस को बल दीजिये ॥

तब राजा ने कड़ोड़ भैंसे और बक्रे वोंहीं बल दिये चारों तरफ़ बाजे बज्ने लगे और जैजैकार होने लगे तब बल लेकर हाथ लगाते ही वुह सिंहासन उपर को उठ आया झाड़ बुहार कर एक ज़मीनि पाकीज़ः पर रख दिया राजा सिंहासन देख कर बहुत ख़ुश हूआ जब उस की मिट्टी झुड़ाकर गर्द ओ ग़ुबार दूर कर धोया और पोंछा ऐसा चमक्ने लगा कि आंख किसी की उस पर न ठहर्ती थी जिस ने उस जड़ाउ सिंहासन को देखा उसे ख़ुदा की क़ुद्रत का तमाशा नज़र आया कारीगरों ने ऐसा बनाया था कि किसू ने न देखा न सुना ॥

आठ आठ पुत्लियां चारों तरफ़ बनी हूई थीं और एक एक फूल कंवल का हर एक के हाथ में था अगर सुर या मुन उसे देखें भैचंक हो जावें राजा ने तमाम कारीगरों को बुलाकर फ़र्मायी जित्ने रूपए ख़र्च हों ख़ज़ाने से ले

लो जहां जहां का जवाहिर जाता रहा है जड़ कर जल्दी तैयार करो॥

यिह कह कर राजा महल में दाख़िल हूए सिंहासन बन्ने लगा पांच महीने में सब तैयार हूआ और पुत्लियां ऐसी बन कर खड़ी हूइयां गोया अभी बोलीं हैं और चलीं हैं ग़रज़ सिर से पांव तलक ख़ूबियों में भरी हूई आंखें हिरन की सी कमर चीते की सी पांव का यिह अंदाज़ जैसी हंस की चाल जिन्हों ने सूरत उन की देखी अपी आंखों की पुत्लियों में जगह दी॥

तब पंडित राजा से सिंहासन की हक़ीक़त कहने लगे राजा सुन मनी जीना इख़्तियार ख़ुदा के है पर इन्सान को चाहिये जीते जी सब ज़िन्दगी का ऐश कर ले यिह राजा सुन कर बहुत ख़ुश हूआ और कहने लगा शायद ये पुत्लियां ख़ुदा ने अपने हाथ से बनाइयां हैं या इंद्र के यहां की परियां हैं॥

यिह कह कर पंडितों को हुक्म किया नेक साअ़त अच्छी लग्न बिचारो जो मैं उस साअ़त सिंहासन पर बैठूं सुन्तेही पंडितों ने बिचार किया कातिक महीने में एक दिन शुभ लग्न ठहराई सब जोग उस के अच्छे थे कहा कि उस साअ़त तुम बैठो॥

राजा ने बैठने की तैयारी की जित्ने राजा उस के राज के थे और पंडित और क़राबती दूर और नज़दीक के उन्हें न्योता भेज कर बुलाया और आप अश्नान कर्के अच्छे कपड़े पहने पंडित बेद पढ़ने लगे और गंधर्ब गीत गाने लगे भाट जस बयान कर्ने लगे और त़रह़ त़रह़ के बाजे बज्ने लगे हर हर महल में शादियां नाच राग रंग मचे जित्ने लोग आये थे उन सब की ज़ियाफ़त की ब्राह्मणों को बृत्ति गांव भूखों को खाना और रुपए नंगों को कपड़ा और माल अस्बाव रऐयत को बख़्शिश और इन्आम तमाम शह्र में ख़ैर ख़ैरात फ़ौज को ख़िल्अत और इज़ाफ़े हम्निशीनों पर त़रह़ त़रह़ की मिहर्बानियां नवाज़िशें और जित्ने लोग उस सभा में इकठे हूए थे जैजैकार कर्ते थे और ख़ुदा का नाम लेते थे॥

बीच में सिंहासन धरा था राजा ख़ुशी ख़ुशी गणेश को मनाता हूआ सिंहासन के पास जाकर खड़ा हूआ दाहिना पांव बढ़ाकर चाहा कि उस पर रखे बेइख़्तियार पुत्लियां खिल्खिला कर हंसियां और सब ने यिह देखा राजा अप्ने दिल में कटा रुक्कर निहायत शर्मिंदः हो कुछ दहशत खाई कुछ उसे अचम्भा हूआ कि ये बेजान

पुतलियां जान्दार क्यूं कर हूइयां तैश खाकर ग़ज़ब में आकर पांव उधर से खेंच लिया और पुतलियों से कहने लगा॥

क्या देखा और क्यूं हंसियां मुझ से बयान करो क्या मैं बली या राजा का बेटा या सख़ी नहीं या क्षत्रियों में काइर हूं या ना मर्द हूं या बेरहम हूं या और राजा मेरे हुक्म में नहीं या मैं पंडित नहीं या मेरे यहां पद्मिनी रानी नहीं या मैं राज नीति नहीं जान्ता या मैं किसी की मज्लिस में नीचे होकर बैठा फिर किस बात में ना लाइक़ हूं मेरे दिल में शक्क पड़ा है सो मुझे बताओ ये बातें राजा की सुनकर उन्ह में से

पह्ली पुतली रत्नमंजरी बोली

राजा दिल लगाकर मेरी बात सुनो और यिह क़िस्सः मैं तुम से बयान कर्ती हूं तुम गुण गाहक और क़द्रदान हो जो तुम ने बातें कहीं सब दुरुस्त हैं सूरज से भी तुम्हारे ग़ज़ब की आग का शुअलः बुलन्द है पर इत्ना दिमाग़ मत करो पुराणी कथा सुनो इस दुन्या का अन्त नहीं ख़ुदा ने इस में क़िस्म क़िस्म और रंग रंग के जवाहिर पैदा किये हैं एक एक क़दम पर दौलत का गंज है और एक एक

कोस पर आबि हयात का चश्मः पर तुम कम बख़्त ही तुम ने नहीं पहचाना अपने दिल में क्या समझे हो ॥

तुम जैसे इस दुन्या में कड़ोड़हा पड़े हैं तुम ने इत्ने ही में मग़रूर होकर अपने तईं भुला दिया और यिह जिस का सिंहासन है उस राजा के यहां तुम जैसा एक एक अद्ना नौकर था ॥

यिह सुन कर राजा को ग़ुस्सः आया और कहने लगा इस सिंहासन को अभी मैं तोड़ डाल्ता हूं इत्ने में बररूच पुरोहित राजा का बोला राजा यिह इन्साफ़ से दूर है पुत्ली की बात कान से सुन लो और जो कुछ करना हो फिर कर लीजो राजा ने कहा तू इस का अहवाल कह तब पुत्ली बोली ॥

मैं क्या माजरा कहूं इत्ना ही सुन तुम जल कर ख़ाक हो गये और जब तमाम हक़ीक़त उस राजा की सुनोगे तो और शर्मिन्दः होगे अपने दिनों को रोओगे लोगों के आगे भी हल्के होगे इस कहवाने से नकहवाना भला है हम तो उसी रोज़ मर चुकी थीं और सिंहासन फट चुका था जिस रोज़ से कि हम राजा बिक्रमाजीत से बिछड़ी थीं अब हमें क्या उर है ॥

इत्ने में दीवान राजा का पुत्तली से कहने लगा किस लिये तू अपने राजा का बयान नहीं करती मुस्: छोड़ दे अब बात कर क्यूं वुह भेद छिपा रखा है तब पुत्तली बोली कि साके बंध राजा बड़ा बली था और नगर अंबावती में राज करता था बड़ा उस का दब्दबः था देवताओं का पूज्नेवाला और तमाम दुन्या का दान देनेवाला आगे मैं उस की कथा कहती हूं राजा कान धर्के सुनो॥

शामस्वयंबर उस नगरी का राजा था ज़ात का ब्राह्मण पर बड़ा राजा हूआ तब गंधर्बसैन उस का नाम हर तरफ़ बज्ने लगा और उस के घर में चार बरन की रानियां थीं ब्राह्मणी क्षत्रनी बैसनी सूद्रनी उन में जो ब्राह्मणी थी बहुत अच्छी सूरत और नाज़ुक थी उस के एक बेटा हूआ सो बड़ा पंडित हूआ ब्रह्मनीत उस का नाम रखा॥

ऐ राजा वैसा कोई दुन्या में पंडित न था जित्ने इल्म थे सब उस ने पढ़े थे यहां तक कि मौत का भी अहवाल कह देता और क्षत्रनी से तीन बेटे हूए उन्हों ने क्षत्रियों का धर्म इख़्तियार किया एक का नाम संख दूस्रे का नाम बिक्रम तीस्रे का नाम भरत एक से एक बली सब जग में उन का नाम मश्हूर था और उन्हें कल्प बुक्ष दुन्या के लोग

कहते थे और बैसनी से बेटा जो हूआ उस का नाम चंद्र रखा वुह बड़ा सख़ी और रह़म दिल था सूद्रनी से जो बेटा हूआ उस का नाम धन्वंतर बैदों में वुह बड़ा बैद था छः बेटे राजा के हूए एक से एक अच्छा॥

ग़रज़ अमरसिंह के घराने में सब के सब ख़ूब हूए और वुह जो ब्राह्मणी से हूआ था वही राजा की दीवानी कर्ता था उस से जब कोई तक़्सीर हूई तब राजा ने ख़िम्मत ले ली वुह लड़का वहां से निकल कर धारापुर में आया॥

हे राजा वहां सब तुम्हारे बुज़ुर्ग थे उसे उन्ह सभों ने माना बड़ी आवभगत की वहां का राजा तुम्हारा बाप था कित्नी मुद्दत के बअ़द उस ने दग़ा करके उस राजा को मार डाला वहां का राज लेकर उज्जैन नगरी में आया और यहां आकर मर गया॥

संख जो राजा का बड़ा बेटा क्षत्रनी के पेट का था वुह आन कर वहां का राजा हूआ राज करने लगा और आगे यिह अह़्वाल है॥

एक रोज़ पंडितों ने आकर राजा संख से कहा कि तेरा दुश्मन दुन्या में पैदा हूआ है यिह बात सुन कर वुह

भैचक रह गया ब्राह्मण कहने लगे हम सब ने शास्त्र देखा है उस से यही अहवाल निकला है जो हम ने तुम से कहा मगर एक बात और है कि हम उसे मुंह से निकाल नहीं सक्ते तब राजा ने कहा ख़ैर जो तुम ने वुह बात कही यिह भी कहो तब उन्हों ने कहा ॥

हमारे बिचार में यिह आता है कि संख को मार कर बिक्रम राज करे यिह बात सुन कर राजा हंसा और कहने लगा ये पंडित बावले हैं इन्हें कुछ ज्ञान नहीं इस लिये ऐसी बात कहते हैं यिह बात सुनी अन सुनी जान्कर राजा चुप रहा पंडित अपने दिल में शर्मिन्दः हूए कि हमारे शास्त्र को इन्ने झूठ जाना और हमें दीवानः ठहराया ॥

जब कित्ने एक दिन इस पर गुज़रे पंडित अपने मकानों में बैठ कर नुजूम देखने लगे उन्हीं में से एक पंडित बोला मेरे बिचार में यिह आता है कि राजा बिक्रम कहीं नज़दीक आन पहुंचा है तब दूसरा उन में से बोला यहां के किसी जंगल में है और एक उन्ह में से कहने लगा उस जंगल में एक तालाब भी है वहीं अखाड़ा कर्के रहा है तब एक ब्राह्मण उन्ह में से उठ खड़ा हूआ और जंगल को चला ॥

वहां जाकर क्या देखता है कि एक तालाब पर राजा बिक्रम तपस्था करता है मिट्टी का एक महादेव बनाकर पूजता है और दंडवत कर रहा है॥

यिह देख कर पंडित उल्टा फिर आया सब पंडितों को लेकर राजा के पास गया राजा से कहने लगा तुम हमारे शास्त्र को झूठ जान्ते थे और अब हम देख आये फ़लाने जंगल में राजा बिक्रमाजीत आन पहुंचा राजा संख उस रोज़ सुन कर चुप रहा उस की सुबूह को उठा और उस बन में जातेही छिप कर देखने लगा कि वुह क्या करता है॥

जहां राजा बिक्रमाजीत बैठा था वहां से वुह उठा और तालाब में नहाकर फिर अपने आसन पर बैठा और उसी तरह से महादेव की पूजा करने लगा और यिह राजा भी निकल कर वहां खड़ा हूआ जब वुह महादेव की पूजा कर चुका तब उसी महादेव पर इस ने पेशाब किया॥

जितने राजा के साथ लोग थे कहने लगे इस की अक्ल मारी गई है कि पूजे हूए देवता पर इस ने मूता एक पंडित उन्ह में से बोल उठा महाराज यिह तुम ने क्या किया तब वुह बोला हम ज़ात के ब्राह्मण हैं देवता को पूजें

या मिट्टी को तब ब्राह्मणों ने कहा राजा कुछ हम अच्छा नहीं देखते क्यूं कि तुम्हारी मत कुमत होगई जब मर्गे के दिन आग्नी के नज़दीक आते हैं तो उस की मत मारी जाती है ॥

तब राजा बोला तुम दीवाने हो और मुझे भी बावला बनाते हो जो ख़ुदा ने लिखा है वही होवेगा उसे कोई मिटा नहीं सक्ता सब पंडित आपस में कहने लगे इस राजा ने क्या अप्ना अकाज किया तब राजा संख ने बिक्रम के मार्ने की यिह फ़िक्र की सात लकीरें कोयले से जादू की काढ़ीं और उस पर भुस फैला दिया जो उसे मज़लूम न्हो और उन्ह लकीरों का यिह गुण था जो उस पर पांव धरे बावला हो जाय और एक खीरा मंगाकर जादू किया और एक छुरी पढ़ कर हाथ में रखी ॥

उस छुरी खीरे का यिह असर था जो उस छुरी से वुह खीरा काटे उस का सिर कट जाय पंडितों से कहा उसे बुलाएं उन्ह लकीरों पर पांव धर के जो आवेगा दीवानः हो जायगा बावला होकर यिह खीरा जो हाथ से लेकर काटेगा तो सिर उस का कट जायगा जित्ते क्षत्री राजा के साथ थे अप्ने दिल में फ़िक्रमंद हूए कि इस राजा ने दग़ा यहां की यिह क्षत्रियों का धर्म नहीं ॥

राजा ने बिक्रमाजीत को बुलाया कहा हम तुम बैठ कर एक जागह खीरा खावें वुह राजा जोगी था और सब इल्म जान्ता था उन्ह लकीरों से बच कर सिंहासन के पास जा खड़ा रहा खीरा और छुरी उस के हाथ से ले ली दाहिने हाथ में छुरी रखी और बायें हाथ में खीरा लिया राजा संख ग़ाफ़िल था फुर्ती कर्के उसे छुरी मारी राजा का काम तमाम किया॥

यिह बात रत्नमंजरी ने ज़ाहिर की राजा भोज तू इस बात को सुन ख़ुदा जो रहम करे तो तिन्के से पहाड़ करे और ग़ज़ब करे तो पहाड़ से तिन्का किताब में जो लिखा है वुह झूठ नहीं होता जब मा के पेट में इन्सान आता है चार बातें साथ लाता है नफ़ा नुक़सान दुख सुख तीन लोक और चौदः तबक़ में फिरे लेकिन क़िस्मत का लिखा नहीं मिटता॥

भाई को मारा दिल में ख़ुश हूआ उस के लहू का माथे पर टीका दिया उठकर सिंहासन पर बैठा और चंवर झलवाया उस राजा की रानी उस के साथ सती हूई यिह राजनीति से न्याव कर्ने लगा और जित्ने राजा उस के राज के थे सब सुन्कर ख़ुश हूए मुजरे को आये दोनों वक़

दर्बार में हाज़िर रहने लगे इसी तरह से राजा राज करने लगा॥

कित्ने दिनों के बअ्द एक दिन राजा शिकार को चला कुत्ते बाज़ बह्री और जित्ने शिकारी जान्वर थे साथ लिये और जित्ने साथ में अच्छे अच्छे गुल्चले और तीर अन्दाज़ थे साथ लिये जाकर एक जंगल में पहुंचे हिरन के पीछे राजा ने घोड़ा डाला॥

राजा आगे बढ़ गया साथ कोई न पहुंचा एक बड़े जंगल में राजा जा निक्ला और वहां जाकर सोच करने लगा कि मैं कहां आया राह भी भूला और साथ भी गंवाया इत्ने में जो निगाह की एक बड़ा दरख़्त देखा उस दरख़्त की फुनंग पर चढ़ गया और वहां से देखने लगा जंगल ही जंगल नज़र आता था मगर एक तरफ़ जो देखा एक शह्र नज़र आया उस को देख कर राजा को एक ढाड़स सी बन्धी॥

वुह नगर जो देखा निहायत आबाद है कबूतर वहां उड़ रहे हैं चीलें मंड्ला रहीं हैं सूरज की झलक से हवेलियों के कलस चमक रहे हैं अप्ने जी में कहने लगा यिह नया शह्र मैं ने देखा कल इसे छीन लूंगा और उस नगर के राजा

का दीवान जिस का नाम लूतबरन था वुह कौवे के भेस में रहता था उस तरफ़ से उड़ा हूआ जाता था उस ने यिह राजा के मुंह से बात सुनी बहुत दिल में ख़फ़ा हूआ ग़ुस्से से उस के मुंह में बीट कर दी॥

राजा ग़ज़ब में आया इत्ने में लोग कुछ उस के वहां आन पहुंचे उन के साथ होकर अपने शह्र में दाख़िल हो दीवान को हुक्म किया जहान में जहां तलक कौवे हैं पकड़ लावें यिह सुन्तेही चारों तरफ़ बहलिये दौड़े और कौवे पकड़ पकड़ लाये और पिंजरों में बंद किये॥

राज़ा ने जाकर उन्ह कौवों से कहा ऐ चंडालो वुह कौन सा कौवा था जिस ने हमारे मुंह पर बीट की तुम सच कहोगे तो हम छोड़ देंगे नहीं तो सब को मार डालेंगे यिह सुन्कर सब बोले महाराज हम में कोई कौवा नहीं रहा जो पकड़ा नहीं आया और वुह काम हम से नहीं हूआ तब राजा ज़ियादः ख़फ़ा हूआ कि तुम सब के सिवा वुह कौन कौवा है कि जिस ने यिह काम किया॥

तब उन्हों ने कहा महाराज सच पूछते हो तो हम कहते हैं बाहुबल एक राजा है मश्रिक़ से मग़्रिब तलक उस का राज है और उस का दीवान लूतबरन बड़ा दाना बहुत

होश्यार पंडित है वुह कौवे के भेस में रहता है यिह काम उस का हो तो हो क्यूं कि कौवे की सूरत एक वुह बच रहा है तब राजा ने कहा वुह किस तरह आवे उस का कुछ समझ कर मुझे इलाज बताओ कोई तुम्हारे यहां से वकील जाय और उस को लेआय तुम अपने यहां से दो कौवों को भेज दो वे जाकर ले आवें॥

उन्हीं में से दो कौवे वहीं गये उन्ह की लूतबरन ने बहुत सी आवभगत की और कहा तुम यहां किस लिये आये हो तब वे बोले महाराज तुम्हारे बग़ैर हम सब कौवे मारे जाते हैं जो तुम राजा बिक्रमाजीत पास चलो तो सभों की जानें बचें तब लूतबरन बोला धन्य भाग जो तुम मेरे पास अपना मतलब समझ कर आये हो जो कुछ काम मुझ से होगा मैं कमी न करूंगा॥

यिह कह कर अपने राजा पास आया और राजा से हुक्म लेकर उन के साथ गया जब सब कौवों ने उस दीवान को देखा तब राजा से कहने लगे जिस का हम नाम लेते थे वुह यही है राजा ने देखकर उसे आदर करके आधी गद्दी पर बिठाया और क्षेम कुशल पूछी वुह दुआ देकर बोला किस लिये आपने मुझे याद किया और किस वास्ते

इन सब को बन्द में दिया जब लूतबरन ने यिह बात पूछी तब राजा कहने लगा मैं एक दिन शिकार को गया था इत्तिफ़ाक़न जंगल में राह भूल गया तब एक पेड़ पर चढ़ कर चारों तरफ़ देखने लगा कि एक कौवे ने मुझ पर बीट कर दी इस लिये मैं ने सब कौवों को बन्द किया जब तक कि उन्ह में से कोई सच न कहेगा एक कौवा इन में से न छोड़ूंगा बल्कि जान से सब को मारूंगा॥

फिर लूतबरन बोला महाराज यिह काम मेरा है जब तुम्हें मैं ने मग़रूर देखा तब मुझे ग़ुस्सः आया अक़्ल मेरी उस वक़्त जाती रही यिह सुन्कर राजा हंसा और बिगड़ कर कहने लगा मुझे ग़ुरूर क्यूं नहो राजा मैं हूं दाता मैं हूं सिपाही मैं हूं और कौन सी बात मुझ में नहीं तुम कहो तब वुह बोला जो नगर तुम ने नज़र भर देखा उस का मैं सब बयान करती हूं॥

राजा बाहुबल वहां का क़दीम राजा है और गन्धर्वसैन बाप तुम्हारा उस का दीवान था राजा को उस की तरफ़ से कुछ बे इज़्ज़तिबारी हूई तब उसे छुड़ा दिया वुह नगर अंबावती में आया और उस जगह का राजा हूआ उस का बेटा तू बिक्रम है तुझे जग में कौन नहीं जान्ता पर

जब तलक राजा बाहु तुझे राज तिलक न देगा तब तलक तेरा राज अचल न होगा और वुह जो ख़बर पावेगा वोंहीं चढ़ दौड़ेगा और तुझे आकर एक घड़ी में ख़ाक के बराबर कर देगा तुझे जो मैं मसलहत दूं उसे मान और किसी तरह से उस राजा के पास जा राजा को मुहब्बत दिलाकर तिलक उस से ले जिस से अचल राज तू करे॥

राजा बिक्रम बड़ा अक्ल मन्द था इस बात पर क़ाइम रहा ऐसी सख़्त सख़्त बातें लूतबरन से सुन्कर कुछ दिल में न लाया हंस्कर कान देकर सब सुनीं फिर लूतबरन ने कहा जो तुम्हें चलना है तो हमारे ही साथ चलो और पंडितों से अच्छी साअत दिखाकर चलने की तैयारी करो॥

दूसरे दिन सुबह के वक़ राजा लूतबरन मंत्री के साथ होकर चला और राजा बाहुबल के नगर में पहुंचा तब उस दीवान ने राजा से कहा यहां तुम बैठो और मैं अपने राजा को तुम्हारे आने की ख़बर दूं यिह बात राजा से कहकर अपने राजा के मंदिर में गया उस को सलाम किया और सब समाचार और अपनी हक़ीक़त समेत राजा का अहवाल कहने लगा॥

महाराज गन्धर्वसैन का बेटा बिक्रम आप के दर्शन के लिये आया है यिह बात राजा ने सुन्कर तुर्त बुलाया तब वुह दीवान राजा को लेगया और अप्ने राजा से मिलाया राजा उस से उठ कर मिला और आदर कर्के आधे आसन पर बिठाया क्षेम कुशल पूछी बज़द उस के रहने के लिये मकान बताया राजा उठ्कर उस मकान में आया वहां रहने लगा जब दस पांच दिन बीत गये दीवान से राजा बिक्रम ने कहा हमें तुम बिदा कर्वा दो तो हम अप्ने स्थान को जायें ॥

तब मंत्री कहने लगा हमारे राजा का यिह सुभाव है जो उन से मिलने को आता है उसे आप से रुख़सत नहीं कर्ते तुम रुख़सत मांगो और जिस बात की ख़्वाहिश हो सो मुझे कहो अप्ने जी में कुछ शर्म न करो तब राजा बोला मुझे कुछ नहीं चाहिये जो कोई जो बर चाहे मुझी से लेतब दीवान बोला राजा यिह हमारी बात सुनो इस राजा के घर में एक सिंहासन है सो वुह सिंहासन पहले महादेव ने राजा इंद्र को दिया था और उस राजा ने इस को दिया उस सिंहासन में यिह गुण है जो उस पर बैठे सात दीप और नौ खंउ पृथ्वी का अजीत राज करे और बहुत सा

ज़वाहिर उस में जड़ा है और बत्तीस पुत्तलियां भी कि अमृत देकर उन को सांचे में ढाला है लगी हैं तुम रुख़सत होते हूए वुह सिंहासन राजा से मांगो कि उस पर बैठकर आनन्द से राज करोगे ॥

यिह राजा को दीवान ने सलाह दी और सुबह को राजा के दर्बार में दीवान गया ख़बर दी महाराज बिक्रम रुख़सत होता है बाहर खड़ा है ॥

यिह सुन्कर राजा फ़िल्फ़ौर दर्वाज़े पर आया और बिक्रम ने देखूकर अप्ना माथा निवाया राजा ने बिक्रम से कहा जो तुम्हारे जी में आवे सो मांगो मैं ख़ुश होकर वोही दूंगा बिक्रम बोला महाराज जो आप ने मुझ पर दया की है तो वही सिंहासन मुझे बख़्शो ॥

यिह बात सुन्कर राजा बोला अच्छा सिंहासन तो हम ने तुम्हें दिया पर यिह काम मंत्री का है इसे तुम नहीं जान्ते थे यिह कहकर सिंहासन मंगाया और पान तिलक देकर उस पर बिठाया कि तुम अब अजीत हूए किसी बात की जी में चिन्ता न करो गन्धर्वसैन मेरा बड़ा दोस्त था और तू उस के ख़ान्दान में बड़ा नाम्वर हूआ ॥

इस तरह से राजा बिक्रम को दुआ देकर रुख़सत

किया राजा वहां से अपने घर को आया और अपने जी में बहुत सा ख़ुश हूआ और जितने उस राजा के दुश्मन थे उन्हों के जी में उर हूआ राजा के देश के लोगों ने बहुत ख़ुशी की और दीप दीप के राजा ख़िद्मत के वास्ते आये और जो राजा ग़ुरूर करता था उस का वुह राज जाकर छीन लेता और अपना राज करता॥

ग़रज़ शर्क़ से ग़र्ब तक ख़ूब उस ने अपना राज किया सब रऐयत आनन्द से उस के राज में बस्ती थी और जो क्षत्री थे उस से उर्ते थे और जो कोई देश ब देश जाता था वहां बिक्रम का धर्म सुन्ता था सब मुल्क आबाद देख़्ता था कहीं दुखी उसे नज़र न आता था उांउ और बान्ध उस के राज भर किसी ने कान से न सुना बल्कि घर घर आवाज़ बेद और पुराण की आती और जितने लोग थे अश्नान ध्यान करके तीनों वक़ अपने भगवान की याद में रहते थे अपने अपने घर में सब राजा की सी सभा करके ख़ुश रहते थे राजा राज और प्रजा सुखी॥

इस में एक दिन राजा बिक्रमाजीत ने सभा की और सब पंडित बुलाये पंडितों से राजा ने पूछा मेरे जी में है अब मैं सम्बत बान्धूं सो तुम से पूछ्ता हूं कि मैं इस बात के

लाइक़ हूं कि नहीं तुम शास्त्र देखकर मुझ से बिचार कहो तब सब पंडितों ने बिचार करके राजा से कहा महाराज अब जो तुम्हारा प्रताप है सो तीनों भवन में छा रहा है अब जो कुछ तुम्हें करना हो सो कीजिये दुश्मन तुम्हारा कोई नहीं॥

राजा ने यिह सुन्कर पंडितों से कहा कि अब तुम बताओ कि किस बिध से सम्बत बांधें जो कुछ शास्त्र की रीत से मुनासिब हो तिस तरह से हमें कहो तब पंडितों ने कहा पहले तो अजीत माला पहनो फिर उस के बअ़द देश देश के ब्राह्मण और ज़मीन्दार राजे और अपने सब कुम्बे के लोग बुलाओ सवा लाख कन्या दान और गौदान सवा लाख ब्राह्मणों को करो और जितने ब्राह्मण तुम्हारे मुल्क के हैं उन की बृत्ति कर दो एक बरस का ख़ज़ानः ज़मीन्दारों को मुआ़फ़ करो और जो भूखा कंगाल इस बरस में आवे उस की बृत्ति का हुक्म करो॥

इसी तौर से राजा ने सब काम किया और सिवा उस के जो जो दान पुण्य किया उस का बयान किस से होए क बरस तलक राजा अपने घर में बैठा पुराण सुन्ता रहा और इस तरह से सम्बत बान्धा कि तमाम दुन्या के लोग धन्य धन्य कर्ते थे॥

यिह सब अह़्वाल रत्नमंजरी ने सुनाया और राजा बिक्रमाजीत का जस गाया और कहा राजा भोज जो तुम इत्ने हो तो इस सिंहासन पर बैठो सुन्के राजा ने कहा सच है जो कुछ तू ने कहा यिह बात मेरी भी पसन्द आई इत्ना कह़कर राजा अप्नी सभा में बैठा दीवान मुतस़द्दियों को बुलाया कि तुम सब तैयारी सम्बत बान्धे की करो उस दिन की वुह साअ़त यूं टल गई राजा ने दूस्रे दिन फिर सिंहासन पर बैठ्ने की तैयारी फ़र्माई दीवान को बुलाकर कहा तुम सब इस की तुर्त तैयारी करो देर नहो॥

यिह बात सुन्कर बररूच पुरोहिन बोला राजा अभी क्यूं घब्राते हो यिह एक एक पुत्ली तुम से बात करेगी उन्ह की बातें सुन्कर जो कुछ कर्ना होगा सो कीजियो यिह सुन्कर राजा ने चाहा सिंहासन पर पांव बढ़ाकर रखे कि

दूस्री पुत्ली चित्ररेखा बोली

राजा तेरे जोग यिह आसन नहीं है और ऐसो अनीति कोई कर्ता नहीं जैसे तू कर्ने पर तैयार हूआ है इस सिंहासन पर बैठे वुह जो बिक्रम सा राजा हो तब

राजा बोला बिक्रम में क्या गुण थे सो मुझ से कह तब वुह बोली ॥

एक दिन राजा बिक्रम कैलास को गया और वहां एक जती से मुलाक़ात हूई उस ने राजा को जोग की रीत सब बताई राजा ने अपने जी में इरादः किया कि जोग कमावें जोग करने को तैयार हूआ राज तिलक भरथरी को दिया राज पाट पर उसे बिठा आप राज काज धन दौलत छोड़ कन्था पहन भसम लगा संन्यासी बन्कर जंगल को निकल गया और उतर खंड में जाकर जोग साधे लगा ॥

उस शहर के जंगल में एक ब्राह्मण भी तपस्या करता था धूंआं पीके रहता था और भूख प्यास के दुख सहा था ब्राह्मण की तपस्या देखके देवते ख़ुश हूए बर उसे देने लगे और उस ने न लिया तब आकाश बाणी हूई कि हम अमृत भेजते हैं सो तू ले ॥

एक आद्मी की सूरत में आकर देवता उसे फल दे यिह कह गया जो इस को तू खावेगा चिरंजी होगा फल लेकर वुह तुर्त चला ख़ुशी ख़ुशी अपने घर को आया ब्राह्मणी के हाथ में वुह फल दिया और कहा आज देवतों ने अमृत

फल मुझे देकर कहा जो इसे खावेगा अमर होवेगा यिह बात सुन्कर ब्राह्मणी ब्याकुल हो रोने लगी फिर बोली यिह अब दुख और पाप हम किस तरह काटेंगे और हमेशः भीख क्यूंकर मांगेंगे खाल मास सब हाड़ में मिल जायगा ऐसे जीने से मर जाना बिह्तर है मर जानेवाले को इत्ना दुख नहीं होता॥

इस फल को वुह खावेगा जो हमेशः दुख उठावेगा इस से जोग यिह है कि तुम यिह फल ले जाकर राजा को दो और उस से कुछ धन लो यिह सुन्कर ब्राह्मण अप्ने जी में सम्झा यिह सच है इस संसार में इत्ना जंजाल कौन सहे इसी तरह आपस में बातें सलाह का कर्के ब्राह्मण वहां से राजा के पास चला जब राजा के द्वारे पर पहुंचा द्वारपाल से कहा राजा को ख़बर दो ब्राह्मण आप के लिये एक फल लाया है॥

दर्बान ने राजा से जाकर अर्ज़ की महाराज एक ब्राह्मण फल आप की ख़ातिर लाया है और दर्वाज़े पर हाज़िर है जो कुछ हुक्म हो राजा ने उसी वक़ हुक्म किया उसे अभी लाओ अह्लि कारों ने वोंहीं हाज़िर किया॥

ब्राह्मण ने राजा को आकर आसीस दी कि धर्म लाभ हो और वुह फल राजा के हाथ दिया राजा ने उस को हाथ में लेकर पूछा इस का बृत्तान्त कहो तब ब्राह्मण कहने लगा स्वामी मैं ने जो तपस्या की थी सो देवतों ने उस का बर अमर फल दिया मैं अमर होकर क्या करूंगा इस फल को तुम खाओ और अमर हो इस वास्ते कि तुम से लाखों जी पले हैं॥

यिह सुन्कर राजा हंसा उसे लाख रूपै दिये और गांव बृत्ति कर्के बिदा किया फिर जी में बिचार कर्ने लगा मैं तो पुरूष हूं कम ज़ोर न हूंगा यिह फल रानी को दिया चाहिये वुह मेरे प्राण का अधार है वुह जीती रहेगी तो मैं सुख भोग करूंगा॥

यिह दिल में ठान्कर राजा महल में दाख़िल हूआ फल रानी को दिखाया रानी हंस्कर पूछने लगी महाराज यिह क्या चीज़ है जिसे बड़े जतन से लिये हूए तुम आये हो इस का ब्योरा कहो तब राजा ने कहा सुन सुन्दरी तू जो इस फल को खायगी सदा जोबन्वती रहेगी दिन दिन रूप बढेगा और अमर होगी॥

रानी ने यिह अह्वाल सुन्कर फल राजा के हाथ से ले

लिया और कहा महाराज मैं इसे खाऊंगा राजा फल देकर बाहर गया और रानी का जो एक मित्र कोत्वाल था रानी ने उसे बुलाकर वुह फल दिया और कहा यिह हमें राजा ने देकर कहा है जो इसे खावेगा सो अमर होगा तुम मेरे प्यारे हो इसे खाओ और अमर हो तो मुझे बड़ी ख़ुशी हो सुन्ते ही कोत्वाल ने ख़ुश होकर फल हाथ से ले लिया और अपने मकान को गया॥

एक कस्बी उस की आशना थी उसे फल देकर कहा यिह अमर फल मैं तेरे वास्ते लाया हूं तू इसे खा यिह सुन्कर उन्ने हाथ से ले लिया और उसे बिदा किया फिर अपने जी में बिचारा एक तो मैं कस्बी हूं और अमर हूंगी तो कित्ने पाप मैं कमाऊंगी इस से बिहर यिह है कि यिह फल राजा को जाकर दीजिये जो राजा जियेगा तो मुझे याद करेगा और पुण्य होवेगा पाप सभी कटेंगे॥

यिह सोचकर राजा के दर्बार में गई वुह फल राजा के हाथ दिया राजा फल को देखकर बेसुध हूआ अपने दिल में कहने लगा कि फल तो मैं ने रानी को दिया था जी में यिह बिचारा और हंस्कर उसे पूछने लगा यिह फल तुझे किन्ने दिया वुह बेस्वा सब बातें जान्ती थी पर राजा

से फ़क़त यिह कहा कि मुझे कोत्वाल ने दिया है वुह सुन्कर यिह समझा कि रानी ने बुरा काम किया॥

उसे कुछ रूपे देकर बिदा किया और आप भैचक रह गया फिर समझकर कहने लगा मैं ने तो मन अप्ना रानी को दिया और उस ने अप्ना दिल कोत्वाल को मन का भेदी कोई न मिला ऐसे जीने को और मेरी बुध को धिक्कार है जो मैं फिर राज करूं और फिट उस रानी के तईं और लअ़नत उस कोत्वाल को और उस बेस्वा को और धिक्कार है कामदेव को जो यिह मत संसार की कर्ती है कि जिस से संसार अह़मक़ हो जाता है बअ़द उस के फल लिये हुए महल में गया॥

अप्ने चित में कहने लगा यिह तन मन और जी और धन सब चंचल हैं और यिह संसार जान्हार है इन्हों में से कोई क़ाइम न रहेगा जब ही पैदा हूआ तब ही काल ने खाया और जब मर्ती है तो कुछ साथ नहीं ले जाता और मेरा मेरा कर्के जन्म गंवाता है सुख के सब साथी हैं और दुख कोई नहीं बंटाता यिह संसार जो है समुद्र है और माया उस का जल है हौखा मछ्ली है ऐसा बधिक कोई न मिला जो उस को मार के खाय॥

यूं बिचार कर्ता हूआ रानी के पास गया और उस से पूछा तू ने वुह फल क्या किया तब वुह बोली महाराज मैं ने खाया सुन्कर राजा ने वही फल रानी को दिखाया वुह देख्कर ज़र्द हो गई तब राजा उस को लेकर बाहर आया धोकर खाया तिस पीछे सोच उस को हूआ निदान बन के जाने का सामान किया राज पाट धन दौलत और रानी की मुहब्बत तज्कर चला न किसी से पूछा न किसी को साथ लिया ऐसा निर्मोही होकर निक्ला कि किसी का ध्यान न किया ॥

देश देश और नगर नगर में चर्चा पड़ा कि राजा भरथरी राज तज्कर जोगी हूआ और यिह बात उड़ती उड़ती राजा इंद्र के अखाड़े में पहूंची कि वुह तो देश छोड़्के गया और उस के देश में बड़ा हुल्लड़ हूआ तब यिह बात सुन्कर सब देवतों ने मिल्कर यिह बिचार किया कि एक देव को रख्वाली के वास्ते राजा भरथरी के देश में भेज दो कि कोई बिद्अ़त रऐयत पर न करे देव को बुलाकर वहां भेंज दिया और कहा वहां की निगहबानी कर ॥

यहां तो वुह रख्वाली कर्ता था और वहां राजा बिक्रम

का जोग पूरा हूआ वुह अप्ने मन में मन्सूबः कर्ता था कि मैं छोटे भाई को राज दे आया हूं चल्कर देखूं कि वुह किस त़रह़ राज कर्ता है यिह अप्ने दिल में कह़के चला और रात को अप्ने नगर के पास आन पहुंचा देव ने उसे आते देखा तब वुह पुकारा तू कौन है जो इस वक़्त शह़र में जाता है या तो अप्ना नाम बता नहीं तो तुझे मैं मार डाल्ता हूं तब उन ने कहा मैं राजा बिक्रम हूं तू कौन है कि मुझे टोक्ता है॥

देव बोला मेरे तईं देवतों ने भरथरी के राज की रख्वाली को भेजा है राजा ने पूछा भरथरी क्या हूआ उन ने जवाब दिया भरथरी को कोई यहां से छल्कर लेगया यिह बात सुन्कर राजा हंसा और उसे कहा वुह तो मेरा छोटा भाई है फिर दैयत बोला मैं नहीं जान्ता कि तुम कौन हो और जो तुम बिक्रम इस देश के राजा हो तो मुझ से लड़ो और मुझे मार्कर जाओ बिना लड़े मैं तुम्हें शह़र में नहीं पैठने दूंगा॥

यिह सुन राजा बिगड़्के बोला तू मेरे तईं क्या उराता है और जो लड़ा चाहे तो तैयार हो इस त़रह़ दोनों बातें कर तैयार हो लड़्ने लगे और राजा उस देव को पछाड़्कर

छाती पर चढ़ बैठा तब वुह बोला राजा तू मुझ से बर मांग मैं तुझे जी दान दूं ॥

यिह बात उस की सुन्कर राजा हंस्कर बोला मैं ने तुझे पछाड़ा है और चाहूं तो मार डालूं तू मुझे जी दान क्या देगा तब वुह बोला राजा तू मुझे छोड़ दे मैं तेरे आगे इस का सब ब्योरा कहता हूं ॥

तेरे राज की धूम सब देश में है और सब राजा तुझ से उर्ते हैं पर मैं जो बात कहूं सो तू कान देके सुन तेरे शह्र में एक तेली है और एक कुम्हार सो तेरे मार्ने की फ़िक्र में हैं पर तुम तीनों में से जो दो को मारेगा वही अचल राज करेगा तेली तो पाताल का राज कर्ता है और वुह कुम्हार जोगी बना हूआ जंगल में तपस्या कर्ता हूआ अप्ने दिल में कहता है कि राजा को मार्के तेली को तेल के जल्ते कड़ाह में डालूं और देवी को बल देकर मैं निचिन्त राज करूं और तेली कहा है राजा और जोगी को मार्के त्रिलोक का राज मैं करूं और तू इस बात को न जान्ता था मैं ने इस वास्ते तुझे ख़बदीर किया तू उन्ह से बचता रहना और आगे जो मैं कहता हूं सो तू सुन ॥

जोगी ने उस तेली को मार्कर अप्ने बस किया है सो

तेली एक सिरिस के दरख़्त पर रहता है अब वुह जोगी तुझ को नौता देने आवेगा छल करके तुझे लेजायगा तू नौता लेकर वहां जाइयो जब वुह कहे कि तू दंउवत कर तब तू कहियो मैं दंउवत करी नहीं जान्ता मेरे तईं एक जहान दंउवत करता है जो तुम गुरू हो और मैं चेला तो मुझे दंउवत करी बताओ उसी तरह मैं दंउवत करूं जब वुह सिर निहुड़ावे तब तू खांडा मारी कि उस का सिर जुदा होजावे और वहां कड़ाह जो देवी के आगे तेल का खौल्ता होगा उस में उस को और दरख़्त से तेली को उतार के दोनों को उसी कड़ाह में डाल देना यिह मेरी बात तू गांठ में बान्ध रख इसे हर्गिज़ कभी न भूलना यिह बात कहकर वुह देव चला गया और राजा अपने महल में आया भोर हूए सारे नगर में ख़बर हूई कि राजा बिक्रमाजीत आये दीवान मुतसद्दी और सब अहिकार नज़रें लाये तमाम शहर में आनन्द होगया घर घर मंगलाचार होने लगे यहां तो ख़ुशी के नक़ारे बज रहे थे इत्ने में एक जोगी आया और राजा को आदेश सुनाया एक फल उस के हाथ दिया उन ने हंस्कर वुह फल हाथ में लिया जोगी ने कहा राजा हमारे यहां यज्ञ होता है एक दिन का

तुम्हारा नौता है तब राजा ने कहा हम आवेंगे तुम अपने मन में चिन्ता मत करो सांझ हूए पहुंचेंगे ॥

जोगी यिह सुन्तेही ठिकाना बता अपनी मंढी को गया जब शाम हूई राजा भी खांडा फरी ले तैयार हूआ और किसी से न कहा अकेला चला गया तुर्त जोगी के पास पहुंचा और आदेश कहा जोगी बोला कि देवी के आगे जाकर दंउवत कर जो देवी तुस से ख़ुश हो राजा बोला स्वामी मैं दंउवत नहीं जान्ता कि किस त़रह़ कर्ते हैं जो मुझे बताओ तो मैं करूं जोगी बताने लगा और जोंहीं सिर झुकाया राजा ने देव की नसीह़त याद कर्के एक खांडा ऐसा मारा कि सिर धड़ से जुदा होगया और उसे मार्ते ख़त्रः न किया और उस दरख़्त से उस तेली को भी उतार दोनों को जल्ले कड़ाह में डाल दिया ॥

तब देवी बोली धन्य है बिक्रम तेरी हिम्मत को मैं तुझ पर बहुत मिह्रबान हूई तू मुझ से बर मांग और धन्य है तेरे माता पिता को कि जिन के घर में तू ने औतार लिया देवी जब यिह कह चुकी तब वे बीर आकर ह़ाज़िर हूए राजा से कहने लगे कि हम आगिया और कोयला दो बीर तुम्हारी ख़िद्मत को आये हैं जो तुम्हारी

कामना हो सो हम से कहो हम तुर्त पूरी कर दें सब जगह के जाने की हम क़ुद्रत रखते हैं जल थल मही आकाश में पवन के रूप होकर जहां कहो हम चले जायें जैसे हनूमान तुर्त लंका जा पहुंचा वैसे ही हम भी जा सके हैं॥

यिह सुन ख़ुश हो राजा ने कहा मुझे तो कुछ काम नहीं है अगर मेरे तईं बचन दो तो मैं देवी से तुम्हें मांग लूं लेकिन ऐ बीरो जो तुम से बचन देकर निबाह किया जाय तो बचन दो उन बैतालों ने कहा कि अच्छा तब राजा ने उन्ह को बचन बन्द कर मांग लिया और कहा जिस जगह मैं याद करूं तुम उस जगह मेरे पास पहुंचना तब बीर बोले कि राजा तू जिस जगह हमें याद करेगा वहां हम पवन रूप होकर पहुंचेंगे यिह बात उन्ह से कर्के राजा घर को गया ये बातें चित्ररेखा पुतली ने राजा से कहीं कि राजा बिक्रम के ये काम थे इत्ने जोग तो तू नहीं है॥

फिर वे बीर राजा के ताबिज़ हूए और आगे बहुत से काम किये जहां बिक्रम को गाढ़ पड़ी वे दोनों आकर हाज़िर हूए जो कोई ऐसे काम करे तो सिद्ध हो राजा तू अपने ज़ोर पर ग़ुरूर मत कर तुझ जैसे पृथ्वी में कड़ोड़ो हो

गये हैं इत्नी बात जब पुत्‌ली ने कही राजा की वुह भी साअ़त टल गई तब दूस्रे दिन सुबह़ को राजा ने फिर पाट बैठ्ने की तैयारी की और जोंहीं चाहा कि सिंहासन पर पांव धरे कि

रतिबामा तीस्री पुत्‌ली

बोली तुम्हारा यिह काम नहीं जो इस पर बैठो और मुझ से एक कथा नई सुन लो एक दिन राजा बीर बिक्रमाजीत दर्या कनारे एक मह़ल में ख़ल्वत कर्के बैठे थे राग हो रहा था और हर एक रंग की चुहल मच रही थी कि दिल फ़रेफ़्तः होजावे और एक से एक सहेली ख़ूब सूरत पास बैठी थी ॥

राजा का दिल वहां बे इख़्तियार लग रहा था कि एक पंथी त्रिया संग लिये हूए और उस त्रिया की गोद में एक बालक घर से ख़फ़ा होकर निक्ले थे दर्या के कनारे पास उसी मह़ल के आकर ग़ुस्से के मारे कूद पड़े मर्द के एक हाथ में हाथ रंडी का और एक हाथ में लड़्के का हाथ यों तीनों डूब्ने लगे तब पुकारे ऐसा धर्मात्मा कौन है जो इन तीनों आद्मियों की जानें बचावे उन में से वुह मर्द हाय कर्के पुकारा जो कोई ग़ुस्सः मार न सके तो इसी

तरह बे अजल मर जाता है और गिर्के बहुत पछताता उस की आवाज़ राजा ने सुन्तेही लोगों से पूछा यिह कौन दुखी पुकाती है तब हर्कारों ने ख़बर दी कि महाराज एक मर्द और रंडी लड़के समेत डूबते हैं उन्ह में से वुह मर्द चिल्ला रहा है कोई ऐसा पर उपकारी हो कि हम डूबतों को निकाले॥

यिह वुह हर्कारः कहता ही था कि वुह फिर पुकारा हम तीन जी डूबते हैं कोई हमें भगवान का बन्दः पार लगावे यिह सुन्कर राजा वहां से धाया और आकर उस दर्या में कूद पड़ा जाकर एक हाथ में रंडी और दूसरे हाथ में लड़के को पकड़ लिया वुह मर्द भी राजा से लिपट गया तब राजा घबराया और आप भी डूबने लगा अपने ईश्वर को याद किया और कहा कि हे नाथ मैं धर्म काज के वास्ते आया था और इस में मेरा जी ही जाता है धर्म कर्ते नुक़सान होवे॥

राजा यिह कहकर बहुत ज़ोर कर्ने लगा और ज़ोर उस का कुछ काम न आता था तब उस ने आगिया और कोयला दोनों बीरों को याद किया याद कर्ते ही वे बीर आकर हाज़िर हूए और चारों को उठा कनारे पर रख

दिया तब वुह बिदेशी राजा के पांवों पर गिर पड़ा कि महाराज तुम ने हम तीनों को जी दान दिया तुम्हीं हमारे भगवान हो क्यूं कि जी दान तुम से पाया॥

राजा हाथ पकड़कर उन्ह तीनों को रंग महल में ले आया और बिठाकर कहा तुम्हें जो चाहिये सो हम से मांग लो तब वुह बोला महाराज हमें हुक्म दीजिये तो हम घर को जायें और जब तलक जियेंगे आप को असीस दिया करेंगे ऐसा कुछ तुम ने हमें दिया है तब राजा ने अपनी तरफ़ से लाख रुपै देकर उन्ह को घर भिजवा दिया॥

इत्नी बात कह पुतली फिर बोली राजा इत्ने लाइक़ तुम हो तो इस सिंहासन पर बैठो और यों बैठोगे तो तमाम लोग हंसेंगे वुह भी महूरत राजा का टल गया दूसरे दिन फिर राजा दिल में सोच करता हुआ सिंहासन पर बैठने को आया तब

चन्द्रकला चौथी पुतली बोली

सुनो राजा तुम मन मलीन क्यूं हो बैठो हमारे पास और सुनो जो मैं कथा कहूं एक रोज़ एक पंडित कहीं राजा बिक्रमाजीत पास आया था और उस ने आकर

बयान किया जो कोई एक महल बनाने की बिना मुवाफ़िक़ मेरे कहने के धरे चैन उठावे और बड़ा नाम पावे तब राजा ने कहा अच्छा ज़ाहिर कर॥

ब्राह्मण कहने लगा तुला लग्न जब आवे जो उस में मंदिर उठावे जब तलक वुह लग्न रहे तब तलक काम उस में जारी रखे और जब तुला लग्न हो चुके तब उस का काम मौक़ूफ़ कर दे इसी तरह तुला लग्न ही में वुह सारा मकान तैयारी पर लावे उस का अटूट भंडार हो और लक्ष्मी उस के यहां से कभी न जाय॥

यिह सुन्कर राजा मन में ख़ुश हूआ दीवान को बुलाया और मंदिर उठाने की इजाज़त दी कि तुम अच्छी जगह ढूंढ़कर महल बनाओ इत्ने में तुला लग्न भी आन पहुंचा उस मंदिर की नेव दी देश देश में यिह आवाई हूई कि राजा तुला लग्न में महल बन्वाता है जित्ने कारीगर उस में काम कर्ते थे वे उठकर तुला लग्न मनाते थे जब लग्न आती थी ख़ुश हो हो बनाते थे कहीं उस में काम सोने का और कहीं रूपे का और कहीं लोहे और काठ का नई नई तरह से बन्ता था॥

चुनांचि दर्या के कनारे पर वुह हवेली बनाई चार

दर्वाज़े और सात खंड उस में रखे जगह जगह जवाहिर अन्मोल उस में जड़े और दर्वाज़े पर दो नीलम के बड़े नगीने लगाये कि किसी की नज़र न लगे वुह जड़ाव महल कित्ते बर्सों में ऐसा तैयार हूआ कि दुन्या के पर्दे पर किसी ने दूस्रा न आंखों देखा न कानों सुना॥

तब दीवान ने जाकर राजा को ख़बर दी महाराज वुह मंदिर अब तैयार हूआ आप चल्कर उसे देखिये और जो कोई उस महल को देख्ता था मोहित हो रहता था राजा वहां से मकान देख्ने को गये एक ब्राह्मण भी साथ गया महल को जब राजा ने मुलाहज़ः किया तब ब्राह्मण देख्कर और हंस्कर कहने लगा ऐ राजा ऐसा घर जो में पाउं तो बैठ यहां पातुर नचाउं॥

यिह बात सुन्कर राजा ने कुछ मन में सोच न किया गंगा जल और तुलशी का पत्ता लेकर घर उस ब्राह्मण को संकल्प कर दिया वुह घर पाकर ब्राह्मण को ऐसा हूआ आनन्द जैसे चकोर रात को पावे है चन्द तुर्त अप्ने वुह कुम्बे को ले आया और वहां आकर रहा रात को ख़ुशी से पलंग पर सोता था कि पहर रात गये लक्ष्मी आई और कहने लगी कि बेटा हुकम दे तो में गिरं और घर बाहर

संपूर्ण भरूं ख़ौफ़ से उस ने कुछ जवाब न दिया तब वुह दो पहर रात को फिर आई और कहा कि ऐ ब्राह्मण अज्ञानी मुझे आज्ञा दे ॥

उन्ने चिन्ता करके रात गंवाई और सुबह हूए राजा के पास आया मन मलीन और रात के अहवाल से उरा हूआ रंग ज़र्द चिहे का और उर से कुम्हलाया हूआ राजा इस शक्ल से देख उसे हंसने लगा फिर कहा कि कल की सी ख़ुशी हम ने आज न देखी ऐ ब्राह्मण यिह अचम्भे की बात है तब ब्राह्मण बोला सुन स्वामी मेरा दुख और तुम दाता हो प्रजा के सुख देनेवाले और तुम साके बन्ध नरेश हो जैसे राजा कर्ण और राजा इंद्र अपने वक़ में दानी थे ऐसे इस समें में तुम हो आप ने जो मंदिर मेरे तईं दिया है उस की हक़ीक़त में कूहा हूं ॥

मज़लूम नहीं कि उस में भूत है या पिशाच है मेरे तईं उस ने सारी रात सोने नहीं दिया आप के प्रताप से या लड़कों के भाग से जीता बचके मैं यहां आया हूं इस से भीख मांग खाना मुझे बिहतर है पर उस महल में न रहूंगा ॥

यिह बात सुन राजा ने प्रधान को बुलाया और उस

से कहा जो उस मकान में लागत लगी है सो हिसाब कर्के इस ब्राह्मण को दो राजा की आज्ञा पाय दीवान ने हिसाब कर तोड़े रुप्यों के लदाकर ब्राह्मण के साथ कर दिये और वुह अपने घर को गया ॥

उस दिन साअ़त देख उस हवेली में राजा जा रहा और बैठ्कर कुछ बिचार कर्ने लगा इस में हाथ बान्धकर लक्ष्मी आन खड़ी रही बोली धन्य राजा बिक्रम तेरे धर्म को इत्ना कह लक्ष्मी उस वक़्त तो चली गई राजा ने वहां आराम किया जब चौथा पहर रात का हूआ तब लक्ष्मी फिर आई और कहने लगी राजा मैं कहां गिरूं ॥

राजा ने कहा जो तू पड़ा चाहती है तो पलंग छोड़कर जहां तेरी इच्छा होवे तहां गिर इत्ने में ख़ूब तरह से सोने का मेंह तमाम नगर में बर्सी सुबह हूई राजा उठा देखकर यिह कहने लगा हमारी रऐयत पर बहुत सख़्ती थी लेकिन अब कोई दिन निचिन्त हो आराम से रहेगी ॥

इत्ने में दीवान आया और ख़बर दी महाराज तमाम नगर में कन्चन बर्सी है अब जो हुक्म दो सो हम करें तब राजा ने कहा शहर में ढोल बजवा दो जिस की हद्द में जो दौलत है सो ले और कोई किसी को मनअ़ न करे

यिह राजा का हुक्म पाकर सब रऐयत ने दौलत अपने घर में भरी॥

ये बातें कहकर पुतली राजा भोज से कहने लगी सुन राजा बिक्रम के गुण वुह ऐसा राजा था और प्रजा का हितकारी तू किस तरह उस के सिंहासन पर बैठता है तेरी क्या जान है यिह सुन्कर बात पुतली की राजा अज्ञान हूआ और बररूच पुरोहित भी शर्मन्दः वुह साअत भी गुज़र गई॥

یہہ اِنتخاب کِیا گیا ہَي کِتابِ آرایِشِ محفل مین سي کِہ جو اکثریّہ مُشتمِل ہَي مضمونِ خُلاصۃُ التَّوارِیخ پر

صُوبہ دارُ الخِلافتِ شاہ جہان آباد" ہِندي فارِسي کِي تارِیخون سي یُون معلُوم ہوتا ہَي کِہ شہرِ ہستِناپُور گنگا کي کِناري پر اگلي زماني مین تختگاہ ہِندوستان کي بادشاہون کِي تہا وُسعت و رَونق بہِي اُسکِي اُس عصر مین حدّ سي باہر تہِي زبان اُسکي بَیَان سي قاصِر ہَي اگرچِہ اب بہِي نِہایَت آباد ہَي لیکِن جَیسا پانڈَوُون اور کَورَوُن کي وقت مین بستا تہا سو کہان جب کِہ دونون فِرقون مین ببراکہیرِي ہُوئِي اَور پہُوٹ پڑِي تب پانڈَوُون ني اِس مُلک کو چہوڑا اَور شہرِ اِندرپرست کِہ جمُنا کي کِناري پر تہا اُس مین آئي بلکِہ اپنا دارُ السلطنت بہِي اُسِي کر ٹہہرایا بعد ایک مُدّت کي راجا اَنکپال تونوَر ني بِیر بِکرماجیت کي چارسَو چالِیس سن مین اِندرپرست کي نزدیک شہرِ دہلِي کو آباد کِیا اَور ایک ہزار کُچہہ اُوپر دو سَو سن مین بِکرماجیت کي راجا پِتہَورا ني ایک قلعہ و شہر اپني نام کا بنایا چُنانچِہ سُلطان قُطبُ الدِّین اِیبک و سُلطان

شمس الدین التمش نے بعد اسکے اپنا رہنا اس میں مقرر کیا مگر سلطان غیاث الدین بلبن نے ایک اور قلعہ چھ سو چھیاسٹھ ہجری میں بنا کیا اور اسکا نام مرزغن رکھا پھر سلطان معز الدین کیقباد نے سن چھ سو چھیاسی میں جمنا کی کنارے ایک اور شہر پر فضا و عمارات اسکی دلکشا آباد کیا نام اسکا کیلوگڑھی رکھا اسیکی امیر خسرو نے قران السعدین میں تعریف کی ہے بعد از آن سلطان جلال الدین خلجی نے شہر کوشک لعل اور سلطان علاء الدین نے کوشک سبز بساکر اپنا اپنا ہر ایک کو دار السلطنت کیا پھر سلطان غیاث الدین تغلق شاہ نے سن سات سو پچیس ہجری میں شہر تغلق آباد کی تعمیر کی پھر اسکے بیٹے سلطان محمد فخر الدین جونان نے ایک اور ملک کی بنیاد ڈالی اور ہزار ستون کا ایک قصر بنایا سوای اسکے اور بھی مکانات سنگ رخام کی پاکیزہ پر فضا بنائی پھر سلطان فیروز شاہ نے سن سات سو پچپن ہجری میں شہر فیروز آباد نہایت وسعت و عظمت کی ساتھ بسایا اور جمنا کو کاٹ کر اسکے نیچے لایا ساتھ اسکے تین کوس کی فاصلے پر ایک اور محل معہ منارہ جہاں نما بنایا چنانچہ وہ منارہ ابتک قایم ہے عوام الناس اسکو فیروز شاہ کی لاٹ کہتے ہین بعد اسکے سلطان مبارک شاہ نے مبارک آباد آباد کیا اور نو سے اٹھتیس ہجری میں ہمایون بادشاہ نے قلعہ

اِنْدرپرسْت کِي مرمّت و تعْمِير کرکي دِين پناه نام رکْها اَور اپْني تخت گاه مُقرّر کِيا پهِر شير شاه پٹهان ني کُوشْک سبْز کو اُجاڑ کر ايک اَور شهْر بسايا اَور اُسْکي بيٹي سلِيم شاه ني سلِيم گڑه بنايا ابْتلک بهِي وه شاهْجهان آباد مين جمْنا کي انْدر قلْعهٔ ارْگ کي سامْهني مَوجُود هي اگرچه هر ايک ني اُن بادْشاهون مين سي ايک ايک شهْر بساکر اپْنا دارُ السّلْطنت مُقرر کِيا ليکِن هِنْدُوسْتان کي بادْشاهون کِي تخْت گاه مُلْک بمُلْک دِلّي هِي مشْهُور هَي پهِر سن ايک هزار اٹّهتاليس هِجْري مين مُطابِق بارهْوين برس جُلُوسِي کي شاهْجهان صاحِب قِران ثاني ني دِلّي کي قريب ايک شهْر بُنْياد کِيا اَور شاهْجهان آباد اُسْکا نام رکْها اُسْکي خُوش نِيّتي سي اُس مُلْک ني يِه رَونق اور آبادِي پکْڑي کِه جِتْني مُلْک اگْلي بادْشاهون کي لِکْهني مين آئي تهي گُم نام هو گئي فقط اُسِيکا نام ره گيا جيسي سمُنْدر مين بهُتيري بڑي بڑي دريأو مِلي هَين پر نام اُسْکا هِي باجْتا هَي قلْعه بهِي اُسْکا سنْگِ سُرْخ کا اِس مضْبُوطي و خُوش اُسْلُوبي کي ساته بنا هي که معْمارِ قضا و قدْر کِي زبان اُسْکي اَوصاف مين لال هَي پهِر ساخْت تو اُسْکي سِي امْرِ محال علاوه اِسْکي مکانات قِسْم قِسْم کي مُتعدّد پاکيزه خاصّي " اَور باغ بهِي اُسْکي گُلْشن جهان کي خُلاصي " نهْرين جارِي جا بجا " حوض هر ايک مکان مين کٹورا سا بهرا هُوا " جِدْهر ديکْهِيي کيفِيّت

نئي نظر آئي " اَور جِس طرف نِگاه پڑي وُنهين ره جائي " اگر رِضوان وَهان کِي بهار ديکهتا تو رَوضه رِضوان کِي دربانِي سي هاتهه اُٹهاتا (بَيت) جِنان کا هر مکان اُسکا نمُونا " خُوش اُسلُوبِي مين بلکِه اُسي دُونا " پهلين پهُولين هميشه وَهان کي گُلزار " خِزان اُن تک نهين پاتي کبهُو بار " نِرالِي جگ سي رنگ و بو گُلونکِي " حلاوَت اَور هِي کُچهه هَي پهلونکِي " وَهان کي طائِرون کا رنگ هِي اَور " هَي اُنکي زمزمون کا ڈهنگ هِي اَور " مَين هر يک شَي کو دُون تشبِيه کِسي " کِه وُه مِلتِي نهين اِسي اَور اُسي " گرد اُس قلعه مُبارک کي ايک کهائِي نِهايَت چوڑي چکلِي گهري بهِي اَيسِي کِه عُمقِ زمِين اُسکي وري " اَور وُه اِسي کهين پري " پانِي اُسکا اَيسا لطِيف و شفّاف اگر ايک خشخش کا دانه بهِي اُسکِي تهاه مين هوئي تو اندهيرِي رات مين صاف نظر آئي " اَور جو اندها بهِي اُس مين غوطه لگا سکي تو بِلا شُبهه نِکال لاوي " (بَيت) نظر آتِي هَي اُسکِي ته مين رائي " کهان يِه آبِ گوهر مين صفائِي " اگر پڑ جائي اُسکي بِيچ ايک بال " تو يون آوي نظر موتِي کا جون بال " جمُنا بهِي اُس قلعي کِي تِشنه ديدار هوکر جانِبِ شرقِي سي آئِي اَور اُسکي تلي نِهايَت آب و تاب سي بهني لگِي پهر نوّاب عِلي مردان خانِ مرحُوم دريای مذکُور کو کاٹ کر شاه نهر سِرمور پهاڑ کي اُوپر سي لايا کُوچه و بازار کي رَونق زِيادہ بڑهِي " اَور

شهر کي آبرو دوني هوئي " اکثر لوگون کي حويليون مين بنبي ٹهنڈي پاني سي معمور رهني لگي اور حوض و تالاب بهي دولتخانه والا کي بهر پور باغون مين وهان کي شادابي اکثر رهني لگي اور چمنون مين طراوت بيشتر حقا که وه بزرگ بهشتي تها که اسکي کمائي سي شاه و گدا کو فيض هوا (بيت) رکهي حشر مين اسکي حق آبرو " که فيض اسکا جاري هوا کو بکو " شهر پناه اسکي سنگي نهايت پخته و مضبوط عرض و طول و بلندي و خوش اسلوبي اسکي عقل احاطه نهين کر سکتي بلکه ايک جهت کي پيمائش کا دهيان نهين دهر سکتي اندر باهر اسکي بستي حد سي باهر " چپي چپي پر آبادي جدهر تدهر " عمارتين انواع و اقسام کي خوبصورت کثرت سي " حويليان طرح بطرح کي خوش اسلوب بهتايت سي " باغون کي بهار بي خزان " چمنون مين دائم طلسمات کا سا سمان " هر ايک محله اسکا اقليم سي زياده پر فضا " چهوٹي سي چهوٹا کوچه اسکا شهر سي بڑا " هجوم خلائق هر سر راه " هر ايک مقام ايک تماشا گاه " شهر شهر گاؤن گاؤن کي باشندون نے اپني بهبودي اور آسائش جو ديکهي بود و باش ونهين اختيار کي غرض هر صنف کي اشخاص و هر ملک کي اشيا جب چاهو کثرت سي ديکهه لو " کسي چيز کي کمتي کسي وقت ممکن نهين که هو " اگرچه بازار سارا هي اسکا اپني عالم ميں

اعلیٰ هَي " پر چاندني چوک تمام شهر کا اُجالا هَي " هر دُوکان اُسکي بي مانند " جِس جِنس کو دیکھو بادشاه پسند " صحن یه کُشاده که دِل کھل جائي " صاف اَیسا که آدمي چانول بکھیرکر کھائي " دلّال اُس بازار کا سَوداگرون کو آنکھ اُٹھاکر نہین دیکھتا " بِساتي وَهان کا جوهریون کو خاطر مین نہین لاتا " دُوکان ایک بزّاز کي اِسطنبول کي بزّازي برابر " کوٹھي ایک صرّاف کي تمام اِیران کي صرّافي برابر " (بیت) رُپَي هر ایک دُکان مین هین کھنکتي " کٹوري رات بھر هینگي جھنکتي " لگي هین هر طرف پھولونکي انبار " گلي کُوچه هر ایک هَي رشکِ گُلزار " فَواکِه کا وُفُور اِس درجه هیگا " مِلتي هَي تازه میوه اِصفهان کا " طعام اقسام کا جو کوئي منگوائي " بقدر ایک فَوج کي بازار سي آئي " جو ٹھاٹ ایک سلطنت کا هوئي درکار " تو حاضر کردي وونہین ایک دُکاندار " اگر اسباب چاهي ایک لشکر " تو هاتھ آجائي بس ایک دِن کي اندر " نہین هَي اهلِ حِرفه کوئي بیکار " هَي نِت بَیع و شِرا کا گرم بازار " جو ادنیٰ وَهان هَي دُوکانِ جَواهِر " وهي هَي بیگُمان کانِ جَواهِر " گر ایک اِقلیم کا آ جائي وَهان مال " تو لي لي ایک مهاجن اُسکو فِي الحال " کوئي بیپاري هو کاهیکو فکري " که وَهان هر شَي کي نِت رهتي هَي بِکري " فِي الواقع اُس مقامِ فرحت انجام کو جِتنا سراهیي بجا هَي

لیکن اُردوی مُعلّی کا عالم ہین جُدا ہَی فضا اُسکی نہایت پاکیزہ و وسیع " عمارات وہانکی بمرتبہ اُسلوبدار و رفیع " صحن اُسکا رشکِ صحنِ گُلزار " دُوکان ہر ایک بازار کی بہار " اہلِ حرفہ سب کی سب مُرفہ احوال " کوٹھی اُنکی نقد و جنس و جواہر سی مالامال " نہ کِسی چیز کِی وہان کمِی " نہ کوئی بشر اُس آبادی مین غمِی (بیت) ہَی دروازہ اُسکا گُلستان کا باب " بیاض جہان کا ہَی وہ اِنتخاب " فضا اُسکی دیکھی اگر ایک نظر " تو دِل تنگ ہووی نہ پھر عُمر بھر " بھلاتی ہَی ایک لخت غم اُسکی سَیر " خُوش آتی ہَی بس دمبدم اُسکی سَیر " سمان وَہان کا دیکھی اگر ایک ذرا " تو مانی نہ لی نام ارژنگ کا " بہت مَین نی یُون اُسکی تعریف کِی " ہَی اُردو کِی بولِی کا ماخذ وُہِی " اَور نخّاس کی بازار کِی طرز ہَی جُدِی " فضا اُسکی فضاۓ عالم سی بھِی بڑِی " صحن اُسکا اقسام کی چارپاؤن سی مالامال " زمین اُسکی نہایت صاف بتّا ڈھال " ہر ایک طرف خلق کا ایک دنگل " جا بجا چہل پہل " چابک سوار قِسم قِسم کی گھوڑون کو پھیر رہی ہَین " خرِیدار دلّالون کو گھیر رہی ہَین " سودا وَہان کا دست بدست " ہر ایک دلّال کوڑیالا مال مست " کوئی گھوڑی کی مول تول کی لِیی ہاتھ لاتا ہَی " کوئی کھڑا ٹٹّو ہِی چُکاتا ہَی " ایک طرف سِپاہی پیشہ بھلی آدمِی چبوترون پر اپنی

اپني زِين پوش بچھائي حُقي لگائي بَيٹھي هَين " کِسي طرف بانْکي ٹيڑھي اپْنِي مجْلِس جمائي بيٹھي هين " ايک طرف کَئِي شُہدي شِکستي سُلْفي کي دم مارْتي هَين " کہين دو چار لُچّي پُخْني زِيادہ گو اپني اَڑھائي چانْوَل جُدي هِي بگھارْتي هَين " غرض ميلي کِي سِي دھُوم اَور چھڑِيون کا سا هُجُوم هر روز سِواي جُمْعي کي دو پہر ڈھلي تلک رہْتا هي (بيت) خلْق کا رہْتا هَي زِبس اِزْدحام " رہْتِي هي نِت ميلي کِي سِي دھُوم دھام " جِنْس هر ايک قِسْم کِي وَهان خوَار هي " گھوڑون کِي يہ گرمِئ بازار هَي " اسْپ هر ايک مُلْک کي هين بي شُمار " مانْگو اگر ايک تو لا دين هزار " گوکہ يہ کثْرت هَي پہ قيمت گِران " سسْتا اگر چاهو تو پاؤ کہان " بسکِہ وَهان رہْتِي هَي نِت لاؤ لاؤ " بڑھْتا هِي جاتا هَي سدا اُنکا بھاؤ " گھوڑيکا مت پُوچْھِئ کُچھ مول تول " ٹٹّو هَي کنکائِي کا ترْکِي کي مول " گھوڑا هر ايک شخْص کو درْکار هي " پِير و جوَان جو هَي خرِيدار هَي " بلْکِہ يہ احْوال هي هر طِفْل کا " دائِي سي کہتا هَي کِہ گھوڑا هِي لا " کوئِي کھِلَونا اُسي کَيسا هِي دي " گھوڑي سِوا يِہ نہين مُمْکِن کہ لي " ديکْھا کُمْھارون ني جو يِہ کُچھ سُبھاؤ " مِٹّي کي گھوڑي کِيئي نُقْري کي بھاؤ " الْغرض اِس مُلْکِ مُبارک بُنْياد کا هر ايک محلّہ خُوش سوَاد " اَور هر مقام آباد "

بنابر اُسکي مسجدين خانقاهين مدرسي پاکيزو دلچسپ کثرت سي هين " اور خانه باغ بهي بهتايت سي " ليکن سن ايک هزار ساٹهه هجري مين مطابق چوبيسوين سال شاهجهاني کي نافِ شهر مين ايک جامع مسجد سنگ سرخ کي ايسي بني که اگلون ني نه ويسي ديکهي نه پچهلون ني سُني " نيو اُسکي تا به سمک " مناري اُسکي سر بفلک " گنبذ چرخ بلا گردان اُسکي گنبذونکا " عالم بالا تلک جلوه اُسکي برجيونکا " زينه اُسکي منبر کا پايهٔ عرش سي اُونچا " ستون کهکشان اُسکي ستون در سي نيچا " محراب اُس کي محلِ اجابتِ دعا " نمازي وهانکا مقبول درگاهِ کبريا " ديوارين سدِ سکندر سي بلندتر " صحن اُسکا صحنِ فردوس کي برابر (بيت) حوض هي ايک صحن مين اُسکي لطيف " پاني هين فيض اُسي وضيع و شريف " سنگ هر يک اُسکا به از يشم هي " چشمهٔ حيوان کا وُه هم چشم هي " جو که نمازي کري اُسي وُضو " حشر مين محشور هو با آبرو " ايک بهي بوند اُسکي اگر جسني پي " اُسکو هوا تصفيهٔ باطني " اُسي طهارت هي سراپا نجات " هي وُه گنهگارون کو آبِ حيات " جو کوئي ايک قطره بهي اُسکا پيئ " پياس نهو حشر مين بهي گر جيئ " غسل جو ايک بار بهي اُس مين کري " سايي سي پهر اُسکي جهنم ڈري " هر چند مسجد و باغ اور مسافر خاني کي بنا

سي فائدہ لا کلام هَي کيونکه بناني والي کا دُنيا مين نام اَور خلق کو بِلا شُبهه آرام هَي ليکن حمّام کِي تعمِير هر پِير و جَوَان کِي راحت کا مُوجِب هوتي هَي اَور هر شخص کي دِل کِي کُلفت کهوتِي هَي چُنانچه بادشاهِي حمّام سي اِس شهر مين ايک فَيضِ عامّ هَي کوئي بشر محرُوم نهين ساخت مين وہ فلاطُون کي حمّام سي خُوبتر " در و دِيوار اُسکي خُوش اُسلُوب سراسر " سطح اُسکي گُنبذ کِي کُرۂ نار سي مِلي هُوئي " اَور ديوارون کِي نيو مرکزِ زمين سي لگِي هُوئي " جامه خانه اُسکا بِهترِين مکانات " حَوض وَهان کا خُشک مِزاجون کي لِيي آبِ حيَات " مطبخ اُسکا مخزن آتش سوزان کا " ماہ آئِنه اُسکي تابدان کا " حرارت اُسکِي حرارتِ غرِيزي کو بهڑکائي " اَور رُطُوبت اُسکِي رُطُوبتِ اصلِي کو بڑهائي " (ابيات) پاتي هَين يهان چَين سبهي خاصّ و عامّ " بس يِهي حمّام هَي خَيرُ المقام " تيل ملي اُس مين گر ايک بار جو " اُس کو پوست کا مرض پهر نهو " مَيل جو کوئي چاهي کِه دِل کِي چهڑائي " حَوض مين بس اُسکي وہ غوطه لگائي " اُس مين نهاوي جو کوئي ايک دم " قلب پر اُسکِي نرهي گردِ غم " وَصف کري اُسکا سُخندان اگر " پهر نکهي شِعر بجز شِعرِ تر " اُسکِي جو تعرِيف مين کهولي دَهن " گرم رهي اُسکا هميشه سُخن " القِصّه اُس شهر کا هر مکان لاثاني " ساتهه اِسکي عِمارات کِي

فراوانِي " پر بسْتِي کي اَنْدر جَيسِي مکانات کِي کثْرت هَي " وَيسِي هِي باهر قبْرون کِي بَهُتايَت " اکْثر بادْشاهون وَزِيرون اَمِيرون کي مقْبري اطْراف مين هَين پر مشْهُور تر مقْبره هُمايُون بادْشاه کا کَيقُباد کِي کِيلُوگڑْهِي مين جمُنا کي کِناري پر هَي سِواي اِسْکي وُه عُلما فُضلا فُقرا کِه اپْني عهْد مين مشْهُورِ آفاق تهي اُنْکي مزار بهِي اِس کثْرت سي هَين کِه ايک شهْرِ خموشان بسْتا هَي *

سرْکارِ نارْنَول ايک قدِيم قصْبه هَي دِهْلِي سي پچاس کوس کي فاصِلي پر آب و هَوا وَهانْکِي نِهايَت خُوب سَوَاد اُسْکا هر ايک صاحِب طبْع کا مرْغُوب عِمارتين اُس مين اکْثر پُخْته و سنْگِين مِهنْدِي وَهانْکِي نِپٹ رنْگِين کهيت اُسْکي بسْتِي کي قرِيب اکْثر اَوقات لڑْکي وَهانْکي باشِنْدون کي کهيلْتي کهيلْتي کهيتون پر جا نِکلْتي هَين اَور گهر کو آتي هُوئي مِهنْدِي کي پتّي اپْنِي جُوتِيون مين بهر ليتي هَين غرض گهر پهُنْچتي پهُنْچتي پاؤن اُنْکي لال عُنّابِي هو جاتي هَين شِکار بهِي هر قِسْم کا بَهُتايَت سي چُنانْچِه چِڑِيمار پَيسي کي چار چار تِيتر بيْچ جاتي هَين پهِر گوشْت اَور ترْکارِي کِس کو غرض هَي کِه منْگوائي اَور کهائي مگر بضرُورت يا بسببِ عادت سِواي اِسْکي پهُول پهل هر ايک موسِم کي خوش بو خُوش ذائِقه بَافْراط مُيَسّر آتي هَين اَور خواهِش مندون کي دِل و دِماغ کو راحت و آرام پهُنْچاتي هَين مُتَوطّن وَهانْکي نُجبا شُرفا هر قَوم کي

پر شیخ سید اکثر بلکہ فضلا علما بھي محمد شاہ فردوس آرامگاہ کي وقت تلک
شہر مذکور خوب آباد تھا اور عالم فاضل یہہ غالب تھي کہ ماہ رمضان مین
مقدور نہ تھا کہ دو پہر ڈھلي تلک نان بائي یا بھٹھیارا تنور گرم کري یا
بھڑبھونجا بھاڑ جھونکي یا کوئي بازار مین دن دہي حقہ پیئي احیانًا اگر کسي
سي ایسي حرکت ہو جاتي تو محتسب کي ہاتھ سي اسکي آبرو جاتي شہر
کي اندر باہر درگاہین اکثر کیونکہ ہزارون بزرگ صاحب کمال اس سرزمین
مین آسودہ ہین لیکن صاحب ولایت سید محمد ترک مزار اس بزرگ کا
بستي کي اندر ہي سالہاي سال گذري کہ کفار کي ہاتھ سي وہ بزرگوار شہید
ہوا عجیب و غریب حکایات و خرق عادات اسکي مزار سي وہانکي باشندي
منسوب کرتي ہین اور اپني مرادونکي لیي جمعرات کو جاکر وہان چوکیان
بھرتي ہین لیکن بتخانہ دیہرا اس وقت تلک قصبۂ مذکور کي اطراف مین
کوئي ہندو بنا نسکا تھا چنانچہ ایک اتیت ني نواب مظفر خان خاندوران
کي بھائي کو بہت سي روپي نذرانہ دیکر چاہا تھا کہ ایک بتخانہ وہان بنائي
اور بنیاد کفر کي قایم کري اتفاقًا اس وقت نواب مرحوم کا قصبۂ مذکور سي
سات کوس کي فاصلي پر ڈیرا تھا علاوہ اسکي سرکار مذکور اسکي جاگیر بھي
تھي غرض اس اتیت ني آبادي کي قریب بتخاني کي نیو ڈالي بلکہ تھوڑي

سي دِيوار بهِي اُٹهائِي که شاه عبدُ البَاقِي پِيرزادي کو يِه خبر پهنچي سُنتي هِي
سوَار هُوا اَور سيکڑون اشخاص خواص و عوام سي اُسکي ساتھ هو لِئِي آخِر آنکر
دِيهري کِي بُنياد ڈهائِي اَور اِنيت کو خُوب سزا دِي اُسني جاکر نوّاب سي
فرياد کِي نِهايَت غُصي هُوا اور کَئِي سردارون کو معه فوج بهيجا کِه پِير زادي کِي
حَويلِي ڈها دين اور گهر لُوٹ لين ليکِن شيخ اپني مکان مين باِستقلال يادِ الٰهِي
مين بيٹها رَها مُطلق نڈرا يهان تلک کِه وَهان کي لوگون کو منع کِيا کِه کوئِي
ميرِي مدد کو نه آئي اَور اپني تئِين اِس بلا مين نه پهنسائي کِه سِواي قادرِ لا
يزال اِس وقت کِسي سي يارِي و مددگارِي منظُور نهِين کيُونکِه جنگ و جدل
فقِيرونکا دستُور نهِين القِصه وي لوگ جو بَارادهٔ پرخاش آئي تهي يِه سوچي
کِه دُنيا کي واسطي اِيمان کهونا اَور عاقبت سي هاتھ دهونا عبث هَي چار و
ناچار هر ايک شيخ سي بَارادت پيش آيا اَور نقدِ ايمان اپنا دُنيا کي لالچ پر
کِسي ني نه گنوايا نوّاب ني بهِي اِس ماجري کو سُنکر انفعال کهينچا اَور اُس
کارِ نا شايِسته سي هاتھ اُٹهايا جب احمد شاه کِي بادشاهت هُوئِي مُلک و
معاش وَهانکي نُجبا کِي گهٹني لگِي جماعت مين اُنکِي تفرقي ني راه پائِي
جِسني سُبهتا اپنا جِدهر ديکها اُدهر کِي راه لِي آخِر شهرِ مذکُور ويرانه بن گيا اور
جِسني چاها وَهان عمل کرلِيا اب تلک تو يِهي حالت هَي آگي ديکهِيي کيا

هو الغیب عند الله اور شاهجهان آباد سي تیس کوس کي مسافت پر* پاني پت ایک قدیم قصبه هي شیخ شرف بو علي قلندر وهین پیدا هوا اور چالیس برس کا هوکي دلّي مین آیا پهر خواجه قطب الدین کي خدمت مین مشرف هوا لیکن بیس برس تلک علوم ظاهري کي تحصیل مین رها جب نور رباني کي تجلّي اسکي آئینهٔ باطن مین هوئي ساري کتابین جمنا مین ڈبو دین اور مسافرت اختیار کي جس وقت روم مین پهنچا شمس تبریز و مولوي روم سي استفاده اٹهایا سواي انکي بهي وهان کي اکثر اولیا سي بهت سا فایده پایا ندان اپني وطن کو پهرا جب که وهان پهنچا کنج عزلت مین بیٹها یهان تلک که جهان سي اٹه گیا اسکي بهي کشف و کرامات کا ایک عالم گواه هي" اور مزار ایک جهان کي زیارت گاه " سرهند قدیم شهر هي ساماني کي متعلقات سي فیروزشاه ني اپني سلطنت مین سن سات سو ساٹه هجري کي بیچ اسي جدا کرکي ایک علیحده پرگنه مقرر کیا آبادي و رونق اسکي پهر دن بدن بڑهتي گئي سرهند سي بیس کوس کي فرق پر بهوانا گهاٹ ایک معبد هي بیشتر لوگ اسکو مهادیو کهتي هین هندوون کي قدیم پرستش گاه هي لیکن فدائي خان کوکه که امراي عظام سي تها اسني عالم گیر کي سن چار جلوسي مین وهین رهنا اختیار کیا نام اسکا بجنور رکها وهان کي راجا کو که کئي پشت سي راج کرتا تها

حسب الحکم بادشاہ کي نکال دیا اور ایک باغ نہایت مطبوع خوش قطع پانچ درجي کا بنایا عمارتین اسکي نیت انوٹھي اور بیٹھکین نہایت لگونہین جي اگر کیسا ہي اداس ہو تو وہان لگ جائي بلکہ دل پر اداسي پھر کبھو نہ آئي سواي مکانات کي صنعت کي یہہ عجب کام کیا کہ دامن کوہ کي آبجو کو اس باغ مین اس حکمت سي لایا کہ وہان جتني حوضون اور نہرون مین فوارے تھي اسیکي پاني سي چھوٹني لگي محتاج خزانیکي نرہي اور گلاب بھي اس کثرت سي اس مین پھولتا ہي کہ موسم مین ہر روز انگنت پھول خوش رنگ و پاکیزہ اترتي ہین چنانچہ خلاصۃ التواریخ کا راقم لکھتا ہي کہ مین موسم بہار مین جس دن اس گلزار سراپا بہار کي سیر کو گیا تھا اس دن چالیس من گلاب کي پھول اس باغ سي اترکر گلاب خاني مین گئي تھي (بیت) روش پر بھي اسکي تھي پھولون کي ڈھیر " نہوتي تھي پر سیر سي اسکي سیر" غرض سال بسال پھولون کي وہان ترقي اور بہار کي زیادتي تھي ۞ تھانیسر ایک پراني بستي ہي ہندوستان سي تین کوس پر جنوب رو قریب اسکي کور کھیت نام ایک بڑا تالاب ہي ہندي کتابون مین اسکو نافِ زمین لکھا ہي اور پیدایش کي ابتدا بھي ہندوؤن کي نزدیک اسي مکان مین ہوئي ہي حاصل یہہ ہي کہ اسکو بڑا تیرتھ جانتي ہین اور نہانا اس مین ثوابِ عظیم

خصوصًا سورج گہن مین کیونکہ اُس روز دور دور سي گروہ گروہ رنڈي مرد عامّ خاص بلکہ سب چھوتي بڑي آنکر وہان جمع ہوتي ہين اور نقد و جنس انواع و اقسام کي ظاہر و مخفي خيرات کرتي ہين ہرچند کہ اُن مين کوئي کيسا ہي بخيل يا مفلس ہو پر اپني قدر و طاقت سي زيادہ دان پن کرتا ہي بلکہ سواي تالاب مذکور کي اٹھتاليس کوس تلک جتني جھيلين تالاب حوض کوئي اطراف شہر کي اور وي مکانات جنکي نزديک سرستي ندي بہتي ہي بلکہ وي بيٹھکين بھي کہ اگلي منيون کي نام سي مشہور ہين اور قديم کتابون مين مسطور اُن سب کو تيرتھ جانتي ہين اِسي سبب پانڈو اور کوروکہ پيشوا ہندوونکي تھي آپس مين لڑکر وہين ماري گئي اور چاليس کوس دلّي سي پري شمال رو سنبھل ايک قديم شہر اُس مين ہرمندر ايک پراني پرستشگاہ ہنود کي ہي کہتي ہين کہ دور آخري مين ايک اوتار وہين سي نکليگا قريب اُسکي ✡ نانک متا بابا نانک کي چيلي اور سيوک وہان اکثر جمع ہوتي ہين اور جپ تپ مين مشغول رہتي ہين اُتر طرف اُسکي کماؤن کا پہاڑ سوني روپي تانبي شيشي لوہي گندک سہاگي کي کھان اُس مين ہي سواي اِسکي باز و شاہين اور چنگل گير پرندي وہين سي آتي ہين بلکہ سرہ گاي مشک کي ہرن ريشم کي کيڑي پہاڑيي ٹانگن اکثر وہين ہوتي ہين

اَور سُفید شہد بھِي بَہتُایَت سي وُہین مِلْتا هَي از بسْکه بسْتِي اُسْکِي محفُوظ اَور
بي لگاؤ هَي بسبب اُسْکي اڑتلي کي زمِینْدار وَہان کي بادْشاهون سي نہِین
دبْتي همیشه بغِي رَہْتي هَین راقِم ایکْ مرْتبي همْراه نوّاب آصفُ آلدَّوله مرْحُوم
کي حسن رِضا خان بهادُر مغْفُور کِي رفاقت مین نانکْ متي تلکْ گیا هَي
لیکِن پهاڑ کِي گهاٹِي مین اِتِفاق جاني کا نہِین هُوا بلْکه کوئِي شخْص لشْکر کا
وَهان نہِین جا سکا فِي آلْوَاقِع راه اُس پهاڑ کِي نِہایَت سخْت اَور کُڈهب
هَي لیکِن پهاڑیِي وَهانْکِي جِنْس میْوه اَکْثر لاکر لشْکر مین بیْچِ جاتِي تهي خُصُوصًا
اخْروٹ بہتُایَت سي اَور نہِایَت سسْتي الْغرض اِس صُوبي مین دو دریا بڑي
هَین ایکْ جمُنا کِه سرچشْمه اُسْکا معْلُوم نہِین اکْثر سَیّاحِ جہان گرْد خُصُوصًا وي
کِه چِین سي پهاڑون کِي راه آتي جاتي هَین اُنْکِي زباني یُون سُنا هَي کِه یِه
دریا چِین مین سي هوکر پهاڑون کو کاٹْتا هُوا بشْبهر مین پہُنْچا هَي کهتي هَین
کِه اُس مُلْکْ مین سونا بہُت هوتا هَي وَجْه اِسْکِي یِه هَي کِه اکْثر سنْگْ ریزي
وَهانْکي تاثِیر پارس کِي رکّهتي هَین لوها تانْبا اُنْکو لگْ کر سونا هو جاتا هَي
لیکِن پہچاني نہِین جاتي اِس واسْطي وَهانْکي باشِنْدي گهوڑي ٹٹُو بیَل کي پاؤن
مین نعْل باندْه کر چرْني کو وَهان کي پهاڑ پر چهوڑ دیتي هَین بسا اَوقات اُنْکي
نعْل سوني کي بن جاتي هَین اَور اُس مُلْکْ کي حاکِم کي یہان نقاري بهِي

سونی کی ہین پہر اور اشیا اور ظروف کا تو کیا شمار ہی القصہ دریای مذکور
اس دیار مین سی ہوکر سرمور مین آیا ہی چنانچہ وہانکی زمیندار سلاطین
ہند کو بلکہ وہان کی وزرا امرا تلک دریا کی راہ سی برف کشتیون پر
بہیجتی تہی اسی سبب عوام الناس وہان کی راجا کو برفی راجا کہتی تہی
پہر وہان سی پہاڑ پر ہوکر اس زمین مسطح پر پہنچا ہی کہ شاہ جہان نی
وہین اسکی کناری پر ایک قصر عالیشان بنایا ہی بلکہ ہر ایک امیر صاحب
منزلت نی سوای ان کی بعضی بعضی اور بادشاہی بندون نی بہی موافق
اپنی قدر و حوصلی کی عمارتین ستہری ستہری دل چسپ بنائین ہین اسی
جہت سی وہان ایک معمورہ مختصر سا لگونہان بن گیا اور مخلص پور اس
کا نام ہوا چنانچہ بادشاہ اکثر اوقات وہان سیر کو جاتی تہی اور ایک حظ
اٹہاتی تہی اسی مقام سی شاہ نہر کہ آدہی جمنا برابر ہی شاہجہان آباد
مین کاٹ کر لیگئی ہین اور دریای مذکور پہاڑ سی اترکر اکثر محال کی تازگی
کا باعث ہوا ہی چنانچہ قلعہ ارک اور کتنی مکان بادشاہی امیرونکی اسی
کی کناری ہین پہر وہان سی متہرا اور گوکل اور بندرابن مین پہنچا بی دار
الخلافہ سی پندرہ فرسخ کا عرصہ رکہتی ہین پہر اکبر آباد کی تلی گیا چنانچہ
وہان بہی اکثر عمارات بادشاہی اور امیرونکی حویلیان لب دریا ہین بعد

اِسکي اثّائي کي شهْر و قلْعي کي نِيچي جا نِکْلا پهِر کالْپِي کي مُتّصِل گيا اُسْکي
بعْد اکْبر پُور مين چُنانْچه عِمارتين راجا بِيرْبل کِي اُسِي کي کِناري پر هَين اَور
راجا مذْکُور شهْرِ مسْطُور هِي مين پَيدا هُوا اَور اُسِي شهْر کي تلي دريای چنبل
اَور بيتوه اَور استان § سِواي اِنْکي اَور بهِي درياو گونْدواني کِي طرف سي جُدي
جُدي آکر اُس مين مِلي هَين پهِر جمُنا ملْکوسي مين هوکر اِله آباد کي قلْعي
کي نِيچي گنْگا سي آ مِلي اَور دُوسْرا درياو گنْگا اُنْکي بهِي سرچشْمي سي کوئي
واقف نهِين ليکِن هِنْدُوون کي عقِيدي مين يُون هَي کِه گنْگا بيکُنْٹهه سي اُتْرِي
شرْح اِسْکِي هُنُود کِي قدِيم کِتابون مين هَي اَور کَيلاس پربت پر هو چِين کي
مُتّصِل جا نِکْلي چُنانْچه فِرْدَوسِي کي شاهْنامي مين هَي کِه پتّهر کي عِمارات
سِياوُش بِنِ شاه کَيکاوُس کِي لبِ گنْگا هَين پهِر وهان سي کوهِسْتانِ بدْري مين
آئي وُنْهِين ايک اِحاطه برْف کا هَي کِه هِمانْچل اُس کو کهْتي هَين هِنْدُو اپْني
کايا کو اُسِي مين گلانا باعِث آخرت کِي نجات کا جانْتي هَين چُنانْچه پانْڈُوون
ني جاکر اپْني بدن اُس مين گلائي ليکِن کِناري اُس دريا کي اُس پهاڑ مين
اِس قدْر بُلنْد هَين کِه پاني بدِقّت دِکهائي ديتا هَي ناؤ پر آدْمِي پار نهِين جا

§ In a Persian MS. written دستان, and perhaps intended for the Cane River.

سکتي اِس واسطي گُذاري کِي جاگہہ بڑي بڑي موٹي رسّي دونو کِنارون کي درختون سي مضبُوط باندھتي هَين اَور چھینکون پر اُن کي سہاري سي پار اُترتي هَين غرض بدري ناتھہ کِي پرستِش کو خلایِق شہر شہر سي آتِي هَي لیکِن اِس طرح کا طَور گُذاریکا جو کِسي آدمِي ني نہِین دیکھا بسبب اِسکي آني جاتي اُس پر نِہایَت دِقّت هَين بعد اُسکي دریاي مذکُور بدري ناتھہ کي پہاڑ سي بہتا هُوا سري نگر تلي آیا اَور وَهان سي رِکھي کیش مین جاکر هردوار کي پہاڑ مین جا نِکلا هَي اگرچه گنگا سر تا سر هِندُوُون کي مذهب مین پُوجني کي قابِل هي علي الخُصُوص اُس مقام کي بِیچ چُنانچه هر سال بَیساکھي کي نہان کو هر طرف سي ایکٔ خِلقت آکر وَهان جمع هوتِي هَي پر جِس سال کِه مُشتري دلو مین آتِي هَي زبانِ هِندي مین اُسي کُنبھ کہتي هَين اُس برس دُور دُور کي لوگٔ کثرت سي آتي هَين اور وَهان نہاتي هَين حاصِل یِهه هَي کِه وَهانکا نہانا دان پُن اَور ناخُن لینا سِر مُنہہ کي بال مُنڈانا بڑا ثَواب جانتي هَين بلکه مُردون کِي هڈّیون کو بھي اُس جگہہ گنگا مین ڈالنا وَسیله نجات کا سمجھتي هَين اَور پانِي وَهان کا بطَورِ تُحفي کي بہنگیون مین مُلکٔ بمُلکٔ پہنچاتي هَين لُطف یِهه هي کِه مُدّتون پانِي اُس دریا کا اگر باسنون مین رهي مُطلق نہِین بگڑتا کِیڑا اُس مین کبھو نہِین پڑتا ساتھہ اِس کي مِیٹھا اَور هلکا

ساری دریاؤں کی پانی سی ہَی اِس پر خُوبی یہہ کِہ ہر ایک کی مِزاج کو راس
آتا ہَی یہان تلک کِہ بعضی بیمارون کو شِفا بلکِہ کِتنی مُزمِن بیماریون کو
فایدہ دَوَا کا بخشتا ہَی با وُجُود اُسکی تندرُستون کو تَوَانائی تازگی مِعدی کو
صفائی قُوّتِ ہاضِمہ کو ترقی دیتا ہَی سِوای اِن باتون کی رُطُوبتِ غریزی کو
بڑھاتا ہَی بھُوکھ زیادہ لگاتا ہَی رنگ لال کرتا ہَی اَور مِزاج بحال اِسی واسطی
ہِندُوستان کی بادشاہ اَور اکثر اُمرا کہِین ہوئِن پر اُسی کا پانی پیتی ہَین قِصّہ
مُختصر یہہ دریاؤ ہردوار سی سادات بارہ کی بستی مین ہوتا ہُوا ہستِناپُور کی
مُتصِل جا پہُنچا پھِر وَہان سی گڈّہ مکھیتر و انوپ شہر و کرنباس و سورُون اَور
بداؤن کی قرِیب اَور وَہان سی قنَوج کی مُتّصِل نِدان شیوراج پُور اَور کھجوی
و مانِک پُور و شہزاد پُور مین ہوتا ہُوا قلعی اِلہ آباد کی تلی جا نِکلا ہَی
وُہین جمُنا بھِی کَئی دریاؤن سمیت اُس مین آمِلی پھِر گنگا چنار گڈّہ اَور
کَئی محالون کی تلی ہوتی ہُوئی بنارس کی نیچی جا پہُنچی غرض پٹنی کی
تلی پہُنچتی پہُنچتی بہتر دریاؤ اُتر اَور دکھن کی پہاڑون سی جُدی جُدی آکر
اُس مین مِلی پر نام اُسیکا باقی رہا مگر پاٹ بہُت بڑہ گیا کِہ کِنارہ وَہان
بَدِقّت نظر آتا ہَی اَور برسات مین تو دِکھائی ہِی نہِین دیتا پھِر وَہان سی
راج محل و مُرشِداباد و سیدادپور و ہجراھٹی مین ہوتی ہُوئی جہانگیر نگر کی تلی

پہنچي ڈھاکه بھي اُسي کا نام هَي بعْد اُنْکي کَيي فرسْخ جاکر دو حِصّي هُوئي
ایکْ تو شرْق رُو جاکر چاٹ گام مین شور دریا سي مِل گیا نام اُنْکا پدْماوتي
تھہرا دُوسْرا جنُوب کِي طرف بہکر تِین ٹُکري هُوا ایکْ کو سرستِي کہتي هَین
دُوسْریکو جمُنا تِیسْري کو گنْگا پھِر اُنْکي چھوٹي چھوٹي هزار سوتي هوکر بنْدرِ
چاٹ گام کي نزْدِیکْ دریاي عُمّان مین مِل گَیي بعْد اِنْکي سرستِي اَور جمُنا
بھِي اُس مین آ مِلین پر تحْقِیق یِہه هَي کِه گنْگا راج محلّ سي آگي بڑھ کر
مُتّصِل قاضِي هٹّي کي جب پہُنچِي نام اُنْکا پدا هُوا وهِین سي ایکْ سوتا
جُدا هوکر مُرشِد آباد کِي طرف گیا پھِر ندِیا مین پہنْچ جلنگِي سي مِل کلْکتّي
کي نیچي هو دریاي شور سي جا مِلا اُسي کا نام بھاگِي رتي هَي اَور پدا کِه
اصْل گنْگا هَي وُه چاٹ گام مین جاکر سمُنْدر سي مِلي لیکِن ڈھاکي سي یِہه
دریاو تِین کوس پر هَي مُتصِل اُنْکي بُوڑھي گنْگا قِصّه کوتاه چاٹ گام کي دریا
تلکْ پہُنچتي پہُنچتي گنْگا جمُنا سرستِي کي هزار سوتي هو گَیي اَور اکثر سیّاحون
کِي زبانِي سُنّي مین یُون آیا هَي کِه گنْگا کي کِناري پر اِبْتدا سي اِنْتِہا تلکْ
بیشتر مُنْڈھ مرد چور مُفسِد راهزن بستي هَین وَجْه اِسْکي ایکْ لُطْف سي
صاحِبِ خُلاصةُ التّوارِیخ ني یِہه لِکْھي هَي کِه از بس کِه اِس مین نہاني سي
گُناه لوگون کي جِسْم سي دُور هوتي هَین اغْلب کِه وي هِي بطَورِ تناسُخ پیکرِ

اِنْسانِي مين جنم ليکر خلق کو يهان اذيّت ديتي هَين فِي آلْجُمْله صُوبه مذکُور
کِي هَوا قريب اِعْتِدال کي هَي اَور زِراعت اُس مين بارانِي و سَيلابِي اَور کہِين
کہِين کُوئن سي سِه فصْله هوتِي هَي ميْوه بهِي اِيران و تُوران تلک کا گُوناگُون
کثْرت سي اَور پهُول خُوشْبو اَور رنْگِين طرح بطرح کي بہُتايَت سي هر فصْل
مين هوتي هَين عِمارتين بهِي بڑِي بڑِي پُخْته سنگين و خِشْتِي اِفْراط سي بنْتِي
هَين صُوبه اکْبر آباد اُسْکي مشْرِق کِي طرف صُوبه لاهَور مغْرِب کِي طرف صُوبه
اجْمِير جانِبِ جنُوب کماؤن کا پہاڑ جانِبِ شِمال اَور پلْوَل سي اکْبر آباد
ليکر تا لُودْهِيانه کِناره دريای ستْلج طُول ايک سَو ساٹه کوس کا اَور سرْکارِ
ريواڑِي سي کماؤن کي پهاڑ تلک عرْض ايک سَو چالِيس کوس غرض
شاهْجهان آباد و سِرْهِند و حِصار فِيروزه سهارنپُور و سنْبهل و بداؤن و ريواڑِي
و نارنَول آٹه سرْکارين مُتعلِق اُنکي دو سَو اُنْتِيس محالّ آمْدنِي اِس صُوبي کي
چَوهتّر کڑوڑ ترسْٹه لاکه پَينْتِيس هزار دام اَور يِه اِصْطِلاح مين مُتصدّيون کِي
پچِيسْوان حِصّه پَيسي کا هَي

صُوبه مُسْتقرُ آلْخِلافة اکْبر آباد آگْره ايک گاؤن پرگْنه بيانه کي مُتعلِقات سي
تها سُلْطان سِکنْدر لودِي ني اُس مکان کو پُر فضا ديکه کر تخْتگاه مُقرّر کيا اَور

ایکٹ شہر نہایت خوب بسایا اُسکي بعد بادل گڈہ مشہور ہوا پہر شاہ جلال الدین اکبر ني ممالکِ محروسہ کا بیچون بیچ سمجھ کر ایکٹ قلعہ نہایت مستحکم بنایا ساتھ اُسکي شہر بھي نہایت وسیع و خوش اُسلوب پُر عمارات بسایا سچ تو یہہ ھي کہ کسي جہاندیدہ ني قلعہ اِس متانت کا اَور شہر اِس وسعت کا نہین دیکھا جمنا چار کوس تلکٹ شہر کي درمیان بہتي ہَي دونو طرف عمارتین عالیشان اَور رنگ برنگ کي مکان خدا کي قدرت کا تماشا دکھاتي ھین با وجود اِسکي اشخاص ھر قوم کي اَور باشندي ھر ملکٹ کي کثرت سي مجتمع ” علي ھذا القیاس اجناس و اشیا بھي ھفت اقلیم کي جیسي چاھیي ھر وقت بہتایت کي ساتھ موجود بھانت بھانت کي میوي ھر شہر و ولایت کي اَور رنگ برنگ کي پہول ھر فصل مین بخوبي بہم پہنچتي ھین پر وھان کي خاص میوون مین خربوزہ نہایت شیرین و خوش مزہ و خوش بو ھوتا ھي لیکن کُچھ چھوتا اِسي واسطي اکبر آباد کي جمالي مشہور ھي پان بھي وھان کا نازکتر ساتھ عطریت کي سواي اِسکي اشیا بھي انواع و اقسام کي لطیف و اعلا بنتي ھي کاریگر بھي اپني اپني صنعت مین کامل موجود خصوصاً کارچوب یہان کا سنہري رپہري نہایت چوکھا اَور جگمگا ھوتا ھي بنابر اِسکي اکثر سوداگر کارچوبي تہان اَور چیري خرید کر ملکٹ

بملک لیجاتي هین اور انتفاع اکثر اٹهاتي هین قصه مختصر شهر مذکور نهایت
آباد و با رونق هي مزار بهي اُس مین علما و اولیا کي اکثر هین اور مقبره
محمد اکبر بادشاه و شاهجهان کا قریب اُسکي نهایت اسلوب و نمود کي ساته
هي * بیانا قدیم زماني مین ایک بڑا شهر تها اور قلعه بهي اُسکا نهایت
مضبوط و محفوظ اگلي وقت مین گنهگار بندیوانون کو وهین رکهتي تهي مهندي
وهان کي نپت رنگین اور آم بهي بهت بڑا وزن مین قریب ایک سیر کي *
سیکري ایک گاؤن هي اُسي کي علاقي کا اکبر آباد سي باره کوس پر اکبر
بادشاه ني شیخ سلیم چشتي کي فرماني سي وهان ایک قلعهٔ سنگین بنایا ساته
اسکي عمارتین اچهي اچهي خانقاهین خوب خوب مسجدین پاکیزه پاکیزه
بنائین پهر فتح پور اُسکا نام رکهه کر دار السلطنت مقرر کیا متصل اُسکي ایک
بڑا تالاب هي دو کوس کي پهیر مین کناري پر اُسکي ایک بڑا ایوان و ایک
مینار عالیشان علاوه اسکي ایک مکان هاتهي لڑائي کا بهت بڑا اور چوگانگاه
نپت پرفضا قریب اُسکي سنگ سرخ کي کهان چنانچه ستون اور چٹانین
سواي انکي عمارات کي لوازم جس قدر اور جتني اندازي کي درکار هون وهان
سي نکل سکتي هین * گوالیار نامي قلعه هي آب و هوا اُسکي نهایت خوب
استواري مضبوطي بهي نپت مشهور تا اسلوب سلطنت جو زنداني قابل حفظ

کي هوئي تهي اُنکا ٹهکانا وُهين تها باشِندي وَهانکي ہمرتبه زبان اَور گوّيي نِهايَت با اثر اَور محبوب دِلرُبائِي مين خُوب چالاک اَور قيامت بي باک هوتي هين مزار شيخ محمّد غوث کا بهِي وُهين هَي کهتي هَين کِه شيخ مذکُور اپني عهد کي صاحِب کمالون مين ممتاز تها اَور تسخيرِ مرّيخ اُسکي عمل مين تهِي * کالپي ايک شهر هَي جمُنا کي کِناري بَہُت سي صاحِب کمال دَرويش اُس سرزمين مين بهِي آسُودہ هين ساتھ اِسکي مشهُور هَي کِه بهيم کي تُودي کي غار مين وَهان فِيروزي اور تانبي کِي کهان هَي ليکِن مداخِل و مخارِج اُسکي برابر هين پر گرمي اپني مَوسِم مين وَهان حدّ سي زِيادہ پڑتِي هَي يهان تک کِه اُسکِي اطراف مين بيشتر بادِ سموم چلتِي هَي اکثر راہ رَو اُسکِي حِدّت سي تَونس کر اذِيّت پاتي هَين بلکِه بعضي تو مر هِي جاتي هَين اِسي ڈر سي وَهان کي باشِندي اِس رُت مين بيشتر گهرون مين بيٹهي رهتي هَين پهرتي چلتي نهين مگر بضرُورت گرمي کا وقت ٹال کر مِصري بهِي وَهان کِي بِلادِ هِند مين مشهُور هَي * متهرا قديم بستِي هَي اِسي دريا کي کِناري پر کنهيا کِي پَيدائِش وُهين هُوئِي هَي اَور هِندوِي کِتابون مين بزرگِي و برتري اُس طبقي کِي بَہُت لِکهِي هَي فِي آلواقِع هِندوونکا بڑا تِيرته هَي آغازِ آفرِينِش سي اُسکو پرستِشگاہ جانتي هَين ٹهاکُر وَهان کا عالمگير کي وقت مين کيشوراي تها چُنانچِه بادشاہ

نی اُسکی مندر کو توڑ کر وُہین ایک مسجد بنائی ہی اور عبد النبی خان فوجدار نی وسط شہر مین ایک مسجدِ عالی بناکر دُنیا مین نام کیا اور عاقبت مین ثواب لیا سِوای اسکی بسرانت مین دریا کی کناری سی اندر تلک کئی سو سیڑھیان سنگین و پختہ بنائین چُنانچہ جیٹھ بیساکھ مین بہی کچھ اوپر سو پانی مین ڈوبی رہتی ہین بسبب اسکی زینت گھاٹ کی بڑہ گئی اور نہانی والون کو راحت حدّ سی زیادہ ہُوئی حاصل یہہ ہی کہ ہندوون کو بہی راضی کیا اور شہرِ مذکور مین نیکنام ہُوا * قنوج قدیم شہر ہی گنگا کی کناری نہایت خوش آب و ہوا میوہ بہی وہان کا اکثر خوب و با مزہ ہوتا ہی بلہور کہ ایک پرگنہ سرکارِ مذکور کا ہی اُسکی تعلّقی کا ایک قصبہ مکن پور درگاہ سیّد بدیع الدّین عرف شاہ مدار کی وُہین ہی اکثر لوگ اُس کو مانتی ہین خصوصاً عوام بیشتر ارزال قصہ مختصر اِس صُوبی مین بہی دریا دو ہی نمود کی ہین ایک تو جمنا جسکا احوال سابق لکھنی مین آیا دُوسرا چنبل کہ اکبر آباد سی آٹھ کوس کی فرق سی ہُوتا ہوا بھداور و سرکارِ ایرج کی محالّ سی گذرتا ہُوا اکبر پور کہ متعلّق کالپی کا ہی وہان پہنچ کر جمنا سی جا مِلا لیکن دریای مذکور کی برآمد کا مقام مالوی کی متعلّقات سی ہی یعنی خاص پور غرض گھاٹم پور اِس صُوبی کی پُورب طرف گنگا اُتر رُخ چندیری دکھن طرف

پلَول پچّهم رُخ طُول صُوبهٔ مذکُور کا گهاٹم پُور اِلٰه آباد کي مُتعلِق سي ليکر تا
پلَول کِه شاهجهان آباد کي عملي سي هَي ايک سَو ستر کوس اَور عرض قنوج
سي تا به چندیرِي کِه وُه مالوي کي مُضافات سي هَي سَو کوس القصّه سرکارِ اکبر
آباد و باڑِي و الَور و تجاره و اِيرج و کالپي و سانوان و قنَوج و کول بروده منڈلاوَر
گواليار و غيره چَوده سرکارين مُتعلِق اُن سي دو سَو اٹهه سٹهه محالّ آمدنِي اٹهانوي
کڑوڑ اٹهاره لاکهه پينسٹهه هزار آٹهه سَو دام ليکِن برسون سي سرکارِ قنوج صُوبهٔ اَوَده
مين داخِل هَي *ڈِيگ کنبهير بهرت پُور بهِي گويا صُوبهٔ اکبر آباد کي مُتعلِقات
سي هَين اٹهاره اٹهاره يا اُنيس اُنيس کوس کا فاصِله اُن سي اَور شهرِ مذکُور سي
هَي قلعي اُنکي نِهايَت مُستحکم و محفُوظ و کلان ساتهه اِسکي اسبابِ جنگِي اَور
ذخيري هر ايک مين اِس بهُتايَت کي ساتهه کِه سالهاي سال قلعي والي مُحتاج
اِن اُمور کي نهون خصُوصًا بهرت پُور مين بالفِعل وُهِي رنجيت سِنگه کا مسکن
هَي قلعهٔ مذکُور سب سي زِياده مضبُوط و محکم چُنانچِه اُسکي گِرد کِي کهائي
ايک چهوٹِي سِي ندِي هَي کِه ناو اُس مين چلي سِواي اِسکي اَور اسباب اَور
آثار حِفاظت کي بهُت سي هَين پر وُسعت مين ڈِيگ کا قلعه اُس سي زِياده
هَي ليکِن مُستحکم و محافظ اَيسا نهين چُنانچِه ذو الفقارِ الدوله نجف خان مِير
بخشي ني بهِي نول سِنگه کِي لڑائِي مار کر اُس کو چهِين لِيا تها ليکِن بهرت

پور کا ارادہ نکیا بلکہ ٹال دیا بنا اُنکی راجا بدن سنگ سورج مل جاٹ کی
باپ سی شروع ہوئی اور اس امر کی ترغیب راجا جی سنگ جی پور والی
نی اُس کو دی بلکہ موجب اُسکی ترقی کا بہی کچھواہوں ہین کا خاندان پڑا
چنانچہ ایسری سنگ نی محمد شاہ فردوس آرام گاہ سی ایک لاکھ چالیس
ہزار روپی پر میوات کا بہی اُس کو اجارہ کروا دیا سوای اسکی ملکی مالی
ہرامر مین اسکا مددگار تہا وجہ اُسکی یہہ ہی کہ جی نگر کی راجاون نی جاٹون
کو اپنا سدِ راہ ٹہہرایا تہا تالیف قلوب کی لیی آپ بہی اُن سی بسلوک پیش
آتی تہی اور حضور اعلیٰ سی بہی رعایتین کرواتی تہی پہر تو دولت اُنکی دن
بدن بڑہنی لگی اور ریاست رونق پکڑنی بدن سنگ نی اپنی جیتی جی سورج
مل کو مختار کیا اور آپ الگ ہو بیٹھا اسنی اُس سی زیادہ گڑھون کی تیاری
کی اور شہرون کی آبادی کو ترقی بخشی سپاہ کی احوال پر بہت متوجہ ہوا
ہر ایک رسالہ دار سردار سی بیشتر سلوک کیا بنابر اسکی اکثر کارہای عمدہ
اُسکی ہاتہ سی نکلی بلکہ بعضی بت باہری کام اُسنی کیی چنانچہ نواب ذو
الفقار جنگ سید صلابت خان میر بخشی پر غالب ہوا اور نواب حکیم خان
سا بہادر اُس معرکی مین مارا گیا غرض اُنکی ریاست کو جو ایک مدت رہنا
ہی بسبب اسکی سوای راجا رتن سنگ کی جو ہوا سو مدبر اور شجاع پر راجا

مذکور کچھ بودا نتھا مگر عیاش و غافل اِسی سبب سی روپانند کیمیا گر کي
ہاتھ سي کشتہ ہوا قِصہ مختصر شورشین اَور شرارتین تو بي اَورنگ زیب کي
وقت سي کرتي تھي چنانچہ زورآور سنگ اکبر آباد و شاہجہان آباد کي قافلي
اکثر لوٹ لیجاتا تھا اَور مسافرون بیچارون کو اقسام کِي اِیذائین پہنچاتا تھا سیسنِي
کِي نواح مین ایک گڈھي بھي اُسني اپني حفظ کي لِیي نہایت مستحکم بنائي
تھِي اُسکي اڑتلي سي فوج بادشاہي سي بھِي کتني دِنون لڑا چنانچہ اکبر آباد
کي ناظِم ني ہرچند اُسکي لیني کا قصد کِیا پر کچھ نہو سکا لا چار دست بردار
ہوا آخر شاہزادہ بیدار بخت ني آکر تین مہیني تک اُسکا محاصرہ کِیا جب
ذخیرہ نبڑ چکا تب زورآور سنگ شہزادي کِي خدمت مین دست بستہ
حاضر ہوا بلکہ ہمراہ اُسکي دکھن گیا اَورنگ زیب بسکہ اُسکي ہاتھ سي
بتنگ تھا توپ کي منہ دھرکي اڑا دِیا پھر جاٹون ني اپنا رئیس راجا رام کو
مقرر کیا قِصہ کوتاہ بنیاد اِنکي عالم گیر کي وقت سي بندھي پھر جون جون
سلطنت ضعیف ہوتي گئي یي قوت پکڑتي گئي چنانچہ اب تلک کہ شاہ
عالم کا اٹھتالیسوان سنِ جلوسي ہَي راجا رنجیت سنگ سورج مل کا بیتا
اُسِي قوت و تسلط کي ساتھ اپني ملکون پر محیط ہَي

صُوبہٗ خُوش سَوَاد اِلہ آباد " ہِنْدُوِي نام اُسْکا پراگ ہَي اکْثر ہِنْدُو تِرْبینِي بھِي کہْتي ہَين جلالُ آلدِّين مُحمّد اکْبر ني گنْگا جمُنا کي بیچ ایک قلْعہٗ سنْگِین و مُحْکم مکانات بھِي اُس مین مُتعدّد و دِلْچسْپ و مُسْتحْکم بناکر ایک شہْر بھِي خُوش سَوَاد وہان بسایا نام اُسْکا الله باش رکْھا پھِر شاہْجہان ني مُسمّي بَاِلہ آباد کِیا اِن دونون درْیاون ني قلْعي کِي جانِب شرْقِي کي مُتّصِل اِتِّصال پایا ھي اَور ایک سوتا بھِي قلْعي سي نِکلْکر اِن مین آ مِلا ھَي بِنابر اِسْکي نام اِس مکان کا تِرْبینِي ٹھہْرا اَور اِس سوتي کو ہِنْدُو سرستِي کہْتي ہَین لیکِن کُتُبِ ہِنْدِي مین یِہہ نہِین لِکْھا کہ سرستِي یہان سي نِکلِي ھي سِواي اِسْکي قلْعي مین ایک درخْت ھي اُسْکو اکْھَي بٹ کہْتي ہَین معْني اُسْکي پائدار اَور ہِنْدِي کِتابون سي یِہہ بھِي دریافْت ھوتا ھي کہ قِیام درخْتِ مذْکُور کا قِیامت تلک ہَي چُنانْچِہ نُورُ آلدِّین مُحمّد جہانْگِیر ني اُس کو کٹْواکر ایک توَا لوھي کا بہُت بھارِي اُس مقام پر رکْھوا دِیا تھا چنْد روز کي بعْد وُہ درخْت پھِر پھبْکا اَور اُس توي کو توڑ کر باھر نِکْلا حاصِل یِہہ ھي کہ ہِنْدُو اُسْکو بڑا تِیرتْھ بلْکہ پرسْتِشْگاہون کا پادْشاہ جانْتي ہَین جب کہ سُورج مکر کا ھوتا ھي یعْنِي جدِي مین آتا ھي گرُوہ گرُوہ زن و مرْد نزْدِیک دُور سي آکر وَہان جمْع ھوتي ہَین ایک مہِینِي تلک روز نہاتي ہَین اَور اپْنِي ھونت کي مُوافِق دان پُن کرتي

هَين سِواي اُسْكي سرْكارِ والا مين بهِي هر شخْص كُچْه رُپَي داخِل كرْتا هَي علاوه اِسْكي هُنُود از بسْكِه وَهان كي مرني كو بِهْتر سمجْهتي هَين اِسِي سبب زمانهٔ سابِق مين بعْضي تو نجاتِ آخرت كي لِئي كِتْني اِس اُمّيد پر كِه كِسِي راجا رُوكي يهان جنْم ليْوين جِيتي جِي اپْني تَيِن آري سي چِرْواتي تهي شاهجهان صاحِب قِران ثانِي كي وقْت سي يِهِ عمل مَوْقُوف هُوا ليكِن قلْعه شاه عالم بادْشاه كي چَوالِيس سنِ جُلُوسِي مين صاحِبانِ انْگْريزني توڑ كر اِس اُسْلُوب كي ساتْه بنايا كِه اُسْكا نقْشه هِي اَور هو گيا سچ تو يِهِ هَي كِه آگي قابِلِ بزْم تها اب لائِقِ رزْم هُوا ليكِن يِهِ معْمُوره آگي نِهايَت آباد تها چُنانْچه اِس مين باره سرائِين اَور باره دائِري تهي اب تلك بهِي كَئِي مَوْجُود هَين لاكِن وُه عالم كهان شرفُ آلْمكان بِآلْمكِين اَور دائِره وَهانْكي باشِنْدي خانهٔ فُقرا كو كهْتي هَين پر اُسْكي مُحَوّطي مين مكاناتِ مُتعدِّد هوتي هَين بلْكِه بيشْتر مسْجِد و خانْقاه بهِي اُس مين ديكْهِي هَي چُنانْچه شاه خُوب الله كا دائِره نِهايَت وسِيع و كلان اَور مشْهُور جهان تهان هَي پس معْلُوم هُوا كِه عُلما و مشائِخ بهِي يهان مُدّت سي رهْتي هَين * اَور تيس كوس صُوبهٔ مذْكُور سي پرِي بنارس هَي هِنْدي كِتابون مين نام اُسْكا بارانسِي بهِي لِكْها هَي اِس لِئي كِه يِهِ بسْتِي درْميان درْياي برنا اَور اسِي كي واقِع هَي كاشِي بهِي اِسْكو كهْتي هَين اَور مهاديو سي منْسُوب

کرتي هَين غرض شہرِ مذکور نِہايَت قدِيم هَي عِمارات اُسکِي سنگِين و پُختہ و بُلند اکثر لبِ دريا ليکِن حَويلِيون مين انگنائِي ندارد سِواي اِسکي اندر باهر بستِي کي هزارون بُتخاني انگنت شِوالي سيکڑون کُنڈه اَور ٹهاکر يهان کا بِسيسر ناٹهه چُنانچِه اُسکا بڑا مندِر تها عالمگِير ني تڑواکر وَهان ايک مسجِد بڑِي عالِيشان بنائِي شہر کي لوگ اُسکو بِسيسر کِي مسجِد کہتي هَين سِواي اِسکي اَور بهِي کَئِي نامِي بُتخاني توڑي اور مسجِدين اُنکِي جاگهہ بِنا کِين قِصّه کوتاه شہرِ مذکور اب بهِي آباد هَي ليکِن کُوچي اُسکي نِہايَت تنگ و تارِيک و بد بو بلکِه بعضِي گلِيون مين تو دهُوپ کا بهِي گُذر نہِين هوتا اِسِي باعِث زمِين وَهان کِي بيشتر سِيلي رهتِي هَي پر دريا کِناري کِي عِمارتين سب کِي سب دِلچسپ قابِلِ سَير اَور باغات بهِي شہر کي پچّهم طرف نِپٹ سُهاوني لگونہين ده اِنسان کا وَهان جِي کبهُو اُداس نہو " هر چند اُسکي کوئِي پاس نہو " حُسن بهِي وَهانکا نِہايَت چمک تمک کي ساتهہ اگر فرِشته بهِي ديکهي تو دِيوانا هو جائِي پريزاد تو کِس شُمار و قطار مين چُنانچِه ايک دِن کا ذِکر هَي کِہ راقِم ساوَن مين ايک باغِ بي در و دِيوار کي بِيچ سرِ راه ايک بُلندِي پر بَيٹها تها اَور مِير چراغ علِي مرحُوم حَيف تخلّص بهِي ميري ساتهہ تهي دِن اُس وقت دو پہر سي کُچهہ کم هوگا کِہ ايک جهُنڈ پرِيون کا اُس باغ کي ديهري مين

پرستش کر قضارا اُدھر آ نِکلا اُن مین ایک کھترانِي چنپِي رنگ نِہایت چالاکِي و بیباکِي سي پیش قدمِي کرتِي تھِي اَور ایک انداز و نازسي پاؤن دھرتِي تھِي سراپا اُسکا گویا سانچي مین ڈھلا تھا " ہر ایک عضو حُسن و ادا سي بھرا تھا " (بیت)

ہِلال ابرُو مُنہہ چاند جُثّہ امول " خُوش اُسلُوب چھب پِنڈلیان گول گول " مُکھڑي کِي رنگت کي آگي کُندن زرد " بلکہ پُکھراج بھِي گرد " سونا تو کیا مال ھَي جو اُس کي رُوپ کي مُنہہ چڑہ سکي غرض تماشائِیون کا دیکھتي ھِي جِي سنسنا گیا اَور آنکھون تلي اندھیرا آ گیا مِیر مرحُوم کي بھِي دِل پر دیر تلک اُس کا صدمہ رَھا لیکِن وُہ چمک و جھمکڑا دِکھاتِي ھُوئِي نجانیں کِدھر گئِي پھر نہ پھرِي تا شام راہ دیکھِي نِدان سمجھِي کِہ تجلّي کو تکرار نہِین اب بیٹھنا بیفایدہ ھَي ھر ایک ني گھر کِي راہ لِي غرض معمُورہٴ مذکُور کیفِیّت سي خالِي نہِین دِید کي قابِل ھَي ساتھہ اِسکي عِلمِ ھِندِي کا بھِي گھر ھَي کیُونکہ بڑي بڑي پنڈت اچھي برھمن بید کي پڑھاني والي شاستر کي بھیدونکي جانني والي اَور جوتکِي نجُومِي گُنِي ھر فن کي بکثرت اُس شہر مین رَہتي ھَین اِسِي واسطي برھمن برھمن زادي دُور دُور سي تحصِیل کو آتي ھَین اَور مُدّتون پڑھتي پڑھاتي ھَین چُنانچہ ابتلک بھِي مدرسہ ھِندِي کا مَوجُود ھَي صاحِبانِ عالیشان ني بھِي اِخراجات اُسکي بدستُور جارِي رکھي

هَین اَور اَکثر آزاد منش عِبادتِي تپشِي اِس لِحاظ پر کِه مرنا وَهان کا باعِث نجات کا هَي اپني وطن چهوڑ دُنیا سي هاتهه اُٹها رام سي لَو لگا وهین رهنا اِختیار کرتي هَین بَهُتیري بوڑهي کُهنه سال کِتني آزارِي جِیني سي مایُوس هوکر وَهان آتي هَین " اَور دُنیا سي اُٹهه جاتي هَین " از بسکه لوگون کِي آهر جاهر هر ایک سمت سي رهتي هَي اِسِي سبب اُسکي آبادِي کم نهین هوتي کپڑا بهِي وَهان ریشمِي و زربافي خُوب بُنا جاتا هَي خُصُوصًا تاش بادله نِهایَت جگمگا اَور مشرُوع و کمخواب تو واقِعي بعد گُجرات کي بنارس کي برابر هِند مین کهین نهین بنتا اگرچِه مشرُوع مَوْ مین اب تیّار هوني لگا هَي لیکِن یِهه قُماش و مُلایِمت کهان پاجِي اَور نجِیب کا سا فرق هَي پچهم طرف شهر کي اَورنگ آباد کِي سرائي پُخته اَور نِهایَت کُشاده داهِني اُسکي بچاس موچن کا تالاب اُس سي کُچهه آگي بڑهه کر بستِي سي باهر قدمِ شریف اَکثر وضِیع و شرِیف پنجشنبه کي دِن وَهان جاتي هَین شام تلک صُحبت اَور لوگون کِي کثرت رهتِي هَي هر چند کِه نِشست گاهین اَور خانقاهین کم هَین لیکِن لُطف سي خالِي نهین علاوه اِسکي اُس قطعي مین اَکثر مُسلمانون کِي قبرین هَین چُنانچِه مزار شیخ مُحمّد علِي حزین گِیلانِي کا بهِي وهین هَي اُس مرحُوم ني اپني جِینِ حَیات مین اُسي بنوایا تها بلکِه کبهُو کبهُو پنجشنبه کو وَهان جاکر بَیٹهتا اَور

کچھ خیرات بھي کرتا (بیت) جو بقا اپني فنا سمجھي وي دکھ بھرتي نہین " مر مٹي جو زندگي مین وي کبھو مرتي نہین " في الواقع شیخ ممدوح علوم ظاهري و باطني سي مالامال تھا " شعر و سخن تو اسکا ایک ادني کمال تھا " استاد متاخرین و افتخار متقدمین اسي کیونکر نکہیي که نظم و نثر اسکي ظہوري و نظیري کي برابر اور قصیدي قصاید عرفي سي بالاتر هندوستان کي بیچ محمد شاه کي وقت مین آیا کیي برس دلي مین رها پھر بنارس مین آکر گوشه نشین هوا " کسي امیر فقیر کي گھر نگیا " اور کسي سي کچھ نلیا " بلکه محتاجون کو موافق مقدور آپ هي دیا کیا " گذران اسکي همیشه اجلي رهي " احتیاج کسي امر کي بجز خالق کي نهوئي " کہتي هین که تسخیر آفتاب اسکي عمل مین تھي یا کوئي اور دعوت غرض کشف و کرامت سي وه روشن ضمیر خالي نتھا مشہور هي که نواب شجاع الدوله بہادر کو لڑائي کا مشوره مطلق ندیا بلکه منع کیا که بگاڑ صاحبان انگریز سي حد برا هي " اور مصالحه سر تا پا بھلا " زنہار اي فرزند سواي صلح کي کچھ نکرنا " اور لڑائي پر دھیان هرگز نه دھرنا " کیونکه صلح مین حصول مراد هي " اور جنگ مین فساد " غرض بعد هنگامهٔ بکسر وه عارف بي ریا سن گیاره سي اسي هجري مین بہشت نصیب هوا * چنار گڑھ ایک قلعه هي پہاڑ پر سنگین و بلند و محفوظ

لیکن نشیب و فراز اُس مین بہُت ہَي گنگا اُسکي نِیچي بہتِي ہَي قریب
اُسکي ایک قَوم عالمگِیر کي وقت تلک سر و پا برہنہ جنگل مین رہتِي تھِي
اَور تِیر اندازِي و شمشِیر زنِي مین اپنِي اَوقات بسر کرتِي تھِي یعنِي کِتنِي صحرا
نشِین یا پہاڑِیي اُس وقت مین رہزنِي کرتِي تھي لیکِن بِالفِعل بلکہ سالہاي سال
سي اُسکي مُتصِل ایک معمُورہ ہَي کِہ اکثر ہِندُو مُسلمان اُس مین بستي ہَین
اشیا و اسباب بھِي ضرُورِي مُوافِق اُنکي بہم پہُنچتِي ہَین اَور قلعہٴ مذکُور ہر
چند آگي بھِي با رَونق تھا پر جب سي صاحِبانِ عالیشان کي قبضي مین آیا
ہي خُوب تیّار سجا سجایا رہتا ہَي قرِیب اُسکي قاسِم سُلَیمانِي کِي درگاہ ہَي
نِہایَت خُوش عِمارت پُر کَیفِیَّت مکانات اُس مین سنگِین و پُختہ و مُتعدِد
اپنِي وضع کي اُسلُوب دار و با قرِینہ " خُصُوصًا وسط مین ایک مسجِد بہُت
بڑِي پاکیزہ و اُستوار جَیسي انگوٹھِي مین نگِینہ " جنگلا بھِي اُسکي اطراف کا
نِہایَت سہاونا ہرا " مرضِ خفقان کِي دَوَا (بیت) ہَي شاداب و سرسبز وہان
کِي زمِین " وُہ جنگل ہَي گُلشن سي بِہتر کہِین " اَور چنار سي دکھن طرف
آٹھ کوس کي فاصِلي سي گنگا کي کِناري پر مِرزا پُور ہَي ہرچند کِہ بستِي
اُسکي چھوٹِي ہَي لیکِن خُوب آباد و خُوش سَوَاد عِمارتین پکّي بیشتر " لیکِن
اکثر بیپارِیون کي گھر " سُفید پَونڈا وہانکا مشہُور ہَي اگرچہ ہُگلِي کا بھِي گنّا

نپٹ نرم اور میٹھا هوتا هي لیکن وہ ساتھ ان خوبیون کي کلاني اور گندگي رکھتا هي * گڑہ کالینجر سنگین قلعه هي نپٹ بي لگاو ایک بڑي اونچي پهاڑ پر اسکي ابتدا سي کوئي واقف نهین چشمي اکثر اس مین جوش کھاتي هین اور تالاب بڑي بڑي آب زلال سي بھري هوئي ایک لطف دکھاتي هین بھیرون کا بتخانه وهین هي اور قریب اسکي گھني درختون کا ایک جنگل هي بیشتر اس مین آبنوس کي پیڑ لوگ وهان سي هاتھي بھي پکڑ لاتي هین اور پاس اسکي لوهي کي کھان بلکه بعضي بعضي جاگھہ سي الماس کي ٹلپین بھي هاتھ لگتین هین اور باشندي وهان کي سودمند هوتي هین * جون پور بڑا شهر هي گومتي اسکي اندر هوکر نکلي هي فیروز شاہ ني اسکو اپني عهد سلطنت مین فخر الدین محمد جونان که اسکا چچا تھا اسیکي نام پر آباد کیا ازبسکه شهر مذکور شور پشتون اور متھ مردون مین واقع هوا تھا فوجدار اسکي بیشتر خونریزي و سفاکي مین مشغول رهتي تھي لیکن آب و هوا اسکي باشندون مسافرون کي مزاج سي موافق " فضا اسکي فضاي گلزار سي فایق " حویلیان اس مین اکثر پخته و سنگین " چھپر کي مکان کهین کهین " اگرچه آبادي اسکي اب ویسي نهین لیکن غنیمت هي کیونکه باغ خزان رسید کا ایک آدہ چمن دید کي قابل رہ جاتا هي " اور اهل نظر کو ایک لطف دکھاتا

هي " خصوصًا جامع مسجد وهانكي اپني ساخت مين لا ثاني هي في الواقع پخته كارون كي ايك نشاني هي عمارت اُسكي تمام و كمال سنگين " اينت گاري كا اِس مين نام بهي نهين " (بيت) بناوي كوئي ايسي اب كيا مجال " مرمت بهي هي اُسكي امرِ محال " تعمير اُسكي سلطانِ شرق ابراهيم شرقي ني آٺهه سو باون هجري مين كي " اور دارين مين نيك نامي لي " تاريخ اُسكي بنا كي مسجدُ جامع الشرق هي پل بهي وهان كا اقليمِ هند مين بي مانند هي ديرپائي اور پختگي اُسكي اظهرُ مِنَ الشمسِ سيكڑون برس گذري هين ليكن معلوم يهه هوتا هي كه آج بنا اور ابهي تيار هو چكا هي بنا اُسكي منعم خان خانخانان ني اكبر بادشاه كي سلطنت مين كي اور مهتمم اُسكا نوابِ مرحوم كا فهيم غلام تها قطعه اُسكي تاريخ كا يهه هي (قطعه) خانخانان خان منعم اقتدار " بسته اين پل را بتوفيقِ كريم " نامِ او منعم از آن آمد كه هست " بر خلائق هم رحيم و هم كريم " ره بتاريخش بري گر افگني " لفظ بد را از صراطُ المستقيم " حق تو يهه هي كه يهه تاريخ اُسكي بجا هوئي كهني والي كي طبعيت خوب لگي خدا اُسكي تعمير كنندي كو مستغرقِ درياي مغفرت كري " اور پلِ صراط پر اُسكي دستگيري و معاونت " (بيت) هي دريا دلي كا يهه اُسكي نشان " خدا اسكو قايم ركهي

جاوِدان " سرأین بھِي کَئِي تھِین لیکِن بالفِعل ایک پُختہ پُل کي جنُوب رُخ
اَور دو کچّي شِمال رُو لیکِن کُچھ ایک فاصِلي سي پھُلیل و عطر بھِي وَھان کا
نِہایَت خُوشبو ھوتا ھَي چُنانچہ اکثر بِلاد بطرِیقِ تحایِف بھِجواتي ھَین " اَور
خُوشبوئي ساز سَوداگر بھِي اطراف مین اِسکو لیجاتي ھَین " غرض سُگند راي
اَور بیلي کا تیل تو وَھان کا سا کہِین نہوتا گُلاب خِجالت سي اُسکي آگي پانِي
ھو جائي " اَور سُہاگ کي عطر کِي باس بھِي اُسکي ھوتي خُوش نہ
آئي " (بیت) بدن مین ملي اُسکو جو مرد و زن " تو بن جائي ھر ایک
دُولہہ دُلہن " چنبیلِي کا بھِي علي ھذا القِیاس لیکِن مشہُور یُون ھَي کِہ
چنبیلِي باڑہ کِي اَور بیلا جَونپُور کا پر اپني تَین اِس مین شک ھَي اَور وَھان
کي نُجبا اکثر ذھِین و صاحِب عِلم و دانِشمند ھوتي ھَین قِصہ کوتاہ صُوبہ
مذکُور کِي آب و ھَوا نِہایَت خُوب ھَي میوي بھِي اقسام کي ھوتي ھَین
خُصُوصًا انگُور نِہایَت رسِیلا خُوش مزہ مِیٹھا بڑا بکثرت بِکتا ھَي اَور پھُول بھِي
ھر فصل مین دیکھني سُونگھني کي بہُتایَت کي ساتھ خُصُوصًا موگرا بہُت بڑا و
گُندہ نِپٹ خُوشبو ھوتا ھَي ایک پھُول اُسکا حُکم عِطردان کا رکھتا ھَي زِراعت
بھِي بہُتایَت کي ساتھ ھوتي ھَي لیکِن موٹھ کم یاب جوآر باجرا کمتر اَور کپڑي
کي اقسام سي جھُونا اَور مُہرِ گُل خُوب بُنا جاتا ھَي اَور دریاؤن مین بڑي

دریاو اِس صُوبي مین گنگا جمُنا سرجو طُول اِسکا مغجهولي § جونپورسي ليکر دکهن کي پهاڑ تلک ايک سَو ساٹهه کوس اَور عرض چونسا جو گنگا کا ايک گذر هَي اُس سي گهاٹم پُور تلک ايک سَو تيس کوس صُوبه بِهار اِسکي پُورب طرف اکبر آباد پچهم رخ صُوبه اَوَده اُتر طرف باندهو گڈه دکهن طرف اِله آباد غازي پُور بنارس جونپور چنار کالينجر کڑا مانِک پُور و غيره سوله سرکارين مُتعلِقات اِنکي دو سَو سينتاليس محال اَور آمدني سينتيس کڑوڑ ساٹهه لاکهه ايک سٹهه هزار دام

صُوبه اَوَده " هِندي کِتابون مين نام اِسکا اجودهيا راجا رام چندر کا مَولِد و تخت گاه هَي اِسي جهت سي هِندُو اِسکو بڑا معبد جانتي هَين کيونکه راجا مذکُور عالي نژاد و نيک نِهاد تها ساتهه اِسکي دَولتِ ظاهِري و باطِني سي بهي مالامال عجايِب غرايِب افعال اُسي وُقُوع مين آئي " اَور بهُت سي اُمُورِ نادِر اُسني دِکهائي چُنانچه شور دريا پر پُل باندها اَور انگِنت بندر رِيچهه کي فَوج ليکر لنکا پُر چڑه گيا پهر راون کو مار کر اپني جورُو کو قَيد سي چهڑا لايا اِسي قبيل سي اکثر حالات اُسکي راماين مين لِکهي هَين غرض شهرِ مذکُور ايک

§ Perhaps incorrectly written, and intended for Manjawly.

سو اٹھتالیس کوس کي طُول اَور چھتیس کوس کي عرض مین بستا تھا اَور اُسکي سَوَاد مین جو کوئي خاک چھانتا سونا پاتا ایک کوس پري اُسکي گھاگھرہ سرجُو سي مِلکر قلعي کي تلي جا نکلي هَي اَور قریب شہر کي دو بڑي بڑي قبرین هَین طُول اُنکا سات سات آٹھ آٹھ گز سي کم نہین عَوَام اُنکو حضرتِ شیث و اَیُّوب سي منسُوب کرتي هَین بنابر اِسکي پنجشنبي کو اکثر لوگ وَهان جاکر فاتِحہ پڑھتي هَین اَور بعضون کي نزدیک رتن پُور مین کبیر جُلاهي کي قبر هي شخصِ مذکُور سُلطان سِکندر لودي کي وقت مین تھا بنارس کي بیچ مُدتون جب تپ کرتا رَها فُقرا کي نزدِیک بڑا مُوَحِد و صاحِب کمال تھا چُنانچِہ اُسکي طبع زاد اکثر دوھري اهلِ مذاق کي وِرد زبان هین سچ هي کہ مُحبت و معرِفت اُن سي ٹپکي پڑتي هَي * فَیض آباد عرف بنگلہ تین کوس اَودہ سي مغرِب رُخ ایک آبادي نو اِحداث هَي نِهایت پُر فضا و دِلکُشا سر زمین وَهانکي نِپٹ خُوب و مرطُوب مِہندي بهِي وَهانکي قیامت رنگین چھچھي انگُورِ بیدانہ شہتُوت اَور سِواي اِنکي اَور بهِي بعضي میوي ترکاریان پهُول خُوشبو رنگین اِفراط سي هوتي هَین خُصُوصًا چنپا و لالہ پر خربُوزہ حدّ بُرا اَور پهِیکا صُورت حرام وجہ اُسکِي بُنیاد کِي یِہ هَي جب صُوبہ دارِي مُلکِ مذکُور کِي اِنتقال پاکر مُحمّد شاہ فِردَوس آرام گاہ کِي سلطنت مین نوّاب

برہان الملک سعادت خان بہادر کی نصیب ہوئی بعد اُنکی وفات کی قایم مقام اُنکا داماد نوّاب وزیر الممالک ابو المنصور خان صفدر جنگ بہادر مغفور ہوا کیونکہ فرزند نرینہ اُنکی نتھا اُسی بزرگ نی بنیاد اِسکی ڈالی لیکن بطور چھاونی کی جب نوّاب شجاع الدوله بہادر ابن صفدر جنگ وزیر الممالک کو ریاست پہنچی بعد ہنگامہ بکسر کی مزاج اُسکا اِسکی آبادی پر آیا چنانچہ کتنی محل اور باغ پاکیزہ و خوش عمارت اُسنی لب دریا بنائی اور ایک ترپولیا بھی نہایت بلند و دلکشا متصل قلعه اور چوک کی قریب بنایا بلکه اپنی بود و باش بھی وہین مقرر کی بسبب اِسکی اکثر سرداروں مصاحبوں نی عمارتین تعمیر کین یہان تلک که ہر ایک چھوٹی بڑی نی موافق اپنی مقدور کی حویلی بنائی چنانچه ایک معمورہ معقول ہو گیا پر کھپریلین اکثر تھین اور پخته عمارتین کم لیکن معمار قدرت کی ارادی مین جو اُسکی آبادی کو پایداری نه تھی بلکه خرابی منظور تھی که سن گیارہ سی اٹھاسی مین بعد نوّاب حافظ الملک حافظ رحمت خان کی شکست کی نوّاب موصوف کا واقعه ہوا اور مقبرہ اُسکا وہین بنا پھر مسند حکومت پر اُسکا خلف الصدق نوّاب آصف الدوله بہادر وزیر ابن وزیر بیٹھا اُسنی دار الحکومت لکھنو کو بدستور سابق مقرر کیا بلکه عمارات و باغات بھی خوش قطع و دلچسپ

وہان بنائي آخر اُسکي آبادي بمرتبہ گھٹتي اَور اِسکي بستي نہايت بڑھي چُنانچِہ بِالفعل کِہ سن بارہ سَي بيس ہِجرِي ہين اَور نوّاب سعادت علي خان بہادر وزير ابنِ وزير دام اِقبالہُ کِي حکُومت کا آٹھوان سال دونون شہر اِسي نہج پر ہين * بہرايچ ايک قدِيم شہر ہَي سرجُو کي کِناري نِہايت وسعت و کَيفِيّت کي ساتھ انبرأيان اُسکي گِرد و نَواح مين اکثر " اَور پھلواريان جا بجا بيشتر" تُربت رجب سالار کِي اَور درگاہ سالار مسعود غازِي کِي وُہين ہَي سُنتي ہين کِہ رجب سالار تغلق شاہ کا بھائِي تھا اَور سالار مسعود غازِي کي احوال مين اِختِلاف ہَي بعضي کہتي ہَين قوم کا سَيِّد لیکن سُلطان محمُود غزنوِي سي بِھي قرابتِ قرِيب رکھتا تھا اَور بعضون کا قَول یِہہ ہي کِہ ايک پٹھان تھا ليکن شہيد ہُوا غرض درگاہ اُسکي ايک عالم کِي زِيارت گاہ ہي سال مين ايک بار دُور دُور سي لوگ ميدنِي کي ہمراہ چلتي ہين کِتني سَيّاح اکثر بيپارِي پر نِيچ قوم لال لال نيزون سميت ہزارون دفالي گاتي بجاتي ساتھ ليکر اپني اپني بستِيون سي نِکلتي ہين غرض جيٹھ کا پہلا اِتوار اُسکي عرس کا دِن ہَي يہي اُسي دو تِين دِن پہلي وَہان آ پہنچتي ہَين اَور اِعتقاد اِنکا يِہہ ہَي کِہ وُہي اُسکي بياہ کا روز تھا چُنانچِہ شہاني کپڑي اُسکي گلي مين تھي کِہ مارا گيا اِسي جہت سي ايک تيلِي ردولي کا ساکِن پلنگ پيڑھا کُچھ

اسبابِ عروسي سميت اُسكي مزار پر بهيجتا هي اپني زعم مين هر برس اُسكا بياه كرتا هي برسون سي يهه رسم اُسكي خاندان مين چلي آئي هي بلكه ابتلك بهي جاري هي غرض رجالي كي اعتقاد سي بهي خدا پناه مين ركهي كه رسوائي سي خالي نهين اور گرد و پيش اُسكي گنبذ كي جتني درخت هين اُن مين رسيان ڈال كر كوئي اپنا هاته باندهتا هي كوئي پاؤن كوئي گلا القصه انواع و اقسام كي سانگ لاتي هين اور اپني گمان مين اُسي سبب سي مرادين پاتي هين سواي اسكي كوئي رجالا اُس بزرگ كو گاجنا دولهه كهتا هي اور كوئي رجالي سالار چهنلا وجه اسكي يهه هي كه جو رنڈي اُسكي گنبذ مين جاتي هي " بد حال هوكر آتي هي " پر وه مردار يهه سمجهتي هي كه صاحبِ قبر ني مجهي چوس ليا " اور يهه احوال كرديا " تف اُسكي سمجه پر اور لعنت اُسكي بوجه پر حقيقت اسكي يهه هي كه گنبذ اُسكا نهايت چهوٹا اور دروازه نپٹ تنگ تسپر لوگون كي آمد و شد متصل علاوه اسكي ايك بهت بڑا چراغ قبر كي سرهاني جلتا هي بسبب اسكي ايسي گرمي اُس مين هوتي هي كه آدمي كي چربي پگهلتي هي مرد بهي وهان سي جو نكلتا هي سو عرقناك پهر عورت تو نازك هوتي هي وه پسيني مين ڈوبي هوئي حالتِ غش مين نكلتي هي سواي اسكي كذب و افترا پر يهه سچ هي كه اگر مدار سالار دنيا مين

پیدا نه هوتي تو رجالون کي یهان مال خوب جمع هوتا بلکه ایک ایک کنجڑا قصائي لکھپتي بن جاتا * دیوکن مدت سي پیسون کي ٹکسال هي اتر کي پهاڑون سي سونا روپا تانبا سرب سهاگه شهد چوک کچور سونٹھ پیپل کهربا ان هینگ موم پشمینه ٹانگن باز جره شاهین و غیره سواي اسکي اور بهت سي چیزین پهاڑ کي پهاڑیي لاتي هین اور بیچ جاتي هین بسبب اسکي لوگون کا هجوم اور خرید فروخت کي دهوم وهان رهتي هي * نمکهار مصرک ایک نامي جاگهه اور هندوون کي بڑي پرستشگاه هي گومتي اسکي قلعي کي تلي جا نکلي هي نزدیک اسکي ایک حوض هي برمهاورت کنڈه اسکو کهتي هین پاني اسکا اندر هي اندر جوش کهاتا هي ساتھ اسکي ایسا چکر مارتا هي که آدمي کي قدرت نهین جو اس مین غوطه لگا سکي بلکه جو چیز که اس مین گري في آلفور نکل پڑي هنود کي نزدیک بڑا تیرتھ هي مشهور هي که جتني کتابین هندي که گردش فلکي سي اور انقلاب دهري سي گم هوئین تهین تپشیون اور منیون ني اپني طبیعت کي جودت اور ذهن کي حدت سي اسکي کناري پر نئي سر سي انهین درست کیا اور لکها هر ایک انکي مطالب سي فیضیاب هوا قریب اسي ایک سر چشمه چهوٹي سي ندي کا هي که وه گومتي مین ملي هي ایک گز کا چوڑا چار انگل گهرا جب اسکي کناري برهمن بید خوان منتر

پڑھتي هين اور وقتِ پرستش جس قدر چانول و غيره اُس مين ڈالتي هين پهر اُنكا نشان بهي نهين پاتي * لكهنو بهت بڑا شهر هي گومتي كي كِناري آگي بهي دار ٱلحكومت تها ليكن نواب شجاع ٱلدوله بهادرِ مرحوم ني بعد بكسركي هنگامي كي يهه رتبه فيض آباد كو بخشا چنانچه اِنتقال بهي اِس سراي فني سي ونهين كيا پهر نواب آصفُ ٱلدوله بهادرِ مغفور ني اِسيكو نوازا اور دار ٱلامارت ٹههرايا آبادي اُسكي بهت بڑه گئي كهين سي كهين جا پهنچي اب بهي بدستور حاكم نشين يهي هي ليكن بيهڑ پر جو بستا هي اِس سي نهايت نشيب و فراز اُس مين واقع هي (بيت) كِسيكا گهر هي ٹيلي پر هوا مين " كِسيكا جهونپڑا تحتُ ٱلثرا مين " غرض شهرِ مذكور مين كِتني سرائين اور بهت سي كٹري ٹولي محلي آباد هين جس محلي مين شيخ مِينا كي درگاه هي اُسي مِينانگري كهتي هين اكثر لوگ پنجشنبي كو فاتحه كي واسطي وهان جاتي هين " اور بيشتر عوامُ ٱلناس فاتحه اُنكي گڑ پيني پر دلاتي هين " اور بيرونِ شهر شرق كي طرف لكهه پيڑي كي قريب مزار پير جليل كا هي ليكن اُسكي قبر كا چبوترا قدِ آدم بلند و بي زينه هي اِس باعث كوئي مُتصِل اُسكي جا نهين سكتا دُور هي سي فاتحه پڑه جاتا هي هر جمعي كو وهان اكثر تماش بين جوان براي سير اور اكثر جهلا بواج عقيدي سي جاتي

هين " اور ماش كي كهچڑي اور كڑوا تيل چڑهاتي هين " گستاخي معاف
سواي كشف و كرامت كي بي دونون بزرگ خوش ذايقه بهي كتني تهي كه
بعد رحلت ايسي نذر قبول كي " اور كسي چيز پر روح كو انكي رغبت
هوئي " شهر كي اتر رخ گومتي كي كناري شاه پير محمد كا تيلا هي آگي
وهي دار العلم تها اكثر طلبه و علما وهان پڑهتي پڑهاتي تهي " اور اپني اوقات
بخوبي بسر ليجاتي تهي " سنا هي كه شيخ موصوف كو سواي نعمت فقر كي
دولت علم بهي تهي في الجمله مرد صاحب كمال و صاحب حال و قال تها
زندگي مين وه مقام اسكا مسكن تها " بعد مرگ مدفن هوا " اور مسجد بهي
اس پر ايك نهايت عاليشان و وسيع " گنبذ اسكي بمرتبه بلند و رفيع " اور
مينار اسكي گومتي كي اس پار پچهم اور اتر كي آني والون كو تين چار كوس
سي نظر آتي هين " كلس انكي ابتلك ويسي هي جگمگاتي هين " اور
قريب اس سي پورب طرف پنج محله هي كثرت استعمال سي نون اسكا
حذف هو گيا هي اور جيم چي سي عوض چنانچه اكثر لوگ پچ محله كهتي
هين مكان مذكور نواب ابو المكارم خان كا ديوانخانه تها اور يه بزرگ لكهنو
كي شيخون سي هي مگر امير تها اور وجه تسميه مكان مسطور كي يه هي
كه زمانهٔ سابق مين يهان دو منزلي مكان كو دو محله اور سه منزلي كو سه

محلّه کهتي تهي شايد يهه پنج منزله تها اس سبب نام اسکا پچ محلّه هوا قصّه
مختصر جب نوّاب برهان الملک سعادت خان مرحوم قبائل سميت اس
شهر مين رونق افزا هوئي اس مکان کو پانسو روپي کرائي کو ليا چنانچه کرائي
نامه اسکا نوّاب مرحوم کي مهر سي آج تلک انکي اولاد کي پاس موجود
هي ليکن کرايه چند روز هي ديکر موقوف کر ديا تها اور اسکي بدلي کوئي
گاؤن يا جاگير بهي مرحمت نکي غرض نوّاب وزير الممالک صفدر جنگ
ابو المنصور خان بهادر مرحوم کي عهد حکومت تلک بنا اسکي جون کي تون
رهي جس وقت نوّاب وزير اعظم شجاع الدوله بهادر مغفور مسند رياست پر
بيٹهي تب مکانات اور شيخ زادون کي بهي ليکر اس مکان کي شامل کيي
بلکه ايک آد باره دري اور بنوائي پهر عوض اسکي اور وي مکان جو آپ
ليي تهي دوگوان گاؤن مالکون کي جاگير کر ديا چند روز کي بعد وه بهي
سرکار مين ضبط هو گيا ليکن يي شيخ زادي نوّاب ابو المکارم خان مرحوم سي
نسبت قرابت کي نرکهتي تهي مگر هموطني کي پهر نوّاب وزير ابن الوزير آصف
الدوله بهادر خلد مکان کا جب دور آيا انهون في مکان مسطور نيي سر سي
تعمير کيا نقشه هي اور کر ديا بلکه بهت سي حويليان لوگون کي جو اسکي
اطراف و جوانب مين تهين شيخا دروازي سميت وي گروا دين اور انکي

جاگهه عِمارتين نَئي نَئي وَضع كِي خُوش قطع و دِلچسپ بنوائين چُنانچِه سنگي باره دري اَور باؤلي والا مكان اُنهين مين سي هَي سِواي اِنكي بِهي بهت سي مكانات و باغات بنائي كِه هر ايك اپني وَضع مين بي نظِير اَور نقش و نِگار و صفائي مين بِه از صفحهٔ تصوير هَي خُصُوصًا دَولتخانه كِه اشرفُ ٱلمكانات هَي اِس واسطي اُس جنّت مكان كِي اكثر آرامگاه وُهي تها تارِيخ اُسكِي بِنا كِي دَولتخانهٔ عالِي مُؤلّف كي نتائج طبع سي هَي ليكن خيرُ ٱلعمارات اِمام باڑا هَي واقعِي كِه اَيسا اُستُوار و پائدار كوئي مكان نهين " اَور كِسي عِمارت مين اِس شان كا دالان نهين " (بَيت) حضِيض اُسكِي اَوج فلك سي بُلند " نه پهنچي جهان وَهم كِي بِهي كمند " مسجِد بِهي وَهان كِي تمام شهر مين نمُودار " عِمارت اُسكِي نِهايَت اُستُوار " هر ايك بُرج اُسكا وُسعت مين مسجِدِ جامِعي كِي برابر اَور رفعت مين بُرجِ فلك سي همسر (بَيت) ملائِك زمِين پر هون ساكِن اگر " عِبادت كرين بس وُنهين بَيٹهكر " اب نَوّاب آصف ٱلدَّوله بهادُرِ مغفُور كي بعد نوّاب يمِينُ ٱلدوله ناظِمُ ٱلمُلك سعادت عليخان بهادُر وزير اِبنِ وزير ني جو مسندِ حكُومت پر اِجلاس فرمايا " اَور اِفضالِ اِلٰهي سي مُلكِ مَورُوثِي اپنا پايا " علىٰ هذا ٱلقياس مُتوجِّه تعمير پ هُوا چُنانچِه كيا كيا مكانِ عاليشان دِلكُشا بلكه ايك رمنا بِهي نِهايَت پُر فضا

بنايا " اور جتني باغ تهي اُنكي رونق كو دونا كر دكهايا " خصوصاً وزير باغ
اور موسيٰ باغ مين ايسي عمارتِ انگريزي دلچسپ بنائي كه بهار وهان سي
كبهو نهين جاتي اور خزان هرگز آني نهين پاتي (بيت) طلسمات كا سا هي
اُس مين سمان " كوئي جاكي وهان پهير جاوي كهان " في الواقع هر ايك
عمارت قابلِ تعريف و لائقِ توصيف هي ليكن بهترين عمارت بناي مكانِ علمِ
مجازي حضرتِ عباس عليه السلام هي كه نواب رفيع المكان ني خلوصِ
عقيدت سي سن باره سي ستره مين از سرِ نو كس خوبي سي اُس كو
بنوايا " اور هزارها روپيه اُسكي تعمير مين اُٹهايا " تاريخ اُسكي بنا كي مرزا
قتيل شاعر كي اِس مصرعي سي نكلتي هي (مصرعه) اين گنبدِ جديد بناي
سعادتست الهي اُسكي بناني والي كي بنيادِ دولت كو مستحكم ركهيو " اور
توفيقاتِ نيك كو اُس كي زياده كيجو " پچهم طرف پائين اُسكي لبِ دريا
مرزا ابو طالب خان كا امام باڑا هي بنا اُسكي تمام شهر كي امام باڑون سي
مقدم هي چنانچه اُسكي بنياد كو ساٹه برس تخميناً گذري رياست اُس وقت
نواب صفدر جنگ بهادرِ مرحوم كي تهي ليكن مكانِ مذكور كي مالك پهلي
كلب علي خانِ مرحوم تهي خانِ مغفور نواب سرفراز الدوله حسن رضا خانِ
مرحوم كا نانا تها غرض اُس بزرگ ني اُس مكان كو اپني اقربا كي مدفن كي

لیی بنا کیا تھا چنانچہ اُسکی حینِ حیات مین ایک آد قبر بھی وہان بن چکی تھی بعد اُسکی مرزا علی مرزا ابو طالب کی باپ نی تھوڑی سی زمین اُس مرحوم سی امام باڑی کی واسطی مانگی اُس بزرگ وار نی سعادتِ دارین جانکر نذر کی بلکہ جس مکان مین وہ قبر ہی مجاوری بھی وہانکی اُس کو دی کیونکہ وہ بیچارہ مردِ غریب و گم نام تھا پر جب تلک جیتا رہا مکانِ مذکور اُسیکی قبضی مین رہا اور دالان امام باڑی کا بنایا ہوا اُسیکا ہی بعد اُسکی وفات کی مرزا ابو طالب خان سپوت ہوا اُسنی نام و نشان روزگار مین پیدا کیا اِس واسطی امام باڑا اُسی کی نام سی مشہور ہوا تین گاون بھی اُسکی اخراجات کی لیی نواب شجاع الدولہ بہادر مرحوم کی عہدِ حکومت سی معین ہوئی تھی لیکن نواب آصف الدولہ کی دور مین نصفی ہو گیی تھی بالفعل نواب یمین الدولہ سعادت علی خان بہادر دام اقبالہُ کی وقت مین وہ بھی ضبط ہوئی پر مرزا مہدی علی خان بہادر دام ثروتہُ سال بسال وہانکی اخراجات کی لیی قدری قلیل اپنی طرف سی گذرانتی ہین فی الحقیقت یہہ بھی وزیر ہی کی سرکار سی ملتا ہی کیونکہ خانِ موصوف بھی اُس سرکار کا ایک ملازمِ مقرب ہی حق تعالی توفیقات کو اُسکی زیادہ کری اور نواب وزیر کی دربار مین بعزت و آبرو رکھی بعد اِسکی نواب

وزیرُ آلممالِکْ شُجاعُ آلدَّوله بہادُر کي عہدِ دَولت مین جَوہرِي محلّي کي مُتصِل باقِرخان ني ایکْ اِمام باڑا بنایا اَور دونون جہان مین فایِدہ اُٹھایا خانِ مرْحُوم مُغلِ وِلایت زا عُمْدہ روزگار تھا کَئِي سَي سَوَارِ مُغل و غَیرہ اُسْکي رِسالي مین تھي اب آغا فتح علِي خلفُ آلصِدْق اُسْکا قَیدِ حَیَات مین هَي لیکِن محْض بیکار و تکالِیف مین گِرِفْتار پر مکانِ مَنْظُور پر قابِض هَي ایکْ گاؤن بھِي اُس مُبارکْ بُنْیاد کي اِخْراجات کي لِیٔي آصفُ آلدَّوله بہادُر ني دِیا تھا لیکِن دو برس کي بعْد اہْلِ کارون ني کِسِي حِیلِي سي ضبْط کر لِیا غرض یِہہ خُجسْته بِنا فِي آلْواقِع محلِّ قبُولِیَت و مقامِ تعْزِیَت هَي مجْلِس مین یہانْکِي شائِبہ رِیا کا نہِین سِواي گِرِیَہ و زارِي اہْلِ مجْلِس کو کام دُوسْرا نہِین (بَیت) غلط هَي خلْق کِي کثْرت کہِین نہِین هوتِي " ولي بُکا کِي یِہہ شِدّت کہِین نہِین هوتِي " خُوشا حال اُسْکي بنانِي والِي کا کہ دُنْیا مین نام کِیا اَور عُقْبِي مین ثَوَاب لِیا قبْر بھِي اُس مرْحُوم کِي اُسِي مین هَي بلْکه اکْثر مُؤْمِنِین اغنیا و مساکِین اُسْکي مکانات و صحْن مین آسُودہ هَین (بَیت) اِلٰہِي قبْر مین هر ایکْ سوئِي چَین کي ساتْھ " بروزِ حشْر هو محْشُور پھِر حُسَین کي ساتْھ " اَور سال اُسْکي بِھِي تعْمِیر کا از رُوئِي تارِیخ نظْم و نثْر دیکْھني مین نہِین آیا مگر بعْضِي اکابِر و آغا فتح علِي کِي زبانِي معْلُوم هُوا کہ اِسْکي بُنْیاد کو اِکْتالِیس برس

پينتاليس برس گذري هين العلم عند الله اور چوک سي متصل دکهن طرف فرنگي محل وجه تسميه اسکي يهه هي که اکبر بادشاه کي عهد سلطنت مين اس مکان کي بيچ ايک فراسيس سوداگر اترا تها جو که بي اذن حضور اعلي کي يهه امر وقوع مين آيا ملازمان حضور کو گوارا نهوا آخر اسکو اخراج کيا پهر اورنگ زيب کي وقت مين حسب الحکم بادشاهي مکان مسطور ملا قطب الدين شهيد کي فرزندون کو ملا چنانچه ابتک بهي انکي آل اولاد کي سکونت ونهين هي ليکن وجه معاش جو انکي بند هو گئي يهه صرف قصور طالع کا هي و الا آج نواب وزير کي سرکار سي هزارون پروريش پاتي هين " وارد صادر يهان سي بهتيرا کچهه ليجاتي هين " پهر بي تو استحقاق زياده رکهتي هين کيونکه آبا و اجداد سي اس خاندان عالي کي نمک خوار و شکر گذار هين جس وقت مزاج جناب عالي کا ٹک ايک متوجه هوا يهه قليل تو کيا چيز هي ما ورا اسکي نعما کثير پاينگي " اور مدت العمر کو بي نياز هو جاينگي " ليکن کل امر مرهون باوقاتها (بيت) تا در نرسد وعدهٔ هر کار که هست " سودي نکند ياري هر يار که هست " حاصل يهه هي که مکان مذکور قديم مدرسه هي بڑي بڑي فاضل مدرس وهان گذري هين بلکه ابتلک بهي سررشته درس و تدريس کا جاري هي چنانچه سواي شهر کي طلبه اطراف و اکناف سي

وہان تحصیل کي واسطي آتي ہین اور فیض اُن سي اُٹھاتي ہین حق تو یہہ
ہي کہ اِس شہر مین چرچا عِلم و فضل کا بہ نسبت اور بِلاد کي زِیادہ ہي
کیونکہ فریقین کي فاضِل یہان موجود ہین لیکن سُنیون کي فِرقي مین مُستثنی
مولوِي مُبین صاحِب اور فِرقہ ناجیہ اِمامیہ مین مولانا سیّد دِلدار علي سلمہُ
اللّٰہ تعالي وحیدِ عصر ہي تبحر اُس بزرگ کا اُسکي تحرِیرسي ہُویدا ہي " اور
خُوش بیاني اُسکي تقرِیر سي پیدا " سیکڑون اشخاص اُسکي بدولت گُمراہي سي
نکلي " اور منزِلِ ہدایت کو پہنچي " مذہبِ اِمامیہ کو ترقي کامِل اُسني
بخشي " اور ہندوستان مین نمازِ جُمعہ و جماعت اُسي ني کي " شُعرا بھِي
جِتني اُس شہر مین ہین کیا فارسِي گو کیا ریختہ گو کہین نہین وجہ اِسکي
یہہ ہي کہ بعد برہم ہوني شاہجہان آباد کي اکثر غریب امیر مِیرزایان
ہِندوستان سي نوّاب صفدر جنگ و شُجاعُ الدّولہ بہادُر کي عہد مین آکر اِس
شہر مین بسکُونتِ دائِمي ساکِن ہُوئي پس شہر تو عِبارتِ اشخاص سي ہي
یہي دِلّي ہو گیا اور باشِندي بھِي اِسکي بسببِ کثرتِ صُحبت و تتبُّع زبان
تلفُّظ صحِیح کرني لگي یہان تک کہ جِنکي طبع موزُون تھِي شاعِر ہو گئي با
وُجود اِسکي بھِي لہجي مین تفاوُت بہُت رہگیا لیکن مُحاوري مین کم کہِ
زبان دان ہِي اُسکو سمجھي اور اُسِیکي طبعِیّت اِس پر لگي بُلّخاني بھِي اندرون

و بیرون شہر کی ہین لیکن نعل دروازی کی پچّھم طرف کالکا کا بتخانہ قدیم ہی ہر پیر کو وہان ہنود جمع ہوتی ہین اور اسکی پرستش کرتی ہین پر ہولی کی بعد کئی دن رات کو روشنی افراط سی وہان رہتی ہی اور دکّھن طرف شہر کی باہر بھوانی کا مٹھ ہی وہان بھی اٹّھواری مین ایک مرتبہ ہندو پوجا کو جاتی ہین اور پکوان و غیرہ بھی چڑھاتی ہین مگر ہولی کی آٹّھوین دن بڑا میلا ہوتا ہی تمام شہر کی ہندو بلکہ مسلمانان تماش بین اور رنڈیان بھی اسی قبیل کی ہزارون جاتی ہین اور جھمکڑی اپنی خواہش مندون کو دکھاتی ہین تا شام اسکی مندر کی گرد و پیش ایک دنگل جمع رہتا ہی بلکہ اسکی قریب جتنی باغ ہین وی بھی آدمیون سی معمور رہتی ہین غرض اس طرح کا میلا شہر مذکور مین دوسرا نہین ہوتا نام اسکا آٹّھون ہی سورج کنڈہ ایک تالاب ہی شہر سی چار کوس پچّھم دکّھن کی درمیان وہان بھی ہر برس برسات کی اخیر ہندو زن و مرد لاکھون نہانی جاتی ہین بلکہ دور دور کی باشندی بھی وہان اپنی تئین پہنچاتی ہین ساتھ اسکی مسلمان بھی ہزارون نظر باز سجی سجائی ادھر ادھر" اور کسبیان بھی تمام شہر کی اپنی تئین بنائی چنائی جدھر تدھر جلوہ گر" غرض تا شام وہان بھیڑ بھاڑ رہتی ہی * بلگرام ایک بڑا قصبہ ہی اکثر وہانکی لوگ قابل و

شاعر و صاحب طبع هوتي هين قصبهٔ مذکور مين ایک کُوا هي جو کوئي
چالیس دن متصل اُسکا پاني پیي خوب گاني لگي سواي اِسکي اکثر اهلِ کمال
یهان گذري هین چنانچه سید جلیل القدر عبد الجلیل بلگرامي بڑا شاعرِ علمِ
عربي و فارسي مین خوب ماهر فرخ سیر کي وقت مین گذرا هي بلکه سنده
کي وقایع نگاري بهي اُسکو حضورِ اعلي سي مقرر تهي اتفاقاً سرکارِ مذکور مین
ایکبار اُسي عهدِ فرخ مین مینه کي ساته مصري برسي تهي اُس بزرگوار ني اِس
خبرِ نادرِ روزگار کو بهي حضورِ پر نور مین لکه بهیجا حضرت اِس خبر کو
خلافِ قیاس سمجه کر نهایت برهم هوئي که افترا کرنا اور بادشاهون کي حضور
لکهنا وقایع نگار کو هرگز نچاهیي یهه شخص لایق اِس امر کي نهین غرض
خدمت سي اُس بیچاري کو تغیر کیا روزگار اُسکا نا حق جاتا رها تب میرِ
مذکور خبرِ مسطور کي صداقت کي لیي وهان کي قاضي مفتي بلکه اکثر اشراف
ثقات کي مهرون سي ایک محضر کرواکر حضور مین لي آیا اور موردِ الطاف
هوکر اُسي خدمت پر پهر سرفراز هوا یهه رباعي حسبِ حال اُسکي طبع زاد
هي (رباعي) فرخ سیر آن بادشهِ با برکات " چرخ از ادبِ او شده شیرین
حرکات " در سنده زیمنِ عهدِ دولتمندش " باران بارید ریزهٔ قند و
نبات " بعد اُس بزرگ کي میر غلام علي آزاد بهي شعر و سخن و علم و فضل

مین اپنی معاصرین کی بیچ لا ثانی تھا بلکہ اشعارِ عربی تو اُس فصاحت و بلاغت و بہتایت کی ساتھ کہ اہلِ ہند مین کسی نی اُس سی آگی بہی نہین کہی قصایِد اُسکی اِس بات پر دالّ ہین اور اُسکی تعریف مین فصیحانِ عرب کی زبانین لال پیدایِش اُسکی گیارہ سی چودہ ہجری مین اور وفات اُسکی سن بارہ سی دو مین پوتا بہی اُسکا مُفتی میر حیدر اِس وقت مین مُغتنمِ زمانہ اور اپنی معاصِرین مین یگانہ تھا عُلومِ عربیّہ مین مہارتِ تمام اور فنونِ فارسی مین دستگاہِ ما لا کلام اُسکو تہی نثر کی جمیع اقسام پر قادر تھا اور نظم کی تمام اسرارون سی ماہر صاحبانِ کمپنی دامَ ظِلُّہم کی سرکار مین مُفتی گری کی خدمت پر برسون سرفراز رہا اور صاحبانِ عالیشان کی نزدیک اپنی ہمچشمون مین ہمیشہ ممتاز اِتفاقاً سن بارہ سی سترہ مین قبایِل اُسکی بلگرام کو روانہ ہوئی میرِ موصوف اُنکی پہنچانی کی لِیی آپ بہی تا عظیم آباد ساتھ ہوا مُرشد آباد تلک پہنچا تھا کہ مرضُ آلموت نی آگھیرا آخر منزلِ مقصود تلک جانی ندیا مگر اوّل منزلِ پہنچایا حاصِل یِہہ ہی کہ یہانکی زمین قابِل خیز ہی ایک نہ ایک صاحِب کمال یہان پیدا ہو رہتا ہی قصہ مختصر صوبہٴ مذکور کی آب و ہوا نہایت خوب ہی اور اناج اکثر قِسم کا یہان پیدا ہوتا ہی خصوصاً اِستعمالی اور جہنوان چانول نہایت خوش ذایِقہ و سُفید و پاکیزہ و

خوشبو هوتي هين اور هندوستان کي اکثر متعلقات سي اس صوبي کي کتني هين محالون مين کهيتيان تين مهيني پهلي بوئي جاتي هين اور بعضي مقامون مين دريا جبتک کي مهيني مين چڑهتي هين اکثر قطعي زمين کي پاني مين ڈوب جاتي هين پر جون جون پاني زيادتي کرتا هي دهان زياده پهيکتا هي اور بڑهتا اگر بال لگني سي پهلي پاني کي طغياني هو جائي تو دهان اس کهيت کي بال نهين لاتي اور جنگلون مين يهانکي ارني شير کثرت سي هوتي هين خصوصاً گورکهپور بهرايچ کي اطراف مين سواي اون کي هرن پاڑهي و غيره جانور صحرائي بافراط نظر آتي هين اگرچه دريأو اس صوبي مين بهت هين ليکن بڑي تين گها گرا سرجو گومتي طول اسکا سرکار گورکهپور سي قنوج تلک ايک سو تيس کوس اور عرض کوه شمالي سي تا سدهور تابع اله آباد ايک سو پندره کوس شرق کي جانب اسکي بهار شمال کي طرف پهاڑ جنوب کي سمت مانک پور مغرب کي طرف قنوج اودهه بهرايچ خير آباد لکهنو گورکهپور پانچ سرکارين متعلق اونکي ايک سو ستانوي محال آمدني چهياسٹهه کروڑ پينتاليس لاکهه چاليس هزار دام

صوبهٔ سراپا بهار بهار" دار الحکومت اسکا عظيم آباد عرف پٹنه هي نهايت خوش مواد و خوش آب و هوا گنگا کي کناري اور اس مقام مين اس دريأو کو اٹهاره

گنڈي ندي بهي کهتي هين طول آبادي کا بهت بڑا اور عرض چهوٹا عمارتين سابق مين کهپريل کي بيشتر تهين اب پخته بهي هين کيونکه آبادي و رونق شهر مذکور کي صاحبان انگريز کي رياست مين بڑه گئي هي چنانچه باقي پور تين کوس شهر سي پري پچهم طرف اور اس سي تين کوس آگي دانا پور بي دونون معمور معقول آباد هوئي هين اکثر صاحبون کي کوٹهيان حويليان باغ وهان ساته ايک لطف و قرينه کي هين غرض شهر سي تا باقي پور اور وهان سي دانا پور تلک بستي هي بستي هي فاصله نهين شهر پناه اسکي خام مگر دريا کي طرف کي النگ خشتي هي اور قلعه وهان بنام هي في الحقيقت ايک عمارت کلان خشتي هي ليکن اب پراني هو گئي مکانات اس مين متعدد هين اور قريب اسکي پچهم کي طرف ايک مسجد و مدرسه نهايت کشاده و خوش عمارت اگرچه عمارت اسکي اب پراني هو گئي هي ليکن شهر مذکور مين لا ثاني هي گو که مسجدين کهنه و نو بهت سي هين يون سنا هي که بنا اسکي نواب سيف خان مرحوم ني ڈالي تهي پر تعمير نواب هيبت جنگ ني کي بالفعل نواب سراج الدوله کي نواسيون کي قبضي مين هي پورب دروازي کي آگي ايک مسافت بعيد پر جعفر خان کا باغ هي اور پچهم دروازي سي ايک کوس کي فاصلي پر شاه ارزان کي درگاه سواد اسکا سهاونا هر ايک مکان

لگُونْها هر پنْجْشنْبه شہْر كي لوگ بكثْرت وَهان جمْع هوتي هَين اَور كنْچنِيان كسْبِيان بهِي تمام شہْر كِي جاتِيان هين ناچ كِي صُحْبت تا شام بلْكِه كُچْه ايك رات گَيِي تلك رَہْتِي هَي ليكِن صاحِبانِ عالِيشان كِي رِياست سي پہْلي اِزْدِحام خلائِق كا بكثْرت هوتا تها اب اِس قدْر نہِين پر تهوڑا بہُت مجْمع هو هِي رهتا هَي كيُونْكِه كوئِي مُزاحِم و مانِع نہِين جِسْكا جِي چاها گيا جِسْكا جِي نچاها نگيا دكْهن رُخ اُس درْگاه كِي ايك اِمام باڑا هَي جلّي كي كِناري تعْزِيي تمام شہْر كي عاشُوري كي دِن وُهِين دفْن هوتي هَين صحْن اُسْكا نِپت كُشاده اَور مُصفّا اور هَوَا نِہايَت خُوش آيَنْد و پاكِيزه خُصُوصًا برْسات مين جو كوئِي وَهان جائي نِهايَت حظّ اُٹهائي (بَيت) جو چاهي كِه كهولي دِلِ تنْگ كو " كري دِيد وَهانْكي ذرّا رنْگ كو " غلّه بهِي اقْسام كا بكثْرت هوتا هَي بيشْتر ارْزانِي رهتِي هَي اَور دُودْه نِہايَت گاڑها چِكْنا دَهِي بهِي نِپت خُوش ذائِقه چكّا بہُتايَت سي بهم پہُنْچتا هَي اَور ترْكارِيان هر قِسْم كِي بافْراط اَور سسْتِي ليكِن تر ميوي بعْضي بعْضي خُوب هوتي هَين خُصُوصًا انار نِہايَت خُوش مزه بہُت بڑا دانه بهِي اُسْكا گُنْده نِپت رسِيلا اگرْچِه وِلايَت كا سا تو نہِين ليكِن هِنْدُوسْتان كي اكْثر بِلاد كي انارون پر شرف ركهْتا هَي غرض جلال آباد كي انار سي كلانِي و خُوبِي مين كُچْه كم نہِين كپڑا بهِي اقْسام كا خُوش قُماش

اِس صُوبي مين بُنا جاتا هَي خُصُوصًا ململ شَيخ پُري كِي مشهُور ليكِن حُقي
اَور بعضي ظُرُوف شِيشي كي عظِيم آباد سي بِهتر كهين نهين بنتي توتا بهِي
امرِت بهيلا اَور كنجلا كثرت سي هوتا هَي اگر كوئي اُسكو پالي اَور پڑهائي تو
جلد بولي اَور بخُوبي پڑهي تِيس كوس شهرِ مذكُور سي جنُوب كِي طرف
دامنِ كوه مين گيا ايك بڑا معبد هُنُود كا هَي دُور دُور سي هِندُو وَهان آكر
اپني جد و آبا كِي ارواح كي لِئي دان پُن كرتي هَين خُصُوصًا چِلّي كي جاڑي
مين جب آفتاب قوس مين آتا هَي هزارون اشخاص مرد و زن اُس مكان
مين نزديك و دُور سي آكر جمع هوتي هَين پهر منتر پڑه پڑه ترپن سرادّه
سي اپني مُردون كِي رُوح كو مسرُور كرتي هَين اَور اُس عمل كو اُنكِي نجات كا
مُوجِب اَور اپني بِهترين عِبادت جانتي هَين قريب اُسكي سنگ مرمر كِي
كهان هَي بيشتر وَهان ظرف و زيور سنگ مذكُور كا بناتي هَين اَور اپني
دستكارِي كِي خُوبيان دِكهاتي هَين كاغذ بهِي اروَل اَور بِهار مين بِهتر سي بِهتر
بنتا هَي * سركارِ مُنگير خُلاصةُ التَّوارِيخ كي رُو سي معلُوم هوتا هَي كِه عالم گير
كي عهد مين يا اُس سي سابِق ايك دِيوارِ سنگِين گنگا سي پهاڑ تلك بناكر
صُوبهٔ بِهار كِي اِنتها اُس كو مُقرر كِيا تها ليكِن سالهاي سال سي اِلَي الآن كِه
سن اٹهتالِيس جُلُوسِي شاه عالم كي هَين اُسكا نِشان بهِي سُني ديكهني مين

نہین آیا خُدا جاني تہي یا نہ تہي پر دریا کناري ایک قلعہ پختہ البتہ تعمیر
هُوا تها بالفعل بہي موجود هي لیکن عمارت اُسکي جا بجا سي گر پڑي هي
اندر اُسکي صاحبانِ انگریز ني بنگلي اور بعضي مکانِ پختہ بہي بنائي هین اور
جهاڑ کهنڈ کي پہاڑ تلي بیجناتهہ ایک معبد هي اُس کو مهادیو کا مکان
کہتي هین وهان پیپل کا ایک درخت کِه اُسکي اُگني کا آغاز کسي کو معلوم
نہین وهان کي مجاورون مین جس کو احتیاج خرچ ضروري کي هوتي هي وه
کهانا پینا چهوڑ کر اُس کي نیچي آ بیٹهتا هي اور مهادیو سي التجا کرتا هي
دو تین دن کي بعد ایک پتا لکها هوا قلمِ غیب سي بخطِ هندي اُسکي پاس
آن پڑتا هي اُس سي روپي جتني کِه اُسکي قسمت مین تهي اور نام دیني
والي کا بلکِه اُسکي باپ دادا زن و فرزند کا بہي معه ملک و سمت هرچند
کِه پانسو کوس پر کیون نہو ظاهر هوتا هي تب وه اُسکو اپني سردار پاس لیجاتا
هي وه مطابق اُسکي ایک کاغذ لکهه دیتا هي اُسیکو هندوي بیجناتهه کہتي
هین پهر طالب اُس کو لیکر اُس شخص کي پاس جاتا هي في الفور وه زرِ
مسطور حاملِ کاغذ کي حوالي کرتا هي چنانچه خلاصة الهند کي مولف ني
لکها هي کِه ایک بامنهه وهان کا میري نام پر بہي لایا تها مین ني سعادت
جانکر زرِ معلوم ادا کیا نادر تر اُس سي یهه هي کِه اُس معبد مین ایک

غار هَي کِه مُجاوِرون کا رَئِيس سال مين ايک بار شِيوبرْت کي دِن اُس غار مين جاکر خاک اُٹّھا لاتا هَي اَور هر ايک مُجاوِر کو اُس مين سي ديتا هَي بقدْر اُسْکي نصِيب کي وُه خاک سونا هو جاتِي هَي * ترْهُت قدِيم سي دارُ ٱلْعِلْمِ هِنْدِي هَي آب و هَوَا وَهان کِي نِهايَت خُوب دَهِي وَهان کا چکّا اَور نِهايَت خُوش مزه بَهُت تحْفه بلْکِه خُلاصَةُ ٱلتَّوارِيخ کي مُصنِّف ني لِکْها هَي کِه ايک برس تلک نہِين بِگڑْتا اغْلب کِه يِهه مُبالغه هو کيُونْکِه عقْل و نقْل کي خِلاف هَي اَور دُودْه بهِي علي هذا ٱلْقِياس کہْتي هَين کِه اهِير اگر پانِي اُس مين مِلا ديْوي تو غَيب سي اُسي ايک صدْمه پہُنْچي اَور بهَينْس بهِي اُس بسْتِي مين اَتِي بڑِي اَور قَوِي هوتِي هَي کِه شير اُس کو شِکار نہِين کر سکْتا علاوه اُسْکي برْسات مين هرن بارہ سِنْگي شير بکثْرت اِکٹّھي هوکر بستِي مين آتي هَين اَور باشِنْدي وَهان کي حظّ اُنکي شِکار سي اُٹّھاتي هَين * سرْکارِ چنْپارن کِي زمِينِ قابِل مين اگر ماش بکْهير ديْوين تو بي رنْجِ کِشْتْکارِي اُگ اُٹّھين اَور اُسْکي جنْگل مين پيپلين بَهُت پَيدا هوتِي هَين * رهتاس قلْعه هَي ايک بُلنْد پہاڑِ دُشْوار گُذار پر چَوده کوس کي پهير مين کهيتِيان اُس مين اَکْثر هوتِي هَين چشْمي بهِي بَهُت سي جوش مارتِي هَين اَور جِس جگهه وَهان چار گز کهودِيي پانِي نِکل آتي آبْشارين بيشْتر تالاب برْسات مين دو سَو سي

کُچھ اُوپر اَلقصه اِس صُوبي مين گرمي بشِدّت جاڑا مُعتدِل دو مہيني سي
زِياده لِباسِ پَشمِي کِي اِحتياج نہين هوتِي مينہ چھ مہيني آگي برستا تھا
اب بِھي پانچ مہيني سي کُچھ کم و زِياد برس رَهتا هَي زمين يهان کِي تمام
سال دريائون کِي بہتايَت سي شاداب رَهتِي هَي باؤ بِشِدّت نہين چلتِي گرد
بِھي نہين اُڑتِي کِشتکارِي جَيسِي چاهِئي وَيسِي هوتِي هَي خُصُوصًا دھان يهان
کي نِہايَت پاکِيزه اَور چِنِيده پر کِسارِي ايک اناج کثرت سي هوتا هَي نِپٹ
سستا بد مزه مٹر کِي مانند مُفلِس تِہيدست يا کمِيني اُسي کھاتي هَين گو کِه
وُه سبب بعضي امراض کا بِھي هوتا هَي اگرچِه دريا اِس صُوبي مين بہُت
هَين پر گنگا سون گنڈک کلان‌تر لیکِن سون جِبالِ جنُوبِي سي آکر منير کي
نزديک گنگا سي مِلِي کہتي هَين کِه نربدا اَور وُه ايک چشمي سي نِکلِي هَين
اَور گنڈک شِمال کِي جانِب سي آ حاجِي پُور کي قرِيب " کرم ناسا ايک
دکھن کي پہاڑ سي نِکلکر چونسا گُذر مين " اَور پن پن جنُوب کِي طرف سي
آ قنوج کِي آبادِي سي گُذر عظِيم آباد کي نزديک " غرض بہتر درياؤ اَيسي
کِه جِن مين ناو چلِي اَور چھوٹي اَنگِنت گنگا سي شہرِ مذکُور تک پہنچتي
پہنچتي مِلِي اکثر هِندُو خاص کرم ناسا کو اُترتي هُوئي يِه اِحتياط کرتي هَين
کِه ايک قطره اُنکي بدن تک نہين پہنچتا نہاني کا تو کيا ذِکر هَي پر

خُلاصةُ اَلتّوَارِيخ كي مُوَلِّف ني لِکّها هَي كِه جِس مقام مين گنڈک گنگا سي مِلي هَي جو كوئي وهانكا پانِي پِيئي اُسّكي گلي مين گهينگا نِكلي رفته رفته نارجيل كي برابر هو جائي اَور سِيَرُ اَلمُتَأَخّرِين والا يِهه لِكّهتا هَي كِه حاجِي پُور كِي آب و هَوَا كِي يِهه خاصِيَت هَي اكثر وَهان كي لوگ اِس مرض مين گرِفتار رهتي هَين اَور گهينگي اُنكي گلون كي هار ليكِن واقِع مين اُسكي خِلاف هَي شايَد چالِيس پچاس برس آگي يِهه بات هو تو هو اب تو نهين هان بعضي بعضي اشخاص كي گلون مين اَلبتّه سو يِهه كهان نهين اَور پانِي درياي مذكور كا بشراكتِ گنگا بلكِه نِرا هزارون آدمِيون ني پِيا اب تلك بهي پِيتي هين ليكن گلا كِسِيكا سُوجتا بهِي نهين گهينگي كا تو كيا ذِكر هَي مگر ايک بوڑهِي گنڈک مُظفّر پُور كي تلي بهتِي هَي اُسكي پانِي كا يِهه اثر مُقرّر هي بلكِه مُبالغه يهان تک كرتي هين كِه چرند پرند جو اُسكا پانِي پِيئي يِهه بيمارِي اُسكي گلي پڑي چُنانچِه مُظفّر پُور كي اكثر حَيوان و اِنسان اِس بلا مين مُبتلا رهتي هَين وُه جو سُنا تها كِه ايک سرزمِين كِي چڑيا كوّي كي بهِي گلي مين گهينگا هوتا هَي وُه يِهِي هَي اَور سالگرام ايک پتّهر حاجِي پُور كِي اطراف مين هوتا هَي رنگ اُسكا سِياه مِقدار مين چهوٹا گول روغني فارسِي مين سنگ سِمک اُسي كهتي هَين راقِم خُلاصةُ اَلتوارِيخ كا يهان تک لِكّهتا هَي كِه چالِيس

کوس کي عرضي تلک قصبهٔ مذکور کي نواح سي نکلتا هي هندو اُسکو بهي ایک مظهر الٰهي سمجهکر پرستش کرتي هین بلکه برهمنون کا عقیده یه هي جو بُت که ٹوٹ جائي قابل پوجني کي نهین مگر یه پتهر قصه کوتاه طول اس صوبي کا تیلیا گڈهي سي لیکر رهتاس تلک ایک سو بیس کوس اور عرض ترهت سي کوه شمالي تلک ایک سو دس کوس شرق رو اسکي بنگاله غرب رخ اله آباد جانب شمال اوده جنوب کي طرف ایک بڑا پهاڑ حاجي پور منگیر چنپارن سارن ترهت پٹنه بهار رهتاس آٹه سرکارین متعلق اُن سي دو سو چالیس محال آمدني اٹهتیس کڑوڑ سات لاکه تیس هزار دام

صوبهٔ بنگالا " جهانگیر نگر عرف ڈهاکه ایک بڑا شهر آبادي و خوش سوادي مین بمراتب بهتر هر ملک کي اشیا اُس مین هر وقت مهیّا " هر قوم و اقلیم کي لوگ اُس مین هزارها " اصل نام اُسکا بنگ تها لفظ آل که اُس سي ملا وجه اُسکي یه هي که بنگلا زبان مین آل بڑي پشتي کو کهتي هین اور اُسي باغ و زراعت و غیره کي گرد پاني کي محافظت کي لیي بناتي هین چنانچه اگلي زماني مین اس ملک کي زمیندار دامن کوه مین که زمین وهانکي نیچي هوتي هي دس دس هاته کي اونچي اور آٹه آٹه هاته کي

چوڑي پُشتي بناکر مکانون کي بُنياد اُنکي اندر ڈالتي تهي اور کهيتيان بهي
اُسي طور پر کرتي تهي بنابر اِسکي يهانکي عوام نے اِس مُلک کا نام بنگالا رکهه
ديا گرمي اِس ديار مين چاليس پچاس برس سابق اِعتدال سي قريب تهي
اور جاڑا نهايت کم برسات جيٹهه سي شُروع هوتي تهي اور چهه مهينے رهتي
ليکن بالفعل بعضي مُلکون مين گرمي اُس سي کهين زياده چُنانچه سالِ
گُذشته مين تو ايسي بڑي تهي که ايک عالم نے اذيّت کهينچي بلکه اکثر
حيوان اِنسان حرارت سي تلف هُوئے جاڑا بهي اِتنا پڑتا هي که سير بهر روئي
کا بالا پوش اِنسان رات کو اوڑه سوئے ليکن ٹهٹهر نهين هوتے بلکه پهر دن
چڑهے سي ليکر دو تين گهڑي دن رهي تلک رضائي کي حاجت نهين اور
دو پهر سي سِپهري تک ايک دُپٹا کافي هي ليکن اِس مَوسم مين کُوهرا اکثر
پهوهار کي مانند پڑتا هي بلکه کبهي کبهي تو آسمان دهوان دهار هو جاتا هي
سُورج پهر ڈيڑه پهر دن چڑهے تک نظر نهين آتا اور برسات پانچ مهينے
کي بلکه کُچهه کم شُروع اُسکا آدهي جيٹهه سي اور آخر کاتک کا اوّل معهذا
اگر جيٹهه کي اِبتدا مين يا کاتک کي اِنتها مين کِسي برس مينهه برسين
تو کُچهه مُضايقه نهين کيونکه کبهي کبهي غير مَوسم کيا چهم کي مُلکون مين
نهين برستي دهان اِس مُلک مين بيشتر هوتا هي اقسام اُسکي بهت هين

اگر ایک ایک دانه هر قِسْم سي لْیوین تو ایک تھلِیا بھر جاٴي لُطْف یِہ هَي
کِه ایک کھیت مین تِین تِین بار پَیدا هوتي هَین جِس قدْر پانِي بڑھي زِیادہ
پھکْي بال اُسْکي پانِي مین نه ڈُوبي کھیت والون ني جو کبْھو اُسْکو ماپا تو
پچاس پچْپن هاتْھ سي کُچْھ اُوپر پایا اَور رَعَیَّت یہان کِي حاکِم سي سرْکشِي
نہین کرْتي زرِ واجِبي ایک برس کا آٹْھ مہینی مین بطَورِ اقْساط کچھْرِي مین
آپ پہُنْچا دیتِي هي گھر اِس بِلاد مین بیشْتر چھپّر کي اگرچِه کِتْني دِلْدار
مضْبوط خُوش اُسْلُوب دیر پا هوتي هَین بلْکِه بعْضي بعْضي بنْگلون مین تو پانْچ
پانْچ چار چار هزار رُپي لگ جاتي هَین پر دِیوارون کِي جاگِہ ٹٹِیان کیُونْکه
کچِي دِیوار یہان کِي نہِین ٹھہرْتِي مگر خِشْتِي سو غرِیبون کو کہان مُیَسّر بلْکِه اکثر
صاحِب مقْدُور بھِي بسبب خِسّت کي نہِین بناتي اَور باسن اُن اشْخاص کي
اکْثر گلِي تھوڑي سي برِنْجِي بسْتِیان بھِي بیشْتر یہان کِي درخْتون مین هوتِي
هَین یعْنِي اَیسِي جگہہ گھر بناتي هَین کِه اِدْھر اُدْھر اُسْکي درخْت هون خُدا
نخَواسْته اگر ایک گھر کو آگ لگي تو گانْون کا گانْون پھک جاتا هَي پھِر اپْني
اپْني گھرون کي نِشان کِسِیکو معْلُوم نہِین هوتي مگر اُن درخْتون کي آثار
سي " بورِیا بھِي اِس نَوَاح مین بعْضا بعْضا مُلایَمت مین ریشم کي برابر اَور
صفاٴي مین مَحْمُودي کِي چاندْنِي سي کہِین بہْتر بلْکِه گرْمِیون مین فرْش اُسْکا

اسکي آگئي گرد اور يهه اس سي سرد سيتل پاتي اسکو بجا کهتي هين واقعي
که اسم با مسمي هي " خوراک خاص يهان کي لوگون کي مچهلي خشکا کڑوا
تيل دهي لال مرچ ترکاري ساگ بلکه مچهلي حضرت يونس کي وقت کي
بهي اگر پائين تو کها جائين اور ترکاري کي ناون کوئي پتا هاتهه چڑهي ممکن
نهين که اسي هاتهه اٹهائين لون بهي زياده کهاتي هين ليکن اس ملک کي
بعضي بعضي مقام مين کم بهم پهنچتا هي پر روتي گيهون جو چني کي اگر
کيسي هي خوب هو نهين کهاتي بکري کا گوشت مرغ گهي انکي مزاج سي
موافق نهين بلکه رياض السلاطين کا مصنف لکهتا هي که ان غذاون کو اکثر
معده انکا قبول نهين کرتا احيانًا جو کها جائين تو استفراغ کر دين پر اپني ديکهني
مين نهين آيا اور کسي تهينٹهه بنگالي سي صحبت بهي نهين رهي شايد انکي
يهه عادت هو تو هو هر کسي کي تو نهين اور پهناوا عوام الناس کا خواه وه
مالدار هو خواه مفلس موافق سترکي کيونکه مرد ايک سفيد کپڑا جسکو دهوتي
کهتي هين ناف کي نيچي سي باندهتي هين زانو تلک اسي ڈهکتا هي اور دو
تين پيچ کي ايک لپڑي سر کي گرد لپيٹ ليتي هين چند يا ساري کهلي رهتي
هي مگر جو اهل هند يا کسي اور ملک کي باشندي يهان آکر بسي اور دو دو
تين تين پشتين انکي گذر گئين يا جنکو هندوستانيون سي اکثر صحبت رهي يا

روزگار پیشه اہلِ خدم جامہ نیمہ بہي پہنتي ہَین پر اپني گہرون مین بیشتر اِسي طَور پر گذران کرتي ہَین لیکن خلاصۃ التَوارِیخ والا جو لِکہتا ہَي کِہ زن و مرد کپڑي نہین پہنتي ننگي رَہتي ہَین اُنکي مراد بہي یِہي ہَي یعني جِس پر لفظ پہنني کا صادِق آئي وَیسي پوشش اِنکي نہین اَور یہہ جو تصرِیح کرتا ہَی کِہ کار و بار باہر کا بہي خاصّ عَورات سي متعلِق ہَي خصوصِیَت اِس امر کي بِالفعل تو ثابت نہین اُس عصر مین شاید ہو پر لِباس اکثر عَورات کا بہي اَیسا ہي کُچہہ ہَي کیونکہ ایک ہي کپڑي پر یي بہي اِکتفا کرتي ہَین نام اُسکا ساڑي ہَي اِس طَور سي کِہ ایک اَدہواڑ اُسکي ناف سي لي پِنڈلیون تلک لپیٹتین ہَین اَور دُوسري سي پیٹھہ گردن اگلا دہجا سِر بسا اَوقات کہلا رکہتي ہَین بلکِہ پانؤن بہي ننگي پاپوش نہین پہنتین اَور سفر یہان بیشتر ناو پر خصوصًا برسات مین کیونکِہ کِشتیان اِس مُلک مین اقسام کِي بہتایَت سي گہاٹون پر چہوٹي بڑي مہیّا رہتي ہَین جِس وقت مسافِر چاہي سوار ہو بیٹہي اَور جِس شہر کو چاہي بآرام چلا جاوي اَور گرمي جاڑي کي موسم مین رتہین گاڑیان چوپالي بلکِہ پالکي تلک بہم پہنچتي ہَي جِس پر چاہي اُس پر سوار ہو لیکن اچہا گہوڑا ہاتہہ نہین لگتا مگر بڑي مول کو پر ہاتہي بکثرت ہوتي ہَین اَور موتي جواہِر عقیق یشم مطلقًا اِس سرزمین مین نہین مگر اَور

ملکون سي آتا هي پهل سواي انگور و خربوزه انواع و اقسام کي يهان هوتي هين
خصوصا آم انناس کيلا که هر ايک اس خوبي کي ساتهه اور بلاد هند مين نهين
هوتا ليکن خاص اس نواح کي ميوون مين ايک گلاب جامن هي اگرچه
ميٹهي تو خوب نهين هوتي پر اسکي هضم هوني تلک جب ڈکار آتي هي
گلاب کي باس آتي هي پهول بهي سبهي طرح کي هوتي هين پر کيوڑا کثرت
سي اور مادهولتا بلکه يهه قسم خصوصيت اس ملک سي رکهتي هي اور بعضي
مقامون مين سونٹهه سياه مرچ بهي پيدا هوتي هي اور پان تو اقسام کي بافراط
ريشم بهي نپٹ بهتايت سي بلکه کپڑا بهي ريشمي قسم قسم کا يهان خوب
بنا جاتا هي که ويسا اور کهين کم ديکهني مين آتا هي سچ تو يهه هي که
کپڑا سفيد بهي اقسام کا خواه مهين هو خواه گزهواڑ اس مملکت کي بعضي
شهرون مين ايسا خوش قماش تيار هوتا هي که ديکهني والا اس سي کيفيت
آب روان کي اٹهاتا هي اور پهنني والي کا تن سکهه پاتا هي في الواقع اسکي
بافت کي صنعتين اور ساخت کي کيفيتين کسي اور ديار کي بافندي باريک
بين بهي پا نسکين هرچند ايک عمر ادهيڑ بن مين رهين بنني کا تو کيا ذکر
اس واسطي يهان کي سردار اپني هم سرون کي ليي بطريق سوغات بسا اوقات
کپڑا اجناس اس قسم کي بهجوايا کرتي تهي " اور سوداگر اکثر اپني نفعي کي

لیٔي مُلْکْ بمُلْکْ لیجایا کرْتي تهي " چُنانْچه طَورِ ثاني تو بدسْتُور جارِي هَي لیکِن
اَوَّل مین بسببِ اِنْقلابِ زمانه بمراتبِ خلل پڑ گیا اَور چیری خانه جو
یہان کي ناظِم حُضُورِ اعْلي مین اِرْسال سال بسال کِیا کرْتي تهي وُہ محمد شاہ
کي بعْد یکْ سر موقُوف کر دِیا بلْکِه اپْني پگڑیان پهیر رکْهین اَور هِي سَودا
سِرون مین سمایا " آداب کا طریقه ایکْ لخت بهُلایا " شرابِ نخْوَت و
رُعُونت مین سرْشار هُوي " اَور آداب کي طریقي سي یکْ لخْت دسْت
برْدار " لیکِن خُمار اُسْکا خُوب هِي کهینْچا " سَو طرح کا صدْمه جان و دِل کو
پہُنْچا " * لکْهنَوتي قدِیم شہر هَي آباد کرْني والا اُس کا شنْگل دیپ احْوال
اُسْکا یُون کر هَي کِه بنْگالي کِي سرْحد مین کُوچ ایکْ بسْتي هَي اُس شخْص
ني اُسْکِي نوَاح سي خُرُوج کِیا آخِر صُوبهٔ بہار و بنْگ کو لي لِیا پهِر اِس شہر
کو بسایا اَور اپْني تخْت گاہ ٹهہرایا چُنانْچه دو هزار برس تلکْ شہرِ مذْکُور دارُ
الْحکُومت صُوبهٔ بنْگ کا رَها بعْد اُسْکي تانْڈا هُوا پهِر جهانْگیر نگر بعْد اِسْکي
مُرْشد آباد بلْکِه ابْتلکْ بهِي صُوبهٔ مسْطُور کي ناظِم کِي بُود و باش اِسِي مین
هَي قِصّه کوتاہ جِس وقْت هُمایُون بادْشاہ لکْهنَوتِي مین رَونق افْزا هُوا اُسْکِي آب
و هَوَا کو جو اچّها دیکْها جنّت آباد نام رکْها اب وُہ مُلْکْ اَیسا اُجْڑا هَي کِه هزارون
درِنْدي گزِنْدي وَهان اپْني گهر بناتي هَین فقط قلْعي کي درْوازي کا نِشان اَور

مسْجِدِ طِلائي کي کُچْھ آثار نظر آتي هَين (بَيت) هزارون هِين تهي جس جگهہ بوسْتان " وَهان اب نہين ايکٹ گُل کا نِشان " جهان مسْندين بادْشاهون کِي تهِين " وَهان ايکٹ گدا کا بچْھَونا نہِين " مشْرِق طرف شہْر کي چهتْه بهتْه ايکٹ جهِيل هَي باندّه اُسْکا اب تلکٹ قايِم ليکِن جب کِه آبادِي کِي بُنْياد مُسْتحکِم تهِي برْسات مين پاني کا گُذار شہْر مين مُطْلق نهوتا تها اب يکٹ سر سطْحِ آب هو جاتا هَي بلْکِه کِشْتِي بهِي بآساني آتي جاتِي هَي اَور قلْعي سي ايکٹ کوس کي فاصِلي پر ايکٹ قديم عِمارت تهِي اُس مين ايکٹ حَوض بهِي نِهايَت مُتعفّن نام اُسْکا پِياز بازِي تها جو کوئي پانِي اُسْکا پِيتا اقْسام کِي بِيماريون مين گِرِفْتار هوکر مر جاتا کہتي هَين کِه اکْبر کي عہْد سي پہْلي گُنهگارون کو وَهان قَيد کرْتي تهي کِه اُسْکا پانِي پِيکر جلْد هلاکٹ هو جائين سُلْطانِ ممْدُوح اِس امْر کا مانِع هُوا اَور اِس دسْتُور کو اُٹها دِيا * مُرْشِد آباد ايکٹ بڑا شہْر بهاگِي رتِي کي کِناري اَورنْگٹ زيب کي وقْت بسا ليکِن درْيا کي دونو کِنارون پر پہْلي اُس جگهہ مخْصُوص خان سَوداگر ني ايکٹ سراي بناکر مخْصُوص آباد نام رکْها تها کِتْنِي دُوکانين اُس مين تهِين جب جعْفر خان نصِيري کو اصالتاً صُوبه دارِي بنْگالي اَور اُڑيسي کِي محمّد عالمگِير ني عِنايَت کِي اَور مُرْشد قُليخان خِطاب دِيا تب اُسْني وُنْہين شہْر آباد کِيا اَور مُرْشد آباد نام رکْها بلْکِه دارُالْحُکُومت

اُسیکو ٹھہرایا چُنانچہ ابتلک بھِي سن بارہ سَي بِیس ہِجرِي ہَین اَور رِیاست
صاحِبانِ کمپنِي دامَ ظِلّہم کِي بُود و باش ناظِم کِي اُسِي مین ہَي طُول اُسکا چار
کوس سي کُچھ زِیادہ چیولِي بُوٹي دار اَور ساڑِي یہان کِي مشہُور باغات و
عِمارات بھِي فِي اَلجُملہ لیکِن نہ قابِلِ تحرِیر اِلّا موتي جھیل و گورِي بنگلي کِي
سو وُہ خراب و مِسمار ہو گئِین زبانون پر فقط نام رہ گیا ہان ایک نوّاب سِراجُ
اَلدَّولہ کا خُلاصہٴ عِمارات اِمام باڑا اب تلک قایِم ہَي ہَیئَتِ وضع اُسکِي بَیان
سي بي نِیاز سچ ہَي کِہ اِس ساخت کا اِمام باڑا بِلادِ ہِند مین کہِین نہِین
ہرچند کِہ تیّارِي اُسکِي اب عُشرِ عشِیر سي کم ہَي لیکِن نمُونہٴ گُلزار یادگارِ
گُلزار (قطعہ) لطافت اَور صفائي کِي کیا کرُون تقرِیر " عِمارت اُسکِي تو رکھتي
ہَي حُکم شِیشي کا " جو روشنِي کا سمان چار چند ہو اُس مین " عجب
نجان تُو اِس بات کا اچنبھا کیا " زبان بھِي اُس شہر کي لوگون کِي بہ
نِسبت یہان کي اَور بِلاد کي باشِندون کِي دُرُست وَجہ اِسکِي ہم صُحبت ہونا
اکثر اَوقات ہِندُوستان زاون سي کیُونکہ بعد شاہجہان آباد کِي برہمِي کي قبل
از حکُومتِ صاحِبانِ عالِیشان بیشتر وي اُسِي شہر مین وارِد ہُوئي تھي بلکہ
سُکُونت بھِي اِختیار کِي تھِي شہرِ مذکُور اَلبتّہ لُطف سي خالِي نہِین لیکِن
دریا سي نشیب مین واقِع ہَي اگر پُشتہ دریا کا یا اکبر پُور کِي جھیل کا

باندهه خدا نخواسته برسات مین ٹوٹتي تو سارا شهر هي ڈوبي چنانچه سن باره سي سوله کي اخير مين طغياني آب سي بهگوان گولي کي طرف کا پشته جو ٹوٹ گيا محلي کي محلي غرق هو گئي يهان تک که نواب مظفر جنگ کي مرحوم کي نو ساخت مين پاني گهٹنون سي کچهه اوپر تها بلکه اور عمارتون مين بهي علي هذا القياس کهتي هين که ايسي پاني کي طغياني ايک مرتبي نواب مهابت جنگ کي عهد مين بهي هوئي تهي حافظ حقيقي اب اس آبادي کو محفوظ رکهي اور پشتون کو پهاڑون کا سا استقلال بخشي * بندر هگلي اور سات گام آدهه کوس کا باهم فاصله رکهتي هين ساتگام کي شهريت اور آبادي بهت بڑي اور پر عمارت تهي حاکم وهين رهتا تها جب يهه مقام درياؤن کي طغياني سي اجڑا هگلي کي آبادي ني کمال رونق پکڑي فوجدار يهان کا علاقه حضور اعلي سي رکهتا تها بنگالي کي ناظمون کا چندان محتاج نه تها جعفر خان ني فوجداري بندر مذکور کي بادشاه سي درخواست کرکي نظامت مين لگا لي اور هر ملک کي سوداگرون تاجرون سي مراعات شروع کي محصول واجبي سي ايک دام زياده نه ليتا بلکه کچهه اس مين سي بهي چهوڑ ديتا پهر تو فرنگ و چين و ايران و توران و عرب و عجم سي اکثر تجارت پيشون کي آمد و شد هوني لگي بلکه بهتيري مالک جهاز ني بود و باش بهي

اپني يهين ٹهہرائي لِهذا شہر مذکور کي آبادي نہايت بڑه گيي اگرچه اکثر اقوام کي تاجر يهان تهي ليکن مغلون کا اعتبار بيشتر تها اور اهل فرنگ کو قلعي اور برج کي بنياد ڈالني نه ديتي مگر کوٹهيون کي تعمير کا حکم تها جب فوجدارون ني سخت گيري اور زياده طلبي شروع کي شہر مذکور ويران هو گيا اور صاحبان عاليشان کي رعايت و حمايت و آسانيء محصول سي کلکته زياده تر آباد که بالفعل دار الحکومت هي * شہر کلکته زمانهء سابق مين ايک گاون تها وجه تسميه اسکي يه هي که کالي نام يهان ايک بت هي اور بنگلا زبان مين کتا صاحب کو کهتي هين اس سبب سي نام اسکا کالي کتا ٹهہرا پهر رفته رفته زبانون کي تغيرات سي بي بهي گر گيي کلکته ره گيا ليکن آباد هونا اسکا اور صاحبان عاليشان کي کوٹهيون کا بننا جس طرح هوا بيان اسکا يه هي که نواب جعفر خان کي نظامت تلک کمپني بهادر کي کوٹهي هگلي مين گهول گهاٹ سي متصل مغل پري کي قريب تهي ايک دن يکايک زوال کي وقت زمين وهان کي دهسني لگي اس وقت صاحبان انگريز کهانا نوش کر رهي تهي باري سردار تو گرتي پڑتي نہايت جد و کد سي نکلي ليکن مال و اسباب تمام و کمال معه اکثر ذي روح اس مکان کي ساته پاني مين غرق هوا بلکه بعضي انسان بهي تلف هو گيي پهر مستر چانک ني بنارسي

باغ کو مول لیکر درخت اُسکی کاتی اَور کوٹھی بنانی شُروع کی پر دو منزلہ سہ منزلہ عِمارتیں بنانی کا اِرادہ کِیا جب دِیواریں اُٹھ چُکیں شہتیروں سی چھت پٹنی لگی وَہاں کی شُرفا نُجبا خُصُوصاً مُغلوں نی کہ تاجِروں میں عُمدہ تھی مِیر ناصِر فَوجدار سی کہا کِہ جب نا محرم اَیسی بُلند کوٹھوں پر چڑھینگی تو ہماری ناموس کی بی ستری ہوگی مُطلق حُرمت نَرہیگی فَوجدار نی اِس مضمُون کی عرضی نوّابِ مَوصُوف کو لِکھ بھیجی اَور مُتعاقِب اُسکی اُن سب کو رَوَانہ کِیا پہنچتی ہِی حُضُور میں وی فریادی ہُوئی جعفر خان نی فِی آلفور پروانہ تعمیر کی مناہی کا نِہایَت تاکِید سی لِکھ بھیجا فَوجدار نی پڑھتی ہِی اُسکو حُکم کیا کِہ کوئی راج مزدُور بڑھئی وَہاں نجائی اَور عِمارت ناقِص پڑی رَہی صاحِبِ مَوصُوف اِس حرکت سی نِہایت آزردہ ہُوا بلکِہ اِرادہ لڑنی کا کِیا لیکِن سِپاہ قلِیل تھی اَور جہاز بھی ایک علاوہ اِسکی مُغلوں کی کثرت فَوجدار کی حِمایَت اِس اِرادی کو فاسِد جان کر فسخ کِیا اَور جہاز کا لنگر اُٹھا لِیا آخر کِناری کی بستی کو آتشِی شِیشی سی جلاتا ہُوا چل نِکلا فَوجدار نی ہرچند اُسکی روکنی کا تدارُک کِیا لیکِن پیش رفت نہوا اَور جہاز سمندر میں جا پہنچا پھر وَہاں سی دکھن کی طرف رَوَانہ ہُوا اُن دِنوں اَورنگ زیب وَہِیں تھا اَور غنیموں نی چار طرف سی رسد بند کی تھی لشکرِ پادشاہی

مین قحط عظیم تها کرناٹک کي کوٹهي کي سردارني بهت سا غله جهازون
پر لادکر لشکر مین پهنچایا اور خدمت شایسته بجا لایا موردِ الطاف و عنایات
هوا اور اقصاي مطالب و مقاصد کو پهنچا جهان پناه اس سي بلکه فرقهٔ
انگریز سي راضي هوئي یهان تک که سند و فرمان محصول کي معافي کي ارر
کوٹهي کي تعمیر کي عنایت کئي تب مستر چانک پادشاهي احکام و فرمان
دکهن سي لیکر بنگالي کو پهر آیا اور وکیل معه نذر و پیشکش ناظم کي پاس
بهیجي آخر سند مطابق کوٹهي کي بنانی کي حاصل کرکي بنیاد ڈالي اور شهر
کي آبادي پر متوجه هوا تجارت کا بهي کار و بار بخوبي کرني لگا ابتلک بهي
وه کوٹهي قایم هي پرانا قلعه اسیکو کهتي هین القصه شهرِ مسطور نهایت کلان
و معمور بهاگي رتي کي کناري نپٹ اسلوب کي ساته واقع هي آبادي اسکي
دید کي لائق " عمارات اسکي عماراتِ چین و صفاهان سي فائق " تعمیر کا
طور هي نیا " نقشا هر ایک مکان کا جدا " حویلیان پخته گچ کي برابر
برابر " سڑکین ستهري هموار سراسر " فضا انکي رشکِ فضاي باغ ارم " اور هوا
غیرتِ نسیمِ صبحدم " سبزي پر انکي زمرد زهر کهائي " اور سرخي سي
مونگي کا جگر خون هو جائي " علاوه اسکي مه جبینون کا ازدحام " حسن
کي گذري کي ایک دهوم صبح و شام " (ابیات) جو اندر بهي اس وقت

اِیدْھر کو آئي " تو اَپْني سبْھا مین کبْھُو پھِر نجائي " اگر دیکْھي ٹُک اِس شبِسْتان کو " پرِي چھوڑ دیْوي پرِسْتان کو " بشر کو کہان پھِر نظاري کِي تاب " جِگر برْق کا یہان تو ھوتا ھَي آب " نکْھو اپْنا جِي مُفْت اَي بیخبر " سمْجھہ کر ذرا اِس جگہہ دِید کر " ہر ایک محلّي مین عالمِ طِلسْمات " ہر کُوچي سي اَرْژنْگ مانِي مات " گھر ھر بیپارِي کا ھر مُلْک کِي اجْناسِ مُتعدّدہ سي بھرا ھُوا " صرّافي کِي ھر دُوکان مین رُپَي اشْرفِي کا تودہ لگا ھُوا " بازار مین ھر طرف چھل پہل " شِیشہ آلات کِي دُوکان رشْکِ شِیش محلّ " (ابْیات) کھُلا بازار اَور رسْتي کُشادہ " بَیَاضِ جدْوَلِي ھو جَیسي سادہ " دو رسْتہ اہْلِ حِرْفہ اَور دُکان دار " لڑِي موتِي کِي ھو جَیسي نمُودار " اِدْھر کو جَوھرِي اُودْھر کو بزّاز " اِدْھر صرّاف اُودْھر کو طِلا ساز " رُپَي اَور اشْرفِي دیکْھي برسْتي " دھري تخْتي پہ جون نرگِس کِي دسْتي " کِناري اَور گوٹي اَور مُسلْسل " مِثالِ برْق کرْتي ھَین جھلاجھل " جو کُچّھ چاھو تُم اسْبابِ جہان سي " بھم وہ جِنْس پہنْچي ایک دُکان سي " فِي آلْواقِع آبادِي اُسْکِي اکْثر آبادیون سي دُونِي " اَور بسْتِي اُسْکِي بہُت سِي بسْتیون سي بڑِي " کیُونْکہ جَیسا بازار خُشْکِي مین دو رسْتا ھَي " وَیسا ھِي ناو جہاز کِي کثْرت سي پانِي مین بھِي ایک شہْر بسْتا ھَي " لیکِن سبب آبادِي کِي ترقّي کا یہہ ھَي کِہ

هر ایک صاحب گورنر اُسکی تعمیر کی افزایش پر متوجه رها " اور لکھا رپیا اِس کام پر اُنسی سرکارِ دولت مدار کا خرچا " خصوصاً نواب گورنر جنرل لارڈ ولسلی مارکویس بهادر نی تو ات گت پیسا اُٹھایا " ساتھ اِسکی شهر کا اُسلوب بهی نهایت خوب کر دِکھایا " چُنانچه ایک عمارت ایسی عالیشان بنائی " که جس سی شهر کی رونق حد سی زیاده بڑھائی " تشبیه اُسکی کس سی دیجیی که جهان مین اُسکا نظیر نهین " ثانی اُسکو کسکا کهیی که کسی عمارت کی ایسی تعمیر نهین " سچ تو یهه هی که جیسی اُسکی بنانی والی کی امارت مین آن بان جُدی هی " ویسی هی اُس مکان کی عمارت کی شان جُدی هی " (قطعه) شفافی و صفائی یهان تک هی جس سی نت " نورِ صفای صبح کو رهتا هی اِنفعال " نقش و نگار اُس په هین ایسی که حُسن کا " اُن سی نگار خانهٔ چینی کری سوال " اور ارتفاع یهه هی اگر عوج ابن عوق " اُس پر کری نگاه تو پگڑی کو لی سنبهال " جس قدر اُس مکان کی تعریف کیجیی بجا هی " اور جتنا اِس شهر کو سراهیی روا هی " واقعی بلادِ هند مین اب ایسی پُر عمارت آبادی کهین نهین " اور تاجرون سوداگرون کی کثرت بهی اتنی کهین نهین " صاحبانِ کمپنی کی مدت سی تجارت گاه هی " اور سرداران انگریز کی قدیم عشرت گاه " بالفعل اکثر صنف کی اشخاص متمول

اَور صُنّاع صنعت گرِي مين کامِل يہِين بکثرت مَوجُود هَين اَور اشيا و تحائِف بهِي انواع و اقسام کي عليٰ هذا آلقِياس خرِيد فروخت کا سررِشته بخُوبِي جارِي " خُوش وخُرم هر ايک بيپارِي " ليکِن رنگين کپڑي جلد بد رنگ هو جاتي هَين خُصُوصًا لال کا تو رنگ رَهتا هِي نهين اَور اشياء قِوامِي بهِي مِثلِ شربت و خمِيره و معجُون شِتاب سڑ جاتِي هَين بلکِه خُشک دَوائين بهِي بيشتر بگڑ جاتِي هَين سبب اُسکا هَوَا کِي شورِيَت و عفُونت و رطُوبت چُنانچِه گهرون کِي زمين همِيشه نمناک رهتِي هَي بلکِه دو دو تِين تِين گز دِيوارين بهِي " نِيچي کي مکان تو قابِل بُود و باش کي نهين اگر دو منزِله سِه منزِله مکان نه بنائين " تو يهان کي باشِندي مُطلقًا آرام نپائين " اَور پانِي بيشتر تالاب کا پِيتي هَين يا مينهه کا کُوئي تمام يهان کي کهارِي " اَور آبِ جارِي دريايِ شور کي قُرب سي نِپٹ بهارِي " خُصُوصًا جوَار کي وقت مُراد اُس سي اُلٹا بهنا دريا کا اَور بهاٹها مُخالِف اُس کا بيَان اِسکا عجائِبُ آلمخلُوقات مين يُون لِکها هَي کِه هر دريا مين يِهه نهين هوتي مگر شور دريا مين يا وي دريا جو اُس سي مُتصِل هَين ساتهه اِسکي اُنکي عُمق مين پتهر بهِي نِهايَت سخت هووين پهر جِس وقت ماه مُحاذِي اُنکي سطح سي هووي اَور شُعاع اُسکي اُن پتهرون پر پڑي پهر وَهان سي پلٹتي پانِي کهولني لگتا هَي

اَور رقیق ہوتا جاتا ہَی پس مُوجِب زِیادتی کا لطافت ہوتی ہَی اَور اُسکو مکانِ وسیع چاہیٔی نِدان بعضی اجزای آب بعضی دِیگر کو تموّج سی ٹکراتی ہُوئی کِناری سی اُدھر کر دیتی ہَین لیکِن یِہہ گھٹنا بڑھنا مُوافِقِ حرکتِ قمر ہَی غرض جِس وقت چاند آسمان کی بِیچون بِیچ پہنچتا ہَی جوَار کامِل ہوتی ہَی جہان وَہان سی زایِل ہُوا بھاٹھی کی اِبتدا ہُوئی یعنی پانی کا غلَیان گھٹنی لگا آخر حالتِ اصلی پر آ جاتا ہَی جب ماہ اُفُقِ غربی پر پہنچتا ہَی پھر جوَار شُرُوع ہوتی ہَی اَور بڑھنی لگتی جہان وتدُ الارض پر آ چُکتا ہَی کمال طُغیانی اُسکی ہوتی ہَی جب وَہان سی سرکتا ہَی بھاٹھا شُرُوع ہوتا ہَی رفتہ رفتہ پانی پھر اپنی طَور پر بہنی لگتا ہَی جِس وقت قمر پھر اُفُقِ شرقی پر پہنچا جوَار کا آغاز ہُوا لیکن اِسکی اَور اُسکی اِبتدای حقِیقی ہرگز محسُوس نہِین ہوتی مگر عُرفی غرض ہَیجانِ بحر مانندِ ہَیجانِ اخلاطِ بدنِ آدمی ہَی جَیسی اُسکی گھٹنی بڑھنی کی عِلّت حکما کی نزدیک قمر پڑتا ہَی وَیسی ہی اُسکی بھی غرض اُس ساعت پانی یہان کی دریا کا پِینی والی کی حق مِین سم ہَی بلکہ آبِ تیغِ دو دم خُدا نخواستہ جِسنی اُسکو پِیا " وہ بیچارہ کب جِیا " پس اکل و شُرب خلق کا تالاب کی پانی پر ٹھہرا اِسی واسطی بِنا تالاب کی اِس مُلک مِین اکثر ہَی اَور ایک نامِ خاص بھی بعضی بعضی

تالابون کي لِيي مِثلاً لال دِگّي چورنگّي و غيره اَور سِواي اِس جوار بهاٹهي کي وسطِ ماه کي تِين تارِيخون مين اَور آخرِ ماه کي ايک بار دِن رات مين پانِي بصُورتِ دِيوار بُلند هوکر نِهايت زور شور سي درياي شور کي طرف سي آتا هَي " جهاز بهِي اُسکي تلاطُم سي هِل جاتا هَي " پهِر ناو تو کيا چِيز هَي اُس وقت اگر گهري پانِي مين هُوئي تو تو بچِي اَور جو کِناري سي مُتّصِل لگِي تهِي تو اُسکي صدمي سي خُشکي مين جا پڑي اَور ٹُکڑي هو گئي اِسِي واسطي ملّاح اَيّامِ مذکُور مين چهوٹي بڑي ناوين بهارِي بهاري لنگر ڈال کر کِناري سي دُور رکّهتي هَين بنگّلا زبان مين اِس طرح کي مَوج کا ناؤن هُمّا هَي ليکِن برسات مين اِس قُوّت و شورِش سي نهين آتا سببِ يقِيني اِسکا بشر بتلا نهين سکتا " اَور لِمِ اِسکي کوئي پا نهين سکتا " مگر حُکما کي نزديک شُعاعِ شمس هَي ليکن اَيّامِ مُعيّنه اَور اَوقاتِ مُقرّره مين پر بادهاي مُختلِف کو بهِي اِس مين مُداخلت هَي اَور اُسکي کمتِي زِيادتِي مين فُصُولِ اربع کو فِي الواقِع شُعاعِ آفتاب مين حِدّت بمرتبه هَي پهر فلکيان بهِي اُس سي اَيسا هِي کُچه هوگا * آب و هَوا بهِي يهانکي به نِسبت زمانهٔ سابِق کي بِالفعل اچهِي هَي چندان بد نهِين خُصُوصاً جاڑي کِي رُت مين تو هميشه اِعتِدال پر رهتِي هَي يُون درد دُکه اِنسان کو کهان نهِين هوتا " کَونسا شهر هَي

کہ بیمار جہان نہین ہوتا " لیکن بواسیر کھجلي داد ضعف معدہ پورب مین بکثرت هَي " اَور پچھم مین بقلت " اَور نکوا سانجر فیل پا گھینگا خاص اِسي سرزمین مین ہوتا هَي وَهان مطلق نہین مگر کبھي کہین کسي کو بسبیل ندرت اَور ارمني محلّي مین بڑي بازار و چیني بازار کي بیچ ارمني گرجہ هَي بہت اونچا کشادہ " مشہور بهي سب گرجون سي زیادہ " تعمیر اُسکي آغا ناظر ارمنیون کي سردار ني سن ایک هزار سات سَو چوبیس عیسوي مین کي اگرچہ اِس شہر مین گرجي انگریز و پرتکیش وغیرہ عیسائیون کي بہت هَین پر شہرت اِسیکي بیشتر هَي " اَور گھڑي بهي اِسکي نہایت معتبر " مسجدین بهي یہان کثیر هَین لیکن نہ قابل تحریر مگر رمضاني درزي ني ایک مسجد پختہ مربع نو برج کي سنهل هتّي مین بنائي هَي واقعي تعمیر اُسکي اُسکي حوصلي سي باهر هَي " اَور یہان کي سب مسجدون سي بہتر " امام باڑي بهي علي هذا القیاس بہتیري کیونکہ کوئي سرکار و جمعدار خانسامان ناظر و غیرہ نہوگا کہ جسني اپني حویلي کي متصل نہ بنایا هو لیکن ایک چھوٹا سا گنبذ دو تین هاتھ کا اونچا اَور چبوترہ بهي اِسي قدر لنبا چوڑا مگر بعضي بعضي چوبدار جمعدار ني یا کسي صاحب کي هندوستاني بي بي ني محوطہ اَور مکانات کي ساتھ بهي بنایا هَي " اَور بہت

سا پیسا اُسکي تیاري مین اُٹھایا هي " لیکن ایسي اشخاص تعمیر کي سلیقي اور تعزیه داري کي طریقي سي کیا واقف هین تا هم اگر ایمان کي ساتھ هي اور نیت بهي بخیر تو عقبي مین کچھ رستگاري هوگي " و الا دونون جهان مین ذلت و خواري " اور محرم کي ساتوین کو یهان کي باشندي جتني تعزیه دار هین شدي اور علم اُٹھاکر بیٹھک خاني تلک شیون کرتي هوئي لیجاتي هین " اور وهان سي اسي هیئت سي پهر اپني گھر آتي هین " رستون مین خلایق کي کثرت سي رسته کم ملتا هي " اور شاني سي شانه چلني والون کا چھلتا هي " سپهري سي رات تلک یهي عالم اور هر ایک گلي کوچي مین ماتم رهتا هي اسیکا نام یهان کي لوگون ني دو پهریا ماتم رکها هي اور اسي دن هر ایک چھوٹي بڑي امام باڑي مین یهان کي زن و مرد مرغ کا سالن اور روٹي یا پلاو پکا پکا لیجاتي هین " اور اس پر فاتحه امام کي دلاتي هین " غرض مرغ اس قدر ذبح هوتي هین که اس دن اگر شهر مین ڈهونڈهي تو ایک پر بهي نپاوي " مگر اُنکي لهو کا ایک نالا هر گلي کوچي مین بهتا نظر آوي " سواي اسکي یهان کي پواج و ارزال اس روز امام باڑون مین جاتي هین " اور عجیب عجیب سوانگ لاتي هین " مثلاً جس شخص ني ایک امام باڑي مین عهد کیا تها که میري یهه مراد اگر اس سال مین بر آیگي

تو مین یہان بیٹھکر اپنی سر پر چولہا رکھہ کھیر پکاونگا وہ کھیر پکاتا ہی اور
جسنی اپنی منت کی بر آنی پر قفل لگانی کا وہان عہد کیا تھا وہ اپنی منہہ
مین قفل لگاتا ہی ہرچند کہ اسکی دونون گال چھد جاتی ہین کیونکہ
اسکی ادہر ادہر دو پٹریان لوہی کی ہوتی ہین اور بیچ مین ایک پتلا سا
سیخچہ شکل اسکی گھوڑی کی دہانی سی کچھہ ملتی ہی غرض یہہ خرِ نا
مشخص اسکو اپنی منہہ مین لگاکر امام باڑی کی گنبذ کی آس پاس پھرتا ہی
اگر تین پھیری مین قفل کھلکر گر پڑا تو اسنی جانا کہ میری نذر نہایت قبول
ہوئی اور اگر ساتوین پھیری مین گرا تو فی الجملہ اور وہ جو کھیر سر پر لگاتا
ہی وہ حالت اپنی ایسی بناتا ہی کہ لوگ جانین اسکو ٹھنڈ لگتی ہی کچھہ
اوڑہ بھی لیتا ہی گو کہ گرمی کی رت ہووی غرض اسکی حالتِ گدائی کو اور
قفل کی خود بخود گر پڑنی کو چھوٹی امت کرامت سمجھتی ہی " اور
اجابت کی علامت " طرفہ تر یہہ کہ اس جاہل کا ساتھہ اسکی یہہ بھی عقیدہ
ہی کہ اگر کسی اور امام باڑی مین سوای امام باڑۂ معہود یہہ کام کرین
تو نہ کھیر پکی اور نہ قفل کھلی احیاناً اگر کوئی عالم اس جاہل کو چاہی کہ
اس فعلِ نا شایستہ سی باز رکھی کیا مجال " بلکہ جنابِ امام کی بھی مانع
ہونی سی ترک اسکا اس سی امرِ محال " (مصرعہ) ہر کس بخیالِ خویش

خبطي دارن " اَور عشري کي دِن کوئي خاص طَور يهان نهين ديکها و اِلّا لکهني مين آتا اَور يهان کي هُنود کِي بهِي بعضِي بعضِي پُوجا کا طَور جُدا هَي چُنانچِه دُرگا پُوجا مين اَور کالِي کِي پُوجا مين اَور کاتِک پُوجا مين يي اپني اپني گهرون مين بڑي بڑي رَوغني بُت هر ايک کِي شبِيهِ مُعيَّن پر بنواکي رکهتي هَين اَور اُنکو روزِ معهُود بڑِي دهُوم دهام اَور باجي گاجي سي دريا مين ليجاکر ڈال ديتي هَين عَوامّ يهانکي اِسکو بهسان کهتي هَين غرض دُرگا پُوجا بَهُت دهُوم اَور هُجُوم کي سانه هوتِي هَي " اَور اُسکي لَوازِم مين يهانکِي خِلقت بَهُت رُپيا پيسا اپنا کهوتي هَي " نام اِسکا نوراتر اِبتدا اِسکِي کوآر سُدِي پُرواسي § اَور اِنتها دسمِي کو ليکن چهٹهِ سي ستمِي اشتمِي نَومِي تک تهاپنا کرکي پُوجتي هَين يعنِي ايک کوري گهڑي مين پانِي بهرکر اُسکي آگي پرستِش مين مشغُول هوتي هَين اَور دسمِي کو بِسرجن کرتي هَين يعنِي دُرگا کو دريا مين ڈال ديتي هَين اَور ايامِ مذکُور مين خُصُوصاً چهٹهِي سي دسوين رات تلک اکثر هِندو بنگالي اپني حوصلي اَور مقدُور کي مُوافِق مجلِس عَيش کِي جماتي هَين " اگرچِه بيشتر اِن مين تهڑدلي هَين پر اِس کام مين بَهُت سا رُپيا اُٹهاتي هَين " چُنانچِه يهانکي اعِزه مُتموِل مُسلمانون

§ *purwāsī*, for پُورن ماسِي *pūrnamāsī*, the full moon.

کي بهي دعوت کرتي هين بلکه صاحبانِ عاليشان کي بهي غرض اکثر قوم کي اشخاص اور سردار مجلس مين جاتي هين " اور ايک حظ اٹهاتي هين " فرش رنگ برنگ کا هر مکان مين اور شاميانے کي تلي نهايت پاکيزه و مصفا " شيشي کي جهاڑ فانوسين قنديلين متعدد روشن جا بجا " پاندان عطردانِ نقرئي و طلائي قرينون سي دهري هوئي " سيکڑون چنگيرون مين هار پهول طرّي بهري هوئي " بهانڈ بهگتيون اور کانچنيون کي طائفي دس دس بيس بيس " پوشاکين بهي انکي گلون مين نفيس نفيس " (ابيات) مسلسل کناري بنت کي چمک " کڑي اور توڑي کي تسپر جهنک " نظر چشم کي کس طرح تاب لائي " کهان تک دلِ عاشقان پس نجائي " سطح فرش کي هر دو جانب انگريزيون پرتکيشون ارمنيون کي بيبيان اور مستيسائين پر تکلف لباس پهني هوئي کرسيون پر جلوه گر " حسن کا بازار لگا هوا ادهر ادهر " (ابيات) جو يوسف بهي اس بزمِ دلکش مين آئي " تو دل ايک نظاري پر بيچ جائي " يه هر مه کا چمکا هوا رنگ هي " که اندر کي بهي اچهرا دنگ هي " هر ايک اپني جوبن سي مغرور هي " قيامت هي آفت هي بس دور هي " جو آوي پري اس شبستان مين " تو جاوي نه هرگز پرستان مين " پهر انسانِ ناچيز کا ظرف کيا " حواس اسکي کيونکر رهين يهان بجا " سچ تو يه

هَي کِه هر قوم کِي مجلِس اَور خُوبرُوؤن کِي شان جُدِي هَي " اَور هر گُروه کي
گُلرُخون کِي آن بان جُدِي " (مِصْرعه) هر گُلي را رنگ و بُوي دِيگر است "
قِصه مُختصر هر شب سحر تلک ناچ راگ کا سمان بندها رهتا هَي اَور تماشائِيون
کا هُجُوم لگا رهتا " پهر دسوِين کو تِيسري پهر سي شام تلک دريا پر بهِي ايک
کَيفِيَّت اَور زن و مرد کِي کثرت رهتِي هَي سِواي اِسکي اَور بهِي کَئِي ميلي
اپني اپني موسِم مين يهان هوتي هَين ليکِن نه اِس خُوبِي و کَيفِيَّت کي ساته
بِنابراِسکي طَور اُنکا تحرير نکيا " اَور اُنکِي تفصِيل مين فائِده معتد بِهِ نديکها "
شهر سي اندک فاصِلي پر جنُوب کِي طرف فورت وِليَم قلعه هَي بِنا اُسکِي
پلاسِي کِي فتح کي بعد کرنيل کلَيو کي عهد مين هُوئِي ليکِن معلُوم يهه هوتا هَي
کِه گويا آج بنا هَي اَور ابهِي تيار هُوا معهذا اسباب و لَوازِم جِتني کِه قلعي کو
اَور اُسکي باشِندون کو در کار هون هميشه مُهيا رهتي هَين بلکه دِن بدِن اِن
اُمُور کِي ترقِي و زِيادتِي هي ساخت کا تو اُسکِي مذکُور کيا ساخت هِي جُدِي "
عِمارت کِي طرز هِي نئِي " اِس بِلاد کي کِسِي قلعي مين نهين مِلتِي چار
دِيوارِي باهر سي تو پُشتي کِي مانند " اَور اندر سي نِهايت بُلند " گنج گاو
اُسکي کَون پا سکي " اَور بچاو لگاو کِسکِي مجال جو بتا سکي " واقِعي ايک
عالم کي لِئِي حُکم طِلِسم کا رکهتا هَي " دِيد اُسکِي حَيراني بڑهاتِي هَي " اَور

سَیر سُرت بہلاتي ھَي " (اَبیات) حِصار اِس طرح کا زمِین پر کہِین " کوئي دوسرا ھمنے دیکہا نہِین " عجب کیا جو معمارِ قُدرت اُسي " کہي ھَي یہِي ایک حِصنِ حصِین " اَور قلعي کي پچہم دریا کي پار لیکِن کِناري پر بعد ایک باغ کي قدري فاصِلي سي صاحِبانِ کمپنِي دامَ ظِلُّہم کا باغِ سراپا بہار ھَي لیکِن بي مُحَوَّطي پر بہُت بڑا اَور کُشاده کِه عقل کي اِحاطي مین آ نہِین سکتا " پہِر مُحَوَّطه اِسکي گِرد کوئي کیُونکر بناوي " اَور فضا اِسکِي حدّ سي زِیاده کِه طایِر وَہم اُسکي باهر جا نہِین سکتا " پہِر بشر اُسکي اُودہر کیُونکر جاوي " سچ تو یِہه هَي جَیسي اِسکي مالِک رِیاست و حُکُومت مین حُکّامِ زمان سي برتر هَین " وَیسِي هِي یِہه لطافت و کَیفِیَّت مین باغہاي جہان سي " جِس طرح اُنکِي حشمت کو زماني مین ترقّي هَي اُسِي طرح اِسکي درختون کِي کثرت کو " فِي آلواقِع کِه اِسکا هر ایک چمن گُلذار کي برابر " اَور نقشه باغِ اِرم کي نقشي سي کہِین بہتر " زمِین اُسکِي سراسر صاف و هموار " اَور رَوِشین لال لال اُس مین بخُوبي نمُودار " سبزه زارون کي گِرد انواع و اقسام کي سَیکڑون اشجار " اَور پتّي اُنکي سبز زُمُرّد وار (اَبیات) هر ایک خار اِس باغ کا مِثلِ گُل " گیاه اِسکي چمنون کِي سُنبُل سِي کُل " شِگُفته نهو اِس مین کِس طرح دِل " هَوَا اِسکي رهتي هَي نِت مُعتدِل " هَین رنگت مین بہتر جَواهِر سي پہُول " جو

دیکھي اُنھین جائي سُرت اپني بھول " سُنِي وَهان کي طايرِنِي جِس ني صدا " نه طالِب هُوا راگ کِي تان کا " پھُولون پھلون کي بھِي درخت هزارها " بلکِه اکثر اَیسي جِنکا نام بھِي کِسِي ني نہین سُنا " اَور بعضي اَیسي کِه جِنکو اکثر اشخاص ني نہین دیکھا " چُنانچه لَونگ جائي پھل دار چِینِي کباب چِینِي کافُور کي درخت اُس مین مُتعدِد هَین بلکِه جائي پھل کا درخت ایک آد پھلا هُوا بھِي وَهان دیکھني مین آیا هي " اَور اُسکي پتي کو جامن کي پتي سي کُچھ مُشابهه پایا " لیکِن جھمکا ایک پھُول هَي کِه وُه خاص اِنھین مُلکون مین هوتا هي اُسکي پتي سي تو مُشابهت کُلّي هَي اَور لَونگ کا پتا بھِي کُچھ وَیسا هِي پر دارچِینِي کا بیر کي پتّي سي مِلتا هَي اَور کافُور کا شفتالُو کي پات سي " تالاب بھِي اُس مین بَهُت سي هَین اَور نہرین بھِي کِتنِي هَین ناودانین اُنکي دریا سي مُتصِل چُنانچه جَوار کي وقت جِن دِنون شِدّت هوتِي هي پانِي اُنھین کِي راه سي تالابون مین آتا هَي " اَور بھاٹھي کي وقت نِکل جاتا هَي " مکان بھِي اُس مین تِین چار هَین لیکِن لبِ دریا ایک عِمارتِ انگریزِي نِهایَت دِلچسپ پر مُختصر " اَور خُوش اُسلُوب سراسر " ساخت اُسکي بڑِي بڑِي عِمارات سي فایِق " ساتھ اِسکي هر موسِم کي لایِق " هَوا اُسکي هر مِزاج کوراس آوي " ساکِن اُسکا بسا اَوقات حظ اُٹھاوي " (ابیات) نه گھبرائي تنہا

بھي وہان آدمي " کبھو ہو نہ ہرگز اداس اسکا جي " طلسمات کا سا ھي
اس مين سمان " پھر انسان چھوڑ اسکو جاوي کہان " اور چار روش کي
وسط مين کرنيل کيٹ کا مقبرہ ہَي محوطہ اسکا ھشت پہلو اور اسکي گنبذ
مين آٹھ ستون دروازي بھي چار اندر اسکي سنگِ مرمر کا ايک ستون تين چار
ہاتھ لنبا ليکن نہايت خوب ترشا ہوا " اور شيشہ سا چمکتا " اوپر اسکي
صاحبِ قبر کي تصوير اور پاس اسکي ايک عورت کي بھي شبيہ دلپذير "
جاۓ عبرت ھي کيونکہ يہہ رکنِ حکومت ايک دن يہان حکومت کر رہا تھا
آج اس ستون کي نيچي گڑا ہوا ھي " اور ہر ايک عضوِ بدن خاک مين ملا
ہوا " ايک روز اس ستون کا بھي حال دگرگون ہو جايگا " اور گنبذ کي بھي
نقشي مين تغير آيگا " (بيت) عمارت کي تعمير سي ہاتھ اٹھا " ٹک ايک
خانہ آخرت کو بنا " يہہ ھي چندروزہ ھميشہ ہَي وو " تو اسکي ليي ويسي
گھر کو نہ کھو " قصہ مختصر يہہ باغ ھميشہ ٹھڈھا اور ہرا بھرا رہتا ہَي سببِ
ظاہري اسکا يہہ ہَي کہ سواي داروغہ اور کارکنون کي سَو باغبان بھي نوکر ھين
اور وي رات دن درختون کي غور پرداخت کيا کرتي ہَين اور دريا بھي نہايت
متصل ھي ليکن حقيقتاً مالکون کي نيت کيونکہ سَو باغبان اسکي ايک ضلعي
کي درختون کو بھي سينچ نہين سکتي اور دريا کا قرب بسا اوقات مزارع و باغ

کو مُضِر پڑتا هَي پس حاکِم کا خُوش نِیَّت هونا عجب چیز هَي چُنانچِه ایک
پادشاه کِي نقل هَي بعضي اشخاص بهرام گور سي اِسکو منسُوب کرتي هین کِه
ایک دِن شِکار کهیلتا هُوا تنها پِیاسا کِسِي قصبي کِي نَوَاح مین جا نِکلا وَهان
ایک باغچه تها لیکِن اَیسا جیسا گاوں گنوِین مین هوتا هَي اَور ایک شخص
دروازي پر اُسکي کهڑا یا بَیٹها تها اُن ني اُس سي پانِي مانگا وُه بولا کِه مِیان
سَوَار تُم گهوڑي سي اُتر بَیٹهو ٹُک دم لو جلد پانِي پِینا اچها نهِین یِه کهکر
اندر گیا اَور دو انار بڑي بڑي توڑ لایا ایک کي دانِي نِکال کر جو پیالي مین
نِچوڑي مُلبّب بهر گیا اَور کاسه بهِي سیر بهر کي اندازي سي کم نتها بادشاه
ني پِیا اَور خُوب مزه اُٹهایا کیُونکِه ساتهه کلانِي کي وُه مِیٹها بهِي بَهُب تها بعد اِسکي
پُوچها کِه سرکار مین تُم اِس باغ کا محصُول کیا دیتي هو اُسني نِهایَت کم
بتلایا وونهِین خاطِرِ مُبارک مین آیا کِه کُچهه بڑهایا چاهِیي بعد ایک دم کي
جو دُوسرا انار اُسِي پِیالي مین نِچوڑا تو چوتهائي خالِي رَها حضرت ني مالِک
کي طرف تعجُّب سي دیکها اُس ني کها مِیان سِپاهِي معلُوم هوتا هَي کِه اِس
وقت حاکِم کِي نِیَّت ڈانوان ڈول هُوئي اَور اُسِي کِي نِیت سي رعَیَّت کِي
برکت هَي (بیت) کیا کر دِلا مَیکدي کِي بهِي سَیر " و لیکِن تُو رکهه اپنِي
نیَّت بخیر * چندن نگر عُرف فراش ڈانگا چهوٹا سا ایک شهر هَي کلکتي

سي بارہ کوس کي فاصِلي پر فرانسيس کِي کوٹھِي اُسِي مين ہَي عمل دخل بھِي
وَہان ہميشہ اُنھِين کا تھا صاحِبانِ انگريز کُچھ مُداخلت نکرتي تھي ليکِن چند
سال سي عِناد و فساد جو باہم ہُوا بِنابر اِسکي صاحِبانِ عالِيشان ني اُس کو
چھِين لِيا بِالفِعل بھِي اِنھِين کي تحت مين ہَي * چوچرہ § ہُگلِي کي نزدِيک
دکھن کِي طرف ايک کوس کي تفاوُت سي ہميشہ ولنديز کي تحت و تصرُّف
مين تھا کَيِي برس سي صاحِبانِ انگريز ني اُس پر بھِي قبضہ کر لِيا سبب اِسکا
مُوافِق ہونا اُنکا فرانسيس سي * شيورام پُور بھِي دريای مذکُور کي کِناري پر
ايک چھوٹِي سِي بستِي ہَي کلکتي سي چھ کوس پر اُس پار اچانک کا اَور
اُسکا آمنا سامنا دريا بِيچ مين علاقہ اِسکا دنامار سي صاحِبون کو کُچھ کام نہِين
کوٹھِي اُسِي فِرقي کِي وہان ابتلک قايِم ہَي ليکِن اچانک کلکتي کي مُتعلِّقات
سي ہَي چُنانچِہ وَہان بھِي لارڈ ولزلِي بہادُر ني ايک عِمارتِ خُوش نُما " اَور باغِ
پُر فضا " بنايا ہَي صحن اُسکا مانند رمني کي وسِيع " اَور ہَوَا ہر موسِم مين
مِثلِ ہَوَاي ربِيع " وحشِي اُس مين اکثر بي مِثال " اَور طايِر بہُتيري نادِرِ
جمال " ديکھکر اُنکو اِنسان نقشِ دِيوار بن جاۓ " اَور خُدا کِي قُدرت
ياد آۓ " مُشرِک بھِي بي اِختِيار فتبارکَ اللّٰہُ احسنُ الخالِقِينَ پڑھني لگي

§ Perhaps it should be written چِنچُرہ

اَور کافِر بھِي بي تَأَمُّل اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ اَلْعَالَمِينَ کہہ اُٹھي " سڑک بھِي وَھان سي کَلْکَتّي تلک اَیسِي سِيدْھِي ھمْوار بنائِي کِه کبھِي نام کو نَرھِي " ساتْھ اِسْکي دو رسْته درخْتِ سایَه دار لگْواکر رسْته گُلْذار کِیا " اَور چلْنی والون کو سَو طرح کا آرام دِیا " (بَیت) همیشه هَي اُس پر هَوَا باغ کِي " فضا اُنْکِي هَیگِي فضا باغ کِي " * سرْکارِ سِلْهت آبادِي اُنْکِي پهاڑون مین هَي گَینْڈي کِي ڈھال وَهانْکي مشْهُور فِي اَلْواقِع نِهایَت خُوب و خُوش اُسْلُوب هوتِي هَي هِنْدُوسْتان کي کِسِي مُلْک مین اَیسِي سِپر کهِین نهِین بنْتِي میْوي بھِي وَهان کي اکْثر خُوش ذایِقه چُنانْچه بِهْتر سي بِهتر اُن مین کَولا هَي احْوال اُسْکا سابِق اِس سي لِکّھا گیا سِواي اِسْکي چوب چِینِي بکثْرت بهم پهُنْچتِي هَي اَور اگر کي درخْت بھِي بهُتایَت سي وَهان کي پهاڑون مین هوتي هَین آخِر برْسات اُنْکو کاٹ کر آب و هَوَا مین ڈال دیتي هَین بعْد چنْد روز جهان سي جِتْنا اگر اچّھا هاتْھ لگا اُسْکو رکْھ چھوڑا اَور بُرِي کو پھینْک دِیا خواجه سراوُن کِي اِفْراط اُس دیار مین فقط خُلاصَةُ اَلتَّوارِیخ سي درْیافْت هُوئِي اَور خِلاف اِسْکا بیشْتر سُنا لیکِن رِیاضُ اَلسّلاطِین مین هونا نهونا کُچھ ندیکّھا اِس لِئِي احْوال اُنْکا ترْک کِیا کُچھ نه لِکّھا * سرْکارِ رنْگ پُور گھوڑا گھاٹ " ریشم وَهان بکثْرت بهم پهُنْچتا هي اَور ایک میْوه ضخامت مین مِثْلِ چار مغْز اَور مزي مین مانندِ

انار بیج اُس مین تِین اَور نام لٹکن اِسي سرزمین سي تعلّق رکھتا هَي تانگن بھِي ابلق پہاڑون سي لاکر وُنہین بیچ جاتي هَین اَور لیني والي اُن سي اَور مُلکون مین نفعي اُٹھاتي هَین * سرکارِ بُنگلا سمُندر کي کِناري وَهان بھِي ایک قلعه تھا چار طرف اُسکي درخت گُنجان بیشُمار تھي اَور جَوَار بھاٹھا بطورِ کلکتي کي اُس مقام مین بھِي آتا هَي لیکِن اکبر کي اُنتیسوین سالِ جُلُوسِي مین پھر دِن رَهي ایک روز عجب ایک سَیل نمُود هُوئي تمام شہر ڈُوبا راجا وَهان کا ناو پر چڑھ کر بھاگا غرض پانچ ساعت جوش طُوفان کا رَها " اَور تموّج دریا کا نه گھٹتا " ساتھ اِسکي بجلي چمکا کي بادل گرجا کِیي مینھه برسا کِیا آخر دو لاکھ جاندار حَیوان و اِنسان سي سَیلِ فنا مین غرق هُوئي اَور خُلاصةُ التّوارِیخ مین یہه لِکھتا هَي کِه شُرُوعِ ماهِ هِلالِي سي چودهوین تلک وَهان کي دریا سي مَوجین پہاڑ کِي برابر هر روز اُٹھتِي هَین اَور پندرهوین سي بتدرِیج گھٹتِي هَین لیکِن تارِیخِ بنگاله سي یہه بات دریافت نہین هوتي قریب اُسکي * کام رُوپ هَي اُسي کو کانورُو بھِي کہتي هَین عورتین وَهان کِي نِہایَت شکیل " فنِ جادُو گرِي مین بي عدِیل " دُور از عقل اُن کِي فُسُون سازِي و شعبده بازِي کِي نقلین کرتي هَین از آن جُمله یِہه هَي کِه جِس دانا کو چاهین ایک آن مین دِیوانه کر دیوین بلکه جِس اِنسان کا اِراده کرین ایک پل مین حَیوان

بنا لیوین نباتات بھي وہان کي عجیب و غریب ہین چنانچہ پھولون کي باس
توڑني کي بعد کئي مہیني تلک بدستور رہتي ہي اور آم کي درخت انگور
کي مانند تاکون پر پھیلکر پھولتي پھلتي ہین اس سي بھي نادر تر یہہ ہي کہ
درخت اگر کاٹیي تو عرق شیرین ٹپکني لگي یہان تک کہ پیاسون کي پیاس
بجھا دیوي اور ریاض السلاطین سي یہہ معلوم ہوتا ہي کہ زمانہٴ سابق مین
وہان عمل کوچ بہار کي راجاؤن کا تھا لباس وہان کي زن و مرد کا فقط ایک
لنگي اور لہجہ گفتگو کا کوچ بہار کي باشندون سي ملتا ہوا قریب اسکي *
ولایت آشام ہي نہایت وسیع بیچ مین اسکي دریاؤ برہمپتر مغرب سي مشرق
کي طرف بہتا ہي آب و ہوا اس کي کناري کي متوطن و مسافر کي لیئي
مساوي ہي لیکن اسي دور کي متوطن سي تو موافق اور غیر کي حق مین سم
برسات آٹھ مہیني کي اور چار مہیني جاڑي کي بھي مینہہ سي خالي نہین
پھول اور پھل بھي ہندستان و بنگالي کي وہان بیشتر بہم پہنچتي ہین بلکہ
سوا ان کي بہتیري خاص اس سرزمین مین پیدا ہوتي ہین دھان کي نہایت
کثرت " لون کي بمرتبہ قلت " اور گیہون جو مسور مطلق نہین بوتي اگرچہ
زمین وہانکي قابل ہي جو کچھہ بوئین سو اگي " مرغ اس سرزمین کا بڑا لڑاکا
آپ سي چوگني کي مقابل ہو یہان تک لڑتي کہ مغز اسکا پاش پاش ہو

جائي " پر لڑائي سي باز نه آئي " مر مٹي " حريف كي آگي سي نه
هٹي " هاتهي بهي اُدهر كي جنگل مين بيشتر خوش جمال و كلان " هرن
باره سنگي نيل گاو ميندهي فراوان " اور دريا كي ريتل مين سونا پيدا هوتا هي
ليكن كهوٹا چنانچه آٹه روپي توله بكتا هي طرفه تر يهه كه وهان كا راجا ايك
بلند مكان پر بيٹها رهتا هي زمين پر پاون نهين ركهتا احياناً اگر ركه دي راجائي
اسكي جاتي رهي عقيده٭ باطل وهان كي راجاون كا يهه هي كه آبا و اجداد انكي
آسمان پر تهي كسي وقت سوني كي سيڑهي ركه كر اتري اور پاون اپنا زمين
پر نركها بنابر اسكي وهان كي راجا كو سرگي كهتي هين سرگ لفظ هندي هي
معني اسكي آسمان قصه كوتاه جب راجا اس ديار كا مرتا هي بعضي بعضي
مرد رنڈي اسكي خواص و خدمتي زنده معه قدري تجمل و اسباب بلكه لباس
و طعام بهي اس كي ساته سردابي مين دفن كر ديتي هين " اور كتني گهي
كي چراغ بهي جلاكر اس مقام مين دهر ديتي هين " متصل اسي * تبت
اور تبت سي قريب * ماچين " شهر خان بالغ دار الحكومت اس ولايت كا
هي درياي شور اس سي چاليس دن كي راه كهتي هين كه شهر مذكور سي سمندر
تلك ايك نهر كلان كهود كر دونو كناري اسكي سنگين و پخته بنائي هين سكندر
رومي انهين كي راه اس ولايت مين گيا اور تمام ملك كي سير كركي دريا كي

راه سي نِکلا مشہور هَي کِه حسبِ اَلحُکم سُلطانِ مَوصُوف کي حکيمانِ والا دانش و دانايانِ عالي منش ني وُنهين درياي شور پر ايک طِلسم آدمي کي پنجي کِي صُورت بنايا هَي جب جهاز اُدهر کو آني لگتا هَي وُه اِشاري سي منع کرتا هَي اَور درميانِ مشرق و جنُوب * شهرِ ارخنگ ايک بڑا مُلک هَي بندرِ چاٹگام وَهان سي نِهايَت مُتّصل هاتهيون کِي وَهان کثرت بَهُت هَي يهان تک بهُورا هاتهي بهِي وَهان مُيسّر آتا هَي ليکِن گهوڑا نا ياب اُونٹ گدها نپٹ مهنگا گائي بهينس نا پَيد پر ايک جانَور مِثل اُنکي برنگِ ابلق دُوده ديتا هَي وَهانکي لوگون کا مذهب و مِلّت نِرالا هِندو مُسلمان سي جُدا سِواي مان کي هر عَورت کو جورُو کر ليتي هَين چُنانچِه بهائِي بہن سي اِحتراز نهين کرتا سِواي اِسکي يِہہ رسم هَي کِه سِپاهِيون کِي رنڈِيان دربار مين سردار کي مُجري سلام کو حاضِر هوتِي هَين اَور خاوند اُنکي گهرون مين بَيٹهي رَهتي هَين طُرفه يِہہ کِه زن و مرد وَهانکي کالي اَور کهوسي پر اپني پيشوا و سردار کِي خِدمت و اِطاعت خُرمِ دِل سي کرتي هَين " اَور نِهايَت اُس سي ڈرتي هَين " لقب اُسکا والي هي اَور قريبِ ارخنگ * پيگُو فوج اُس مُلک کِي فقط هاتهي اَور پِيادي حدّون مين اُسکي فِلزّات و جَوهرات کِي کهانين اِسي واسطي پيگُو اَور ارخنگ کي باشِندي اَور مُلک آپس مين عِناد و فساد رکهتي هَين قِصّه کوتاه

صوبۂ بنگ نہایت وسیع و بمرتبہ آباد ہی بہترین دریا یہانکی دریاؤن مین گنگا اور برہماپتر۔ طول صوبی کا چاٹگام سی تیلیا گڑھی تلک شرقاً و غرباً چار سو کوس اور عرض کوہستانِ شمالی سی تا سرکارِ مدارن دو سو کوس مشرق کی طرف اُسکی دریای شور مغرب کی سمت صوبۂ بہار اور جانبِ جنوب و شمال کوہسار پر ریاضُ السلاطین مین یہہ ہی کہ دریای شور جانبِ جنوب اور کوہستان جانبِ مشرق و شمال اور متعلق اُسی ست سٹھہ سرکار تابع اُنکی ایک ہزار ایک سو نو محال آمدنی اگلی زمانی مین چھیالیس کڑوڑ اُنتیس لاکھ دام لیکن صاحبِ ریاضُ السلاطین اٹھائیس سرکار و ستاسی محال لکھتا ہی اور آمدنی موافق زمانۂ سابق کی پچاس کڑوڑ چوراسی لاکھ اُنسٹھہ ہزار تین سو اُنیس دام جسکی ایک کڑوڑ اُنسٹھہ لاکھ ایک ہزار چار سو بیاسی روپی سکّی پندرہ آنی کسری زیاد۔ سپاہِ دائمی تیئیس ہزار تین سو تیس سوار اور اکاسی ہزار ڈیڑہ سو آٹھہ پیادی توپین چار ہزار دو سو ناوین چار سو

صوبۂ اُڑیسہ۔ آگی اس مین اُنتیس قلعی پختہ تھی دو تین اب بھی ہین اور آب و ہوا بھلی چنگی لیکن آٹھہ مہینی برسات تین مہینی ٹھنڈ ایک مہینی گرمی پھول بھی اپنی اپنی رُت مین بہت ہوتی ہین خصوصاً چنبیلی

نہایت نازک خوشبو اور کیوڑا تو جنگل جنگل پھولتا ہی پان بھی اقسام کی
پیدا ہوتی ہین دھان کی کھیت اکثر اور خوراک وہان کی لوگون کی خشکا
مچھلی بینگن بیشتر پر رات کو پکاتی ہین صبح کو کھاتی ہین سوای اسکی خط
و کتابت تاڑ کی پتون پر فولاد کی قلم کو مثھی مین پکڑکر لکھتی ہین کاغذ
سیاہی کا استعمال بہت کم اور وہان کی ایک گاؤن مین ہیجڑی بہت ہوتی
ہین اس لیی وہ ہیجڑا گاؤن کہلاتا ہی کیڑا بھی اُس مُلک کا برا نہین ہوتا
اور چلن اکثر کوڑیون کا " دکھن طرف دریای شور کی کناری شہر * پرسوتم
پور ہی بتخانہ جگناتھ کا راجا اندرسین نی وہین بنیاد کیا کچھ اوپر چار ہزار
برس اُسی گذری قریب اُسکی ایک اور دیہرا ہی اُسکو آفتاب سی منسوب
کرتی ہین بارہ برس کا حاصل اُس مُلک کا اُس مین لگا ہی دیوارون کی
اُچان ڈیڑھ سو ہاتھ اور چوڑان اُنیس ہاتھ اکثر جہان دیدہ اُسکو دیکھ کر
مقام حیرت مین آتی ہین بلکہ نقش دیوار بن جاتی ہین * تریا راج بھی
ہاں سی نہایت قریب ہی مرد اُس نواح کی رنڈیون کا سا بناؤ کرتی ہین اور
گہنا بھی ویسا ہی پہنتی ہین لیکن عورتین فقط ستر عورت پر اکتفا کرتی ہین
اور پوشش بیشتر پتونکی وہان رائج ہی باہر کا کاروبار بھی رنڈی سی تعلق
رکھتا ہی اور اندر کا مرد سی " طول اس صوبی کا ایک سو بیس کوس اور عرض

سَو کوس سرکارین جلیسر کتک و غیرہ پندّرہ اَور محالّ اُنکي تعلّقي کي دو سو بتیس آمدنی چالیس کڑوڑ اکتالیس لاکھ پانچ ھزار دام

صُوبہٴ مُبارک بُنیاد اَورنک آباد " بعضي تاریخون سي معلُوم ھوتا ھَي کہ اگلي زماني مین اِس شہر کو دھارانگر کہتي تھي بعد اِسکي نام اِسکا دیوگیر ھُوا جب سُلطان مُحمّد فخرُ الدّین جونان دِھلي کي بادشاہ ني تمام دکھن چھین لِیا نام اِسکا دَولت آباد رکھا اَور قلعي کو دارُ السّلطنت بنایا بعد سُلطانِ مَوصُوف تمام دکھن دِلّي کي سلاطِین کي قبضي سي نِکل گیا جب تِین سَو برس گُذري شاھجہان ني قلعہٴ مذکُور پر پھر قبضہ کِیا اَور عالم گِیر کو صُوبہٴ مسطُور کِي صُوبہ دارِي عِنایَت کِي شاھزادي ني قرِیب اُسکي ایک شہر بساکر اَورنگ آباد نام رکھا رنگ ڈھنگ اُسکي آبادي کا دیکھکر آنکھین حظّ اُٹھاٸین " کُشادگِي سي اُسکِي دِلِ بستہ یک لخت کھل جاٸین " ھَوا اُسکِي بادِ بھارِي کِي طرح خُوش آیَند " عِمارات وَھانکِي ھر ایک صاحِب طبع کِي پسند " پانِي مین وَھانکي شرابِ انگُورِي کا اثر " ھر فصل اُس مقام مین مانندِ رِبیع تازہ و تر " شرُوعِ جَوزا سي سُنبلہ کي آخر تک مینہہ برسا کرتا ھَي " اَور باغ و جنگل مین پھل بھِي ھر ایک قِسم کا بکثرت خُوش ذایِقہ و خُوش رنگ

لگتا کرتا هي" ساتهه اِسکي غلّي کِي فِراواني اناج کِي اَرزاني همیشه" کپڑا
خُوش قُماش قِسم قِسم کا" جَوَاهِر گِران بها چوکها هر وقت مَوجُود سِواي
اِسکي تُحفه جات هر مُلک کي اَور نادِرات هر جزيري کي جِس وقت چاهو
لو باشِندي بهِي وَهانکي خُوش لِباس و خُوش معاش و اهلِ دَولت و صاحِب
ثروت بیشتر" اَور خُوب رُو بهِي حُسن و ادا مین بي مانند يکسر" طُول
صُوبي کا ڈيڑه سَو کوس کا اَور عرض سَو کوس آٹهه سرکارین مُتعلّق اُن سي اسّي
محالّ آمدني اِکاون کڑوڑ باسٹهه لاکهه اسِّي هزار دام

صُوبهٔ بِرار" ایک مُلک هَي دکهن کِي طرف کي دو پهاڑون مین ایک کا نام
بِندا کاوِیل نرناله و میل کڈه اُسي پر هَین اَور دُوسري کا سَبها § ماهُور و رام گڈه
اُسکي اُوپر آب و هَوا وهانکِي بد نهین اطراف مین اُسکِي زِراعت کِي بهُتایت"
اَور جنگلون مین هاتهِیون کِي کثرت" پر مُلکِ مذکور مین چودهَرِي کو دیس
مُکهِ قانون گو کو دیس پانڈ مُقدم کو پٹیل پٹوارِي کو کُل کرنِي کهتي هین *
پنار ایک قلعه هي نِهایت مُستحکِم و سنگین بُلند پُشتي پر اُسکِي تین طرف
کو دو ندِیون ني اِحاطه کِیا هَي مفتُوح هونا اُسکا نِهایت اِشکال" اَور لینا اُسکا

§ Perhaps the Seshāchal range, as the foregoing word *Bindā* seems to denote the Vindhya range.

بِدُونِ اهْلِ قلْعي كِي سازِشِ اَمْرِ مُحال " * كهرْلا سطْحِ زمِين پر پتّهر كا ايكْ گڈّه
هَي بُلنْدِي مين فلكْ فرسا " اَور اُسْتُوارِي مين پهاڑ سا " انْدر اُسْكي ايكْ
چهوٹي سِي پهاڑِي هَي قرِيب اُسْكي جاكر مِنّت و زارِي كرْتي هَين " اَور
دُعائِين مانْگ مانْگ ماتْهي رگڑْتي هَين " چار كوس وَهان سي ايكْ كُوا هَي
جِس جانْدار كِي هڈِّي اُس مين گِرْتِي هَي سنْگ بن جاتِي هَي اَور ميل گڈّه
كي پاس جو ايكْ چشْمه هَي اُس مين تو كوئِي چِيز گرِي سنْگ هِي بنِي *
بَيراگڈّه مين هِيرِي كِي كهان " اَور كپْڑا بهِي وَهان كا مُصَوّرِ حَيرت افْزاي جهان "
* اندرو و * نرمل مين كانِ فُولاد اَور ظُرُوفِ سنْگين وَهان كي نادِرِ روزگار بيل
بِهِي وَهان كا نِهايَت خُوب سِواي اِسْكي كركٹ ناتْه مُرْغ اَيسا كِه جِسْكِي هڈِّي
تلكْ سِياه " اَور اُسِي صُوبي كي مُتعلّقات سي * بِشْن گيا ايكْ بڑِي پرسْتِش
گاه هَي كُنْڈه اُسْكا كوس بهر كي طُول و عرْض مين چار طرف اُسْكي اُونْچِي اُونْچي
پهاڑ اَور بنْدر وَهان بيشْمار پانِي اُسْكا كهارِي ليكِن مايَه صابُون و شورِي كا اُس
سي حاصِل هوتا هَي بلْكِه آئِني كا بهِي " اگرْچه اِس صُوبي مين درْياؤ بَهُت هَين
ليكِن گوتَمِي كو سب پر ترْجِيح جَيسي گنْگا كو مهاديو سي علاقه هَي اُسْكو گوتم
مُنِي سي عجِيب و غرِيب نقْلين حِكايَتين اُسْكِي بهِي لِكْهِ گَيي هَين اَور آج
تلكْ پرسْتِش كرْتي هَين نِكاس اُسْكا كوهِ سبها سي اَور جوش مارْنا ترِنْبكْ كي

قريب بعد اسکي يهه ندي احمد نگر مين هو برار مين آئي " اور وهان سي سرکار تلنگانا کي طرف جا نکلي " جب مشتري برج اسد مين آتي هي دور دورسي سيکڑون هندو وهان آتي هين " اور ثواب جانکر نهاتي هين " يهه ميلا اکثر ملکون مين مشهور هي تاپي و تپتي کو بهي صدق دل سي مانتي هين اور پرستشگاه جانتي هين ليکن پورنا ديول گانون کي متصل جاري هي پر ايک سرا اسکا باره کوس بالاتر تاپي سي اور دوسرا نزديک گانون مذکور کي القصه طول اس صوبي کا پٹيالي سي بيراگڈه تلک دو سو کوس اور عرض بندر سي هنڈيا تلک ايک سو اسي شرق رو اسکي بيراگڈه غرب رو مکهراباد § شمال کي طرف هنڈيا جنوب کي طرف تلنگانا سرکارين دس متعلق ان سي دو سو محال آمدني ساٹه کروڑ بهتر لاکهه ستر هزار دام

صوبهٔ خانديس " دار الخلافت اسکا برهان پور تپتي کي کناري عرض و طول مين بهت بڑا " آبادي اسکي حد سي زياده " باشندي وهان کي بيشتر صاحب هنر " اور اطراف مين باغات اکثر " ميوي بهانت بهانت کي جهان تهان " پهول قسم قسم کي اپني اپني رت مين فراوان " اجناس قيمتي هر ملک

§ Perhaps *Nasīrābād* may be here intended.

کي بازار مين بيشمار " صندل و اگر کي دکانون مين جدھر تدھر انبار "
گرميون مين آندھيون کي شدت " اور برسات مين کيچڑ کي بہتايت "
کھيتيان جوآر کي اکثر " اور دھان کي کمتر " ليکن چانول وهان کا نہايت
اعلي اور خوش ذائقه پانون کي فراواني اور ترکاريون کي ارزاني بيشتر رهتي
هي کپڑا موٹا مہين اقسام کا بہم پہنچتا هي ليکن الايچه سريصاف سرون § وهان
کا نہايت خوب هوتا هي آگي يہہ ملک غريب خان حاکم کي نام پر تها
جب شيخ ابو الفضل ني آسير کا قلعه ليا صوبه مذکور اکبر بادشاه ني اپني
دوسري بيٹي کو جس کا دانيال نام تها ديا اور نام اسکا دان ديس رکھا زميندار
اسکي اکثر بهيل کولي گوند * چانگ ديو ايک گاون هي اسيکي قريب تپتي
اور پورنا باهم ملي هين هندو اس مقام کي پرستش کرتي هين اور جکر تيرته
اسکو کہتي هين قصه مختصر درياو اس صوبي مين بہتيري هين ليکن اعلي ان
مين تابي اور وه گونڈواني و برار کي بيچ سي نکلي اور پورنا بهي وهين سي
ليکن گرني اور تپتي ني چوپڑي کي متصل اتصال پايا اس مقام کو بهي هنود
معبد جانکر دور دور سي پوجا کو آتي هين " اور اپني گمان مين د،ر؛ کامل

§ Or سہرون , but what sort of cloth is it?

اُٹھاتي هَين " قِصّه كوتاه طُول صُوبي كا پُورگاؤن § سي كه هِنڈِيا كي مُتصِل هَي تا تلنگ كه احمد آباد سي قرِيب هَي پچھتر كوس اَور عرض جاموده سي كه قرِيب برار هَي پال تلك اَور وه مالوي سي نزديك هَي پچاس كوس شرق كي طرف اُسكي برار غرب كي طرف كوهِ جنُوبي جنُوب رُخ جالنا شِمال رُو مالوا سركارين اُسكي پانچ اَور متعلِّق اُن سي ايك سَو باره محال آمدني چوالِيس كڑوڑ چھتِيس لاكھ نَوّي هزار دام

صُوبهٔ مالوا " دار السّلطنت اُسكا اُجّين راجا وَهان كا بير بكرماجيت اوصاف اُسكي قِياس سي باهر اهلِ سلف اُنكو تحرِير كرگئي هَين " بلكه دفتر كي دفتر بهر گئي هَين " واقِعي اِس دهن كا راجا هِندُوستان مين پهر نهين هُوا " اَور محتاجون كا كام كِسي ني اِس خُوبي سي نهين كِيا " سن اُسكي هِند مين آج تلك لِكهتي هَين ساتھ اُسكي شهرِ مذكُور كي بهِي وُسعت مين بهُت سا مُبالغه كِيا هَي بلكه كتابون مين لِكها هَي درياي شِپرا اُسكي تلي مَوج مار رهَا هَي عجب تر يِه كه كبهُو كبهُو ايك آد مَوج دُوده كي بهِي اُس مين آجاتي هَي " اَور ايك خلق تهلِيان هانڈِيان بهرلاتي هَي " كهتي هَين كه يِه اچنبها

§ Otherwise written نُور گاؤن

بارہا لوگون نی دیکھا اَور یہی عمل کِیا * چندیری ایک قدیم شہر ہَی بہت
بڑا نپٹ دِلکشا بود و باش اُس مین اقوام کِی بازار تِین سَو چوراسِی سرائِن تِین
سَو ساٹھہ اَور مسجدین بارہ ہزار * تومن ایک قصبہ ہَی بیتوہ ندی کی کِناری ایک
آد جل مانس بھی کبھو کبھو دریای مذکور مین نظر آ جاتا ہَی " اَور تماشائیون
کو گِرداب حیرت مین غوطی کھِلاتا ہَی " سِوای اِسکی قصبۂ مسطور مین ایک
بتخانہ اِتنا بڑا ہَی اگر نقارہ اُس مین بجی تو باہر آواز کوئی نہ سُنی * منڈو
ایک بڑا شہر ہَی بارہ کوس کی عرصی مین چند مُدت حاکِم نشین بھی تھا
قلعی مین اُسکی ایک مینارِ هشت منظری بی نظیر " ساتھہ اِسکی تعمیرات
قُدما کِی نِہایَت کلان و دِلپذیر " اَور مزار سلاطینِ خلج کی بھی اکثر لیکن
عجیب یہہ ہَی کِہ سُلطان محمود اِبنِ سُلطان ہوشنگ کی گُنبذ سی گرمیون
مین پانی ٹپکا کرتا ہَی نادان اُسکو مُدتون سی کرامت سمجھتی ہَین پر دانا
اُسکی حقیقتِ حال کو ادنی تأمل مین پا جاتی ہَین کہتی ہَین کِہ اُس دِیار
مین پارس پتھر بھی کبھو کبھو نِکل آتا ہَی " لوہا تانبا و غیرہ جو اُس سی
لگی سونا ہِین بن جاتا ہَی * دھار ایک قصبہ ہَی اگلی زمانی مین راجہ
بھوج کِی تخت گاہ تھا بلکِہ اَور بھی راجاؤن کی وقت مین وُہی چند گاہ
دارُ الحکومت رہا اَلقصہ زمین اِس صُوبی کِی بہ نسبت بعضی زمینون کی کُچھہ

اُونچي هَي اَور سب کِي سب قابِلِ زِراعت دونو فصلين بَخُوبي هوتي هَين غلّه سب طرح کا بہُتايَت سي خُصُوصًا گيہون خشخش اَور ميوون مين گنّا آم خربُوزه انگور لُطف يِہ هَي کِه حاصِل پُور مين انگور دو بار پہلتا هَي اَور پان بہِي اچّهي سي اچّها هوتا هَي بارِش چار مہيني تلک هَوا اکثر اِعتِدال پر چُنانچِه جاڙون مين رُوئي دار کپڙي کِي حاجت اَور گرميون مين شوري کي پانِي کِي نہين هوتي ليکِن برسات مين کبہِي کبہِي بالا پوش کِي اِحتِياج پڙتي هَي چهوٹي بڑي۔وَهان کي تِين برس کِي عُمر تلک لڑکون کو افيُون ديتي هَين اگرچِه دريأو صُوبهٔ مذکُور مين بہُت هَين ليکِن بہترِين دريا نربدا سُپرا کالِي سِندّه و بيتَوه و کوڈي اَور کِناري هر ايک دريا کي دو دو تِين تِين کوس تلک همور و صاف علاوَه اِسکي اُن پر پهول بہِي اقسام کي رنگين و خُوس بُو " بلکِه سُنبُل و درخت سايَه دار هر ايک سُو " اَور جنگلون مين بہِي بيشتر تالاب و سبزه ڈھنڈها " درخت سُهاوني هزارها " طُول صُوبي کا کوٹي § کي تلي سي بانسواڙي تلک دو سَو پينتاليس کوس اَور عرض چنديري سي تا ندربار † دو سَو تيس کوس جانِب شرقي اُسکي باندّهو غربي گُجرات و اجمير شِمالي نرور

§ Perhaps the place on our maps written Gurra Kota.

† Written on our maps Nandoorbar.

جنوبي بگلانا اُجّين و رائسين و چندیري و سارنگ پور و بیجاگڈه و منڈو وغیره بارہ سرکارین متعلق اُن سي تین سو نو محال آمدني چهتیس کروڑ نوي لاکھ ستر هزار دام

صوبه دار الخیر اجمیر " قدیم شهر هَي نهایت خوش آب و هوا بیٹهل گڈه سي لگا هُوا سواد اُسکا صاحبانِ طبع کا مرغوب " اَور آبادي اُسکي نهایت خوب " درگاه خلاصه عارفین خواجه معین الدین چشتي کي بستي کي اندر جهالري کي کناري هَي اَور قریب اُسکي اِسي نواح مین سید حسین مشهدي بهي آسوده عوام اُسکو خنگ سوار کهتي هین اجمیر سي تین کوس پری * پهکر هَي عمق اُس تالاب کا آج تلک کسي ني نهین پایا ته کو اُسکي پاون کسیکا نهین لگا هنود کا قدیم تیرتهه هَي بلکه ساري تیرتهون کا گرو عقیده اِنکا یهه هَي که انسان اگر ساري تیرتهون مین پهري اَور روي زمین کي مندرون کي پوجا کري جب تلک اُس مین نه نهاویگا ثواب کچهه نه پاویگا * چیتوڑ مشهور قلعه هَي اِسي صوبي کي متعلقات سي اَور کوکنده که تابع اُسکا هَي وهان جست کي کهان اَور چین پور مین تانبي کي لیکن یهه مقام علاقه مانڈل سي رکهتا هَي سابق رانا کي تصرف مین تها اکبر بادشاه ني ایک مدت

لڑکر اُسي لیا قِصہ اُسکا مشہُور و معرُوف هَي اَور زمانہٴ سابِق مین یہان کي
رئیسون کو راوَل کہتي تهي اب ایک مُدّت سي رانا کہتي هَین قَوم اِنکي
کہلُوت لیکِن اپني گُروه کو اَولاد نُوشیروانِ عادِل کِي جانتي هَین اَور اِس وَجہ
سي کِہ اُنکي دادا ني اپني بُود و باش مَوضعِ سیسوده مین کِي تهِي سیسودِیہ
کہلاتي هَین سِواي اِسکي ایک برهمن جو اُنکا غمخوار هُوا تها اُس جِهت سي
اپني تَئین برهمن بهِي ٹهہراتي هَین اَور اِنکي خاندان کا یِہہ دستُور هي کِہ رانا
جب مسندِ حُکُومت پر بیٹهي قشقه آدمِي کي لہُو سي اپني ماتهي پر
کهینچي * قصبہٴ سانبهر لون وَهان کا نِہایَت مشہُور هَي اَور بیشتر کهاني مین
بهِي وُهِي آتا هَي شہر کي نزدیک چار کوس لنبا کوس بهر چَوڑا ایک
چشمه هَي پانِي اُسکا نِپٹ کهارِي لیکِن تأثیر اُس کِي یِہہ هي جهان زمِین
کهودکر پانِي سي اُسي بهر دِیا اَور زمِین ني جذب کِیا تمام قطعه اُسکا نمک
آلُود هو جاتا هَي جهان کهودکر اُسکو کِناري پر ڈال دِیا اَور پانِي چهڑکا لون صاف
اُس مین سي نِکل آتا هَي هر سال کَیِي لاکه رُپَي کا لون وَهانکي بیپارِي بیچتي
هَین اَور محصُول سرکارِ والا مین داخِل کرتي هَین الغرض تمام زمِین صُوبہٴ
مذکُورکِي ریتلِي پانِي دُور تلک جو کهودي تو نِکلي بوني جوتني کا مدار بارِش
پر اِسي سبب زراعتِ ربیعِي بقِلّت هوتِي هي اَور فصلِ خریف مین باجرا

جوآر موٹھ بکثرت، ساتوان یا آٹھوان حصّہ غلّي کا دیوان کو دیتي ہین مال گذاري کا رواج کم ہي جاڑي مین وہان جاڑا قریب باعتدال " اور گرمي مین گرمي کمال " اکثر مقامون مین جنوب کي طرف کوہسار " اور بیشتر زمینین دشوار گذار " بنابر اسکي کچھواہي اور راٹھوڑ سواي اُنکي اور بھي راجپوت سلاطین سي چندان دبتي نہین لشکر بادشاہي ایک بار وہان جا نہین سکتا علاوہ اسکي کوسون پاني نہین ملتا طول صوبي کا آنبیر سي بیکانیر و جلمیر تلک ایک سو اٹھ ستھ کوس عرض نہایت سرکار اجمیر سي بانسواڑي تک ڈیڑھ سو کوس پورب طرف اُسکي اکبر آباد پچھم طرف دیبالپور تابع ملتان اُتر طرف قصبات دہلي دکھن طرف گجرات اور سرکارین اُسکي اجمیر چیتوڑ رنتنپور جودھپور ناگور و غیرہ سات متعلق اُن سي ایک سو تیئس محال آمدني پچپن کڑوڑ تین لاکھ ساٹھ ہزار دام

صوبۂ گجرات " کتب تاریخ سي خصوصاً وہ تاریخ جو سلطان بہادر والیٔ گجرات کي تصنیف ہي اُس سي یہہ ظاہر ہوتا ہي کہ شہر پٹن اور چندي چانپانیر بھي تختگاہ تھي جب سلطان احمد بن سلطان محمد بن سلطان مظفر شاہ سن آٹھ سو بارہ ہجري مین تخت سلطنت پر بیٹھا اور دریاي سابر متي کي

کناري ایک قلعهٔ متین بنا کیا بلکه عمارات بهي نئي نئي وضع کي سنگین و رنگین بناکر ایک شهر نهایت وسعت کي ساتهه آباد کیا نام اسکا احمد آباد رکها اور دارالسلطنت اسي قرار دیا سواي اسکي بتیس برس اور چهه مهینے اپني حکومت کي ایام آبادي کي انتظام مین جو اس ني صرف کیي ایک شهر عظیم بس گیا لیکن شهر مذکور مین دیوارین تو گهرون کي خشتي اور چوني کي پرچهت کي جاگهه کهپریلین هان بعضي دور اندیش نیوین پتهر کي چوڑي چوڑي قایم کرکي دیوارین کاواک بناتي هین اور اُن مین منخفي راه رکهتي هین که وقت ضرورت وهان سي نکل جائین اور بعضي مالدار تمام عمارت چوني گچ کي بناکر اس طرح کي ته خاني اُس مین بناتي هین که مینهه کا پاني نتهرا اُس مین جائي اور بهرا رهي کیونکه تمام سال اُسیکو پیتي هین باشندي وهان کي اُس کو ٹانکهه کهتي هین اور نقاش و خاتم بند سواي انکي اور بهي کاریگر وهانکي سیپ کي نقشي قلمدان اور صندوقچي نهایت خوش اسلوب و خوش قطع بسهولت بناتي هین " اپني هنر مندي و دست کاري کي طرزین دکهاتي هین " اور کمخواب و زربفت و خارا و مخمل و زربافي چیري پٹکي وهانکي عدیم المثل هین اُن کاریگرون چهت کسکي تاب و طاقت جو اُس قماش کا ایک وصلچه بُن سکي " مگر حیرت سي نا چار هوکر اپنا سر دهن سکي "

سِواي اِسْكي تقْليد بهِي اُن پر ختْم هَي كيُونْكه رُوم و فرنْگ و اِيران مين جو
كپْڑا كه اعْلىٰ هَي يي اُسْكي مُقابِل بُن ديتي هَين سرِ مو فرق نهِين پڑْتا دُور دُور
اُس كو بطرِيقِ تُحفه ليجاتي هَين " اَور صاحِبانِ نِعْمت سي اِنْعام پاتي هين "
تلْوار بهِي وهانْكي دم خم مين مغْرِبي تلْوار سي مُقابله كرْتي هَي " كٹارِي كِي
آبْدارِي سي بِجْلي بهِي ڈرْتي هَي " اَور تِير و كمان بهِي زمانهٔ سابِق مين
وَهان قابِلِ تعْرِيف بنْتا هوگا چُنانْچه صاحِبِ خُلاصه و مُصنِّف آئِينِ اكْبرِي دونو
مُعرِف هَين ليكِن ايكْ مُدّت سي كمان لاهور كِي اِس دِيار مين مشْهُور هَي
اَور اُس سي اُترْكر فرِيد آباد و كهجوي كِي مگر رُوپا وَهان عِراق و رُوم و غيَره
سي لاتي هَين اُسْكي نَوَاح مين پَيدا نهِين هوتا اَور جَوَاهِر كِي بهِي خرِيد فروخْت
بيشْتر رهْتِي هَي غرض شهْرِ مذْكُور نِهايَت خُوش آب و هَوَا اَور اجْناس و
متاع كِي بهم پهنْچنِي مين بي همْتا هَي باهر بهِي اُسْكي تِين سَو ساٹْه معْمُوري
خاصّ خاصّ وضْع پر آباد هُوئي كِه هر ايكْ كو پُرا كهْتي هَين شهْرون كِي
ضرُورِيات هر ايكْ مين مُهيّا " لشْكرون كي اسْباب تيّار جا بجا " چُنانْچه
چَوراسِي پُرِي تو عالمْگِير كي وقْت تلكْ آباد تهي سِواي عِمارات و باغات
هزار مسْجِدين سنگِين دو دو مِينار كِي اُن مين تهِين كِتابي بهِي اُنكي اَيسي
نادِر اَور خُوش خطّ كِه اُنكو ديكْه كر اِنْسان دُرُود بهيجي اَور كنْده كار كي حقّ

مین آفرین کہي ایک پُري کا ناوُن رَسُول آباد هَي شاه عالم بُخارِي وُهِین آسُوده هَین اَکثر اُس بُزُرگ کِي کرامت وِلاَیت کي قایِل اَور بَہُتیري اُسکي مُرِید و مُعتقِد احمد آباد سي تِین کوس * بتوه ایک قصبه هَي نِہایَت دِلکُشا اکثر اَولیا وَهان بہِي مدفُون هَین لیکِن قُطبُ العالم شاه بدرِ عالم بُخارِي کي باپ کِي قبر پر هاتھ بھر کا ایک کپڑا هَي کوئِي اُسکو سنگ کوئِي چوب کوئِي آهن خِیال کرتا هي اَور عجِیب و غرِیب حِکایات اُس سي منسُوب کرتي هَین * پٹن ایک پُراني بستِي هَي اگلي زماني مین وَهانکي سلاطِین کِي تختگاه تہِي قلعي بہِي اُس مین دو هَین ایک سنگِین اَور ایک خِشتِي لیکِن نِہایَت مُستحکِم اَور گائِي بَیل اُسکِي نوَاح مین نِہایَت خُوب هوتي هَین * چانپانیر ایک قلعه هي پہاڑ کي ایک بُلند ٹیکري پر چڑهائِي اُسکِي اڑهائِي کوس کِي دروازي بہِي کَیي لیکِن راه نِپٹ اَوبھٹ اِسِي واسطي ایک طرف سي ساتھ گز کي قرِیب پہاڑ کو کاٹ کر تختون سي پاٹا هَي وقت پر اُٹھا لیتي هَین پر مَوضعِ مذکُور چند مُدت دارُ الحُکُومت رَها هَي * بندرِ سُورت نامِي ایک شہر هَي بعضي بنادِر اُسکي تابع هَین دریاي تپتي اُسکي قرِیب سي بہتا هُوا سات کوس پر جاکر دریاي شور سي مِلا میوي اُس مین اقسام کي بکثرت خُصُوصاً اننّاس نِپٹ رسِیلا خُوشبو خُوش ذایِقه پَیدا هوتا هَي اَور پھُول بہِي رنگ

برنگ کي بہتايت سي پہولتي ہين ساتہ اسکي پہليل بہي کئي طرح کا بمرتبہ خوشبو کہچتا ہي اور اہلِ فارس مين سي ايک قوم ني آکر وہان بود و باش اختيار کي ہي رات دن ہنگامہ آتش پرستي کا گرم رہتا ہي سورت و ندربار کي بيچ ايک کوہستان خوب آباد ہي * بگلانا اسکو کہتي ہين واقعي بمرتبہ معمور و آب و ہوا اسکي نہايت خوب ميوي بہي وہان بہتيري ہوتي ہين ليکن شفتالو انگور سيب انناس انار ترنج آم ہر ايک لا ثاني ہي اور سات قلعي نامي اس سي متعلق ہين انہين مين سي سالير اور مولير بہي ليکن شہرت ان کي زيادہ ہي اور زميندار وہانکي راٹہور * بہروچ ايک بڑا محکم قلعہ ہي نربدہ اسکي نيچي سي گذرکر سمندر سي جا ملي ہي کتني بنادر اسکي بہي تابع ہين اقسام کا کپڑا وہان بنا جاتاہي ليکن الايچا وہان کا مشہور سوداگر شہر شہر ليجاتي ہين اور فايدي اٹہاتي ہين * سرکار سورٹہ ايک جدا ملک تہا حاکم وہان کا پچاس ہزار سوار و لاکہ پيادےکا مالک پر احمد آباد کي فرمان روا کا فرمان بردار تہا ليکن خانخانان اکبرشاہي ني اس کي ملک پر قرار واقعي قبضہ کر ليا طول اسکا بندر گہوگہ سي بندر ارامرا تلک سوا سو کوس عرض ابتداي دہار سي بندر ديو تلک بہتر کوس آب و ہوا اسکي مزاجون سي موافق پہل پہول کي بہي اپني اپني موسم مين بہتايت

انگور خربوزي سي تاكين اور فاليزين معمور ليكن اُس مُلك كي نو حِصّي
هَين اور هر ايك مين اُنِس جُدا سبب اِسكا درختون كِي فِراواني اور گُنجانِي
ساتھ اِسكي پهاڑون كِي باهم پيچيدگِي مسكن اُنكي نِهايت مأمون و محفوظ
هَين فوجين اِكٹهي وهان جا نهين سكتين جو تنبيه قرار واقِعي كرين * جونان
گڈه ايك سنگين قلعه هَي نِهايت متِين حصانت و متانت مين وَيسا دُوسرا
نهين سُلطان محمود گُجرات كي بادشاه ني بهت سِي لڑائيان لڑكر بزور اُسي لِيا
اور پاس اُسكي ايك اور قلعه بِنا كِيا * كرنال ايك قلعه هَي پهاڑ پر هنود
كا بڑا معبِد اُس مين بهت سي چشمي هَين قريب اُسكي اكثر درياي بنادِر
درياي شور سي مِلي هَين اور اُس مقام مين مچهلِيان اَيسِي نازك هوتِي هَين
اگر ايك دم دهوپ مين رکهيي تو پگهل جايئن اطراف مين اُسكي اُونٹ گهوڑا
نِهايت قوِي و چالاك هوتا هَي * سومنات قدِيم بُتخانه هَي نِهايت مشهور
شور دريا اُس سي تِين كوس تابِع اُسكي پانچ بنادِر سرستِي بهِي قريب اُس
سي نِكلِي هَي هِندو اُسكو بڑا تيرتھ جانتي هَين مشهور هَي كِه پانچ هزار برس
اُس سي آگي پانچ چھ كڑوڑ آدمِي جادُوگرون كِي قوم سي سرستِي اور هرن كي
درمِيان هنسِي خُوشِي آپس مين لِپٹ لِپٹ كر گِري اور ڈُوب ڈُوب گَيي
سومنات سي اده كوس * سانگها ايك مكان هَي سرِي كِشن كي پاون مين

ونہین ایک صیّاد کي هاتهه کا تِیر لگا اَور سرستي کي کِناري پِیپل کي درخت
تلي بَیکُنٹهه باسِي هُوا بِنابر اِسکي اُس مکان کو معبِد جانتي هَین اَور اُس
درخت کو پِیپل سر کہتي هَین * قصبهٔ مُول مین ایک معبِد هَي مہادیو
سي منسوب هر سال برسات سي پہلي روزِ مُعَیّن ایک پرنده کبُوتر سي
چهوٹا پر چونچ اُسکِي موتِي رنگت سِیاه سُفَید اُس دیہري کِي چهت پر آ
بَیٹهتا هَي اَور ایک دم کلولین کرکي یہان تلک لوٹتا هَي کِه جِي سي گُذر
جاتا هَي اُس دِن شہرون کي لوگ وَهان جمع هوتي هَین اَور طرح بطرح کي
بخُور کرتي هَین پهر سِیاهِي و سُفَیدِي سي اُسکِي اندازه بارش کا یعنِي سِیاهِي
سي تفوّلِ بارش اَور سُفَیدِي سي خُشکِي " مُتصِل اُسکي * دوارِکا هَي جگت
بهِي اُسکو کہتي هَین بڑا معبِد هَي جب سرِي کِشن متهُرا سي باهر نِکلا ونہین
آکر اُنسي باسا لِیا اِس لِیي اُسکو بهِي پرستِش گاه جانتي هَین نزدِیک اُسکي *
گابهِي ایک قصبه هَي اهِیرون کا مسکن وي هِندُوون کي طرِیقي سي خارِج هَین
پر زن و مرد حسِین هوتي هَین جب نَیا حاکِم وَهان آتا هَي اُس سي قَول
لیتي هَین کِه عَورات سي بد کارِي کا مُواخذه نکري تب بُود و باش اِختیار کرتي
هَین و اِلّا وطن چهوڑ دیتي هَین نزدِیک اُسکي ایک زمِین هَي طُول مین نوّي
کوس برسات سي پہلي سمُندر اُبلتا هَي اَور پانِي مین وه تمام ڈُوب جاتِي هَي

جب بارش موقوف هوتي هي پاني گهٿني لگتا هي آخر زمين نکل آتي هي اور
لون بهت سا هاتهه لگتا هي * کچهه ايک جدي ولايت هي عرض طول اسکا
اڙهائي سو کوس کا سندهه اسکي پچهم طرف زمين وهان کي بيشتر ريتلي اونٿ
وهان کثرت سي پيدا هوتي هين اور بکريون کي بهي افراط هي سواي اسکي
تازي گهوڙي وهان کي مشهور و معروف وجه اسکي يهه هي که کسي زماني مين
ايک سوداگر کتني عربي گهوڙي دريا کي راه سي ليئي جاتا تها اتفاقاً اسکا جهاز
ٹوٹ گيا کئي گهوڙي ايک تختي پر بهتي هوئي کناري پر آ لگي اور اس
ملک مين پهنچي آج تلک انکي نسل اس نواح مين باقي هي القصه هوا
اس صوبي کي اعتدال پر رهتي هي جوار باجري کي پيدايش بيشتر چنانچه
مدار خلايق کي خورش کا اسي پر هي اور زراعت ربيعي کمتر گيهون بلکه
بيشتر غلي مالوي اجمير سي اور چانول دکهن سي آتي هين اور جنگلون مين
يهان کي درخت اس کثرت سي هين که لذت شکار سي لوگ اکثر محروم
رهتي هين آم کي بهي يهه افراط هي که پٿن سي تا بروده سو کوس کا عرصه هي
يک لخت اسيکي درخت نظر آتي هين ساتهه اسکي آم بمرتبه ميٿهي اور
خوش ذايقه بلکه کيريان بهي حلاوت سي خالي نهين انگور و انجير بهي علي
هذا القياس عجيب تر يهه هي که خربوزه گرمي اور جاڙي مين بافراط ميسر

آتا هَي اَور پهُول بهِي هر رُت کا اِس کثرت سي هوتا هَي کِه بازار گُلزار بن
جاتا هَي اگرچه درِندي اَور بهِي اِس نَوَاح مين هَين ليکِن چيتونکا اِس قدر
وفُور هَي کِه هر سال صَيّاد سَيکڑون پکڑ لاتي هَين اَور صَيد افگني اُنکو سِکهلاتي
هَين بَيل بهِي وَهانکي خُوش ظاهِر قَوِي فربِه گِران قِيمت چُنانچِه ايک جوڑِي
اگر پان سَي رُپَي سي کُچهه زِياده کو آئي تو سستي هَي اَور چالاک بهِي اَيسي
هوتِي هَي کِه تمام دِن مين پچاس کوس طَي کري مُطلق نه تهکي دريا چهوٹي
بڑي اِس صُوبي مين بهُت هَين ليکِن نامِي سابرمتِي باترک مهندرِي نربدا تپتي
سرستِي هرن طُول اُسکا بُرهان پُور سي دوارکا تلک تِين سَو دو کوس عرض جالور
سي تا بندرِ دامن دو سَو ساٹهه کوس شرق رُو اُسکي خانديس غرب رُو دوارِکا
شِمال رُو جالور اَور اِيدر جنُوب رُو بندرِ دامن اَور کنهايت احمد آباد پٹن
نادَوت بهڑونچ برودَه چانپانير کودهره سورٹهه اِسلام نگر نَو سرکارين تابِع اُنکي
ايک سَو اٹهاسِي محالّ تيره بندر آمدنِي اٹهاوَن کڑوڑ اٹهتيس لاکهه نَوي هزار دام

صُوبهٔ ٹهٹهه " اگلي زماني مين برهمن آباد ايک بڑا شهر يهان کِي تختگاه تها
قلعي مين اُسکي چوده سَو بُرج تهي تهوڑي تهوڑي تفاوت سي چُنانچِه اب
تک اُسکي بُرجون اَور دِيوارون کا کُچهه نِشان باقِي هَي بعد اِسکي ديور پائي

تخت هوا بالفعل ٹھٹھه دار الحکومت هَي دیبل بھِي اُسیکو کہتي هَین فِي
الواقع ایک شہر کلان و عظیم الشان هَي دُنیا کِي چیزین اُس مین مِلتي هَین
خصوصًا موتي سِواي اُسکي اکثر بنادِر کِي اجناس پر دستور اِس مُلک کا یہہ
هَي کِه زمیندار تیسرا حِصّه زِراعت کا سرکار مین داخِل کري اَور دو آپ
لیوي لیکن کانِ نمک و آهن سي محصول بہت سا هاتھ لگتا هَي اَور چھ
کوس شہر سي پري زرد پتھر کِي کهان هَي جِس اندازي کا سنگ چاهین اُسي
نِکال کر ترشوائین اَور عِمارت مین لگوائین لیکن مدارِ کار بیشتر کِشتیون پر
چُنانچِه وي انواع و اقسام کِي چھوٹي بڑِي چالیس هزار کي قریب وَهان کي
دریا مین تیّار رَهتِي هَین اگرچِه اُسکِي نَواح مین شِکار اقسام کا هاتھ لگتا هَي
لیکن گورخر و خرگوش و کوتاه پاچه و خوکِ صحرائي و ماهِي کا شِکار بکثرت
اَور خوراک وَهان کي لوگون کِي اکثر دَهِي خُشکا مچھلِي بلکِه مدار خورِش کا
اِسِي پر هَي یهان تک کِه مچھلِیون کو سُکھا تیل مین ڈال کِشتیون مین بھر اکثر
بنادِر و اطراف مین لیجاتي هَین اَور لوگ اُنکو مول لیکر کھاتي هَین پھِر تیل کو
وي ناوون کي کام مین لگاتي هَین اَور پلوه ایک مچھلِي نِهایَت لذیذ هوتي
هَي لیکن خاصّ اُسِي مُلک مین وه بھِي نپٹ مزي دار و با حلاوت ساتھ
اِسکي چار مہیني تلک بِگڑتي نهین اَور باغون مین رنگ برنگ کي پھولون

کي بہتايت اقسام کي ميوون کي کثرت خصوصاً آم بہت خوش مزه هوتا هي
لطف يہہ هي کہ خربوزي کي ريندياں جنگلون مين خود رو پيدا هوتي هين
ديکھني کي لائق بلکه کھاني کي قابل " ڈاينين بھي ٹھٹھي کي مشہور هين کہ
لڑکون کي کليجي منتر کي زور سي ترت ليجاتي هين " اور انکي ماون کي
دلون مين داغ دي جاتي هين " کھانا تو ان کي حضور کسيکو کھانا لازم نہين
کيونکه اس وقت انکا تير نظر جس پر چلي اسي مار هي رکھي سواي اسکي
کبھو کبھو ايسي حالت ان پر طاري هوتي هي که اس وقت جسکو ديکھتي
هين هوش مين وه نہين رهتا پھر کئي داني انار کي مانند اسکي پاس سي
اسکي هاتھ لگتي هين کسي حکمت سي ايک لمحه انکو اپني پنڈليون کي
اندر رکھ چھوڑتي هي تب تلک وه بيچاره بيهوش پڑا رهتا هي ندان آگ پر
انکو رکھ ديتي هي جب وي پھيل کر طباق کي صورت پکڑتي هين تب اپني
همجنسون مين حصي کرکي کھا جاتي هي وهان اسکا کام تمام هو جاتا هي اتفاقاً
اگر وه بد ذات پکڑي جاي تو لازم هي که اسکي پنڈليون کو چير ڈالين فوراً
وي داني نکل پڑينگي چاهيي که جسکي جگر کو صدمه پہنچا هي اسي کھلا
ديوين خدا کي قدرت سي وه شفا پائيگا " اور کليجا اسکا بچ جائيگا " اور يہه
پلشت چرغ کو بھي منتر کي زور سي ايسا رام کرتي هي که اس پر سوار هوکر

دُور دُور تلکٔ جاتِي هَي " بلکِه بعضي مُلکون کِي خبر لاتِي هَي " اَور جو کوئِي عامِل چاهي کِه اُسکو اِس چلن سي باز رکهي تو اُسکِي کنپٹیان داغي اَور آنکهون مين لون بهرکر چالِيس دِن تلکٔ لٹکا رکهي کهانا بي نمکٔ کهلائي ساتهه اِسکِي پڑهنت بهِي اُسکِي بطّلانِ عمل کي لِئِي پڑهي تب وُه اپنا منتر بهُول جائِگِي " اَور اُس چلن سي باز آئِگِي " لیکِن بیشتر اِس پیشي کِي رنڈِیان هوتِي هَين اَور مرد کم صاحِب خُلاصه لِکهتا هَي کِه مَين ني بچشمِ خُود ایکٔ لڑکِي کا کلیجا ایکٔ ڈاین کو لیجاتي دیکها هَي هرچند کِه عقل مين نهِين آتا کِه جِنسِ بشر مين اِس طرح کِي عَورت یا مرد هو کِه جِگر کِسیکِي سِینِي سي بِدُونِ چاکٔ کِيي نِکال لیجائي اَور کوئِي ندیکهي لیکِن خُدا کِي قُدرت معمُور هَي اُسکِي صنعت سي کُچهه دُور نهِين بعض اِنسان کو یِهه بهِي قُوّت دِي هو اگر همارِي مُدرِکي ني اِدراکٔ نکیا تو یِهه لازِم نهِين کِه وُه حقیقت مين بهِي نهووي یا اُسکِي نظر مين مُؤثِّرِ حقِیقِي ني اَیسِي تأثِیر دِي هو کِه جِس لڑکِي کِي طرف نِگاهِ بد سي دیکهي اُسکِي جِگر کو صدمهٔ عظِیم پهُنچي یا کوئِي افسُون اُسي اَیسا یاد هو کِه جِس مين اِس طرح کا اثر هو مجازًا اگر اهلِ عُرف ني کلیجا لیجاتا یا کها جاتا کها تو مُضایقه نهِين سِواي اِسکِي ڈائنِين اَور ایکٔ منتر اَیسا جانتِي هَين اگر کوئِي چکِّي کا پاٹ اُنکِي گلي مين ڈال کر ڈُبو دِي

تو نہیں ڈوبتین اور آگ مین جلا دیوی تو نہین جلتین * ہنگلج ایک مکان ہی ٹھٹھی سی ستر کوس دُرگا سی منسوب اُتر اور پچھم مین دریای شور کی نزدیک لیکن پانی کی نا یابی اور راہ کی خرابی بمرتبہ ہی علاوہ اُسکی بھیلون کی رہزنی کا خوف اس لیی ہر کوئی وہان جا نہین سکتا مگر بعضی اتیت خصوصًا سنیاسی بھوکھ پیاس کو گوارہ کرکی وہان جاتی ہین اور پرستش کرتی ہین غرض آتی جاتی پندرہ دن سی کم نہین لگتی * سرکار سیوستان تابع اس صوبی کی دریای سندہ کی کناری نزدیک اُسکی ایک بڑا تالاب ہی طول اُسکا دو دن کی راہ کتنی ماہی گیر اُس پر ایک سطح خاکی بناکر ساکن ہوی ہین ہر روز مچھلیان مارتی ہین " اور اپنی اوقات گذارتی ہین " اور اس صوبی مین مُلتان و اُوچ کی حدون سی ٹھٹھی و کیچ مکران تلک شمال رو بلند بلند پتھر کی پہاڑ ہین اکثر بلوچون نی اور بعضی پٹھانون نی اپنی بود و باش وہین مقرر کی ہی اور اوچ سی تا گجرات جنوب رخ ریتل کی پہاڑ بھتیون کی گروہ نی استقامت اپنی وہان ٹھہرائی لیکن اُنکی رییسون کی سکونت جلمیر مین ہی اور راجپوتون کی اکثر قومون نی بھکر سی نصیر پور و امرکوٹ تلک سکونت کی سوای انکی سودہ و جاریجہ بلکہ بہتیری اشخاص وہان آکر ساکن ہوی دریاو بھی اس صوبی مین کئی ہین لیکن بڑا دریا سندہ چنانچہ اکثر

سَوداگر مُلْتان اَور بھکر سي اسْباب و اجْناس درْيا کِي راه سي کِشْتِيون پر ٹھٹھي مين ليجاتي هَين يهان تلک کِه جمِيع مُسافِر بلْکِه بڑي بڑي لشْکر ٹھٹھي کِي طرف غَير از راهِ درْيا نہِين جاتي اَيسا وقْت کم هُوا هوگا کِه خُشْکِي کِي راه سي لوگ اُدْهر کو جائِين " اَور پانِي کِي نا يابِي و راه کِي دُشْوارِي سي رنْج نه اُٹْھائِين " طُول صُوبي کا بھکر سي کچ مکْران تلک اڑْهائِي سَو کوس عرْض قصْبهٔ بدين سي تا بنْدرِ لاهرِي سَو کوس شرْق رُو اِسْکي گُجرات احْمد آباد غرْب رُخ کچ مکْران شِمال رُو بھکر جنُوب رُخ درْياي شور سرْکارين اِسْکي ٹھٹھه سيوِسْتان نصِير پُور امرْکوٹ چار مُتعلِق اُنْکي ستّاوَن محالّ اَور پانْچ بنادِر آمْدنِي نَو کڑوڑ اُنچاس لاکھ ستّر هزار دام

صُوبهٔ مُلْتان " قدِيم شهْر هَي هر صِنْف کي اشْخاص اُس مين آباد اشْيا بھِي هر مُلْک و هر قِسْم کِي بيشْتر مَوْجُود خرِيد و فروخْت کا بازار مُدام گرْم رَهْتا هَي عِراقِي گھوڑي قنْدّهار کِي راه سي سَوداگر لاتي هَين " اَور وَهان بيچ جاتي هَين " جاڑون کِي هَوا مُعْتدِل گرْمِي کي مَوسِم مين گرْمِي بَشِدّت برْسات کم زبان وَهانْکي باشِنْدون کِي لاهورِي لِيکِن سِنْدّهي اُس مين مِلِي هُوئِي شطْرنْجِيان اَور قالِينين بھِي گُلْزار وَهانْکي مشْهُور هَين سِواي اِسْکي سلِيقه تقْلِيد کا اِس

دِیار کی کارِیگرون کو خُوب هَی چُنانچِه بَندرکی چھِیتُون کِی نَقل اَیسِی بناتی هَین "کِه اصل کر دِکھاتی هَین" قلعه وَهانکا خِشتی اَور مزار مخدُوم بہاء آلدِین ذکرِیا کا بھِی وَنہِین هَی سِوای اُسکی بَہُت سی بُزرگون کی مزارِپُر انوار اُس شہر مین زِیارت گاهِ خلایِق هَین اَور شہرِ مذکُور سی چار کوس کی تفاوُت سَیِّد زَین آلعابِدِین کی درگاه سُلطان سرور بیتا اُسِی بُزرگ کا هَی وَهان بھِی گرمِیون مین چار طرف سی لوگ زیارت کو آتی هَین کَئِی روز بھِیڑ بھاڑ رَهتِی هَی اَور چالِیس کوس وَهان سی پرِی مغرِب رُو دریا کی اُس پار ایک پہاڑ کی دامنی مین بلُوچون کا شہر سُلطان سرور وَنہِین مدفُون هَی * اَور قصبه اُوچ مین قبرِ شَیخ جلال اِبنِ سَیِّد محمُود اِبنِ سَیِّد جلال بُخاری کِی هَی مخدُومِ جہانِیان اُسیکو کہتی هَین * شہرِ پتن کِه اجودھن بھِی اُسیکو کہتی هَین دیبال پُور کِی وُه سرکار هَی مُلتان کی پُورب طرف وَهان شَیخ فرید شکر گنج اِبنِ شَیخ جلال آلدِین سُلَیمان فرُّخ شاه کابُلِی کِی اَولاد قِصّه کوتاه سرکارِ دیبال پُور مین دو قَوم ڈُوگر و گُوجر سِوای اِنکی اَور بھِی قَومین کِه تمرُّد و رہزنِی اُنکِی شُہرت رکھتی هَی ساکِن هَین جب برسات آتِی هَی ستلج و بیاه دونو دریاؤ کَئِی فرسخ پھَیلتی هَین سرکارِ مذکُور کی محالون کِی زمین پر اکثر اَوقات ایک سطحِ آب هو جاتِی هَی غرض هر سال وَهان طُوفان آتا هَی "اَور طُوفان نُوح کو یاد دِلاتا هَی" پھِر جِس

وقت دریاؤ هٹ جاتا هي رطوبت و طراوت کي باعث ایسا گنجان جنگل هو جاتا هي که پیاده بهي راه نهین چل سکتا سوار کا تو کیا مقدور اسي سبب اس دیار کو لکهي جنگل کهتي هین اور مفسد مذکور اسیکي پناه کي سبب اور اس باعث که دریاؤکي ٹکڑي هوکر انکي مساکن مین بهتا هي رهزني و دزدي ندهڑک کرتي هین امرا و حکام بادشاهي سي انکي تنبیه قرار واقعي هو نهین سکتي جاڑا اس دیار مین میانه گرمي بشدت خریف مین زراعت جوآرکي ربیع مین گیهون کي بخوبي هوتي هي اور ملتان کي پچهم طرف پانچ کوس کي تفاوت سي دریاي چناب پر بلوچونکا ملک هي اس مین انکي دو سردار ایک تو داودي § که تیس هزار سوار اور پچاس هزار پیاده اپني ساتهه رکهتا هي دوسرا هوت † که بیس هزار سوار تیس هزار پیادیکا سردار تها دونو آپس مین مخاصمت کي سبب اپني اپني سرحد پر آکر اکثر لڑا بهڑا کرتي تهي لیکن بادشاه کي جادهٔ اطاعت سي قدم باهر نهین دهرتي چنانچه پیشکش معمولي همیشه حضور اعلي مین پهنچاتي تهي اور اپني اپني ملک کو تصرف پادشاهي سي بچاتي وکیل بهي هر ایک کي طرف سي صوبهٔ ملتان کي حضور حاضر رهتا تها که احکام پادشاه

§ In a Persian MS. this word is written داوري

† In a Persian MS. the word seems written هوب

كي اَور امر صُوبه دار كي بخُوبي بجا لاوي تغافُل شِعارِي و سهلنگارِي كا شيوه اِختيار نكري غرض وِلايَت بلُوچونكي نِپٹ آباد اَور زِراعت دونو فصلون كي اُس مين بافراط هوتي تهي حاصِل بهِي علي هذا اَلقِياس سِواي اِسكي چورون اَور رهزنون كا وهان گُذر نهين " كهتي هَين كه مُلتان كا مُلك سُلطان علاءُ الدّين ثانِي كي سلطنت مين دِهلِي كي علاقي سي نِكل گيا تها اَور اُس پر قَوم لنگاه § مُتصرِف هُوئي تهِي پهِر سُلطان حُسَين لنگاه § حاكِم مُلتان ني اپني حُكُومت مين جب مِلكٌ سهراب و غَيره بلُوچون كو كُمك كي لِئي كيچ مكران سي بُلوايا كڑور كوٹ سي دهنكوٹ تلكٌ اُنكي جاگير مين دِيا بلكِه اكبر كي عهدِ سلطنت مين بهِي راجا تودل مل دِيوانِ بادشاهي ني اُس وِلايَت كو بلُوچون هِين پر مُتعَيّن ركها اَور خُراسان و هِندُوستان كي ما بين ايكٌ لشكرِ جرّار مُتعَيّن كِيا سِواي اِسكي اُنكي حدّون مين ايكٌ دِيوارِ مُستحكم بِنا كي جنُوب رُخ مُلتان كي * بهكر ايكٌ قلعه نِهايَت متين اَور نِپٹ سنگين هَي كُتُبِ تَوارِيخ سابق مين نام اُسكا منصُوره لِكهي گئي هَين طُرفه اِتّفاق هَي كه درياي سِنده پنج رُودِ پنجاب سي مِلكر قريب اُسكي پهنچا پهِر دو ٹُكڑي هوكر بقدرِ ايكٌ حِصّي كي قلعهٔ مذكُور كي اُتر طرف گيا اَور بقدرِ دو حِصّه دكهن طرف غرض مُحكمي اَور مضبُوطي اُسكي

§ Or perhaps بنگاه

اطراف مین مشہور هي هرچند فوج کثیر هو پر اُسي لي نسکي گرمي کي اُس دیار مین اِفراط اور بارِش کي قلت میوہ بهي اقسام کا پاکیزہ و لطیف هوتا هي لیکن ایک جنگل لق و دق بهکر و سیوِي کي ما بین واقع هي گرمیون مین تین مہینی تلک بادِ سموم وهان چلتي هي جب دریاي سِندہ کیي برس کي بعد دکهن کي طرف سي شِمال کي جانب آتا هي دیہات اُدهر کي خراب هو جاتي هین بنابر اِسکي چهپر کي گهرون مین باشندي وهانکي اوقات گذارتي هین رواج پکي عِمارتون کا کم هي طول صوبي کا فیروز پور سي سیوستان تلک چار سو کوس و عرض خطر پور § سي جلمیر † تلک ایک سو پچیس کوس اور جو ٹهٹهي کو اُس مین مِلائین تو طول کیچ مکران تلک چه سو ساٹه کوس کا ٹهہرتا هي شرق رو مِلا هوا سرکارِ سِرهند سي غرب رو اُسکي کیچ مکران شِمال کي طرف پشور جنوب کي سمت صوبہ اجمیر مُلتان و دیبال پور و بهکر تین سرکارین تابع اُنکي چهیانوي محال آمدني چوبیس کروڑ چهیالیس لاکه پچپن هزار دام

---

§ Or خط پور

† Perhaps the place written in our maps Jesselmere.

صُوبهٴ لاهور" قدِيم شهر هي راوِي كي كِناري كهتي هَين كِه راجا رامچند كي بيٹي بلو ني اُسي آباد كِيا اَور بعضي تارِيخون مين نام اِسكا لهور و لهاور لِكهه گَيي هين جب كِه آسمان كِي گردِش سي بعد گُذرني كِتني دَورون كي آبادِي اِسكي وِيران هُوئي اَور تهوڑي سي نِشان كهين كهين ره گَيي تب دار الحُكُومت اِس وِلايَت كا سِيالكوٹ تههرا بعد اِسكي جِس وقت سُلطان محمُود غزنوِي ني هِندوستان كو فتح كِيا ملِك اياز كِه اُسكا منظُور تها اِس شهر كي آباد كرني پر مُتوَجِّه هُوا يهان تلك كِه ايك پكّا قلعه بناكر نَيي سِر سي شهر آباد كِيا پهِر سُلطان محمُود كي فرزندون مين سي خُسرو شاه و خُسرو ملِك دونون باپ بيٹون ني تازه اِس وِلايَت كو فتح كركي لاهور كو دار السلطنت كِيا غرض اٹهتيس برس تلك دار الحُكُومت سُلطان محمُود كِي اَولاد كا رَها بعد اُنكي كِسي هِند كي بادشاه ني اِس شهر مين اِستِقامت نكي بسبب اِسكي بي رَونق پهِر هو گيا آخر ايك مُدّت كي بعد تاتار خان سُلطان بهلُول كي ايك امِير ني دار الامارة اِسكو مُقرّر كِيا اُسكي بعد بابر بادشاه كي بيٹي كامران مِرزا ني وهان بُود و باش كِي پهِر تو آبادِي اِسكِي زِياده بڑه گَيي بعد اُسكي اكبر ني اپني عهدِ سلطنت مين اِسكِي آبادِي پر توَجُّه فرمائي اَور ايك شهر پناهِ خِشتي اِسكي گِرد بنائي بلكِه ايك دَولتخانه بهي تعمِير كِيا وُه اِسكِي رَونق كا مُوجِب زِياده تر هُوا پهِر نُور

اَلدِّین مُحمّد جہانگیرنی بڑِي بڑِي عِمارتین بناکرایک مُدّت نُزُولِ اِجْلال فرْمایا " اَور رَونق کو اِسْکي زِیادہ بڑْھایا " چُنانْچہ وي عِمارتین عالمْگیر کي وقْت تلک بہِي مَوجُود تہِین سِواي اِسْکي کُچْھ عِمارتین حَویلِیان شہْزادون ني بہِي شہْرِ مذْکُور مین بُنْیاد کِین بلْکہ اُمراي والاشان ني بہِي خُصُوصًا عِمارت ابُو اَلْحسن آصف خان بِن اِعْتِمادُ اَلدّولہ کِي نِہایَت زِینت بخْش ہُوئي اَور شاہجہان کِي بہِي بادْشاہت مین آبادِي اِسْکِي دِن بدِن بڑْھا کِي جب عالمْگیر کا وقْت آیا تب درْیاي راوِي اَیسا چڑْھا کہِ شہْر کي اکْثر باغات و عِمارات کو صدْمہٴ عظِیم پہُنْچا تب بادْشاہ ني چوتْھي سنِ جُلُوسي مین اِرْشاد کِیا کہِ ایک باندّہ مُسْتحْکم بنائین کہِ عِمارات کو بارِ دِیگر اِس طرح کا صدْمہ نہ پہُنْچي فرْمان برْدارون ني بہِي وَیسا ہِي باندّہ مضْبُوط کوس بھر کي طُول کا باندّھا اَور اکْثر جاگہہ سِیڑْھیان پکِّي درْیا مین بناکر کِناري کو خُوش اُسْلُوب کر دِیا بلْکہ عِمارتین پکِّي پکِّي اَور حَویلِیان اچّھِي لبِ درْیا بناکر شہْر کو بہِي صفْحہٴ تصْویر بنا دِیا غرض چَوتْھي سال کِي شُرُوع سي چالِیس برس تلک ہر سال مرمّت و تعْمِیر اِسْکِي سرْکارِ والا سي ہوتِي رَہِي اَور مبْلغِ کثِیر خرْچ ہُوا کِیي پھر تو یِہہ خجُسْتہ بُنْیاد یک دسْت آباد ہُوا لوگون کِي کثْرت اَور ہُنرْمنْدون کِي بہُتایَت اَیسِي کم کِسِي شہْر مین ہُوئِي ہوگِي مُفْلِسِي و تنگْدسْتِي کي درْوازي یک لخت

مفقود" اجناسِ هفت کشور بلکه اشیای بحر و بر بافراط موجود" خرید فروخت لیل و نہار" لین دین کا همیشه گرم بازار" اگرچه کوچه و بازار مسجد سی خالی نه تھا لیکن دریا کی کناری مقابل دولتخانهٔ عالمگیر کی ایک مسجدِ سنگین عالیشان ایسی تعمیر هوئی جسکی بنا پر پانچ لاکھ روپی صرف هوئی سِوای اِسکی شهر کی بیچون بیچ وزیر خان عُرف حکیم علم آلدین شاهجهانی نی ایک جامع مسجد ایسی خوش قطع بنا کی که شهر کی رونق دو چند هو گئی مزار بهی اکثر بزرگون کی شهر مین هین خصوصًا پیر علی هجویری که جامعِ فضیلت و ولایت تها وه بهی وهین آسوده هی اور مقبره جهانگیر بادشاه کا دریای راوی کی اس پار شاه دری کی متصل واقع هی لگا هوا اس سی مقبره آصف خان ابو آلحسن جهانگیری کا اگرچه حواشیء شهر مین باغ اکثر پر فضا هین لیکن باغ شالامار که شاه جهان نی نقل باغ کشمیر کی بنایا هی اُسکی سیر سی اکثر خاطر بسته کو شگفتگی اور دِل پژمرده کو تازگی هوتی هی جب که احوال دار آلسلطنت کا قدری لکهنی میی آیا لازم هوا که کچھ کچھ قصبات کا بهی تحریر کیجیی * جالندهر ایک قصبهٔ قدیم دوآبی مین هی شاه ناصر آلدین وهین مدفون هوا" اور مزار اسکا زیارت گاه خلایق ٹهہرا" خصوصًا گرمیون مین اکثر اشخاص وهان زیارت کو جاتی هین" اور نیازین

نذرين اُسكي قبر پر چڑھاتي هين " كهتي هين كه شيخ مرحوم اپني وقت مين صاحبِ وِلايت و خُلاصهٔ اهلِ رِياضت تها اَور مزار شيخ عبدُ اللّه سُلطان پُوري كا بهي اُسي كي نواح مين هَي كمالات و حالات اُسكي مشهُور و معرُوف خِطاب اُسكا سليم شاه كي سلطنت مين شيخُ آلاِسلام تها پهر هُمايُون و اكبر كي عهد مين مخدُومُ آلملُك ٹهہرا اَور اُسي دوآبي مين * بجواڑه بهي ايك پُرانا قصبه هَي سِرِيصاف و بافته ڈورِيه پچهتولِيَه جهُونه سُفَيد چِيره پٹكا سُنہري آنچل دار وهان كا هِند مين مشهُور هَي ليكن چهِينٹ سُلطان پُور هِي مين خُوب چهپتي هي بلكِه بادله بهِي وُنهِين كا نِهايَت چمك كي ساته هوتا هَي اَور دوآبي مين * هيبت پُور بهتي ايك پرگنه هي وهانكي گهوڑي عِراقي كي مانند هوتي هين چُنانچِه بعضي بعضي دس دس پندره پندره هزار رُپي كو بِكتي هين اَور بهتِي هيبت پُور كي مُتعلِقات سي جگ گُوردهر گوبند ايك مقام هي اُس مين ايك باغ نِهايَت پُر فضا " اَور ايك تالاب نِپٹ خُوشنُما " سير كي قابِل اَور دِيد كي لائِق هَي چُنانچِه بيساكهي كي دِن وهان هزارون آدمي جمع هوتي هين اَور اُس سي دو تِين كوس پر * رام تِيرتّه ايك بڑي پرستشگاه هي هنُود وهانكي بهِي پرستِش كا نتِيجه ثواب عظِيم جانتي هين كئِي كوس وهان سي * پٹاله ايك قصبهٔ دِلكُشا اَور معمُورهٔ خُوش آب و هوا هي بساني والا

اُس شہر کا رائي رام دیو بھٹي ہَي کہ کپُور تھل کا زمیندار اَور اپني قوم کا سردار تھا مشہُور ہَي کہ سابق اِس سي ایک مرتبہ پنجاب مین اِس طرح کا طُوفان آیا کہ ستلج سي چناب تلک تمام زمین سطحِ آب ہو گئي بسبب اِسکي عِمارتین ڈھہ گئین اَور بستیان خراب ہُوئین بلکہ ہزارون ذي حیات بھي ڈُوب کر ہلاک ہُوئي چُنانچہ طُوفان کي جانیکي بعد بھي ایک مُدّت یہہ سرزمین وِیران پڑي رہي بعد ایک عمر کي بعضي بعضي جاگھہ آباد ہُوئي لیکن مُغلِ بلخي و کابُلي از بس کہ ہر سال پنجاب پر دَوڑا کرتي تھي اِس جہت سي یہہ وِلایت مُدّتون خراب رہي زِراعت اِس مین بہُت کم ہوتي تھي حاصِل بھي چندان نہ تھا جب سُلطان بہلُول لودي کا وقت آیا تب تاتار خان صُوبہ دار لاہور کا ہُوا اَور اُس سي رائي رام دیو بھٹي ني تمام پنجاب کو نو لاکھہ تکي پر اِجاري لِیا اِتّفاقاً اَیسي وارِدات در پیش ہُوئي کہ رائي مذکُور مُسلمان ہُوا اَور یہہ ہي اُسکي پیش آمد کا باعِث ٹھہرا بعد اِسکي آٹھہ سو ستہتر ہِجري اَور پندرہ سو بیربکرماجیتي مین خانِ موصُوف کي اِجازت سي پٹالي کو کہ محض ایک جنگل تھا آباد کِیا وجہِ تسمِیہ اُسکي یہہ ہَي کہ شہر کي بُنیاد کي وقت بد شگُني ہُوئي تھي بسبب اِسکي جاگھہ بدلي قرِیب ہي اُسکي ایک پُشتي پر بِنا اُسکي پھر ڈالي اور پٹالا پنجابي زبان مین مُبادلي کو

کہتي هَين اِس واسطي قصبہٴ مذکُور کا یِہي نام رکہا پہِر بہُت سي جنگل کٹواکر گاؤن بسائي کهیت بوائي آخِر ایک پرگنہ مُقرّر هو گیا چُنانچِہ تحصِیل اُسکِي اَورنگزیب کي وقت مین تو گنجِ قارُون سي بهِي کُچهہ اَفزُود تهِي القِصّہ قصبہٴ مذکُور اِبتِدا مین چندان آباد نہ تها شمشِیر خان خوجہ اکبر کي وقت جو وَهان کا کڑوڑا هُوا اُسني ایک مکانِ حاکِم نشِین اَور تالابِ لطِیف و باغِ وسِیع وَهان بناکر رَونق اُسکِي دو چند کر دِي " پهِر دِن بدِن آبادِي بڑهتِي گئِي " یهان تک کِہ ایک شہرِ معقُول هُوا بعد اُسکي شَیخ آلمشائخ کڑوڑِي ني ایک عِمارت نِپٹ انُوٹهِي اَور پهلوارِي بہُت خاصِي بنائِي اُسني آبادِي کو اَور ترقِي دِي " اَور بہارِ تازہ بخشِي " پهِر اَورنگ زیب کي وقت وزِیر خان عُرف مِرزا مُحمّد خان جب اِمِین هُوا اُسني عالم گِیر کي بارهوین سنِ جلُوسِي مین تمام دُکانین بازار کِي پُختہ کر دِین اَور بانکي رائي اَور سجان سِنگ دونون قانُون گوون ني بلکِہ اُنکي بیٹون ني بهِي کِتني مکاناتِ پُر فضا بنائِي سِواي اُنکي ایک کاروان سراي اَور پُرہ بهِي بِنا کِیا بعد اِسکي قاضِي عبدُ آلحي ني عِمارتین سنگِین و رنگِین بنائِین ساتہ اِسکي ایک بازارِ کاروان سرا بهِي نِہایت وسِیع اَور ایک مسجِدِ جامع بمرتبہٴ رفیع بنوائِي بلکِہ ایک باغ بهِي بہُت بڑا دِلکُشا بنوایا پهِر تو شہر کِي رَونق چوگُنِي هو گئِي " اَور آبادِي حدّ سي زِیادہ بڑهِي "

بعد اُنکي گنگا دھر هيرانند کي بيٹي ني ايک پکا کُوا شهر کي بازار مين کھدايا " ساتھ اِسکي ايک باغ معه باوِلي سَوادِ شهر مين لاهور کي رستي پر بنايا " غرض دونون مقامون کو آبرُو بخشي " اَور وَهانکي باشِندونکو بلکِه مُسافِرون کو راحت دِي " از بس کِه دونون کا پاني آبِ گنگا سي مُساوِي هَي بسبب اِسکي اُنکي پانِي کا نانو گنگادهَر مشهُور هُوا اگرچِه اطرافِ شهر مين باغِ بي شُمار و گُلزارِ پر بهار هَين ليکِن امرسنگ قانون گو ني ايک باغ شالامار کي مُشابِه نِهايَت مطبُوع و دِلچسپ بنايا اَور اُسکي تِين درجي رکھي اُوپر کا درجه شمشير خان کي تالاب پر مُشرِف هَي اَلقِصه اُسکي سَير کوئي غم نہين جِسي نہين کھوتِي " اَور اُسکي دِيد سي طبِيعت کِسيکي کبهِي سير نہين هوتِي " سِواي عِمارات و باغات کي اندر شهر کي اَور باهر اُسکي اطراف مين بهُت سي مردانِ خُدا آسُودَه هَين اُنهين مين سي شِهابُ آلدِّين بُخارِي و شاه اِسمعِيل و شاه نِعمتُ آللّه و شَيخ الله داد هَين کِه هر ايک اپني عصر مين اهلِ کمال و صاحِبِ حال تها اَور وَهان هي دو کوس پر موضع * مسالِي اُس مين مزار شاه بدرُ آلدِّين کا هَي سِلسِله اُس عزِيز کا پِيرِ دستگِير کو پهُنچتا هَي چار کوس پٹالي سي * ديپال ڈال اُس مين درگاه شاه شمسُ آلدِّين دريائي کِي هَي اُس بزرگ کِي بهِي کرامات و خرقِ عادات زبان زدِ خلائِق هَين چُنانچه اُسکي حِينِ حيات

کِي ايک سرگذشت يہہ هَي کِہ ايک هِندُو ديپالِي نام بڑا راسِخُ الاِعتِقاد تها
جب گنگا کي نهان کا مَوسِم آيا اَور هِندُوونکي گُروه کي گُروه جاني لگي ديپالِي
ني بهِي اُس بُزُرگ سي رُخصت مانگِي اُنني فرمايا کِہ جب روزِ معهُود آوي
مُجهي ياد دِلائِيو چُنانچِہ جب وُه دِن آيا ديپالِي ني عَرض کِي فرمايا کِہ آنکهين
بند کر جونهين کِين اپني تَئِين گنگا کي کِناري پر ديکها اَور بهائِي بندون سي
مُلاقات کرکي اُنکي ساتهہ نهايا اُنهون ني بهِي اُسي ديکها پهِر جونهين آنکهين
کهول دِين اپني تَئِين اُس هادِي کِي مجلِس مين پايا نِهايَت حَيران هُوا جب
کِہ اُسکي بهائِي بند اپني اپني گهرون مين آئي اَور اُسکو وطن مين ديکها هر
ايک ني کها کِہ ديپالِي همارا شرِيک تها چُنانچِہ باهم گنگا مين نهائي بهِي تهي
ليکِن مُراجعت کي وقت هم سي پيش قدمِي کرکي يِہ پہلي پهنچا هم پِيچهي
آئي آخِرُ الاَمر حقِيقتِ حال سي واقِف هُوئي " اَور ايک مُدّت دريايِ حيرت
مين غرق رهي " نادِر تر اِس سي يہہ هي کِہ اُسکي اِنتِقال کي چند سال بعد
بڑهئِيون ني کلانور کي حاکِم کي حُکم سي سِرِس کا درخت کِہ اُسکِي قبر کي
نزديک تها اُسي کاٹ کر عِمارات کي واسطي ٹکري ٹکري کِيا ايکا ايکِي ايک
آوازِ هَيبت ناک آئِي اَور زمِين وَهانکِي کانپني لگِي پهر اُس درخت کا تنه
خُود بخُود اُٹهہ کهڑا هُوا بڑهئِي اِس سانِحي سي ڈر کر بهاگ گئي وُه ٹهنٹهہ پهِر

سر سبز هوا اِس واردات نے اطراف مین شہرت پکڑی " اور خلق کی رجوع
زیادہ ہوئی " غرض ابتلک بھی اُسکی درگاہ چھوٹی بڑون کی زیارت گاہ ہے
ہر جمیرات کو وہان بھیڑ ہوتی ہے خصوصاً نو چندی جمیرات کو تو زن و مرد
بکثرت دور دور سے بھی آتے ہین " اور نذرین قسم قسم کی چڑھاتے ہین "
بلکہ اپنی مطلبون پر نذرین مانتے ہین اور مرادین پاتے ہین پر اچنبھا زیادہ
یہہ ہے کہ اُس بزرگ کی درگاہ کے خادم ہندو ہین دیپالی کی اولاد سے ہر
چند اہلِ اسلام نے چاہا کہ اُس جماعت کو وہان سے دفع کرین اور اِس
خدمت کو چھین لین پر کچھ پیش رفت نہوا چنانچہ عالمگیر کے وقت تلک
تو مجاور وہی لوگ تھے اب کی خدا جانے قریب اُسکے * دھیان پور ایک
مکان ہے وہان بابا لال ایک درویش بڑا موحد صاحب کمال رہتا تھا با وجود
اِسکے سلیقہ تقریر کا بھی اُسکو خوب تھا چنانچہ وحدانیت و معرفتِ الٰہی
اِس خوبی سے بیان کرتا تھا کہ سامعین حظ وافر اٹھاتے تھے " اور اُسکے کلام
کے سننے کو اکثر اوقات آتے تھے " اور نظمِ ہندی بھی اُسکی اِس مضمون
کی بہت ہے بلکہ اکثر اشخاص اُسکو وردِ وظیفے کی طور سے پڑھتے ہین اور
بہت سے خاص و عام اعتقاد اُسے رکھتے ہین کہتے ہین کہ دارا شکوہ کی اُس
بزرگ سے بیشتر ملاقات تھی اور کلمہ و کلام عارفانہ بھی باہم اکثر رہتے تھے

چنانچه چندربهان منشي شاهجهاني ني طرفين كي جواب و سوال كو جمع
كركي ايك كتاب عبارت فارسي مين نهايت مربوط لكهي هي باره كوس پٹالي
سي راوي كي كناري * بابا نانك كا مكان هي عالمگير كي وقت تلك اُسكي
اولاد ونهين رهتي تهي غرض اپني وقت مين وه بڑا جوگي تپشي دهرمي تها
هندوؤن كي اكثر فرقي اُسكي كرامات كي قايل هين خصوصًا سكهه اُسكو بهت
مانتي هين اور اتيتون مين ايك فرقه نانك پنتهيون كا جو هي اُسكا سلسله
اُسي كو پهنچتا هي بهت سي دوهري اُسكي جن سي وحدانيّت و معرفت
ٹپكي پڑتي هي مشهور هين چنانچه اكثر اهل مذاق اُنكو ذوق شوق كي حالت
مين پڑهتي هين " اور آنسو اُنكي ٹپك پڑتي هين " قصّه كوتاه پندره سو
چهتيس بير بكرماجيتي مين مطابق جسكي آٹهه سو چورانوي هجري مين
تلونڈي كي بيچ يهه تپشي پيدا هوا اور ونهين اپني نانا كي گهر مين پلا ليكن
لڑكائي سي اسكو جب تپ كا دهيان تها رام سي دن رات لو لگائي هي رهتا
چنانچه آثار فقر كي اور كشف و كرامت كي اُسي سنّ مين اس سي ظاهر
تهي اور اكثر اشخاص اسكي معتقد آخر بهت سي ملكون كي سير كركي پٹالي
مين آيا ونهين كدخدا هوا اور قصبهٔ مذكور كي ايك گاؤن مين دريا كناري
رهنا اختيار كيا از بس كه شهره حقّ شناسي اور خدا پرستي كا اُسكي ملك

بمُلک پہنچا ایک عالم اطرافِ ممالِک سي آکر اُسکا مُرِید ہُوا چُنانچِہ ایک
گوَیّا مردانه نام اُسکا بڑا مُقرّب تھا وُہ اُسکي اکثر دوھري اِس لُطف سي گاتا"
کِہ ایک عالم رِیجھ جاتا" بلکِہ اُسکي کمال کا اعتِقاد لاتا" نِدان وُہ تپسِّیون
و رِیاضتِیون کا پیشوا سلیم شاہ افغان کي عہدِ سلطنت مین ستّر برس سي کُچھ
اُوپر ہوکر بیکُنٹھ باسِي ہُوا اگرچِہ لکھمِیداس اُسکا بیٹا سپُوت تھا لیکِن جوگ
کِي دَولت جو اُسکِي قِسمت مین نہ تھِي انگد نام کھتّرِي کو کِہ اُسکا خاصّ
مُصاحِب تھا گُروانگد خِطاب دیکر مرتي وقت اپنا قایِم مقام کر گیا وُہ تیرہ برس
اُسکا جا نِشین رَھا جب مرني لگا لا ولد تھا بِنابر اِسکي اپني داماد کو کِہ اُسکا
امرداس نام تھا خلیفہ کِیا اُن ني بھِي بائِیس برس تلک سررِشتہ فقر کا جارِي
رکھا" اَور ایک خلق کو گروِیدہ کِیا" پھِر بیکُنٹھ کا رستہ لِیا" اگرچِہ اَولاد
اُسکي تھِي لیکِن آخِري وقت اُسني بھِي اپني داماد رام داس کو اپني جاگھہ پر
بِٹھلایا اُسني سات برس تلک زِندگِي کِي اَور وُھِي راہ چلِي" آخِر ھستِي کِي
بستِي تجِي" بعد اُسکي گُرو ارجُن اُسکا بیٹا اُسکي مقام پر بیٹھا آخِر پچِیس
برس کي بعد اُسکا بھِي اِنتِقال ہُوا پھِر گُرو ھر گوبند اُسکا خلف خلیفہ ہُوا اٹھتِیس
برس تلک جِیا اَور اُسِي چلن پر چلا اُسکي بعد گُرو ھر راي اُسکا پوتا جا نِشین
ٹھہرا کیُونکِہ بیٹا اُسکا اُسکي آگي ھِي مر چُکا تھا قِصّہ کوتاہ وُہ بھِي اپني گھراني کي

مُریدون مُعتقدون کو سترہ برس راہ بتاتا رہا اُسکی پیچھی گُروھرکشن اُسکا بیتا خُورد سال تھا تین برس تلک جوگ کی مسند پر بیتھا رہا لیکن اُسکی بعد ایک چھوتا بیتا گُرو ھرگوبند ھی کا تیغ بہادُر نام پھر جا نشین ھُوا اَور گیارہ برس تلک اپنی جدّ و آبا کی طریقی کو بدستور اُسنی جاری رکھا آخر الامر بادشاھی امیرون کی قید مین پھسا قصہ کوتاہ سن ایک ہزار اکاسی ھجری مین کہ مُطابق اُسکی سترہ سن عالمگیری تھی حسب الحکم بادشاہ کی شاہ جہان آباد مین مارا گیا لیکن خُلاصۃ الہند کی تصنیف کی وقت گُرو ھرگوبند رائی گُرو تیغ بہادُر ھی کا بیتا اپنی باپ کا جا نشین تھا اَور بائیس برس اُسکی سجّادہ نشینی کو گُذری تھی القصہ مُرید بابا نانک کی اکثر صاحب حال و قال ھوتی ھَین اَور اُنکی خاصّ عبادت یہہ ھَی کہ اپنی مُرشدون کی دوھری راگ مین گائین " اَور لوگون کی دلون کو لُبھائین " دوست و دُشمن کو ایک سا جانین " سِوای اپنی ھادیون کی کسی سی علاقہ نرکھین " فی الواقع جو نانک پنتھیون کا فرقہ اپنی مُرشدون سی اعتقاد رکھّتا ھَی ایسا کرئی اَور کم ھین رکھّتا ھوگا چُنانچہ وارد صادر کی خدمت اپنی مُرشد کی نام پر عبادت عظیم جانتی ھَین ھرچند کہ کَیسا ھی اجنبی ھو بلکہ چور اَور رھزن تلک جب بابا نانک کا نام اُسنی لیا پھر یہی اُسکو اپنا بھائی ھی سمجھینگی اَور مُوافق مقدُور کی

خدمت بهي كرينگي پٹالي سي دو كوس * اچل نام ايک مكان هي سيام كارتک مهاديو كي بيٹي سي منسوب قديم پرستشگاه وهان ايک بڑا گڑها هي آگ سي معمور ليكن آگ اسكي تاثير آب سرد كي ركهتي هي موسم بهار مين هزارون اتيت جوگي اور بڑي بڑي تپشي رياضتي آكر وهان اترتي هين سواي انكي اور بهي هندو چهوٹي بڑي زن و مرد اطراف و اكناف سي آتي هين كثرت خلايق كوسون چهه دن تلک رهتي هي ايک جماعت كو فقط فقرا هي كي زيارت سي سرور " ايک گروه دوستون آشناون كي ملاقات سي مسرور " كتني اشخاص قسم قسم كي لوگونكا انبوه ديكهكر خالق كي قدرت كي ندرت كي حيران " بهتيري پري وشون اور خوبروون كي حسن و جمال پر نظاره كنان " بعضي مهمان دوست لوگون كي ضيافتون سي شاد و خرسند " بهت سي مريض فقرا كي دوا دارو سي سودمند " ايک طرف دو رسته بازار لگا هوا " رستا زن و مرد كي كثرت سي جهان تهان بهرا هوا " دوكانون مين انواع و اقسام كي جنس رنگ برنگ كي پهول طرح بطرح كي ميوي بهانت بهانت كي مٹهائي جسوقت چاهو مهيا " جدهر تدهر ديد كرو ايک عالم نظر آئي نيا " كسي دوكان كي ديوار رنگ برنگ كي تصويرون سي ليپي هوئي " كسي جاگهه مٹي كي مورتون كي ايک قطار لگي هوئي " ليني ديني والون كا ازدحام "

خرید فروخت کي جابجا دھوم دھام " کسي مجلس مین قصه خوانون کي للکار " کسي مجمع مین نقلیون کي پکار " کسي سمت دو چار گویّي طنبوري لیي گاتي هین " کهین دس پانچ فقیر نقاري هي بجاتي هین " کسي رستي پر تین چار بهنگي زنگي جهگڑ رهي هین " ایک دنگل مین پهلوان کشتي هي لڑ رهي هین " (ابیات) کهین ناچتي هین بهولي کَیي " کهین نٹوي لیتي هین ایک گت نَیي " دکهاوین کسب بهان متیان ادهر " ادهر کو چڑهین نٹنیان بانس پر " غرض چپّي چپّي پر ایک نیا تماشا اور قدم قدم پر ایک اچنبهي کا رَولا رات دن رهتا هي " کان پڑي آواز سني نهین جاتي " خلق کو کهاني کي بهي سرت نهین آتي " اگر عالم علوي بهي وهان آتا " تو ایک نظاري مین عجایبِ سماوي کو بهول جاتا " القصه ربعِ مسکون کي سیّاحون ني اور بحر و بر کي مسافرون ني اِس طرح کا میلا کسي سرزمین مین نهین دیکها اگر پٹالي کي باشندي سیکڑون کوس کي مسافت پر کیسي هي جمیعت و حکومت و دولت سي هون پر اُسکي دید کي خواهش انکو کیا معني جو نهو ناظرین کو معلوم هو راقم ني پٹالي کا احوال اِتنا طول و طویل جو لکها وجه اسکي محض خلاصة آلهند کي مطابقت تهي اور اسکي مولّف ني جو اِس قدر بڑهایا بجا کیا که مقامِ مذکور اُسکا مولِد تها اور پچاس کوس پٹالي سي اسي دوآبي

مین اُتر طرف کي پہاڑون کي بیچ * گڑہ کانگڑہ ایک قلعہ هَي حصانت و
متانت اُسکي شُہرت رکہتي هَي اَور نیچي اُسکي نگرکوٹ ایک قدیم معبد
هَي ٹہکراین وَهانکي بہواني برس مین دو مرتبي وَهان بہِي خلایق کا هُجُوم هونا
هَي لوگ ایک برس کي راه سي بہِي پُوجا کو آتي هَین " اَور اپني مُرادین
پاتي هین " بعضي اپني حاجت روَائي کي لِيي زبان کاٹ ڈالتي هَین کِسیکي
تو کَئِي ساعت کي بعد جون کي تون هو جاتي هَي اَور کِسي کي دو تین دِن
کي پیچہي عجیب تراسي یہہ هَي کِه بعضي اشخاص اپني سِر تن سي جُدا کر
دیتي هین اَور رفیق اُنکي اُٹہاکر دهڑ پر دهر دیتي هَین رام کِي دَیا سي بدستُور
لگ جاتي هَین اَور وي پہرکر جي اُٹہتي هَین نگرکوٹ سي دو کوس پر *
جوالا مُکہِي ایک مکان هَي وَهان کَئِي جاگہہ آگ کي شُعلي بہڑکتي هَین اکثر
هُنود پُوجا کو اُس مقام مین بہِي آتي هَین " اَور طرح بطرح کِي اشیا اُن شُعلون
مین ڈال کر جلاتي هَین " اَور راکہہ هونا اُسکا اپني حق مین اِکسیر جانتي
هَین * رچناو بہِي دوآبي مین قدیم شہر هَي راجا شل ني اُسي آباد کِیا تہا
چُنانچِه کِتاب مہابہارت مین کِه اُسکي تصنیف کو پانچ هزار برس سي کُچہہ
اُوپر هُوئي یُون لِکہا هَي اَور سیالکوٹ بہِي اُسي کہتي هَین اِس وجه سي کِه
بعضي اُسکو راجا سالباهن سي منسُوب کرتي هَین چُنانچه ایک پکا قلعه اُسکا

اب تلک یادگار هَي ایک زمانې مین دارُ الحُکومت پنجاب کا بهِي تها تِین کوس کِي عرصې مین اُسکِي آبادِي تهِي غرض عالمگیر کِي وقت سي سیالکوٹ مشهُور هُوا جمِیع قصبات سي یِهہ صُوبه زِیاده آباد تها جب سُلطان شِهاب الدِین غُورِي نِي پانچوین مرتبه سن پانسو اسِّي هِجرِي مین آکر لاهور کو گهیرا اَور فتح یاب اُس پر نهُوا تب سیال کوٹ کِي طرف آیا اَور وهانکِي پُرانِي قلعي کِي پهِر تعمِیر و مرمّت کِي بلکِه کُچهه فوج بهِي اپنِي وهان چهوڑِي بعد ایک مُدت کِي راجا مان سِنگ اکبرشاهِي جمُون کا فوجدار اَور سیالکوٹ کا جاگِیردار قلعي کِي مرمّت اَور شهر کِي آبادِي پر مُتَوَجِّه هُوا مِن بعد اُسکی صفدر خان جهانگیرِي جب کِه فوجدارِي قصبهٔ مذکور کِي اُسکو هُوِي اَور پرگنهٔ مسطُور اُسکِي بهِي جاگِیر هُوا خانِ مَوصُوف نِي تو قلعي اَور برجون کو نیِي سِر سي بنایا بعد اُسکِي بهِي اکثر حاکِم مرمّت کرتِي رهِي غرض یِهہ شهرِ فَیض بُنیاد دِن بدِن آراسته و آباد هوتا رها چُنانچِه وِي قانُون گو جو قَومِ بدهره سي تهِي اُنهون نِي بهِي عِمارتین نِهایَت مطبُوع و دِلچسپ بنایِن بلکِه بعضِي اَور بهِي اشخاص اکثر اَوقات تعمِیر مین مشغُول رهِي اِس سبب رَونق مُدام بڑهتِي گیِي اَور آراستگِي اُسکِي مرتبهٔ اعلیٰ کو پهنچِي کاغذ بهِي شهرِ مذکور مین خُوب بنتا هَي خُصُوصًا مان سِنگِي اَور حرِیرِي ایک کاغذ کِه جهانگیر نِي فرمایِشي بنوایا تها

وہ بھي نِہايَت سُفَيد و صاف و خُوش قُماش و پائدار ہوتا ہَي چُنانچِہ اُسْکو بِھي بعْضِي اطْراف و نَواح مين بطرِيقِ تحايِف بهيجْتي هَين اگرْچہ دسْتکارِي کي طرِيقي وَهانْکي اهْلِ حِرْفه اکْثر طرح کي رکْهتي هَين خُصُوصًا ريشم و کلابتُون کِي چِکن کي تهان پٹکي چيري سوزنيان دسْترخوان ادقچي خوانپوش و غيره نِہايَت صفائِي و خُوبِي کي ساتْه بناتي هَين " فائِدي بِهي اُسْکي بَيع و شِرا مين اُٹھاتي هَين " چُنانچِه اورنْگ زيب کي وقْت تلک هر سال مين چِکن دوزون کو لاکْه رُپَي کا اِنْتِفاع هوتا تها اَور هتْهيارون مين وَهان کٹاري برْچهِي نِہايَت آبْدار و خُوش قطْع بنْتي هَي باغ بهِي اُس شهْر کِي اطْراف مين بہُت سي هَين خُصُوصًا نذْر محمّد بهوني کا باغ نِہايَت پُر بهار و ميْوه دار هَي رنْگ برنْگ کي پهُول اُس مين بہُتايَت سي پهُولْتي هَين ايک خلْق وَهان سَير کو جاتِي هي اَور حظ اُٹھاتِي هَي مُتّصِل اُسْکي ايک نالا بهتا هي کِه سرچشْمه اُسْکا جمُون کي پهاڑ مين هَي غرض وُه نالا شهْر سي آگي بڑه کر دس دس کوس کي عرْصي مين پهيلا هَي اَور اطْراف مين مُتفرّق هُوا هَي ليکِن جب موسِم برْسات مين خُوب چڑهتا هَي تب شهْر کي باشِنْدي لُنگيان بانْده بانْده مُشْکين لي لي وَهان آتي هَين " اَور آب بازِي کِي کَيفِيّتين اُٹهاتي هَين " اَور اِس خِطّهٔ برکت افزا مين حضْرتِ اِمام زَينُ آلعابِدِين کي کِسِي فرزند کا مزار هَي

چھوٹي بڑي وَهان بھِي اکثر زِيارت کو آيا کرتي هَين * دهونکل ايک مکان هَي کِه اُنکو سُلطان سرور سي منسوب کرتي هَين اگرچِه وُه هميشه زِيارت گاهِ خلايق هَي ليکِن گرميون کي موسِم مين اکثر مُلکون سي زن و مرد کي غول کي غول غث کي غث وَهان زِيارت کي لِيي آتي هَين بہتيرِي نذرين چڑهاتي هَين دو مہِيني تلک خلق کا وَهان انبوه رَهتا هَي اَور پندره کوس شہرِ مذکُور سي * پور مندل ايک مکان جمُون کي پهاڑون مين هَي تهاکر اُسکا مہاديو بَيساکهِي مين وَهان ايک دنيادهاني § هَي " اَور بہت سِي خِلقت آتِي هَي " يہان تلک کِه ايک بڑا انبوه هو جاتا هَي پهِر پهاڑ کا راجا بهِي ايک دهوم دهڑلي سي آتا هَي " اَور اپني تِير اندازي کي کرتب اَور کمال اُس دنگل کو دِکهاتا هَي " اَور مقامِ مذکُور سي ايک دريَاو بهِي نِکل کر ظفر ڈال و غيره کي دِيہات و حُدُود مين هوتا هُوا شاه دولا کي پُل تلي جا پہنچا پهِر دولت آباد و فرِيد آباد و غيره سي گذرتا هُوا راوِي سي جا مِلا اَور جمُون مين قلعِي کِي کهان بهِي هَي پتهرِيان لوهِي † ندِي سي لاکر وُنہين آنچ ديتي هَين اَيسِي قلعِي سفيد و پاکِيزه و صاف و پايدار بنتِي هَي کِه وَيسِي کہين نہين مِلتِي * ساڈهورا ‡ ايک بڑا قصبه چناب

§ Seemingly the same as دهنگدهرا a ceremony in honour of *Mahādeva*.

† In a Persian MS. written توهي. ‡ In a Persian MS. written سودهره.

کي کِناري پر هَي شاه جهان کي وقْت مين نَوّاب علِي مرْدان خان ني مُتّصِل
اُسْکي اِبْراهِيم آباد ايک بڑا شهر اپْني بيٹي کي نام پر بسايا " اَور ايک بڑا
باغِ پُر فضا رشْکِ شالامار بنايا " سِواي اُسْکي اَور بهِي عِمارات و مکاناتِ
عالِيشان تعْمِير کِيي اَور ايک نهْر بهِي درْياي لوهِي § سي اُس باغ کي واسْطي
لايا غرض چه لاکه رُپي اُنْکي تعْمِير و ساخْت مين خرْچ هُوئي اَور ساڈهوري کي
دِيهات مين سي ايک گاوْن سرْکارِ اعْلي سي باغ و شهرِ مذْکور کِي مرمّت و
تعْمِير کي واسْطي بطرِيقِ اِنْعامِ آل تمْغا نَوّابِ مَوصُوف کي نام پر مُقرّر هُوا اَور
دوآبي مين * چهوٹي گُجرات ايک قصْبه هَي کِه اکْبر بادْشاه کِي سلْطنت مين
بسا اَور سيالْکوٹ کي علاقي سي کُچه گاوْن نِکالْکر اُس سي مُتعلّق کِيي اَور ايک
پرْگنه جُدا قرار دِيا لِيکن اِبْتِدا مين يِه قصْبه چنْدان رَونق نرکهتا تها جب سي
خُلاصهٔ عُرفا شاه دولا ني اُس مين رَهْنا اِخْتِيار کِيا اَور تالاب کُوئي مسْجِدين بنائِين
بلْکِه درْيا پر بهِي پُل بنْدهْوايا تب سي آبادِي اُسْکي زِياده هُوئي اَور رَونق
بڑهِي " کهْتي هَين کِه شاه صاحِب مذْکور اَوائِل مين کمايندْهر سيالْکوٹِي کا غُلام
تها لِيکِن مُحبّتِ فُقرا سي بدل رکْهتا خُصُوصًا سَيّد نادِر کِي خِدْمت اکْثر بجا لاتا
اَور بيشْتر اُنْکي حُضُور حاضِر رَهْتا جب سَيِّد مَوصُوف کِي رِحْلت کا وقْت

§ In a Persian MS. written توهي.

پہنچا اُنکي نظرِ توجّہ اُس پر پڑ گئي في آلفور ايک حالتِ تازي ہوئي اَور
چشمِ باطِن ني روشني پکڑي پھر سيالکوٹ سي گُجرات مين جاکر مُقيم ہوا اَور
بہُت سي مکان بنوائي پُل بندھوائي خُصُوصًا امن آباد سي پانچ کوس درياي
ڈيک پر لاھور کِي سمت شاہ راہ مين ايک پُل بڑا مُحکم بندھوايا ايک خلق
کو آرام پہنچايا سخاوت بھِي اُس مين اِسقدر تھِي کہ حاتِم کا اگر مُعاصِر ہوتا تو
کوئي اُس کا نام بھِي نہ ليتا جِسقدر خلايِق دُور نزديک کِي اُسکي حُضُور نقد
و جِنس و غيرہ بطريقِ نذر ليجاتي " اُس سي دُوگنا چوگنا اِنعام پاتي " آخِر
وہ بزُرگوار عالمگير کي سترھوين سنِ جلُوسي مين جان بحق ہُوا قريبِ شہر
اُسکي درگاہ آج تلک زِيارت گاہ ايک عالم کِي ہَي قِصہ مُختصر ہر طرح کي
آدمِي وَہان رہتي ہَين اَور ہر دِيار کِي اجناس بہم پہنچتي ہي بلکہ تحايِف
روزگار اگر درکار ہون تو مُيسّر ہونوين چُنانچہ تلوار جمدھر وہان بِہتر سي بِہتر
بنتي ہَين اَور کام چِکن کا بھِي وَہان کي کارِيگر سيالکوٹ والون سي بَوَجہِ
احسن کرتي ہَين سِواي اِسکي مُلکِ مذکور مين گھوڑا عراقي کِي مانند پيدا
ہوتا ہي بعضا تو دس ہزار روپي قيمت پر بِکتا ہي اَور * سِندہ ساگر کي دوآبي
مين نمک سنگ ايسا لطيف لگتا ہَي کہ رُوي زمين مين اُسکي لطافت کا
شور ہَي قُدرتِ اِلٰہي سي سارا پہاڑ لون کا خلق ہُوا ہَي طُول اُسکا سو

کوس سي کُچھ زِیادہ بتاتي هَین نام اَکبر نامي مین کوہ جودہ لِکھا هَي اِسواسطي
کِہ جودہ نام ایک رئیس چھچھواهي کِي قوم کا تھا یِہہ پہاڑ اُسیکي نام پر
مشہُور هُوا اَولاد اُسکِي اَورنگ زیب کي وقت تلک کرچھاک و نندنہ و
مکھیالي و غیرہ پرگنون مین سُکونت و رِیاست رکھتِي تھِي اَور وہ جماعت کِہ
لون وَهان سي نِکالتِي هَي نام اُسکا لاشہ کش هَي الغرض پہاڑ کي دامني مین
کِتني لاشہ کش ایک نقب تِین سَو گز کِي گھرِي کھود کر ننگي مادر زاد ایک
کُدال کندھي پر رکھہ کر چراغ هاتھہ مین لي اُس اندھیرِي سُرنگ مین جاتي هَین "
اَور دو تِین من کا ایک لون کا ڈلا کھود کر نِکال لاتي هَین " ناظمون سي
مزدُورِي بھِي منہہ مانگي پاتي هَین از بس کِہ مشّاق هُوئي هَین اُس اندھیرِي
سُرنگ کِي آمد و رفت سي اَور لون کي کھودني اَور لاني کي رنج و صعُوبت
سي خَوف و تکاهُل نہین کرتي لیکن هَوا اُس نقب مین هر ایک مَوسِم کي بِیچ
مُعتدِل رَهتِي هَي هرچند کِہ لون نِکالني کي اَور بھِي مقام هَین پر کھوهرہ اَور
کھیوہ دونو بڑِي سُرنگین شمشاد آباد کي مُتّصِل واقِع هُوئِین هَین هر سال کَئِي
لاکھہ من نمک وَهان سي نِکلتا هَي اَور محصُول پرگنون کي حاصِل سمیت سرکارِ
اعلٰي مین ضبط هوتا هَي اکثر کارِیگر وَهان لون کي طبق رِکابیان سرپوش چِراغدان
بنا بنا بیچتي هَین اَور نفعي اُٹھاتي هَین قرِیب اُسکي دُودھیا پتھر کِي کھان هَي

بڑي بڑي آدميون كي مكانات مين چونا ونهين كي پتهرون كا بناكر پهيرتي هين يا ركابي پيالي آبخوري نفيس نفيس انكي بناكر بيچتي هين اور متصل اسكي مكهيالي كي حدون مين * كتاچهه ايك تالاب هي كه اسكي تهاه كسيكي هاته نهين لگي هندوون كا قديم تيرتهه هي جب سورج مين كا هوتا هي يعني آفتاب برج حوت مين آتا هي هر ايك چهوتا بڑا انكا وهان نهاني كو جاتا هي يهان تك كه چند روز ايك مجمع رهتا هي غرض اعتقاد اس قوم كا يهه هي كه زمين كي دو آنكهين هين داهني آنكهه تالاب پهكر اجمير كي متصل اور بائين آنكهه يهه تالاب اور اسي پهاڑ پر سات كوس پري * رهتاس گڈه ايك قلعه هي بالا ناتهه جوگي اسي مين تپشا كيا كرتا تها چڑهائي اسكي چار كوس كي ليكن ايام معهود مين خصوصا شيوبرت كي دن وهان بڑي بهيڑ هوتي هي بهت سي جوگي اتيت بهي جمع هوتي هين اور پوجا كرتي هين القصه تهوڑا سا احوال اماكن مشهوره مين سي پانچ دوآبي كا لكهني مين آيا اب احوال چهه درياون كا بهي كچهه كچهه لكهنا ضرور هوا كيونكه وي بهي اسي صوبي سي علاقه ركهتي هين * پهلا ستلج كوه بهونت سي نكلا اور كلو كي حدون مين پهنچكر شهر مين آيا بعد اسكي شير گڈه كي پهاڑ مين هوتا كهلور كي حدود مين گذرا اور ملك مذكور كو تين طرف سي احاطه كيا بنابر اسكي اور پهاڑون كي قرب

کي باعث باشندي اُس وِلايت کي بادشاهي اميرون سي بغي رهتي هين پهر
دريای مذکور پهاڑ سي نِکل دو گنگ هو ماکورال و کيرت پور کي تلي آيا اَور
قصبهٔ روپر تلک پهنچتي پهنچتي پهر ايک هو گيا اَور اُسي هيئت سي ماچهي
واڑي کي قريب هوکر لودهياني مين پهنچا بلکه شاه راه مين واقع هُوا پهر وهان
سي قصبهٔ تلون وتهاره کي قريب گذر متصل موضع پور که متعلق پرگنهٔ هيبت
پور پهتي کا هَي دريای بياه سي جا مِلا اَور دوآبه جو اِن دو درياؤن کي درميان
هَي اُسکو جالندهر و شهروال کهتي هين * دُوسرا بياه وه بهي بهونت کي پهاڑ
کي ايک تالاب سي نِکلا اَور قصبهٔ کُلو کي تلي بهتا هُوا منڈي مين جا
پهنچا پهر سوکهيت اَور مملوري کي حدون مين گذرتا شهرِ نندون مين که
کوهستان کي فوجدار کي بُود و باش کا مکان هَي جا نِکلا پهر وهان سي اطرافِ
دهوال و سيبه و گواليار مين آيا گو که گواليار کُچهه بڑا مُلک نهين ليکن راجا
وهان کا اُس دريا کي حايل هوني سي اَور پهاڑ کي اِتصال کي سبب اُمرای
بادشاهي سي اکثر اَوقات بِگڑا رهتا هَي بعد اِسکي دريای مذکور نور پور کي
ديهات سي گذرتا هُوا ايک پهاڑ پر گيا پهر وهان سي زمين پر اُتر گانواهن که
ايک شکارگاهِ بادشاهي هَي اُسکي پاين آ نِکلا پهر قصبهٔ رهله کي تلي هوتا هُوا
شهرِ گوبندوال مين پهنچا اَور وهان سي کوه کي قريب ستلج سي مِلا پهر دونون

اِکٹھی ہو فِیروز پُور اَور ممدوت مین جا نِکلی اَور وَہان سی سرکارِ دیپال پُور کی محالون مین پہنچ دو ٹکری ہُوئی ایک سوتا تو دکھن کِی طرف گیا نام اُسکا ستلج ہُوا دُوسرا اُتر کِی سمت گیا نام اُسکا بِیاہ ٹھہرا بعد کئِی فرسخ کی پھِر دونون مِلکر فتح پُور کھرور و غیرہ کِی اطراف مین جا پہنچی نام اُس مجمُوعی کا اُس مقام مین کھلوکھارا ہُوا پھِر بلُوچون کِی حدّ مین پہنچکر سِندھ و راوی و چناب سی مِلی اُس مقام مین ہیَئت مجمُوعِی کا نام سِندھ ٹھہرا * تِیسرا راوِی اُس مین اَور بِیاہ مین ایک دوآبہ باری مانجھا مشہُور ہی دریای مذکُور من مہس پہاڑ سی نِکلا مکانِ مذکُور قدِیم تیرتھ ہی ٹھاکر وَہان کا مہادیو اَور وَہان سی شہرِ جنبہ کِہ دار الحکُومت وَہان کی حاکِم کا ہی اُسکی نِیچی گذرا مُلکِ مسطُور کِی ہَوا برف کی پڑنی سی کابُل و کشمِیر کی سِی ہی میوی بھی اکثر لطِیف و شِیرِین وَہان پَیدا ہوتی ہَین حاکِم وَہان کا مملکت کِی وُسعت سی جمِیعت کِی کثرت سی اَور پہاڑون کِی بہُتایت سی بی پروا ہی بادشاہون کو کُچھ نہِین جانتا اَور مُطلقا اُنکا حُکم نہِین مانتا الغرض بِسوہلی کِی بھی حدون سی گُذر شاہ پُور کی تلی جا نِکلا اَور وَہان سی چار نہرین اُس سی نِکلِین ایک تو لاہور مین شالامار کی بِیچ آئی دُوسری پرگنہ بستھان مین تِیسری پٹالی مین چوتھی پرگنہ ہیبت پُور مین اکثر محالون کِی زِراعت کو

اُن سي فَيض پہنچتا هَي پهر درياي موصُوف قصبه مذكور سي بهتا هُوا پرگنه بتهان و كانهو و كلانور و پٹاله و امن آباد و غيره كي اطراف مين جا پہنچا اَور وَهان سي لاهور مين آ بادشاهي عِمارت كي پائين بهني لگا پهر وهان سي سِندهوان و فريد آباد و غيره مين هوتا هُوا سِندهه سراي كي قريب مُلتان سي بيس كوس پري چناب سي جا مِلا * چوتها چناب اُس مين اَور راوي مين رچناؤ ايك دوآبه مشهور هَي ليكن هِندي كتابون مين نام اُس درياؤ كا چندر بهاگا لكها هَي ماجرا اسكا يُون هَي كه درياي چندر چين كي طرف سي آكر جنبه سي گذرتا هُوا كشتوار مين كه زعفران جهانكي مشهور هَي پہنچا اَور درياي بهاگا تبت كي طرف سي آكر اُس سي مِلا اِس لِيي نام اُسكا چندر بهاگا ٹهہرا پهر وَهان سي نيپال و بهونپال مين هوتا هُوا نركتا كه تابع جمون اَور بهواني سي منسوب هَي اُسكي قريب آ نِكلا اَور وَهان سي انبار آبان و اكهنور كي تلي پہنچا پهر ايك پهاڑ مين جاكر نهايت آب و تاب سي بهني لگا چُنانچه مكانِ مذكور طُرفه سيرگاه و نادر تماشاگاه هَي پاني بهي وَهان كا بهتر از شربتِ نبات و پياسون كي حق مين آبِحيات هَي القصه درياي مذكور وَهان سي كُچهه آگي بڑه كر اٹهاره ٹُكري هُوا ليكن بهلول پُور پہنچتي پہنچتي باره كوس كي مسافت پر پهر اِكٹها هو گيا بعد اِسكي سيالكوٹ كي

دِیہات سي گُذر سانڈھوري کي تلي ھوتا ھُوا وزِیر آباد مین جا پہُنچا سالکي لکڑِي سَوداگر کوہِستانِ جنبه و غَیرہ سي اِسي درْیا کِي راہ سي وزِیر آباد مین لاتي ھَین " اَور بہُت سي اِنتفاع اُٹھاتي ھَین " پہِر اُسکي کِشتیان بناکر بطَورِ تجارت درْیا کِي راہ سي ٹھٹھي بھکر کِي طرف لیجاتي ھَین بعْد اِسکي وہ درْیا جاکوتار و لودھیانه و بھونه منزِل اَور ھزاري مین آ پہُنچا چار کوس پري ھزاري سي قبرْ ھِیر رانْجھا کِي اُسِي درْیاؤ کي کِناري پر ھَي عِشق اُنْکا مشْہُور پنْجابِیون ني اُنکي مُحبّت و بیقراري کي بَیَان مین سَیکڑون سدین کہِین ھَین چُنانْچِه گوَیّي وھانکي اُنکو اکثر گاتي ھَین " اَور اھلِ درد کو رولاتي ھَین " پہِر وَھان سي چنْد لوت کي نزدِیک دو چھوتي پہاڑون مین سي ھو نِکلا شہْرِ مذْکُور مین مزار شاہ بُرھان کا ھَي اکْثر لوگ اُس بُزُرگ سي بہِي اِعتِقاد رکھتي تھي پہِر وَھان سي بہْتا ھُوا جنْگ سِیالي مین آکر درْیاي بہت سي مِل گیا * پانچْوان درْیاؤ بہت مابَین اُسْکي اَور چناب کي جونتّھ ایک دوآبہ مشْہُور ھَي غرض درْیاي مذْکُور کوہِستانِ تِبّت مین ایک حَوض سي نِکلا اَور کشْمِیر مین آکر کُوچه و بازار مین بہْني لگا چُنانْچِه شہْرِ مذْکُور مین جابجا پُل بنْدھي ھَین اکثر باغات و عِمارات و سَیرگاھین اَور مکانات اُسْکي کِناري پر ساتھ ایک قرِیني کي واقِع ھَین پہِر کشْمِیر سي نِکل کر کِشن گنْگ

سي پکلي مين مِلا پهر وَهان سي دانکلي کي تلي آ نِکلا قصبهٔ مذکور کهکردن کي سرگروه کا دار الحکومت هَي پهر اُسکي حدون سي اَور مِير پور سي گذرتا هُوا جهيلم کي تلي پهنچا اَور شاه راه مين واقِع هُوا نام اُسکا مَوضِع مذکور کا تهرا پهر وَهان سي کرچهاکٹ و نندني و غيره سي گذرتا هُوا جنگ سيال مين جاکر چناب کي ساتهه مِلا هم نام اُسکا هُوا * چهٹها درياؤ سِنده ما بين اُسکي اَور درياؤ بهٹ کي وِلايَت بونهوهار اور سِنده ساگر کا دوآبهٔ مشهور هَي اَور يِهي هِندوستان و کابلستان کي بِيچ حايل ليکن سرچشمه اُسکا ظاهِر نهين وَهان بعضي سَيّاح کهتي هَين کِه قلماق کي کِسي مقام سي نِکل کر حدود کاشغر و کافرستان و تبت و کشمير و پکلي و دهمتور مين پهنچا پهر وَهان سي يُوسف زَيي کي اولکي مين جا نِکلا اَور درياي نِيلاب کَيي نديون سميت قلعهٔ اٹک بنارس کي تلي درياي مذکور سي مِلا از بس کِه پاٹ اُسکا وَهان چهوٹا هَي نِهايَت زور شور سي بهتا هَي يهان تک کِه ديکهني والون کي نِگاه خيرگي کرتي هَي مُطلقًا و اصلاً نهين تهرتي تموّج کي شِدّت سي نِهنگون کا جِگر آب هو جاتا هَي اَور پهاڑون کا سِينه موجون کي صدمي سي ٹکري ٹکري مگر درياي مذکور اُس جگهه شاه راه مين واقِع هَي گذاري کي ناوين پاني کي تيز رَوي کي سبب اِس کِناري سي اُس کِناري طرفة العين مين پهنچتين هَين مغرب کي

طرف وہان جلاليہ نام ايک سياہ پتھر ہي کبھو کبھو ناو اُس سي ٹکر کھاکر پھٹ جاتي ہي بنابر اِسکي ملاح ہميشہ اُس سي کشتي کو بچاتي ہين اور حتي المقدور اُسکي طرف نہين لاتي وجہِ تسميہ اُسکي بقولِ عوام يہہ ہي کہ اُسکي اُوپر ايک بزرگ کي قبر ہي نام اُسکا جلاليہ تھا ليکن خواص اِس امر مين يون کہتي ہين کہ اکبر کي وقت مين ايک پٹھان جلاليہ نام نہايت مفسد و شور پشت تھا اتفاقاً پادشاہ سيرِ شکار کي واسطي اُس درياو سي پار اُترتي تھي يک بيک جواہر خاني کي ناو اُس سي ٹکر کھاکر ٹوٹ گيي في الفور حضرت کي زبانِ مبارک سي نکلا کہ يہہ پتھر بھي جلاليہ ہوا تبھي سي يہہ نام اُسکا ٹھہرا نزديک اُسکي راجہ ہودي کي عمارات ہين نہايت سنگين و رنگين اگلي زماني مين وُہي وہان کا راج کرتا تھا اور اُسي کي کناري شرق کي طرف قلعہ اٹک ہي ہر وارِد و صادِر اُس مين ہوکر آتا جاتا ہي کيونکہ سواي اُسکي اور رستا نہين عمارات بھي اُس مين نہايت پُر فضا و دلکشا لبِ دريا خصوصاً مکانِ حاکم نشين کہ بمرتبہ فرحت افزا و نہايت اعلي ہي آب و ہوا بھي نہايت اعتدال کي ساتھ گويا ہندوستان و کابلستان مين يہہ ايک برزخ واقع ہي اِس طرف اُسکي رويّي اور چلن ہندوستان کي اور بولي بھي وُنہين کي اور اُس طرف طور و آيين پٹھانون کي اور زبان بھي اُنکي القصہ يہہ درياو کوہستان

افغان ختك و غيره سي نكل كر سنبهل كي پٹهانون كي حدّ مين پهنچا اور وهان سي بلوچستان و ملتان مين جا نكلا غرض پانچ دريا پنجاب كي اُتّر طرف كي پهاڑ سي نكلي اور اُس طرف ملتان كي ايك دوسري سي جدا بلوچون كي حدّ مين اِس درياؤ سي ملي نام مجموعي كا سنده ٹهہرا پهر وهان سي ايك درياي كلان هوا اور قلعه بهكر كو دو گنگ كي بيچ مين لي ليا بنابراسي كي وه قلعه بي لگاؤ و محفوظ هي بعد اسكي درياي مذكور ولايت سيوستان سي هوتا هوا ٹهٹهي مين آيا پهر بندر لاهري كي قريب درياي شور سي جا ملا بندر مذكور شهر مسطور سي تيس كوس پر هي حاصل يهه هي كه صوبه لاهور نهايت خوش آب و هوا " و بمرتبه فرحت افزا " گرميون مين وهان گرمي اور سردي مين سردي هندوستان سي زياده خربوزه انگور وهان مانند ايران و توران " اور آم مثل هندوستان " چانول وهان كا بنگالي سي بهتر " اور گنّي دكهن سي اعلي تر " اكثر مدار زراعت آب چاه پر چنانچه تين سو ساٹه جهوٹي بڑي لكڑيان اور سو سي كچهه اوپر لوٹي رسّون مين باندہ كر ايك بڑا چرخ بناتي هين اور اُسكو جرِ ثقيل كي صنعت سي جوڑي بيلون كي ايك گردش مين كوئي سي پاني بهر نكالتي هي دفعتاً كئي سو من پاني كهيتي كو پهنچ جاتا هي " اور زراعت كو سبز كر لاتا هي " ليكن مدار فصل خريف كا بارش پر هي اور بعضي مكانون

مین خصوصاً دریاي بیاه اور بهت کي کناري پر اگر ریگ شوي کرین تو سونا هاته لگي اور شمالي پهاڑون پر بعضي مقامون مین روپي تانبي جست کي کهان بهي هي نکالني والون کو بعد محصول دیني کي بهي نفع مل رهتا هي طول اس صوبي کا دریاي ستلج سي تا دریاي سنده ایک سو اسي کوس عرض بهنبر سي چوکهنڈي تلک ستاسي کوس پورب طرف اسکي سرهند پچهم طرف ملتان اتر رخ کشمیر جنوب رو دیبال پور متعلق اس سي پانچ دوآبي یعني پانچ سرکارین تابع انکي تین سو سوله محال آمدني نواسي کروڑ تینتیس لاکه ستر هزار دام صوبون مین بي نظیر

صوبهٔ کشمیر " دار الحکومت اس ولایت کا مدت سي سري نگر هي آبادي اسکي چار فرسخ کي دریاي بهت و غیره تین دریاو شهر کي اندر بهتي هین " علما و فضلا بهي یهان بکثرت رهتي هین " بلکه برهمنون پنڈتون کا بهي شهر مین نهایت وفور " اور یهانکي کاریگر هنرمند جهان مین مشهور " چنانچه پشمینه طرح بطرح کا نهایت نفاست کي ساته بنا جاتا هي " بیل بوتا اسکا عالم باغ کا دکهاتا هي " خصوصاً شال تو بیمثال هوتي هي " بناوت اسکي دیکهني والون کي هوش کهوتي هي " ملک بملک اسکو بطریق تحایف

لیجاتي هَین " اَور فایِدي اُٹھاتي هَین " بانات شهرِ مذکُور کي بهي نِپٹ مُلائِم
خُوش نما " پٹّو و غَیره بهي نفاست و لطافت مین مانند هُوا " بازار مین
خرِید و فروخت کِي رسم کمتر " اَور گهرون مین اکثر " اَور گهر سب چهوٹي
بڑي چوبِي بناتي هَین درجي اُنکي چار یا چارسي زِیاده رکهتي هَین نِیچي کا چار
پاٴون اَور کُچهه اسباب کي لِیٴي دُوسرا آسایِش کِي خاطِر تِیسرا چوتها اسبابِ خانگِي
کي واسطي لیکِن بهونچال کِي شِدّت کي سبب حَویلِیان خِشتِي اَور سنگِین نہین
بناتي بلکِه چار دِیوارِي بهي چهتون پر لاله بوتي هَین چُنانچه بهار کي دِنون
مین هر شخص کا بامِ خانه رشکِ گُلزار و بِهتر از لاله زار هو جاتا هَي غرض
شهرِ مذکُور مین با وُجُود اِس لطافت کي ایک یِهه خُوبِي هَي کِه وَهان سانپ
بِچهُو و غَیره گزِندي جانور کمتر هَین لیکِن مچهر مکهِي اَور جُوئِین اکثر نزدیک
شهر کي ایک تالاب بَهُت بڑا کَٔیِي فرسخ لنبا ایک جانِب اُسکِي پرگنه
بهماک § سي مُتّصِل وَهانکي لوگ اُسکو دال کهتي هَین سال و ماه لبریز رهتا هَي
اَور پانِي اُسکا نِهایَت لطِیف و شِیرین مزا یِهه هَي کِه برسون نہین بِگڑتا اگرچه
لوگ بارِگران کو پُشتارِي باندهکر گهاٹِیون سي چڑهتي اُترتي هَین پر باربرداري کي
واسطي اکثر وَهان کِشتِیان هَین اِس سبب سي بڑهیِٔون اَور ملاحونکِي خواهِش

§ پهاک may perhaps be the true reading.

بيشتر رهتي هي اور زبان وهان كي باشندون كي خاص بهي هي ليكن هندي
كتابين بيشتر سنسكرت كي بولي مين تصنيف كرتي هين اور ناگري مين لكهتي
هين بلكه بيشتر پوتهيان ايك درخت خاص كي پوست پر چنانچه اكثر پراني
پوتهيان اسي پر ثبت هين نام اسكا توز اور سياهي بهي ايسي بناتي هين كتنا
هين دهوئي پر نهين چهوتي هرچند كه اهل هند اس ولايت كي عجيب و
غريب قصي كهتي سنتي هين اور سب كي سب تيرتهه جانتي هين ليكن
بعضي مكانون كو بهت مانتي هين چنانچه سندهيا براري كي قريب ايك
چشمه هي چهه مهيني تلك خشك پڑا رهتا هي روز معهود كسان اس
سر زمين كي جاكر عجز و الحاح كرتي هين بلكه بهيڑين بكريان چڑهاتي هين ندان
پاني اس مين جوش مارتي لگتا هي اور پانچ موضع كي زراعت كو سيراب كر
ديتا هي احيانًا جو كبهو زيادتي اسكي ديكهتي هين اسي طرح پهر گڑگڑاتي
لگتي هين في الفور پاني تهكاني پر آ جاتا هي متصل اسكي * كوكر ناك § نام
ايك چشمه هي پاني اسكا نپٹ خنك و شيرين و سبك اگر بهوكها پيي
سير هو جائي " اور اگهانا پيي بهوكها لگ آئي " * مين پور مين باره هزار
بيگهي زمين زعفران كي كهيتون كي هي في الواقع قابل ديد و لايق سير غرض

§ In the Persian, this place seems written كوك نال.

بَیساکھ کي آخِر سي لي سارا مہینا جیٹھ کا کِشت کار ہل چلا زمِین کو نرم کر کُدالون سي ہر ایک قطعہ اُسکا قابِل بوني کی بنا زعفران کي گٹھي بو دیتي ہَین ایک مہیني کي بعد لہلہا اُٹھتِي هَي اَور کاتِک کي آخِر مرتبہ نُمو کا تمام ہو چُکتا هَي لیکِن ایک بالِشت سي زِیادہ نہین بڑھتي اَور جب پُوري ہو چُکتِي هَي تب پھُولتِي هَي لیکِن ہر پودھي مین آٹھ پھُول بتدرِیج پھُولتي ہَین پنکھڑِیان ہر ایک مین چھ " رنگت اُن مین سوسنِي " درمِیان اُنکي چھ تار بیشتر تِین زرد اَور تِین لال زعفران اُنہین کِي هوتِي هَي جب کِہ پھُول نِبڑ چُکتي هَین تب تنہ اُنکا سبز ہو جاتا هَي پر پھُولني سي پہلي سفَید رہتا هَي اَور ایک مرتبي کا بوا کھیت چھ برس پھُولتا هَي پہلي برس کم کم دُوسري برس بہُتایَت سي تِیسري برس کمال کو پہنچتا هَي اگر چھ برس کي بعد اُسکي گٹھي وَہان سي اُکھاڑکر اَور جاگہہ نبوئِن تو پھُولنا کم ہو جائي اِسي واسطي اُکھاڑکر اَور جاگہہ لگاتي هَین * ریون مین ایک چشمہ هَي اُسي بڑا تِیرتھ جانتي هَین اُنکي گُمان مین یِہہ هَي کِہ زعفران کي بِیج اِسي سي نِکلي هَین چُنانچہ اِسکي شُرُوع مین کِشت کار اُس چشمي کي پاس جاکر بہُت مِنت و زارِي کرتي هَین اَور گائي کا دُودھ اُس مین ڈالتي هَین اگر وُہ پانِي تلي بَیٹھ جاتا هَي تو فالِ نیک لیتي هَین اَور زعفران بھِي خاطِر خواہ

هوتي هي اَور جو پاني پر ترِتا رَهي بد شُگُني جانتي هَين تِبّت مين ايک بڑا غار هي اُسكي اندر برف كا ايک جِسْم هَي نام اُسكا * امر ناتهه اُس مقام كو بهِي معْبدِ بُزُرگ جانتي هَين جب ماه تحْتُ ٱلشُّعاع سي نِكلْتا هَي اُس غار مين ايک برف كِي لاث نمُود هوتِي هَي اَور تهوڑِي تهوڑِي روز بڑهتِي هي يهان تک كِه پندرهوين دِن دس گز كِي هو جاتِي هَي جب چاند گهٹني لگتا هَي وُه بهِي گهٹني لگتِي هَي ماوَس تلک اُس كا نِشان بهِي نهين رَهتا هِندُو اُسكو مهاديو كا پيكر قِياس كرتي هَين اَور حاجت بر آر اُسكو جانتي هَين * شنكر ناگ ايک چشْمه هَي تمام سال آب اُس مين نا ياب ليكِن جِس مهِيني مين نوَين تاريخ جُمْعي كي دِن هو صُبْح سي شام تلک پانِي اُس مين بهتا هَي " اَور دِن بهر ايک عالم وَهان جمْع رَهتا هَي " * پانهال ايک بُتخانه هَي دُرگا سي منْسُوب جو كوئِي اپْنا احْوال اَور دُشْمن كا جانا چاهي دو هانڈِيون مين چانوَل بهركر ايک اپْني نام پر اَور دُوسْرِي دُشْمن كي نام اُس بُتخاني مين ركْهه دي اَور دروازه اُسكا بند كري دُوسْري دِن عاجزِي سي احْوال كِي تجسُّس كري جِسْكي نام كِي هانڈِي زعْفران اَور پهُولون سي بهرِي نِكلي اُسكا احْوال نِهايت رَونق پكڑي اَور جِس كي نام كِي خس و خاشاک سي بهرِي نِكلي اُسكا احْوال تباه هو جائي عجب تريه

هَي کِه جو کوئِي پہچانا چاهي کِه خُصُومت مين حق کِسکِي طرف هَي اَور ناحق پر کَون هَي تو دونو کو دو مُرغ يا دو بکري ديکر اُس معبد مين بهيجي اَور اُنکو زهر کهِلاکر پهِر هر ايک شخص اپنا هاتهه پهيري جو شخص کِه حق پر هوگا اُسکا جانوَر جِيتا رَهيگا اَور دُوسري کا مر جائيگا * ديو سر ايک حَوض هَي بِيس گز کي طُول و عرض و عُمق مين پانِي اُسکي اندر هِي اندر کهَولا کرتا هَي جو کوئِي اپنِي سال کا احوال نيک يا بد دريافت کِيا چاهي ايک هانڈي سِفالِي کِي چانوَلون سي بهرکر نام اپنا اُسکي کِناري پر لِکهه کر مُنهه بند کري اَور اُس مين ڈال دي کِتنِي دير کي بعد وه خُود بخُود پانِي اُوپر تِر آوِيگي اُسکو کهول کر ديکهي اگر چانوَل اُس مين سي گرم اَور خُوش بو نِکلين وه برس اُسکو خَير و خُوبِي سي گُذري اَور جو اُس سي کُوڑا کُرکُٹ نِکلي تو وه شخص خراب احوال رَهي * گونهار مين ايک چشمه هَي گياره سال سُوکها پڑا رَهتا هي جب مُشترِي برجِ اسد مين آتِي هَي پنجشنبه کي دِن پانِي اُس مين جوش مارني لگتا هَي پهِر سات روز تلک خُشک رَهتا هي جب پهِر روزِ مذکُور آتا هَي پُر آب هو جاتا هَي سال بهر يِہِي طَور چلا جاتا هَي * سلهاني § مين ايک مقام هَي کِه وَهان بَہُت سي درخت هَين عُقاب اُن پر

§ Or بهلاني.

بیٹھی رہتی ہی کلگی کی واسطی پر ونہین سی لیتی ہین " اور خورش بھی اُسکو دیتی ہین " * تاکامو § مین ایک چشمه چالیس بیگھی کی عرصی مین ہی نیله ناگ نام پانی اُسکا نہایت صاف نیلگون وہ بھی ایک تیرتھ ہی گرد اُسکی اکثر ہنود جاکر اپنی تئین جلاتی ہین " اور جسم کو راکھ بناتی ہین " سوای اِسکی شگن بھی اُس سی لیتی ہین اِس طرح کہ جوز کی چار حصی کرکی اُس مین ڈالتی ہین اگر طاق اُسکی پانی پر ترتا رہی تو نیک نہین تو بد اگلی زمانی مین ایک کتاب ونہین سی نکلی ہی نام اُسکا تیل منہ † کشمیر کی حالات اور خواص پرستشگاہون کی اُس مین تفصیل وار لکھی ہین کہتی ہین کہ پانی کی تلی وہان ایک شہر ہی نہایت آباد و معمور مدو شاه کی سلطنت مین ایک برھمن اُس مین گرکی غایب ہو جاتا اور بعد دو تین دن کی پھر نکلتا بہت سی تحایف لاتا خبرین بھی اکثر دیتا * لار کی اُتر طرف ایک پہاڑ ہی نہایت بلند دامنی مین اُسکی دو چشمی ہین ایک گرم حد سی زیاده اور دوسرا سرد اُسی مرتبی لیکن تفاوت اُن مین دو گز کا اُنکو بھی تیرتھ جانتی ہین چنانچہ اُستخوان اپنی جسم کی وہان بھی ایسی جلاتی ہین کہ راکھ ہو جاتی ہین اور ونہین پہاڑ مین

§ Or یاکامو. † Or بیل منہ.

ایک اَور بڑا تالاب هَي هڈِیان راکھ مرْدون کِي اُس مین بهِي ڈالْتي هَین اَور وسِیله تقرُّب کا جانْتي هَین احْیاناً اگر اُس مین کِسِي جانور کا گوشْت پڑ جاوي تو برْف شِدّت سي پڑي اَور مینْه بَہُت برْسي * ناردا مین ایک چشْمه هَي اگر کوڑهي اِتْوار کي دِن صُبْح کي وقْت اُسْکي پانِي سي اپْنا بدن دهونْوین اچّهي هوجاۓین * کوشر نام ایک بُتْخانه هَي ٹهاکُر وَهان کا مہادیو جو کوٕي وَهان پُوجا کو جاوي تمام باجون کِي آواز سُني اَور کوٕي نجاني که یِه آواز کہان سي آتِي هَي * چهوٹِي تِبّت مین ایک بڑا تالاب هَي اٹهاۓِس کوس کِي گِرْد مین درْیاي بهت جب اُس مین آتا هي ایک لحظه ناپدِید هو جاتا هَي * کو گانو مین ایک دره هَي پرسوتم نام وَهان دس جریب کِي مِقْدار ایک زمِین هَي جب مُشْترِي اسد مین آتِي هَي مہینا بهر وُه اَیسِي گرْم رَهتِي هَي کِه درخْت وَهان هووي تو جل جاۓ اَور دیگ بهرِي هُوٕي جو اُس پر رکْھ دیوین کهانا پک آۓ قرِیب اُس سي * کامْراج ایک آباد قصْبه هَي دره اُسْکا ایک طرف کاشْغر سي مِلا هُوا غرْب رُو اُسْکي پکلِي وَهان پانِي کِي گُذرگاهون مین درخْت کي بکّل ڈال کر اُن کي سرون پر پتّهر رکْھ دیتي هَین اِس واسْطي کِه بہ نجاۓین بعْد دو تِین دِن کي اُٹّهاکر دهُوپ مین دهرْتي هَین اَور خُشْک هُوٕي پر جب جهاڑْتي هَین دو تِین تولي

سونا جھڑ پڑتا هَي * کلکت § نام ایک اَور درہ هَي وُہ بھِي کاشغر سي مُتصِل
وهانکي پہاڑون سي دو دِن کِي راہ وِلایَت داردو هَي مد مِنِي نام ایک دریاو
ونہین سي اُدھر آیا هَي اگر نیاري ریگ شوئي وَهان بیٹھ کر کرین اپنِي
مُتھیان سونِي سي بھرین کِناري پر اُسکي ایک سنگین بُتخانہ هَي نام اُسکا *
ساردا دُرگا سي منسوب هُنود کا وُہ بھِي بڑا معبد هَي اَور وَهانکي پرستِش
کا ثَوَاب اُنکي نزدِیک بیحد سرکارِ پکلِي بھِي اِس صُوبي مین داخِل هَي
لنبان اُسکا پینتِیس کوس کا اَور چوڑان پچِیس کوس تُوران کِي طرح وَهان
بھِي برف پڑتِي هَي جاڑا بیشتر رهتا هَي لیکِن برسات هِندُوستان کِي مانند
اَور کھیتیون کِي شادابِي کا سبب تِین دریا کِشن گنگ بھت سِندہ زبان
مُلکِ مذکُور کِي کشمِیر سي مِلتِي هُوئي هِندُوستان و زابُلستان سي باهر غلّي
کي اقسام مین چنا اَور جو بہُت میوون مین زرد آلُو شفتالُو اخروٹ لیکِن
خُود رو پر میوہ توڑنِي کِي رسم کم اسپ و شُتر و گاوُ میش وجانَور شِکارِي
نہ تھوڑِي نہ بہُت بکرِي اَور خرگوش کِي کثرت اَلقِصہ کشمِیر ایک مُلکِ
دِلکُشا اَور بغ پُر فضا هر موسِم مین وَهان بھار رهتِي هَي " اَور هَوَا باغِ رِضوان
کَیسِي بہتِي هَي " پانِي وَهان کا خُوشگوَار هر گُلزار مین جارِي انهار و آبشار

§ In a Persian manuscript written کنکشت.

گُل رنْگ برنْگ کي هزارْها " خُصُوصًا گُلاب و بنفْشه و نرْگسِ خُود رو صحْرا صحْرا " غرض اُس مُلْک کِي طُرْفه بهار و عجايِب خزان هَي فِي آلْحقِيقت وُه سرزمِين باغِ بوسْتان و لايِقِ دوسْتان هَي سِواي شاه آلُو و شهْتُوت ميْوي بَهُت هوتي هَين خرْبُوزه ترْبُوز سيب شفْتالُو زرْد آلُو نِهايَت لذِيذ و لطِيف انْگُور اگرْچِه کثْرت سي هوتا هَي ليکِن اکْثر بي مزه و کثِيف با وُجُود کِه شهْتُوت کي درخْتون کِي بَهُتايَت هَي پر ثمر اُنْکا کم کهاتي هَين " مگر اُنْکي پتّي ريشم کي کِيڑون کو کهِلاتي هَين " خُورِش وَهانْکي باشِنْدون کِي مچهْلي خُشْکه بلْکِه باسِي بيشْتر اَور ساگ پات اقْسام کي چُنانْچِه اُسْکو سُکْها بهِي رکْهتي هَين هرچنْد کِه دهان کِي بَهُتايَت هَي پر اچّها کم هوتا هَي گيهُون بهِي نِپت چهوتا سِياه تِس پر قلِيل اَور مُونْگ وَهانْکي باشِنْدي کم کهاتي هَين چنا اَور جَو تو نظر هِي نهِين آتي زمِين وَهانْکِي سيلابِي اَور مرْطُوب جوتْني کي لِيئي نِهايَت خُوب با وُجُود خِلْقت کِي بَهُتايَت کي اَور وجْهِ معِيشت کِي قِلّت کي چورِي اَور گدائِي وَهان نهِين ساکِن وَهانْکي بيشْتر کثِيف آلْاَوقات چُنانْچِه ايک جامهٔ شالِي هميشه پهنْي رهْتي هَين لِکن قابِل دِينْدارِي و دُنْيادارِي مين کامِل يِهه غلط هَي کِه سب کي سب نيک ظاهِر و بد باطِن هوتي هَين مگر اچهي کم اَور بُرِي بَهُت پر اُونْٹ اَور هاتهِي وَهان

نہیں ہوتا ہاں ٹانگن کثرت سي اور نہایت زور آور چالاک رہوار گریوہ گذار لیگن گائین سیاہ رنگ پر دودہ انکا نپٹ گاڑھا چکنا اور ایک قسم کي بھیڑ وہاں ہوتي ہي لوگ اُس شہر کي اُسکو ہنڈو کہتي ہین گوشت اُسکا نہایت لذیذ و خوش ذایقہ " اور داد و ستد نقد کي بہت کم راہین آمد شد کي ہندوستان مین اور اُس مین چھبیس لیکن بھنبر و پکلي ہوکر جانا بہتر ہاں اِتنا تفاوت ہي کہ پہلي نزدیک تر اور کي شعبي رکھتي ہي مگر آمد و رفت لشکر کي پرپنجال کي طرف سي احیانًا اگر وہانکي پہاڑ پر کوئي بیل گھوڑا ذبح کري وونہین آندھي اور بدلي بکثرت نمود ہو پھر برف بہت سي پڑي یا مینہہ برسي طول اِس صوبي کا قیر سي لیکر کشن گنگ تلک ایک سو بیس کوس اور عرض اسّي کوس لیکن آیین اکبري مین پچیس کوس لکھا ہي شرقي اُسکي پیرستان و جناب شرقي وجنوبي پانہال اور جمّو کا پہاڑ شرقي و شمالي تبت کلان غربي پکلي و دریاي کشن گنگ غربي وجنوبي ولایت کہکر غربي و شمالي تبت خورد جو گرد پہاڑ متعلق اُسکي چھیالیس محال آبادي بارہ کروڑ باسٹھ لاکھ پچاسي ہزار دام علاوہ اِسکي دو ہزار چار سو کلگي کي پرہبي اِس صوبي کي مداخل مین ہین

ایک سردابي کي بیچ تابوت مین ایک شخص مانند خفتگان آرام سي سوتا تها کهتي هین که چار سو برس سي کچهه اوپر هوئي که چنگیز خان کي عهد مین یهه بزرگ شهید هوا تها اب تلک اعضا اسکي جون کي تون هین اور مقام اسکا زیارت گاه راقم نی سواي اسکي ایک عجیب و غریب نقل آغا محمد تاجر اصفهاني سي اس تومان کي سني هي اتفاقاً وه بزرگ سن باره سي بیس مین کلکتي کي بیچ وارد هوا تها احیاناً حقیر سي اور اس سي ایک دن ملاقات هو گئي بعضي بلاد کا بهي مذکور درمیان آیا جب کابل کا ذکر نکلا تاجر موصوف کهنی لگا که سابق اس سي هم کئي شخص شهر مذکور کي طرف جاتي تهي ناگاه تومان ضحاک کي سمت جا نکلي جب قلعي کي متصل پهنچي اندر گئي جا بجا سي مکانات اسکي ٹوٹي پائي بلکه کتنین دیوارین بهي لیکن ایک پتهر کا اندارا نهایت کلان پر خشک بي آب جون کا تون اس پر دیکها جا کهڑي رهي اتني مین نگاه هر ایک کي جو اپني اپني کهڑون پر بڑي انکو زمرد سي بهي زیاده سبز دیکها حال آنکه سفید تهي جب قلعي سي باهر نکلي پهر جیسي کي تیسي هو گئي اگر یهه آثار طلسم سي هین تو کچهه بعید نهین الغیب عند الله * تومان غزنین ایک قریه هي زابل بهي اسي کهتي هین اگلي زماني مین سلاطین خراسان کي تخت گاه تها خصوصاً سلطان ناصر

الدین سبکتگین و سلطان محمود غزنوي و سلطان شهاب الدین غوري کي اور حکیم ثنائي بهي وُنهین مدفون هَي بلکه اکثر اولیا اُسي طبقي مین آسوده هین جاڑي کي شدت اور برف کي کثرت کي سبب اُنکو برابر تبریز و سمرقند کي جانتي هَین اژدهات بهي اُنکي اطراف مین بهت پیدا هوتا هَي چنانچه هندوستان مین بهي وُنهین سي جاتا هَي نزدیک اُنکي ایک چشمه هَي اگر بول اُس مین پڑي تو ابر و برف کي آثار نمود هووین غرض یهه مقام قندهار کي حد سي قرب رکهتا هَي اُسیکو دروازه ایران کا کهتي هَین * لوهگڈه افغان نشین هَي نزدیک اُنکي باده خواب شجینه ایک چشمه هَي که گنگا اُنکو کهتي هَین لیکن کتب هندي مین نام اُسکا لوهار گل لکها هَي هندو اُنکو بڑا تیرتهه جانتي هَین روز معین وهان بهي بڑي بهیڑ بهاڑ هوتي هَي پاني اُسکا بهي گنگا کي مانند اگر مدتون باسنون مین رکهیي بد بو نهین هوتا * تومان مندراور دغلي § شنگ ایک قریه هَي وهانکي زمیندارون کو کافر کهتي هَین اُس جگهه قبر حضرت نوح علیه السلام کي باپ کي هَي نام اُس بزرگ کا لام اور بعضي لمک بهي لکهه گیي هَین از بس که وهانکي باشندي گاف کو غین سي بدلا کرتي هَین اِس لیي اُس نواحي کو لمغان کهتي هَین * تومان بخراد ایک مقام

§ In the آرایش محفل written علي.

صُوبہٗ کابُل قدِیم شہر ہَي نِہایَت خُوب و خُوش آب و ہَوا پشنگ بِن تُور بِن فرِیدُون ني اُسي آباد کِیا اَور اُسکو آباد ہُوئي عالمگیر کي سنِ چہلُمِ جُلُوسي تکٗ دو ہزار اَور ایکٗ سَو برس کُچھ اُوپر گُذري قلعہ اُسکا نِپٹ اُستوار پایدار اَور اَندر کا قلعہ ایکٗ چھوٹي سي پہاڑ پر" اُس پر مُشرِف ایکٗ اَور پہاڑ نام اُسکا حِصارِ عُقابَین اَور بعضي کوہِ صفا بھِي اُسکو کہتي ہَین لیکِن بلندہٗ مذکُور کي بعضي سَیّاحون کِي زبانِي یُون سُنا ہَي کِہ وُہ پہاڑ قلعہٗ اَوّل کِي عِمارات پر مُشرِف ہَي غرض دامني مین اُسکي باغ و گُلزار اکثر خُصُوصًا باغِ شہلالہ کِہ بابر بادشاہ ني نو سَي پچِیس ہِجري مین بنایا تھا پھِر قرِیب اُسکي جہانگِیر ني باغِ جہان آرا سن ایکٗ ہزار سولہ ہِجرِي مین بُنیاد کِیا اَور لبِ دریا گُذرگاہ مین مقبرہ بابر کا اَور ہندال مِرزا اُسکي خلف کا سِواي اِسکي مُحمّد حکِیم مِرزا اِبنِ ہُمایُون کا بھِي تعمِیر ہُوا ہَي اَور اُس شہر کِي نواح مین دو دریا ہَین ایکٗ جلندرہ§ سي آکر باغِ شہر آرا اَور جہان آرا و شہر کي گلِي کُوچون سي گُذرتا ہَي نام اُسکا جوي خُطبان اَور دُوسرا غزنِین و لوہگڈہ سي آکر دِہِ یعقُوب کي پاس ہوتا ہُوا لاہورِي دروازي کي آگي جا نِکلا نام اُسکا جوي پُلِ مستان پانِي اُسکا شفّاف و خُوش ذایِقہ بلکِہ بعضِي بیماریون کي واسطي شربتِ شِفا *

§ In Persian it seems written السندر.

تومانِ دامنه کوه خُورْد کابُل بهي اُنْکو کہْتي هَين پهُول پهل اُس مين رنْگ برنْگ کي خُوش بو و خُوش رنْگ و خُوش مزه کثْرت سي هَين خُصُوصًا لغمان§ و کاهدره و فرزه و اُسترغچ و استالف و غَيره قابِلِ دِيد و لائِقِ سَير چُنانْچِه سلاطِين اکْثر اَوقات وَهان سَير کِيا کرْتي تهي اَور دير دير رَها کرْتي تهي بلْخ کِي طرف * تومانِ غورْبنْد ايک قريه هَي وَهان کي لاله کِي رنْگت کو لعْل نہِين پہُنْچْتا اَور رِياحِين کِي بو باس کو عِطْر نہِين لگْتا غرض لاله وَهان تَينْتِيس قِسْم کا هوتا هَي چُنانْچِه ايک قِسْم تو گُلاب کِي باس رکْهْتا هَي بِنابر اِسْکي لالهٔ بُويا اُنْکو کہْتي هَين اَور کانِ لاجوَرْد و نُقْره بهِي وَهان سي قرِيب هَي سِواي اِسْکي ايک ريگ زار هَي نام اُسْکا خواجهٔ ريگ رَوان گرْمِيون مين وَهان سي ڈهول اَور نقاري کِي آواز آتِي هَي اَور لِم اُسْکِي جانِي نہِين جاتِي يہِي مقام لشْکرِ تُوران کي رُو برُو اَور حُدُودِ بلْخ کي سامْهْني گويا ايک دِيوارِ مُسْتحْکم هَي * تومانِ ضُحاک و تومانِ بامِيان يعْنِي يي دونون مقام قُدما کي آثار و نِشان سي هَين اَور اِس نوَاح کي پهاڑون مين کهودْکر باره هزار سرْدابي بناکر گچ و نقاشِي اُن پر کِي هَي سابِق اِس سي جاڑون مين وَهان کي لوگ اپْنا مال و اسْباب اُن مين رکْه کر دِلْجمْعِي سي اَوقات بسر کرْتِي تهي لُطْف يہ هَي کِہ

§ In the آرايِشِ محْفِل it seems written پمغان.

هي چلغوزه وهان کا مشهور لطف يهه هي که اُسکو وهان بجاي چراغ جلاتي
هين چنانچه روشني اُسکي نهايت نوراني هوتي هي اور اُسکي اطراف مين
ايک جانور هي اُسکو روباهِ پران کهتي هين ليکن اپني مسکن سي ايک دو
اڑان سي زياده نهين اڑتا اور ايک چوها بهي وهان مشکبو هوتا هي * تومانِ
نيک نهار ايک مقام هي داروغه نشين اگلي زماني مين آدينه پور مشهور
تها اکبر کي وقت مين جلال آباد کهلايا آبادي اُسکي درياي نيلاب کي کناري
ميوي اُس مين اکثر هوتي هين ليکن انار وهانکا لا ثاني هي اور دو کوس وهان
سي باغِ صفا که چار باغ کر مشهور هي اور اُسي نواح مين باغ وفا بهي ايک
يادگارِ بابر بادشاه نهايت پر فضا و دلکشا هي بيدانه انار وهانکا بي نظير هي
غرض اُس مقام مين برف نهين پڑتي اور ٹهنڈ بهي چندان نهين هوتي وهان
سي کافر دره بهي قريب هي از بس که وهان کافر رهتي هين اِس لِئي يهي
نام اُسکا ٹهہر گيا * تومانِ بخور جانبِ کاشغر قلعه وهانکا حاکم نشين قديم سي
هي اور هوا گرمي مين زياده گرم اور سردي مين بيشتر سرد ليکن تمام نواح
مين کيا جنگل کيا پهاڑ افغان هي بستي هين مگر قلعي کي اطراف مين
سکونت مغلون کي هي ليکن وي اپني تئين عرب جانتي هين اِس طرح سي
که سلطان سکندر رومي جب اُدهر سي گذرا تو کتني اپني خويش و اقربا وهان

چھوڑ گیا تھا چُنانچِه عالمگیر کي عہدِ سلطنت تک اُنکي اَولاد وَھان رَھتي تھي اَور افغانون پر بھِي اُسکا غلبه تھا اب خُدا جاني هَي کِه نہين غرض یِہ مقام پچیس کوس طُول مين اَور دس کوس عرض مين هَي * تومانِ سَوَاد یِہ بھِي کاشغر کِي طرف هَي بَہُت سي دري اِس سي علاقه رکھتي هَين جاڑا گرمِي وَھان بَہُت نہين لیکِن برف بَہُت پڑتي هَي پر صحرا مين دو تِین دِن سي زِیاده نہین رَھتي مگر پہاڑون پر سال کي سال جاڑا " بہار کا مَوسِم برسات کِي رُت هِندُوستان کِي سِي " پھُول تُوران و هِند کي وَھان اکثر " بنفشه و نرگسِ خُود رو صحرا صحرا " میوه خُود رُسته بھِي علیٰ هذا آلقِیاس لیکِن شفتالُو و ناشپاتِي وَھانکِي مشہُور بلکِه باز و جُرّه شاهین بھِي وَھان اچھي سي اچھا بہم پہُنچتا هَي اَور کانِ آهن بھِي اُسکِي اطراف مین هَي * قصبهٔ منگلور حاکِم نِشین هَي ساتھ اِسکي اُس تومان کا طُول چالِیس کوس کا اَور عرض پندره کوس لیکِن فقط یُوسُف زَیي اُس مین رَھتي هَین * تومانِ بگرام مشہُور به پیشاور هِندُوستان کِي سمت هَي انگُور شفتالُو خربُوزه وَھان کا تُوران کا سا اَور گرمِي جاڑا بسنت رُت برسات هِندُوستان کِي سِي چانوَل وَھان کا مشہُور هَي فِي آلواقِع هِندُوستان مین اَیسا کہِین نہین هوتا خُصُوصًا سُکھداس بلکِه اقسام کي غلّي کِي بہُتایَت اَور زِراعت کِي کثرت وَھان رَھتي هَي

غرض یہہ تومان سب کا سب مسکن افغانون کا ہَي خصوصًا مہمند و غیرہ لیکن مال گذار ہین بغي نہین * پیشاور قدیم شہر ہَي کتب قدیم مین اُسکو پرشاور اَور فرشاور بہي لکہا ہَي نزدیک اُسکي * گورکہتري ایک پرستشگاہ جوگیون کي مشہور تہي شاہجہان کي وقت مین مسمار ہوئي لیکن پانچ تیرتہہ اَور نپٹ دلکشا وہان عالمگیر کي عہد تلک تہي بیشتر جوگي سناسي بیراگي سواي اُنکي اَور بہي اتیت وہان ایک تالاب کي گرد حویلیان بیٹہکي بنا بنا رہتي تہي * تومان بنگشات ملتان کي سمت واقع ہَي آبادي اُسکي وسعت کي ساتہہ لیکن پٹہانون کي قومین اُس دیار مین اکثر ہین زراعت بہي کثرت سي ہوتي ہَي خصوصًا دہان اِس قدر کہ اَور اطراف مین بہي جاتا ہي سواي اِسکي کانِ نمک و آہن بہي اُسکي نواح مین ہَي القصہ جاڑا اِس صوبي مین بہت پڑتا ہي لیکن بي گزند اَور گرمي اَیسي کم کہ بدون اوڑہي سو نسکي برف توران کي مانند افراط سي پڑتي ہَي لیکن میدانون مین چار مہیني اَور پہاڑون مین ہمیشہ رہتي ہَي غرض موسم بہار نہایت طراوت و شادابي کي ساتہہ پہول رنگ برنگ کي بي شمار میوي گوناگون خوشگوار اگرچہ انگور کي بہت اقسام ہَین پر صاحبي و حسیني و قندہاري اَور ہي لطف و مزہ رکہتا ہَي اَور زردالو کي اقسام مین محمودي

و قَيسِي و مِرزائي خربُوزون مين كوكْ نبات § و ماهْتابِي و ناشْپاتِي و عُشرِي † و دُودِ چراغ نِهايَت لذِيذ و خُوش ذائِقه اَور غلّي كِي اقْسام مين جَو گيهُون زِيادَه ليكِن جو زِراعت كِه ندِي نالون سي مُتعلِّق هَي اُسْكا تِيسْرا حِصّه سرْكار مين داخِل كرْتي هَين اَور كارِيزي سي دسْوان انْگُور و بادام سي بهِي كُچْهه نقْد بطرِيقِ تُحْفه ليكِن سرْدرخْتِي كا حاصِل مُعاف اَور كُسُم كي پهُولون كي حاصِل سي قدْري قلِيل بهِي نهِين ديتي مگر اُسْكي بِيجون سي تِيسْرا حِصّه باشِنْدي اُس مُلْك كي سمرْقنْد و بُخارا كي ساكِنون كِي مانِنْد پرْگني كو پنْجاب اَور قرْبي كو تومان كهْتي هَين با وُجُود اِسْكي ساكِن اِس صُوبي كي گياره زبان جانْتي هَين هِنْدِي و فارْسِي و مُغلِي و تُرْكِي و افْغانِي و لمْغانِي و عربِي و غَيره اَور مُغلِ خاصّ نَوَاحِ كابُل مين رهْتي هَين ليكِن حاكِم كي آگي دسْت بسْته حاضِر اَور مال گُذارِي مين بي عُذْر طُرْفه تر يِهه هَي كِه عَورتين اِنْكي مرْدون پر غالِب چُنانْچِه نِكاح كي وقْت مِنْجُمْله مهْر ايك امْرِ مُحال لِكْهوا ليتِي هَين كِه مرْد اُسْكي عُهْدي سي كبْهُو نه نِكْلي يِهه شيْوه صاحِب عِصْمت بي بِيون اَور پرْده نِشِينون كا هرگِز نهِين سِوَاي اِسْكي اپْني طَور پر باغونْكِي سَير كو اَور حمّام مين نهاني كي لِئِي جاتِيان هَين خاوِنْد كو اصْلاً و مُطْلقًا خاطِر مين نهِين

§ Or .كوكر نبات † Or .علي شيري

لشکرونکي اور کاروانونکي اِسي راه سي هي خصوصاً دهکي سي تا بمله بتيس
کوس تلک نهايت هموار اور بملي سي تا کابل چاليس کوس بهي چندان
دشوار نهين هرچند تيلي رستي مين پڙتي هين پر مسافر بهت تصديع نهين
کهينچتا قصه مختصر کابل کي چار طرف گهاٿيان هين بنابر اسکي فوج غنيم
کي ايکا ايکي آ نهين سکتي اور دفعتاً ملک مذکور کو قبضي مين لا نهين
سکتي اگرچه يهه صوبه چندان حاصل نهين رکهتا ليکن عقلمندون کي نزديک
دروازه هند کا هي اِسي سبب سرکار والا سي وهان کي سپاه کي ليي مبلغ
خطير پهنچتي تهي که هر ايک سپاهي و سردار گذران اپني بخوبي کري اور
کسي وجه سي تصديع نکهينچي کيونکه بسبب اسکي ايران توران کي فوجين
مملکت مذکور پر آ نسکتي تهين سنا هي که اگلي زماني ميي کابل جو ايک
بادشاه کي قبضي مين آگيي تهي تو پنجاب بهت آباد هوئي تهي اور
هندوستان مامون طول اس صوبي کا اٹک بنارس سي هندو کوه تلک ڈيڑه
سو کوس عرض قراباغ قندهار سي تا چغان سرا سو کوس شرق رو اسکي درياي
سنده مغرب رخ غور شمالي اندراب و بدخشان و هندو کوه جنوبي قرمل و
نغز§ اور گرداگرد پهاڑ زمين مسطح و هموار بهت کم ليکن کهيتيان سب جاگهه

§ In the آرايش محفل written نقير.

سرکارین آٹھ اور چھتیس تومان آمدني بارہ کڑوڑ پینسٹھ لاکھ اور آٹھ هزار دام بالفعل ہین ایک مدت سي کابل و کشمیر مین شاہ درّاني کا عمل هي اور لاهور مین سکھون کا چنانچه بالفعل که سن بارہ سي بائیس هجري هین صوبهٔ مذکور کا حاکم رنجیت سنگھ هي اور سن بارہ سي اٹھارہ هجري سي صوبهٔ اکبر آباد و شاهجهان آباد مین بموجب مرضئ ظلّ الله شاہ عالم بادشاہ صاحبانِ عالیشان ني عمل کر لیا سابق اِس سي مهاراجا دولت راو سیندھیا بهادر کا تها چنانچه جرنیل لیک بهادر دام اقبالهٗ ني اُسکي سردارانِ فوج کي لڑائیان مارین بلکه قلعي بهي اُن سي چهین لیئي اور اسي سن سي صوبهٔ اڑیسه بهي موالیانِ کمپني بهادر دام ظلّهم کي قبضي مین آیا آگي اسکي رگھو جي بهونسلي کا اُس مین عمل تها وهانکا بند و بست کرنیل هاکت بهادر ني کیا قصه مختصر ولایت هندوستان ایک مدت سي طوائف الملوک هي جس شخص کي جو ملک هاتھ لگا اُس پر اُسني قبضه کر لیا بادشاہ کا کسي ني پاس نکیا هان ایک صاحبانِ عالیشان ني اطاعت و خدمت ترک نهین کي چنانچه اب بهي که سن بارہ سي بائیس هجري هین اور اکبر شاہ ابن شاہ عالم بادشاہ هي في الجمله اُسکي بندگي بجا لاتي هین اور اطاعت سي هاتھ نهین اُٹھاتي

لاتیان صاحب خلاصۃ التواریخ لکھتا ہی کہ مین نی بعضی رنڈیون کو دیکھا ہی کہ ایک خصم کو چھوڑا اور ونہین دوسرا کر لیا غرض اپنی مدت عمر مین پندرہ بیس خصم تک کر لینا ان سی دور نہین قصہ کوتاہ اس صوبی مین کثرت ہزارہ اور افغان کی بہت ہی لیکن ہزارہ مغل اپنی تئین اولاد چغتائی خان بن جنگیز خان کی جانتی ہین اور غزنین سی تا قندہار تومان میدان سی تا حدود بلخ محال دشوار گذار و جبال پیچ دار مین رہتی ہین اکثر مکان انکی بادشاہون کی عمل سی خارج اور حاکمون کی احاطۂ حکومت سی باہر اور افغان اپنی تئین بنی اسرائیل کی اولاد کہتی ہین انکی جد بزرگ کا نام افغان تھا اسکی تین بیٹی ایک کا نام ترین دوسری کا غرغشت تیسری کا بمین ان تین کی اولاد بکثرت ہوئی اور ہر ایک اپنی جد و آبا کی نام سی مشہور ہوا الوس ترینی برنخ میانہ خرسین اوژمژکاسی جمند شیرانی خویشگی داود زئی یوسف زئی خلیل مہمند اپنی نسب کا سلسلہ ترین کو پہنچاتی ہین اور سورانی جیلم ادرک زئی آفریدی ختکی کرانی کاکری عبد الرحمانی غرمانی تارن غرغشت کو اور شیرزاد خضر خیل خلزی لودی لوہانی سوری شروانی کہکوری بمین کو اور قومین انہین کی اولاد ہین الغرض یی سب قومین دریای سندہ سی کابل تلک سو کوس کی عرصی مین اور قندہار

و مُلتان کِی حدون سي تا سَواد کہ حُدُودِ کافِرستان و کاشغر سي مِلا ہَوا ہَي
تِین سَي کوس تلک بستِي ہَین اَور اشخاص اِنکي کوہسارِ دُشوار گُذار کي
اَڑنلي سي بادشاہِي اُمرا کي آگي سِر نہِین جھکاتي بلکہ کُچھ رُپَي صُوبي دار
سي بطریقِ اِنعام اَور مُسافِرون سي گھوڑي اُونٹ پِیچھي بطَور راہداري کي
لیتي ہَین با وُجُود اِسکي کبہِي کبہِي مال و اسباب کاروان و غَیرہ کا لُوٹ
بھِي لاتي ہَین اَور اَیسي وَیسي مُسافِرون کو پکڑکر غُلام بناتي ہَین بلکہ بعضي
اَوقات بیچ بھِي ڈالتي ہَین غرض اَور اقوام مین چور کمتر ہوتي ہَین اَور
افغان سب کي سب چور اَور مُنھ مرد لُطف یہہ ہَي کہ تمام شہر کابُل
اُنہِین سي مُتعلِق ہَي اَور پیشاوَر سي تِین راہین کابُل کو جاتِي ہَین ایک
راہ بنگشات کِي پر دُور دراز سِواي اِسکي رستي بھِي اَوبھت لشکر اُدھر سي
بہُت رنج کھینچکر منزِلِ مقصود کو پہُنچتا ہَي دُوسري کھرپي کِي مگر جلال
آباد پہُنچکر شاہ راہ مِلتِي ہَي یہہ بھِي درون کِي تنگِي نشیب و فراز کِي
صُعُوبت پانِي کِي قِلت افغانون کِي لُتس سي خالِي نہِین تِیسرِي راہ علِي
مسجِد و خیبر کِي چشمہٗ جمرود سي دھکي تلک نِیلاب کي کِناري دري سي
تیرہ کوس لیکن درہٗ خَیبر سي دو کوس تک بسبب نشیب و فراز کي
بدُشوار طَي ہوتِي ہَي پر بہ نِسبت اَور راہونکي سہل چُنانچہ آمد و شد

یہہ مثنوي اِنْتخاب کِي گَئِي هَي کِتابِ سِحرُالْبیان مین سي

تعْریف سُخَن کِي

پِلا مُجْهه کو ساقِي شرابِ سُخَن " کِه مفْتُوح هو جِس سي بابِ سُخَن "
سُخَن کِي مُجْهي فِکْر دِن رات هَي " سُخَن هِي تو هَي اَور کیا بات هَي "
سُخَن کي طلبْگار هَین عقْلمند " سُخَن سي هَي نامِ نِکویان بُلند "
سُخَن کِي کرین قدْر مرْدانِ کار " سُخَن نام اُن کا رکْهي بر قرار "
سُخَن سي وُهي شخْص رکْهتي هَین کام " جِنْهین چاهِئِي ساتْه نیکِي کي نام "
سُخَن سي سلف کِي بهلائِي رهِي " زبانِ قلم سي بڑائِي رهِي "
کهان رُسْتم و گیو و افْراسیاب " سُخَن سي رهِي یاد یِہہ نقْلِ خواب "
سُخَن کا صِله یار دیتي رهي " جَواهِر سدا مول لیتي رهي "
سُخَن کا سدا گرْم بازار هَي " سُخَن سنْج اُس کا خرِیدار هَي "
رهي جب تلک داستانِ سُخَن " اِلٰهي رهي قدْردانِ سُخَن "

یِہہ مثنوي مُسمّيٰ به تنْبیهُ الْجُهّال اِنْتخاب کِي گَئِي هَي کُلّیاتِ مِیر تقِي مین سي

صُحبتین جب تھین تو یہہ فنِ شریف " کسب کرتي جِنکي طبعین تھین لطِیف "

تھي مُمیز درمِیان اِنصاف تھا " خار و خس سي کیا یہہ عرصہ صاف تھا "

دخل اِس فن مین نتھا اجلاف کو " کُچھ بتاتي تھي بھي سو اشراف کو "

تھي جو اُس اَیام مین اُستادِ فن " نا کسون سي وي نکرتي تھي سُخن "

پھِر حصُول اُسسي نه دُنیا هَي نه دِین " کوئي حاجت اُسسي وابسته نہین "

گر چمار اِس کار خاني مین نه هو " ٹوٹي جوتي کو کہان لیکر پھِرو "

چار و نا چار اُس کني جانا پڑي " کوڑیان دي جوتي گٹھوانا پڑي "

حاجت اِس فِرقي سي یان مُطلق نہین " جو نہو شاعِر تو کُچھ نُقصان نہین "

یہہ تو دُنیا مین هَي اِس فن کا کمال " دِین کا اِس فِرقي کي پُوچھو نه حال "

کِذب هو جِس جاي رَونق بخش شمع " ڈھانکي دِینداري رکھو اَور دِل کو جمع "

جھُوٹ آوي اِسقدر جب درمِیان " کو یقِین اِیمان کَیسا دِین کہان "

هم تلک تھي بھِي وُهي رسمِ قدیم " یعني جِنکي هوتي تھي ذِهنِ سلِیم "

پیار کرتي تھي اُنھین اُستادِ فن " اُنکي هوتي رہبرِ راهِ سُخن "

جلف وان زنہار پاتي تھي نه بار " شاعِري کاهیکو تھِي اُنکا شِعار "

نُکته پردازي سي اجلافون کو کیا " شِعر سي بزازون ندافون کو کیا "

الغرض یارون ني دِین قیدین اُٹھا " جو کوئي آیا اُسي دِي پاس جا "

ٹک نہ اِستعداد سی کِی گفتگو " کچھ نرکھی شاعِری کِی آبرو "

چار سکھیاں کہہ کی دِین ناکس کی ہاتھ " پھر اُسی مجلِس مین لائی اپنی ساتھ "

آپ بیٹھی صدر مین وہ دستِ چپ " کرنی لاگی شاعِری سی حرف وگپ "

بولی اُنکو آج کل سی ہَی خیال " ذِہن اُنکا تیزِی رکھتا ہَی کمال "

ہو رہینگی کچھ اگر صُحبت رہِی " اَور ہمسی بھِی اُنھین اُلفت رہِی "

جب ہُوا ثابِت وہ اُنکا مستفِید " سب نی جانا اُسکو شاگِردِ رشید "

کِی اِشارت تا کِہ وہ کھولی دَہن " آگی اُستادون کی ہو گرمِ سخن "

اُنکی اِیما سی وہ کچھ پڑھنی لگا " صاحِبانِ فن کی مُنہہ چڑھنی لگا "

نِیم قد اُٹھ اُٹھ کی یِہ سُنّی لگی " جا و بیجا سِر کی تَیِن دھُنّی لگی "

وہ سراپا جہل ناگہہ وقتِ کار " ہمسی تُمسی کرنی لاگا اِعتذار "

سِر مین رکھ کر دعوِی طبعِ لطِیف " مِیر و مِرزا کا ہُوا آخِر حرِیف "

کَیسی کَیسی یُون گئِین طبعین بہ باد " آفرِینِ شاگرد و رحمتِ اُستاد "

جب تلک یان تھِی تمیزِ زِشت و نیک " کاھی کو یُون شِعر کہتا تھا ہر ایک "

اَہلِ فن کی رہتی تھی سبکو تلاش " اُنکی ہان کرتی تھی جاکر بُود و باش "

جو کِہ خود سر رکھتی اُستادون سی عار " اُنکی تَیِن ہرگِز نہوتا اِعتبار "

زِندگی بلکہ اُنھون پر شاق تھِی " ہاتھ گر لگ جاتی تھی شلاق تھِی "

حکايت

شائقِ فنّ تها ءزيرِ اصفهان “ ايک دِن آيا هِلالِي اُسْکي يان “

حاجبانِ درسي هو آگاهِ کار “ کِي اِشارت تا اُسي دين گهر مين بار “

عِزّت و تعْظيم کِي حدّ سي زِياد “ پاس لي مسْند په بَيٹها شاد شاد “

اُنّي کهينْچِي اُسْکي مِرْزائِي بَهُت “ بَيٹهي بيٹهي رات جب آئِي بَهُت “

شِعْر کِي تقْريب لاکر درمْيان “ کرْني لاگا شاعِرِي کا اِمْتِحان “

شِعْر خوانِي کِي پڑها سو تها غلط “ سُنْتي هِي بهڑکا وُه شُعْلِي کِي نمط “

غُصّي هو بولا کِه هان فرّاش و چُوب “ کهينْچ لا ميدان مين کِي شلاقِ خُوب “

اِس قدْر مارا کِه بيدم هو گيا “ سُوج دست و پا هر اِک تهم هو گيا “

کهَينْچ کر ڈلْوا دِيا دربار مين “ يِهه خبر پهنْچِي جو هر بازار مين “

وارِث اُسْکي ليگئِي آ رات کو “ جب بخُود آيا تو پايا بات کو “

يعْنِي دسْتُورِ زمان دُشْمن نتها “ يا وُه کُچْهه نا آشْناي فنّ نه تها “

غالِبًا پايا غلط اشْعار کو “ خُوش نه آيا اُس کرم کِردار کو “

ور نه شيوه اُسکا هي لُطْف و کرم “ جايِزِي مين دي هَي دِينار و دِرم “

مُجْکو کيُون شلاق کرْتا اِتْني شب “ کاهيکو بد نام هوتا بي سبب “

پس مجهي هَي تربِيت اپْني ضرور “ جاکي بيٹهُون اِک سرامد کي حضُور “

صحبت اکثر رکھوں اس استاد سي “ شايد اسکي دولتِ ارشاد سي “

پہنچي اک رتبي کو ميري قيل و قال “ هو مجهي اس فن مين يک گونه کمال “

اٹھ کي آيا مولوي جامي کني “ مشق کي يک چند اس نامي کني “

جب هوا کچھ شعر کا رتبه بلند “ اور مولانا لگي کرني پسند “

پهر گيا اک دن در دستور پر “ حاجبِ درگاه ني کي جا خبر “

گاي امير اس روز کا شلاق خوار “ آج در اوپر هي پهر خواهانِ بار “

کي اشارت سد ره کوئي نهو “ قصد هي برخورد کا تو آني دو “

سامني آيا تو کي نيچي نظر “ دهوپ مين جلتا رها تو اک پهر “

بعد از آن ايماي ابرو کي که هان “ صحن هي مين سي هوا وه مدح خوان “

پهر وهين سي دي صله رخصت کيا “ اک مصاحب ني جگر کر کر کها “

اگلي صحبت کي تهي عزت اسقدر “ سو هوئي شلاق حد سي بيشتر “

ابکي اسکو جايزه دي کر گران “ تو ني فرمايا مرخص وان سي وان “

مين نه سمجها يهه که وه کيا تها يهه کيا “ در جواب اس برگزيده ني کها “

ايسي هي هوتي هين تضحيکِ سلف “ دست هو تو انگتين کريي تلف “

اسقدر اسکا تنبه تها ضرور “ تا که پهنچي يهه خبر نزديک و دور “

جو سني سو خود سري سي باز آئي “ تربيت هونيکو استادونکي جائي “

ورنه کرتا پوچ گوئي هر دبنگ " رفته رفته شاعري هو جاتي ننگ "

تب جو ہمين شلاق کي يهه خام تها " اب جو آيا لائِقِ اِنعام تها "

قِصه کوته تهي مُمَيِّز در مِيان " ننگ هي کِرم مزابل پر بهِي يان "

بي تمِيزي سي هَي رائِج ابتري " جِسکو ديکهو خود نمائِي خود سري "

ني بَيَان کا هَي سلِيقه ني زبان " اِسپر هي هر ايک سحبانِ بيَان "

بس قلم وقتِ زبان بازي نہين " چُپ کِه دَورانِ سُخن سازي نہين "

کَون حرفِ خُوب کو کرتا هَي گوش " بات کِي فہمِيد کا هَي کسکو هوش "

بي تمِيزون سي بهرا هَي سب جهان " هَي دِماغ حرف همکو بهِي کهان "

يِهه مثنوي اِنتخاب کِي گئِي هَي کُلّياتِ مِرزا محمّد رفِيع سَودا مين سي

مِرزا فاخِر مکِين کِي هجو مين

لوگ کهتي هَين کِه ايک شخص نقل کرتا تها کِه مِرزا فاخِر مکِين صاحِب اپني تئِين شيخ علِي حزين کِي برابر جانتي هين اَور سب وضع اُنکِي نِشست و برخاست کِي اِختيار کِي هَي بلکِه اپني تئِين فضل و کمال مين اُن سي بِهتر جانتي هَين اَور اُنکي اکثر اشعار پر اِصلاح کِي هَي چُنانچه يِهه مثنوي حسبِ حال مِرزا صاحِب کِي هي

ایکٔ نقل آئي هي مجهي اب یاد " سچ هو وہ یا کسیکا هو ایجاد "

ایکٔ ملا بعهدِ شاہِ جهان " نه تو عالِم تها وہ نه هیچ مدان "

بین بین اُسکو کچهه کچهه آتا تها " لڑکي مکتب مین وہ پڑهاتا تها "

بسکه تها وہ شعور سي معذور " لڑکي اُسّي تهي خرم و مسرور "

اُس سي دهشت کو تهي نه دِل مین راه " صحنِ مکتب تها اُنکي بازیگاه "

ایکٔ جو اُن مین تها فهیم و ذکي " مصلحت اُنّي لڑکون سي یون کي "

یارو هم کهیلي سو طرح کا کهیل " دیکهي هم ني سبهي وہ بیجا کهیل "

کهیل اب مین نیا نکالا هي " ساري کهیلون سي وہ نرالا هي "

لڑکي بولي که بهائي جي فرماو " کیا هي وہ کهیل تم همین بهي بتاو "

کها اُن ني که بادشاه و وزیر " لڑکي جو بنتي هین صغیر و کبیر "

اُس مین چندان تو یارو لطف نهین " کهیل اُس سي یهه خوبتر هي کهین "

میانجي کو کسي طرح بهلاو " ملکي شاہِ جهان سب اِنکو بناو "

هنسکي وہ بولي هوئي یهه کس طرح " کها اُنّي که تم سنو اِس طرح "

صبح مکتب مین پڑهني جو آوي " منهه میانجي کا تکٔ کي ره جاوي "

پوچهین جو کیا هي دیکهني کا سبب " کهي قدرت خدا کي دیکهون هون اب "

هو گئي شب مین آپ کي صورت " کچهه سي کچهه حق کي هي یهه کیا صنعت "

کیا کہوں مَیں کہ آج کَیسِي هَي " شکل شاهِ جہان کِي جَیسِي هَي "
بحرِ حَیرت میں هُوں یِہہ دیکھ کي غرق " سر مُو کُچھ رَها نہ باهم فرق "
پر یِہہ هَي شرط جاوي جو اُن پاس " کہي کہا کہا قسم بِلا وسواس "
تُم تو سمجھو هو اُنکي عقل و شُعُور " بنینگي جو بناؤگي بمرور "
مطلب اُنْي جو کُچھ کِہ ٹھہرائي " لڑکون سي بات سب وُہ بن آئي "
نَرَها اُسکو یِہہ بنا یہان تک " شکلِ شاهِ جہان هُون مَیں بي شک "
نہ کِہ ٹھہرا یِہہ اُسکي دِل میں خِیال " هوگا شاهِ جہان کا جب کِہ وِصال "
اُسکي ارکان نہ لاکي تابِ فِراق " میري دِیدار کي هو سب مُشتاق "
آوینگي دیکھني کو میري گھر " پس مِري واسطي هَي یِہہ بہتر "
کِہ مَیں پَیدا کرُوں وُہ خصلت و خو " خلق شاهِ جہان سمجھ مُجھکو "
کري مُجرا سلام اَور تسلیم " نکرُوں مَیں فِرشتي کِي تعظِیم "
غرض آفاق میں جِسي هو عقل " سمجھي اِنکي مُطابِق اب یِہہ نقل "
بني یِہہ شَیخ اپني یُوں بہ گُمان " جَیسي مُلّا بنا تھا شاهِ جہان "
شَیخ کي سي نہ بخت هَیں نہ کمال " شَیخ هونا اِنھیں هَي اَمرِ مُحال "

بعْضي خطّون کِي نقْلین نوِسْکهون کي فائِدي کي واسْطي

دوسْتون کي نوَازِش فرمْاني والي سلامت

شَوق مُلاقات کا اَیسا نہِین هَي جو لِکّهني کي قابِل هو خُدا کِي درْگاه مین رات دِن دُعا مانْگا کرْتا هُون کِه کوئي اَیسا سبب هو جِس سي جلْدِي خَیر و خُوبِي کي ساتْه دِیدار آپ کا مُیَسّر آئي جنابِعالِي سي توَقّع یُون هَي کِه همیشه مُلاقات کي حاصِل هوني تلک اِس دوسْتدار کو خطّ لِکْها کرین اَور جو کُچْه کام خِدْمت اِس مُلْک مین هو بي تکلُّف تحْرِیر فرْماوین کِه مَین اپْني سعادت جانْکر اُسْکو بجا لاؤن

حضْرت سلامت

مہِینون برْسون گُذر گیِي کِه آپ ني کوئِي خطّ مُجْهي نہِین لِکْها اِس لِیِي مَین حَیران تها کِه اِتنِي نامِہْربانِي کا سبب کیا هَي آخِر لوگون کِي زبانِي معْلُوم هُوا کِه بعْضي دُشْمنون ني کُچْه اِفْترا لگاکر آپ کي مِزاج کو پهیرا هَي خُدا شاهِد هَي کِه مَین ني کبْهي اَیسِي بات نہِین کہِي هَي تعجُّب هَي کِه آپ ني اَیسِي جهُوتْه بات کو باوَر کر لِیا اَور اِس قدِیم دوسْت کو دُشْمن تصَوُّر کِیا اُمّید وار هُون کِه

آپ ہِي اِس بات کا اِنْصاف کِیجِیٔي اَور دُشْمنون کِي باتون پر دوسْتون سي آزرْدہ نہوجِیٔي

خُداوَنْدِ نِعْمت سلامت

کَیٔي ہفْتي ہُؤي کِہ چار ہزار رُپَي اِس پرگني کي محْصُول کِي بابت شَیخ اِمام بَخْش جمْعدار کِي معْرِفت حُضُورِ پُر نُور مین بھیجي ہَین اَور ابْتک رسِید اُسْکِي حضُورِ فَیض گنْجُور سي اِس فِدْوِي کو نہِین پہُنْچِي اِس لِیٔي کمال تشْوِیش لاحِقِ حال ہَي اُمّید کِہ جلْدِي سي دو کلِمي مبْلغِ مذْکُور کِي رسِید مین اِرْقام فرْمائِي کِہ اِس خاکْسار کِي خاطِر جمْع ہو

میري مِہرْبان خُدا تُمْکو سلامت رکْھي

مُدّت کي بعْد تُمْہارا خطّ پہنْچا اَور اُسْکِي پڑھْني سي بڑِي خُوشِي حاصِل ہُؤي شَیخ اِمام بخْش کِي تقْصِیر مُعاف کرْني کي لِیٔي جو کُچْھ کِہ تُمْني لِکْھا تھا معْلُوم ہُوا اگرْچِہ شَیخ مذْکُور واجِبُ الْقتْل ہَي اَور خِیانتین اُسْکِي بَیان سي باہر بہُت سا رُپْیا پرگنون کِي آمدْنِي مین سي تصرُّف کِیا ہَي پر از بسْکِہ تُمْہارِي خاطِر عزِیز تھِي تقْصِیر اُسْکِي مُعاف کرْني مین آئِي

غریب نواز سلامت

کل بسبب بارش کي مین حضورِ عالي مین پہنچ نه سکا اَور آج مجھي کچھ ضرور کام در پیش هَي اَور کل بھي فرصت نه هوگي کیون کہ مجھي کسي دوست کي یہان جانا هَي اُمید وار هون که یہه دو دِن مجھي معاف رکھیگا اِنشاءَ آللہ تعالي پرسون خواہ مخواہ حاضر هونگا

زیادہ حدِّ ادب

بندہ پرور سلامت

آپ کا عِنایت نامه مصحوب محمّد خان کي پہنچا جو کچھ خانِ مذکور کي سپارش مین اِرقام هُوا هَي سو مفصّل اِس حقیر کو معلوم هُوا فِي آلواقِع خانصاحبِ موصوف نہایت مرد دانا اَور صاحبِ کمال هین فدوي اِنکي ملاقات سي کمال محظوظ هُوا اِس شہر مین کِسي شخص سي فِدوي کو اِتني اُنس و محبت نہین هَي جتني اِن دو تین هفتي کي عرصي مین اِن سي هوئي هَي اکثر همارِي اِنکي چرچا عِلمِ ریاضي کا رهتا هَي اَور هر روز باهم تیر اندازي کي مشق کِیا کرتي هین اِنشاءَ آللہ تعالي یہه خاکسار اپني مقدور بھر اِنکي مقدمي مین قصور نہین کرني کا جان و دِل سي اِنکي خِدمت کریگا

بندہ نواز سلامت

حقیر تراب بیگ کورنشین بجا لاکر گذارش کرتا هي که ان دنون اس شهر مین ایک بڑا سا باغ جس مین طرح طرح کي پهول جیسي گلاب یاسمین نرگس گیندا چنپا شب بو بیلا اور بهانت بهانت کي میوي جیسي سیب ناشپاتي بہي انار انگور شفتالو پهولتي اور پهلتي هین بکاو هي اگر آپ کو خریدنا اسکا منظور هو تو لکھ بهیجیي که فدوي اسکي مالک سي قیمت اسکي فیصل کرکر حضور عالي مین اطلاع کري

حضرت خداوند نعمت مد ظله

آپ کي شقي ني شرف وصول ارزاني فرمایا اور اس فدوي کو سرفراز کیا ایک پخته حویلي جو دریا کي کناري پر بنانی کي لیي حکم هوا هي سو بندهٔ درگاه ني نوازش نامهٔ عالي کي پهنچتي هي راج مزدور بڑهیي لهار سنگتراش اور چونا سرخي اینٹ پتهر و غیره لوازم و ضروریات کي لاني اور تیار کرني کي واسطي جهان تهان لوگ مقرر کیي انشاء الله تعالی تهوڑي دنون مین حویلي مذکور بن کر تیار هوگي زیاده حد ادب